



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 19—मई 25, 2007 (वैशाख 29, 1929)

No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 19—MAY 25, 2007 (VAISAKHA 29, 1929)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक
गैर-बैंकिंग पर्यावरण विभाग
केन्द्रीय कार्यालय

गुंबद-400005, दिल्ली 22 फरवरी 2007

सं. डीएनबीएस.192/दीजी (बीएल)-2007—भारतीय रिजर्व बैंक, जनता के हित में यह आवश्यक समझकर, और इस बात से संतुष्ट होकर कि देश के हित में श्रूत प्रणाली को विनियमित करने के लिए, यौथः यो समर्थ बनाने के प्रयोजन से नीचे दिए गए विवेक पूर्ण मानदण्डों से संबंधित निदेश जारी करना जरूरी है, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 अक द्वाय प्रदत्त शक्तियों और इसकी ओर से प्राप्त समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा 31 जनवरी, 1998 की अधिसूचना सं. डीएफसी.119/दीजी (एसपीटी)/98 में दिए गए, गैर-बैंकिंग वित्तीय कार्यालय कम्पनी विवेकपूर्ण मानदण्ड (रिजर्व बैंक) निदेश 1998 का अधिकारपत्र का तूष्णी सार्वजनिक जमाराशियां स्वीकार/धारण करने वाली प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कार्यालयी (अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कम्पनी को छोड़कर) तथा प्रत्येक अ.स.स.ट गैर-बैंकिंग कम्पनी को इसके परचात् विरिद्धि निदेश देता है।

संक्षिप्त नाम, निदेशों का प्रारंभ और उनकी प्रयोग्यता

1. (1) इन निदेशों को “गैर-बैंकिंग वित्तीय (जमाराशियां स्वीकार या धारण) कम्पनी विवेकपूर्ण मानदण्ड (रिजर्व बैंक) निदेश, 2007” के नाम से जाना जाएगा।

(2) ये निदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

(3) (i) इन निदेशों के प्रावधान, निम्नलिखित पर लागू होंगे—

- (क) कोई गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी किसी पारस्परिक वितालाभ वित्तीय कम्पनी [और पारस्परिक हित लाभ कम्पनी] को छोड़कर, गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी जनता की जमाराशियां स्वीकार्यता (रिजर्व बैंक) निदेश, 1998 में यथापरिभासित और जनता से जमाराशियां स्वीकार/धारित करती है;
- (ख) अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कम्पनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1987 में यथापरिभासित कोई अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कम्पनी।

(ii) ये निदेश कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 617 में यथापरिभाषित उस गैर-बैंकिंग विनीय कंपनी पर लागू नहीं होगे जो एक सरकारी कंपनी है और सार्वजनिक जामारांश स्वीकार/धारण करती है।

परिभाषा

2. (1) इन निदेशों के प्रयोजन के लिए, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो-
 - (i) "विबटित मूल्य(break-up value)" का अर्थ है ईक्विटी पूँजी तथा आरक्षित निधि, जिसे अमूर्त परिसंपत्तियों एवं पुनर्मूल्यांकित आरक्षित निधि से /के रूप में घटाया गया है, व निवेशित (इनवेस्टी) कंपनी के ईक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित किया गया है;
 - (ii) "वहन लागत(carrying cost)" का अर्थ है परिसंपत्तियों का वही मूल्य और उस पर उपचित व्याज कितू जो प्राप्त न हुआ हो;
 - (iii) "वर्तमान निवेश(current investment)" का अर्थ है ऐसा निवेश जिसे तुरंत भुनाया जा सके और निवेश करने की तारीख से एक वर्ष से अधिक अवधि तक धारित न किए जाने के लिए हो;
 - (iv) "संदिग्ध परिसंपत्तियों" का अर्थ है -
 - (क) मीयादी ऋण, अथवा
 - (ख) पड़ा यरिसंपत्ति, अथवा
 - (ग) किराया खरीद यरिसंपत्ति, अथवा
 - (घ) कोई अन्य यरिसंपत्ति,

जो 18 महीने से अधिक अवधि तक अवमानक यरिसंपत्ति बनी रही हो;
 - (v) "अर्जन मूल्य" का अर्थ है ईक्विटी शेयरों का वह मूल्य जिसकी गणना करने के बाद करोत्तर लाभों के औसत तथा अधिमानी लाभांश को घटाते हुए तथा असाधारण एवं गैर-आवर्ती मदों को भमायोजित करते हुए तत्काल पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए की गई हो और उसे निवेशित कंपनी के ईक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित किया गया हो तथा जिसे निम्नलिखित दर पर पूँजीकृत किया गया हो:

(क) प्रभुखतः विनिर्माण कंपनी के मामले में, आठ प्रतिशत।

- (ख) प्रमुखतः व्यापार कंपनी के मामले में, दस प्रतिशत; और
 (ग) एनबीएफसी-सहित किसी अन्य कंपनी के मामले में, बारह प्रतिशत;

टिप्पणी :

यदि निवेशिती कंपनी घाटे वाली कंपनी है तो अर्जन मूल्य शून्य पर लिया जाएगा;

- (vi) "उचित मूल्य" का अर्थ है अर्जन मूल्य और विधिटित मूल्य का औसत;
- (vii) "संमिश्र ऋण(hybrid debt)" का अर्थ है ऐसा पूंजीगत लिखत जिसमें ईकिवटी तथा ऋण की कातिपय विशेषताएं हों;
- (viii) 'मूलभूत संरचना ऋण' का अर्थ है एनबीएफसी द्वारा उधारकर्ता को दी गई ऐसी ऋण सुविधा जो मीयादी ऋण, परियोजना ऋणस्वरूप किसी परियोजना वित्त पैकेज के हिस्से के रूप में अर्जित किसी परियोजना कंपनी के बाण्ड/डिबेंचर/अधिभानी शेयर/ईकिवटी शेयर में अभिदान हो और अभिदान की यह रकम "आग्रिम के रूप में" हो अथवा निम्नलिखित गतिविधियों में संलग्न किसी उधारकर्ता कंपनी को दी गई किसी अन्य प्रकार की दीर्घावधि निधिक सुविधा हो:

- * विकास कार्य अथवा
- * परिचालन एवं परिरक्षण, अथवा
- * विकास, परिचालन एवं परिरक्षण

ऐसी कोई मूलभूत संरचना सुविधा जो निम्नलिखित क्षेत्र की कोई परियोजना हो:

- क) सड़क, पथकर सड़क-सहित, पुल अथवा रेल प्रणाली;
- ख) महामार्ग परियोजना जिसमें महामार्ग परियोजना की अभिन्न अंगवाली अन्य गतिविधियां भी शामिल हैं;
- ग) बंदरगाह, हवाई अड्डा, अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग अथवा अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह;
- घ) जल आपूर्ति परियोजना, सिंचाई परियोजना, जल शुद्धिकरण प्रणाली, सफाई एवं मलजल प्रणाली अथवा ठोस कचरा वस्तुओं के प्रबंधन की प्रणाली;
- ङ) मूलभूत(basic) या सेल्यूलर दूरसंचार सेवाएं, साथ ही रेडियो पेजिंग, घरेलू उपग्रह सेवा (अर्थात् दूरसंचार सेवा उपलब्ध कराने हेतु ऐसा उपग्रह जिसका

स्वामित्व एवं परिचालन भारतीय कंपनी के पास हो), ट्रकिंग का नेटवर्क, ब्राइडैड नेटवर्क तथा इंटरनेट सेवाएँ;

- च) औद्योगिक क्षेत्र अथवा विशेष आर्थिक क्षेत्र;
- छ) बिजली उत्पादन अथवा बिजली उत्पादन एवं वितरण;
- ज) नई प्रेषण या वितरण लाइनों के नेटवर्क लगाकर बिजली का प्रेषण या वितरण;
- झ) कृषि-प्रसंस्करण तथा कृषि निविष्टि आपूर्ति वाली परियोजनाओं से संबंधित निर्माण;
- ञ) प्रसंस्कृत कृषि-उत्पाद, खराक हो जानेवाली वस्तुओं जैसे फल, सब्जी तथा फूल के व्यारक्षण एवं भंडारण हेतु निर्माण, इसमें गुणवत्ता की जांच सुविधा भी शामिल है;
- ट) शिक्षा संस्थाओं एवं अस्पतालों का निर्माण; और
- ठ) समान प्रकृति की कोई अन्य मूलभूत संरचना सुविधा

(ix) "हानि वाली परिसंपत्ति" का अर्थ है:

- (क) ऐसी परिसंपत्ति जिसे एनबीएफसी द्वारा अथवा उसके आंतरिक या बाह्य लेखा-परीक्षकों द्वारा अथवा एनबीएफसी के निरीक्षण के गीरान रिजर्व बैंक द्वारा हानि वाली परिसंपत्ति के रूप में उस सीमा तक पहचाना गया है जिस सीमा तक एनबीएफसी द्वारा बड़े खाते नहीं ढाला गया है; और
- (ख) ऐसी परिसंपत्ति जो प्रतिभूति मूल्य में या तो क्षरण के कारण अथवा प्रतिभूति की अनुपलब्धता अथवा उधारकर्ता के धोखाधड़ीपूर्ण कृत्य या चूक के कारण बसूल न हो पाने की संभावित खतरे से(विपरीत रूप से) प्रभावित हो;
- (x) "दीर्घवारी निवेश" का अर्थ है वर्तमान निवेश से इतर निवेश;
- (xi) "निवल परिसंपत्ति मूल्य" का अर्थ है किसी खास योजना के संबंध में संबंधित म्युचुअल फंड द्वारा घोषित अद्यतन निवल परिसंपत्ति मूल्य;
- (xii) "निवल बही मूल्य" का अर्थ है :
- (क) किराया खरीद परिसंपत्ति के मामले में, अतिदेयों तथा प्राप्य आवी किस्तों की कुल राशि, जिनमें से अपरिपक्व वित्त प्रभारों की रकम घटाई गई हो तथा इन मिट्टेशों के पैराग्राफ 9(2)(i) के प्रावधानों के अनुसार आगे और घटाई गई हो;

- (ख) पट्टाकृत परिसंपत्ति के मामले में, ग्राम्य राशि के रूप में लेखाकृत पट्टे के अतिदेय किरायों के पूँजीकृत अंश की कुल रकम और पट्टे की परिसंपत्ति का मूल्यहासित बही मूल्य जिसे पट्टा समायोजन खाते की रकम में समायोजित किया गया है।
- (xiii) ‘अनर्जक परिसंपत्ति’ (इन निदेशों में “एनपीए” नाम से संदर्भित) का अर्थ है:
- (क) ऐसी परिसंपत्ति जिस पर ब्याज छह या उससे अधिक महीने से अतिदेय हो;
 - (ख) अदत्त ब्याज-सहित ऐसा मीयादी ऋण, जिसकी किस्त छह या उससे अधिक महीने से बकाया हो अथवा जिस पर ब्याज की रकम छह या उससे अधिक महीने से अतिदेय हो;
 - (ग) ऐसा मांग अथवा सूचना ऋण, जो मांग या सूचना की तारीख से छह महीने या उससे अधिक समय से अतिदेय हो अथवा जिस पर ब्याज की रकम छह महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो;
 - (घ) ऐसा बिल जो छह महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो;
 - (ङ) अल्पावधि ऋण/अग्रिम के रूप में ‘अन्य चालू परिसंपत्तियां’ शीर्ष के अंतर्गत कर्ज से संबंधित ब्याज अथवा ग्राम्य राशि से होने वाली आय, जो छह महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो;
 - (च) परिसंपत्तियों की बिक्री या दी गई सेवाओं के लिए अथवा किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति से संबंधित कोई बकाया, जो छह महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो;
 - (छ) पट्टा किराया और किराया खरीद किस्त, जो 12 महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो गई हो;
 - (ज) ऋणों, अग्रिमों और अन्य ऋण सुविधाओं के संबंध में (खरीदे और भुनाए गए बिलों-सहित), एक ही उधारकर्ता/लाभार्थी को उपलब्ध करायी गयी ऋण सुविधाओं (उपचित ब्याज-सहित) के अंतर्गत शेष बकाया राशि जब उक्त ऋण सुविधाओं में से कोई एक अनर्जक परिसंपत्ति बन जाए:

बशर्ते पट्टा और किराया खरीद लेनदेन के मामले में, एनपीएफसी ऐसे प्रत्येक खाते को उसकी वसूली स्थिति के आधार पर वर्गीकृत करें;

- (xiv) "स्वाधिकृत निधि" से तात्पर्य है चुकता ईक्विटी पूँजी, अधिमानी शेयर जो अनिवार्यतः ईक्विटी में परिवर्तनीय हों, मुक्त आरक्षित निधियां, शेयर प्रेमियम खाते में शेष और पूँजीगत आरक्षित निधि जो परिसंपत्ति के बिक्री आगमों से होनेवाले अधिशेष को दर्शाती है, परिसंपत्ति के पुनर्मूल्यांकन द्वारा सूजित अरक्षित निधियों को छोड़कर, संचित हानि राशि, अमूर्त परिसंपत्तियों का बही मूल्य और आस्थागित राजस्व व्यय को यथा घटाकर, यदि कोई हो;
- (xv) "मानक परिसंपत्ति" का अर्थ ऐसी परिसंपत्ति है जिसकी चुकौती या मूल रकम या ब्याज के भुगतान में कोई चूक न हुई हो और जिसमें किसी प्रकार की समस्या न हो और न ही उस कारोबार के सामान्य जोखिम से अधिक जोखिम हो;
- (xvi) "अवमानक परिसंपत्ति" का अर्थ है:
- (क) ऐसी परिसंपत्ति जिसे अधिक-से-अधिक 18 महीने की अवधि के लिए अनर्जिक परिसंपत्ति के रूप में घोषित किया गया हो;
 - (ख) ऐसी परिसंपत्ति जिसके ब्याज और/अथवा मूलधन से संबंधित करार की शर्तों का परिचालन शुरू होने के बाद पुनः सौदाकृत अथवा पुनर्निर्धारित अथवा पुनर्संरचनाकृत शर्तों के अंतर्गत संतोषजनक निष्पादन के एक वर्ष की समाप्ति तक पुनः सौदा किया गया हो अथवा शर्तें पुनर्निर्धारित अथवा शर्तों की पुनर्संरचना की गई हो;
- बशर्तें अवमानक परिसंपत्ति के रूप में मूलसंरचना ऋण का वर्गीकरण इन नियमों के वैराग्राम 23 के प्रावधानों के अनुसार होगा:
- (xvii) "गौण ऋण" का अर्थ है पूर्णतः चुकता लिखत, जो गैर-जमानती होता है और अन्य ऋणदाता के दावों के अधीन होता है और प्रतिबंधित खण्डों से मुक्त होता है और धारक के अनुरोध पर अथवा एनबीएफसी के पर्यनेशी प्राधिकारी की सहमति के बिना विमोच्य नहीं होता है। ऐसे लिखत का बही मूल्य निम्नानुसार युनर्भुनाई के अधीन होगा:

<u>लिखतों की शेष परिपक्वता अवधि</u>	<u>बढ़ा दर</u>
(क) एक वर्ष तक	100%
(ख) एक वर्ष से अधिक किंतु दो वर्ष तक	80%
(ग) दो वर्ष से अधिक किंतु तीन वर्ष तक	60%

(घ) तीन वर्ष से अधिक किंतु चार वर्ष तक 40%

(ड) चार वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष तक 20%

ऐसी भुनाई का मूल्य टियर-I पूंजी के पचास प्रतिशत से अधिक न हो;

(xviii) "पर्याप्त हित" का अर्थ है किसी व्यक्ति अथवा उसके पति-पत्नी अथवा अवयस्क बच्चे द्वारा एकल या सामूहिक रूप से किसी कंपनी के शेयरों में लाभभोगी हित धारिता जिस पर अदा की गई रकम कंपनी की चुकता पूंजी अथवा भागीदारी फर्म के सभी भागीधारों द्वारा अभिदत्त पूंजी के दस प्रतिशत से अधिक है;

(xix) "टियर-I पूंजी" का अर्थ ऐसी स्वाधिकृत निधि से है जिसमें से अन्य एनबीएफसी के शेयरों और शेयरों, डिबेंचरों, बाण्डों, बकाया ऋणों और अपिमों में, जिनमें किराया खरीद तथा किए गए पड़वा वित्तपोषण एवं सहायक कंपनियों तथा उसी समूह की कंपनियों में रखी जमाराशियां शामिल हैं, स्वाधिकृत निधि के दस प्रतिशत से अधिक निवेश, सकल रूप में, घटाया गया है;

(xx) "टियर-II पूंजी" में निम्नलिखित शामिल हैं:

(क) उनसे इतर अधिमानी शेयर जो ईक्विटी में अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय है;

(ख) 55 प्रतिशत की भुनाई / बटी दर पर पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि;

(ग) सामान्य प्रावधान एवं उस सीमा तक हानि आरक्षित निधि जो किसी विशिष्ट परिसंपत्ति के मूल्य में वास्तविक कमी अथवा उसमें ज्ञातव्य संभावित हानि के कारण नहीं है और ये अप्रत्याशित हानि की पूर्ति के लिए जोखिम भारित परिसंपत्तियों के एक और एक चौथाई प्रतिशत की सीमा तक उपलब्ध रहती है;

(घ) समिश्र (हाइब्रिड) ऋण पूंजी लिखत; और

(ड) गौण ऋण

जिसकी सीमा सकल राशि, टियर-I पूंजी से अधिक न हो।

(2) इसमें प्रयुक्त अन्य शब्द अथवा अभिव्यक्तियों, जो यहां परिभाषित नहीं हैं और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) अथवा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी सार्वजनिक जमाराशि स्वीकार्यता (रिजर्व बैंक) निवेश, 1998 अथवा अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निवेश, 1987 में परिभाषित की गई हैं, का अर्थ वही होगा जो उक्त

अधिनियम अथवा उक्त निवेशों में है। कोई अन्य शब्द अथवा अभिव्यक्ति, जो उक्त अधिनियम या उन निवेशों में परिभाषित नहीं है, का बही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में उसे अभिप्रेत है।

आय निर्धारण

3. (1) आय निर्धारण मान्यताप्राप्त लेखा सिद्धांतों पर आधारित होगा।
 - (2) ब्याज/बट्टा-सहित आय अथवा एनपीए पर किसी अन्य प्रभार को गणना में तभी लिया जाएगा जब वह वास्तव में प्राप्त हो गया हो। ऐसी कोई भी आय जिसकी गणना परिसंपत्ति के अनर्जक बनने से पहले कर ली गई हो और वसूली न गई हो, तो उसे उसमें से घटा (रिवर्स कर) दिया जाएगा।
 - (3) किराया खरीद परिसंपत्तियों के संबंध में, जहाँ किस्त 12 महीने से अधिक समय से अतिदेय है, आय के रूप में उनकी गणना तभी की जाएगी जब किराया प्रभार वास्तव में प्राप्त हो जाए। ऐसी कोई भी आय जिसे परिसंपत्ति के अनर्जक बनने से पूर्व लाभ और हानि खाता में जमा के रूप में ले लिया गया है और जिसकी वसूली नहीं हुई है, उसे पलट (रिवर्स कर) दिया जाएगा।
 - (4) पट्टा वाली परिसंपत्तियों के संबंध में, जहाँ पट्टा किराया 12 महीने से अधिक समय तक अतिदेय हो, आय के रूप में उनकी गणना तभी की जाएगी जब पट्टा किराया वास्तव में प्राप्त हो गए हों। पट्टा किराया की वह निवल राशि जो परिसंपत्ति के गैर-निष्पादक होने से पूर्व लाभ और हानि खाते में ले ली गई है और जिसकी वसूली नहीं हुई है, पलट (रिवर्स कर) दी जाएगी।

स्पष्टीकरण

इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए, 'निवल पट्टा किराया' का अर्थ है सकल पट्टा किराया जो लाभ-हानि खाते में नामे/जमा, पट्टा समायोजन खाते से समायोजित किया गया हो और कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की अनुसूची XIV के अंतर्गत लागू दर पर मूल्यहास के रूप में घटाया गया हो।

निवेशों से प्राप्त आय

4. (1) कंपनी निकायों के शेयरों और पारस्परिक निधियों की यूनिटों के लाभांश से होने वाली आय की गणना नकदी के आधार पर की जाएगी;

बशर्ते कंपनी निकाय द्वारा उसकी वार्षिक आम बैठक में इस प्रकार के लाभांश घोषित किए जाने पर कंपनी निकायों के शेयरों पर लाभांश से होने वाली आय की गणना उपचय के आधार पर की जाए और एनबीएफसी का भुगतान प्राप्त करने से संबंधित अधिकार स्थापित हो जाए।

(2) कंपनी निकायों के बाण्डों एवं डिबेंचरों तथा सरकारी प्रतिभूतियों/बाण्डों से होने वाली आय की गणना उपचय के आधार पर की जाए:

बशर्ते इन लिखतों पर ब्याज दर पूर्व-निर्धारित हो और ब्याज का भुगतान नियमित रूप से हो रहा हो और वह बकाया न हो।

(3) कंपनी निकायों अथवा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की प्रतिभूतियों से होने वाली आय, ब्याज भुगतान और मूलधन की चुकौती जो केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा गारंटीकृत हो, उसकी गणना उपचय के आधार पर की जाए।

लेखांकन मानक

5. भारतीय सनदी लेखांकन संस्थान (इन निदेशों में "आइसीएजेआई" नाम से उल्लिखित) द्वारा जारी लेखांकन मानक और मार्गदर्शी नोट का पालन उस सीमा तक किया जाएगा जहाँ तक वे इन निदेशों से बेमेल न हों।

निवेशों का लेखांकन

6. (1)(क) प्रत्येक एनबीएफसी का निदेशक मण्डल अपनी नीति तैयार करेगा और उसे कार्यान्वित करेगा;

(ख) इस निवेश नीति में कंपनी का मण्डल निवेश को चालू तथा दीर्घावधि निवेश में वर्गीकृत करने से संबंधित मानदण्ड का उल्लेख करेगा;

(ग) प्रत्येक निवेश करते समय प्रतिभूतियों में किए गए निवेशों को चालू एवं दीर्घावधि में वर्गीकृत किया जाएगा;

(घ) (i) तदर्थ आधार पर कोई अंतर-श्रेणी अंतरण नहीं किया जाएगा;

(ii) आवश्यक होने पर, मण्डल के अनुमोदन से 'अंतर-श्रेणी' अंतरण प्रत्येक छमाही के प्रारंभ में ही पहली अप्रैल अथवा पहली अक्टूबर को किया जाएगा;

(iii) निवेश को चालू से दीर्घावधि एवं दीर्घावधि से चालू श्रेणी में बही मूल्य पर अथवा जाजार मूल्य पर जो भी कम हो, शेयरकार अंतरित किया जाएगा;

(iv) यदि कोई मूल्यहास है, तो प्रत्येक शेयर में उसके लिए पूरा प्रावधान किया जाएगा और यदि कोई मूल्यवृद्धि होती है तो उसे नजरअंदाज किया जाएगा;

(v) अंतर-श्रेणी अंतरण के समय, यहां तक कि एक ही श्रेणी के शेयरों के मामले में भी किसी शेयर का मूल्यहास अन्य शेयर की मूल्यवृद्धि के साथ समायोजित नहीं किया जाएगा.

(2) मूल्यांकन के उद्देश्य से उद्धृत चालू निवेशों को निम्नलिखित श्रेणियों के समूह में रखा जाएगा, अर्थात्

- (क) ईक्विटी शेयर,
- (ख) अधिमानी शेयर,
- (ग) डिबेंचर और बाण्ड,
- (घ) खजाना बिलों सहित सरकारी प्रतिभूतियां,
- (ड) पारस्परिक निधियों की यूनिटें, और
- (च) अन्य।

प्रत्येक श्रेणी हेतु उद्धृत चालू निवेश का मूल्यांकन लागत अथवा बाजार मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाएगा। इस प्रयोजन से, प्रत्येक श्रेणी का निवेश शेयर-वार देखा जाएगा और प्रत्येक श्रेणी के सभी निवेशों को लागत एवं बाजार मूल्य को एकीकृत किया जाएगा। यदि श्रेणी विशेष का सकल बाजार मूल्य उस श्रेणी की सकल लागत से कम है, तो निवल मूल्यहास के लिए प्रावधान किया जाएगा अथवा लाभ-हानि खाते में उसे प्रभारित किया जाएगा। यदि श्रेणी निवेश का सकल बाजार मूल्य उस श्रेणी की सकल लागत से अधिक है, तो निवल वृद्धि को नजरअंदाज किया जाएगा। एक श्रेणी के निवेश के मूल्यहास को अन्य श्रेणी की मूल्यवृद्धि के साथ समायोजित नहीं किया जाएगा।

(3) चालू निवेशों के रूप में अनुदृत ईक्विटी शेयरों का मूल्यांकन लागत अथवा अलग-अलग मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाएगा। एनबीएफसी, आवश्यक समझने पर, शेयरों के अलग-अलग मूल्य के स्थान पर उचित मूल्य रख सकती हैं। जहां निवेश प्राप्त कंपनी के पिछले दो वर्ष के तुलनपत्र उपलब्ध नहीं हैं, वहां ऐसे शेयरों का मूल्यांकन एक रूपए मात्र पर किया जाएगा।

- (4) चालू निवेशों की प्रकृति के अनुदृत अधिमानी शेयरों का मूल्यांकन लागत अथवा अंकित मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाएगा।
- (5) अनुदृत सरकारी प्रतिभूतियों या सरकारी गारंटीकृत बाण्डों में निवेशों का मूल्यांकन वहन लागत पर किया जाएगा।
- (6) पारस्परिक निधि की यूनिटों में चालू स्वरूप के अनुदृत निवेशों का मूल्यांकन पारस्परिक निधि द्वारा प्रत्येक विशेष योजना के संबंध में घोषित निवल परिसंपत्ति मूल्य पर किया जाएगा।
- (7) वाणिज्यिक पत्रों का मूल्यांकन वहन लागत पर किया जाएगा।
- (8) दीघावधि निवेश का मूल्यांकन आइसीएआइ द्वारा जारी लेखा मानक द्वारा किया जाएगा।

टिप्पणी : आय निर्धारण और परिसंपत्ति वर्गीकरण के प्रयोजन से अनुदृत डिबेंचरों को मीयादी ऋण के रूप में अथवा अन्य ऋण सुविधाओं के रूप में माना जाएगा जो इस प्रकार के डिबेंचरों की अवधि पर निर्भर करेगा।

मांग/सूचना ऋण से संबंधित नीति की आवश्यकता

7. (1) मांग/सूचना ऋण दे रही/देने का इरादा रखने वाली प्रत्येक एनबीएफसी के निदेशक मण्डल को कंपनी के लिए एक नीति तैयार करनी होगी और उसे कार्यान्वित करना होगा;
- (2) इस नीति में, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित शर्तों का निर्धारण किया जाएगा:
 - (i) एक अंतिम तारीख जिसके भीतर मांग अथवा सूचना ऋण की उकौती की मांग की जा सकेगी या सूचना भेजी जा सकेगी;
 - (ii) मांग अथवा सूचना ऋण की मंजूरी देते समय, यदि ऐसे ऋणों को वापस मांगने अथवा वापसी की सूचना देने हेतु अंतिम तारीख ऋण की मंजूरी की तारीख से एक वर्ष बाद की निर्धारित की गई है तो मंजूरी देने वाला अधिकारी लिखित रूप में उसके विशेष कारणों का उल्लेख करेगा;
 - (iii) ब्याज की दर जो ऐसे ऋणों पर देय होगी;
 - (iv) इन ऋणों पर यथानिर्धारित ब्याज या तो मासिक अथवा तिमाही अंतराल पर देय होगा;

- (v) मांग अधिका सूचना ऋण मंजूर करते समय, यदि कोई व्याप्र निर्धारित नहीं किया गया है अधिका यदि किसी अवधि के लिए ऋण स्थगन (मोरेटोरियम) किया गया है तो मंजूरी देने वाला अधिकारी उसके विशेष कारणों का उल्लेख करेगा;
- (vi) ऋण के निष्पादन की समीक्षा हेतु एक अंतिम लारीख का निर्धारण, जो ऋण मंजूरी की लारीख से छह महीने से अधिक न हो;
- (vii) इन मांग अधिका सूचना ऋणों को तब तक नवीकृत नहीं किया जाएगा जब तक आवधिक समीक्षा से यह पता न चले कि मंजूरी की शर्तों का संतोषजनक अनुपालन किया जा रहा है।

परिसंपत्ति वर्गीकरण

8. (1) प्रत्येक एनबीएफसी, रपष्ट रूप से परिभाषित ऋण कमज़ोरियों (क्रेडिट बीकेनेस) की डिग्री एवं वसूली हेतु संपादिक जमानत पर निर्भरता की सीमा को ध्यान में रखते हुए, पट्टा/किराया खरीद परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिमो तथा किसी अन्य प्रकार के ऋण को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत करें, अर्थात् :

- (i) मानक परिसंपत्तियां,
- (ii) अवमानक परिसंपत्तियां,
- (iii) संदिग्ध परिसंपत्तियां, और
- (iv) हानि वाली परिसंपत्तियां,

(2) उपर्युक्त परिसंपत्तियों की श्रेणी मात्र पुनर्निर्धारण किए जाने के कारण पदोन्नत नहीं की जाएगी, जब तक परिसंपत्तियां अनर्जक पदोन्नति के लिए अपेक्षित शर्तें पूरा नहीं करतीं।

प्रावधानीकरण अपेक्षा

9. प्रत्येक एनबीएफसी, किसी खाते के अनर्जक होते जाने, उसके अनर्जक हो जाने के बीच सगाने वाले समय, जमानत राशि की वसूली तथा उस समय में प्रभारित जमानती राशि के मूल्य में हुए क्षरण को ध्यान में रखकर अवमानक, संदिग्ध और हानि वाली परिसंपत्तियों के लिए निम्नानुसार प्रावधान करेंगी :

**खरीदे और भुनाए गए बिलों-सहित
ऋण, अग्रिम और अन्य ऋण सुविधाएँ**

(1) खरीदे और भुनाए गए बिलों-सहित ऋणों, अग्रिमों और अन्य ऋण सुविधाओं के संबंध में निम्नानुसार प्रावधान किया जाएगा:

(i) हानिवाली परिसंपत्तियाँ

समस्त परिसंपत्ति बड़े खाते डाली जाएगी। यदि किसी कारण से परिसंपत्तियों को बहियों में बने रहने दिया जाता है, तो बकाया के लिए 100% प्रावधान किया जाए;

(ii) संदिग्ध परिसंपत्तियाँ

(क) अग्रिम के उस भाग के लिए 100 प्रतिशत प्रावधान किया जाएगा जो उस जमानत के वसूलीयोग्य मूल्य से पूरा नहीं होता है जिसका एनबीएफसी के पास वैध आश्रय है। वसूली योग्य मूल्य का आकलन वास्तविक आधार पर किया जाना है;

(ख) उपर्युक्त मद (क) के साथ-साथ, परिसंपत्ति के संदिग्ध बने रहने की अवधि को देखते हुए जमानती भाग के 20% से 50% तक के लिए (अर्थात् बकाया का आकलित वसूली योग्य मूल्य) निम्नलिखित आधार पर प्रावधान किया जाएगा:

**जिस अवधि तक परिसंपत्ति को
संदिग्ध माना गया**

प्रावधान का प्रतिशत

एक वर्ष तक	20
एक से तीन वर्ष तक	30
तीन वर्ष से अधिक	50

(iii) अवमानक परिसंपत्तियाँ

कुल बेकाया के 10% का सामान्य प्रावधान किया जाएगा।

पट्टा और किराया खरीद परिसंपत्तियां

(2) किराया खरीद और पट्टेवाली परिसंपत्तियों के संबंध में निम्नानुसार प्रावधान किया जाएगा:

किराया खरीद परिसंपत्तियां

- (i) किराया खरीद परिसंपत्तियों के संबंध में, कुल बकाया (आतिदेय और भविष्य की किस्तों को मिलाकर) को निम्नानुसार घटाकर प्रावधान किया जाएगा:
 - (क) लाभ-हानि खाता में वित्त प्रभार जमा नहीं करके और अपरिपक्व वित्त प्रभार के रूप में आगे ले जा करके; तथा
 - (ख) विचाराधीन (प्रतिभूतिगत) परिसंपत्ति के हासिल मूल्य से।

स्वच्छीकरण

इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए:

- (1) परिसंपत्ति के हासिल मूल्य की गणना आनुमानिक (नोणनत) आधार पर परिसंपत्ति की मूल लागत में सीधे क्रम पद्धति (स्ट्रेट लाइन मेथड) से 20 प्रतिशत प्रतिवर्ष मूल्यहास की दर से घटाकर की जाएगी; और
- (2) पुरानी परिसंपत्तियों के मामले में, मूल लागत वह लागत होगी जो उस परिसंपत्ति को प्राप्त करने के लिए व्यय की गई वास्तविक लागत होगी।

किराया खरीद और पट्टाकृत परिसंपत्तियों हेतु अतिरिक्त प्रावधान

- (ii) किराया खरीद और पट्टाकृत परिसंपत्तियों के मामले में, अतिरिक्त प्रावधान निम्नानुसार किया जाएगा:
 - (क) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 12 महीने तक अतिदेय हो शून्य
 - (ख) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 12 महीने से निवल बही मूल्य का 10 प्रतिशत से अधिक किंतु 24 महीने तक अतिदेय हो
 - (ग) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 24 महीने से निवल बही मूल्य का 40 प्रतिशत अधिक किंतु 36 महीने तक अतिदेय हो
 - (घ) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 36 महीने से निवल बही मूल्य का 70 प्रतिशत अधिक किंतु 48 महीने तक अतिदेय हो

(ङ) जहां किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 48 महीने निवल बही मूल्य का 100 प्रतिशत से अधिक समय से अतिदेय हो

(iii). किराया खरीद/पट्टाकृत परिसंपत्ति की अंतिम किस्त की नियत तारीख से 12 महीने का समय समाप्त हो जाने पर सप्तस्त निवल बही मूल्य का पूरा प्रावधान किया जाएगा।

टिप्पणी :

- (1) किराया खरीद करार के अनुसरण में उधारकर्ता द्वारा 'एनबीएफसी' में रखी गई जमानत राशि/मार्जिन राशि अथवा जमानती राशि को यदि करार के अंतर्गत समान मासिक किस्तें निर्धारित करते समय हिसाब में नहीं लिया गया है, तो उसे उक्त खण्ड (i) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान में से घटाया जाए। किराया खरीद करार के अनुसरण में उपलब्ध अन्य किसी भी जमानत राशि को उक्त खण्ड (ii) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान से ही घटाया जाएगा।
- (2) पट्टा करार के अनुसरण में उधारकर्ता द्वारा एनबीएफसी में जमानत के तौर पर रखी गई राशि तथा पट्टा करार के अनुसरण में उपलब्ध अन्य किसी जमानत का मूल्य, दोनों को उक्त खण्ड (ii) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान से ही घटाया जाएगा।
- (3) यह स्पष्ट किया जाता है कि एनपीए के लिए आय का निर्धारण और प्रावधानीकरण, विवेकपूर्ण मानदण्डों के दो अलग पहलू हैं और मानदण्डों के अनुसार कुल बकायों के एनपीए पर प्रावधान करने की आवश्यकता है साथ ही संदर्भधीन पट्टाकृत परिसंपत्ति के इसित बही मूल्य का, पट्टा समायोजन खाते में शेषराशि को, यदि कोई हो, समायोजित करने के बाद, प्रावधान किया जाएगा। यह तथ्य कि एनपीए पर आय का निर्धारण नहीं किया गया है, प्रावधान न करने के कारण के रूप में नहीं माना जाएगा।
- (4) इन निदेशों के पैरा (2)(1)(xvi)(ख) में संचर्भित परिसंपत्ति जिसके लिए पुनः बातचीत (रिनिगोशट) की गई अथवा जिसे पुनर्निर्धारित किया गया, अवमानक परिसंपत्ति मानी जाएगी अथवा यह उसी श्रेणी में बनी रहेगी जिस श्रेणी में वह पुनः बातचीत अथवा पुनर्निर्धारण के पूर्व, जैसा भी मामला हो, संदिग्ध अथवा हानिवाली परिसंपत्ति के रूप में थी। ऐसी परिसंपत्तियों के लिए यथा लागू प्रावधान तब तक किया जाता रहेगा जब तक यह उन्नत श्रेणी में न बदल जाए।

- (5) पैरा 10 के उप पैरा (2) में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार एनबीएफसी द्वारा तुलनपत्र तैयार किया जाए।
- (6) 1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद तिथे गर सभी वित्तीय पट्टों के लिए किया खरीद परिसंपत्तियों पर लागू प्रावधान उन पर भी लागू होगे।

तुलनपत्र में प्रकटीकरण

10. (1) प्रत्येक एनबीएफसी अपने तुलनपत्र में अलग से, उपर्युक्त पैरा 9 के अनुसार किए गए प्रावधानों को आय अथवा परिसंपत्तियों के मूल्य से बटाए बिना प्रकट करेंगी।
- (2) प्रावधानों का उल्लेख विशेष रूप से निम्नलिखित पृष्ठक खाता शीर्षकों के अंतर्गत किया जाएगा:
- अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान; इथा
 - निवेशों में मूल्यहास हेतु किए गए प्रावधान।
- (3) इन प्रावधानों को एनबीएफसी द्वारा धारित सामान्य प्रावधान एवं हानिगत आरक्षित निधि, यदि कोई हो, से समायोजित नहीं किया जाएगा।
- (4) इन प्रावधानों को प्रत्येक वर्ष लाभ-हानि खाता में नामे डाला जाएगा। सामान्य प्रावधान एवं हानिगत आरक्षित निधि शीर्ष के अंतर्गत धारित अधिशेष प्रावधान, यदि कोई हो, के साथ उन्हें समायोजित किए बिना पुनराकित किया जाए।

एनबीएफसी द्वारा लेखा-परीक्षा समिति का गठन

11. एनबीएफसी जिसकी परिसंपत्तियां पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार 50 करोड़ रुपए और उससे अधिक हैं, एक लेखा-परीक्षा समिति का गठन करेंगी जिसमें उसके निदेशक मण्डल के कम से कम तीन सदस्य होंगे।

स्पष्टीकरण 1 : कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 292-के अंतर्गत को गई अपेक्षा के अनुसार गठित लेखा-परीक्षा समिति इस पैरा के प्रयोजनार्थ लेखा-परीक्षा समिति होगी।

स्पष्टीकरण 2 : इस पैरा के अंतर्गत गठित लेखा-परीक्षा समिति को वही शक्तियां, कार्य एवं कर्तव्य प्राप्त होंगे, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 292-के द्विसे दिए गए हैं।

लेखा वर्ष

12. प्रत्येक एनबीएफसी प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को अपना तुलनपत्र और लाभ-हानि लेखा तैयार करेगी। जब कभी कोई एनबीएफसी कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अपने तुलनपत्र की तारीख बढ़ाने का इच्छा करती है, तो इसके लिए उसे कंपनी के रजिस्ट्रार के पास जाने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक का पूर्व अनुमोदन लेना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, उन मामलों में भी जिनमें बैंक तथा कंपनी रजिस्ट्रार ने समय बढ़ाने की मंजूरी दी है, एनबीएफसी वर्ष के 31 मार्च को एक प्रोफार्मा तुलनपत्र (बिना लेखा परीक्षित) और उक्त तारीख को देय सांविधिक विवरणियां बैंक को प्रस्तुत करेगी।

तुलनपत्र की अनुसूची

13. प्रत्येक एनबीएफसी, कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निर्धारित अपने तुलनपत्र के साथ संलग्नक 1 में दी गई अनुसूची में ब्योरो संलग्न करेगी।

सरकारी प्रतिभूतियों में लेनदेन

14. प्रत्येक एनबीएफसी सरकारी प्रतिभूतियों में लेनदेन उसके सीएसजीएल खाते या उसके डिमैट खाते के जरिए कर सकती है;

बश्तें कोई भी एनबीएफसी सरकारी प्रतिभूति में कोई लेनदेन किसी दलाल के जरिए भौतिक रूप में नहीं करेगी।

सांविधिक लेखापरीक्षक का प्रमाण पत्र बैंक को प्रस्तुत करना

15. प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी को अपने सांविधिक लेखापरीक्षक से इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वह (कंपनी) गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था का कारोबार कर रही है जिसके लिए उसे भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 45-ज्ञक के अंतर्गत जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र रखना आवश्यक है। सांविधिक लेखा परीक्षक से इस आशय का प्रमाण पत्र 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष की स्थिति के लिए प्राप्त कर गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग के उस क्षेत्रीय कार्यालय को हर वर्ष 30 जून तक प्रस्तुत किया जाए जिसके अंतर्गत कंपनी का पंजीकरण है। ऐसे प्रमाणपत्र में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की परिसंपत्ति/आय के स्वरूप का उल्लेख भी होगा जिसके कारण कंपनी परिसंपत्ति वित्त कंपनी, निवेश कंपनी या ऋण कंपनी के रूप में घाँटित होने के लिए पात्र हुई।

पूँजी परिसंपत्ति संबंधी अपेक्षा

16. (1) प्रत्येक एमबीएफसी, टियर -I और टियर II पूँजी पर आधारित न्यूनतम पूँजी अनुपात बनाए रखेगी, जो तुलनपत्र में उसकी सकल जोखिम भारित परिसंपत्तियों और तुलनपत्र से इतर मदों के जोखिम समायोजित मूल्य के बारह प्रतिशत से कम नहीं होगी:

(2) टियर II पूँजी का जोड़, किसी भी समय, टियर I पूँजी के एक सौ प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण

तुलनपत्र की परिसंपत्तियों के संबंध में

(1) इन नियेशों में, प्रतिशत भार के रूप में व्यक्त ऋण जोखिम की मात्रा तुलनपत्र की परिसंपत्तियों के लिए है। अतः, परिसंपत्तियों के जोखिम समायोजित मूल्य की गणना के लिए प्रत्येक परिसंपत्ति/मद को संबंधित जोखिम भार से गुण किया जाएगा ताकि परिसंपत्तियों का जोखिम समायोजित मूल्य निकाला जा सके। न्यूनतम पूँजी अनुपात की गणना हेतु इस प्रकार आकलित जोखिम भार के सकल(aggregate) को हिसाब में लिया जाएगा। जोखिम भारित परिसंपत्ति की गणना नियम प्रदत्त(funded) मदों के भारित सकल के रूप में निम्नानुसार किया जाएगा:

भारित जोखिम परिसंपत्तियां- तुलनपत्र में दी गई मदों के संबंध में

प्रतिशत भार

(i) बैंकों में मीयादी जमा एवं उनके पास जमा प्रभाणपत्र-सहित नकदी और बैंक शेष 0

(ii) निवेश

(क) अनुमोदित प्रतिभूतियां 0

[नीचे (ग) के अलावा]

(ख) सरकारी क्षेत्र के बैंकों के बांड 20

(ग) सरकारी वित्तीय संस्थाओं की मीयादी जमा/जमा प्रभाणपत्र/बांड 100

(घ) सभी कंपनियों के शेयर तथा सभी कंपनियों के डिबेंचर/बांड/व्हाणिज्य पत्र एवं सभी स्युचुअल फंड की मूलिटें 100

(iii) चालू(current) परिसंपत्तियां

(क) किराए पर स्टॉक (निवल बही मूल्य)	100
(ख) अंतर-कंपनी ऋण/जमा	100
(ग) कंपनी ही द्वारा धारित जमाराशियों की पूरी जमानत पर ऋण और अग्रिम	0
(घ) स्टाफ को ऋण	0
(ङ) अन्य जमानती ऋण और अग्रिम जिन्हें अच्छा पाया गया है	100
(च) खरीदे/भुनाए गए बिल	100
(छ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	100

(iv) अचल परिसंपत्तियां (मूल्यहास घटाने के बाद)

(क) पढ़े पर दी गई परिसंपत्तियां (निवल बही मूल्य)	100
(ख) परिसर	100
(ग) फर्नीचर और फिक्सचर	100

(v) अन्य परिसंपत्तियां

(क) झोत पर काटे गए आय कर (प्रावधान घटाकर)	0
(ख) अदा किया गया अग्रिम कर (प्रावधान घटाकर)	0
(ग) सरकारी प्रतिभूतियों पर देय(द्यू) ब्याज	0
(घ) अन्य (स्पष्ट किया जाए)	100

टिप्पणी

- (1) घटाने का कार्य केवल उन्हीं परिसंपत्तियों के संबंध में किया जाए जिनमें मूल्यहास अथवा अशोध्य तथा संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किए गए हों।
- (2) निवल स्वाधिकृत निधि की गणना के लिए जिन परिसंपत्तियों को स्वाधिकृत निधि से घटाया गया है उस पर भार 'शून्य' होगा।
- (3) जोखिम भार लगाने के प्रयोजन से किसी उधारकर्ता के समग्र निधिक जोखिम की गणना करते समय, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ उधारकर्ता के खाते में कुल बकाया अग्रिमों से

नकदी मार्जिन/प्रतिभूति जमा/जमानती राशि रूपी संपादितक प्रतिभूति, जिसकी मुजरायी(set off) के लिए अधिकार उपलब्ध है, का समायोजन कर सकती है।"

तुलनपत्र से इतर मदे

(2) इन निदेशों में, तुलनपत्र से इतर मदों से संबद्ध ऋण जोखिम(रक्षसपोजर) की मात्रा को ऋण परिवर्तन कारक के प्रतिशत के रूप में दर्शाया गया है। अतः, तुलनपत्र से इतर मदों के जोखिम समायोजित मूल्य की गणना के लिए सबसे पहले प्रत्येक मद के अंकित मूल्य को उसके संगत परिवर्तन कारक (कन्वर्सन फैक्टर) से गुणा करना होगा। इसके सकल को न्यूनतम पूँजी अनुषात निकालने के लिए हिसाब में लिया जाएगा। इसे पुनः जोखिम भार 100 से गुणा किया जाएगा। तुलनपत्र से इतर मदों के जोखिम समायोजित मूल्य की गणना, गैर-निधिक मदों के ऋण परिवर्तन कारकों द्वारा निम्नानुसार की जाएगी:-

<u>मद का स्वरूप</u>	<u>ऋण परिवर्तन कारक- प्रतिशत</u>
(i) वित्तीय एवं अन्य गारंटियां	100
(ii) शेयर/डिबेंचर हासीदारी वायित्व	50
(iii) आंशिक-प्रदत्त शेयर/डिबेंचर	100
(iv) भुनाए/पुनः भुनाए गए बिल	100
(v) किए गए पट्टा करार जो निष्पादित होने हैं	100
(vi) अन्य आकस्मिक देयताएं (स्पष्ट किया जाए)	50

टिप्पणी : परिवर्तन कारक लागू करने से पहले नकदी मार्जिन/जमा राशियों को घटाया जाएगा।

एनबीएफसी के अपने शेयरों पर ऋण वर्जित

17. (1) कोई भी एनबीएफसी अपने शेयरों पर ऋण नहीं देगी।

(2) इन निदेशों के लागू होने की तारीख को किसी एनबीएफसी द्वारा उसके शेयरों पर दिए गए ऋण की बकाया राशि को चुकौती अनुसूची के अनुसार एनबीएफसी द्वारा वसूला जाएगा।

**जनता की जमाराशि की चुकौती करने में असफल
एनबीएफसी को ऋण देने और निवेश करने पर प्रतिबंध**

18. कोई भी एनबीएफसी जो जनता की जमा को अथवा उसके किसी अंश को इस जमा की शर्तों के अनुसार तथा भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 थक (1) के उपबंधों के अनुसार चुकाने में असफल रहती है तो वह कोई ऋण अथवा किसी भी नाम से अन्य कोई ऋण सुविधा नहीं दे सकेगी या जब तक उक्त चूक बनी रहती है तब तक कोई निवेश नहीं कर सकेगी या कोई अन्य परिसंपत्ति का सूजन नहीं करेगी।

**भूमि और भवन तथा अनुद्धत (अनकोटेड) शेयरों
में निवेश पर प्रतिबंध**

19. (i) कोई भी परिसंपत्ति वित्त कंपनी जो जनता से जमाराशियां स्वीकार करती है, निम्नलिखित में निवेश नहीं करेगी :

(क) भूमि अथवा भवन में, स्वयं के उपयोग को छोड़कर, अपनी स्वाधिकृत निधि के दस प्रतिशत से अधिक राशि;

(ख) किसी अन्य कंपनी के अनुद्धत शेयरों में, जो सहायक कंपनी न हो अथवा एनबीएफसी की उसी समूह की कंपनी न हो, अपनी स्वाधिकृत निधि के दस प्रतिशत से अधिक राशि।

(ii) कोई ऋण कंपनी अथवा निवेश कंपनी, जो जनता से जमाराशियां स्वीकार करती है, निम्नलिखित में निवेश नहीं करेगी :-

(क) भूमि अथवा भवन में, स्वयं के उपयोग को छोड़कर, अपनी स्वाधिकृत निधि के दस प्रतिशत से अधिक राशि;

(ख) किसी अन्य कंपनी के अनुद्धत शेयरों में, जो सहायक कंपनी न हो अथवा एनबीएफसी की उसी समूह की कंपनी न हो, अपनी स्वाधिकृत निधि के बीस प्रतिशत से अधिक राशि;

बशर्ते उसके कर्ज को पूरा करने के लिए अधिगृहीत भूमि अथवा भवन अथवा अनुद्धत शेयरों, यदि एनबीएफसी द्वारा पहले से ही धारित इस प्रकार की परिसंपत्तियों सहित उनमें किया गया निवेश उक्त अधिकतम सीमा से अधिक है, तो उक्त अभिग्रहण की तारीख से एनबीएफसी द्वारा तीन वर्ष के भीतर अथवा बैंक द्वारा दी गई विस्तारित अवधि के भीतर उसका निपटान करना होगा;

स्पष्टीकरण

अनुद्वृत शोयरों में निवेश की अधिकतम सीमा की गणना करते समय सभी कंपनियों के ऐसे शोयरों में किए गए निवेश को जोड़ा जाएगा।

बशर्ते यह भी कि अनुद्वृत शोयरों में निवेश की सीमा परिसंपत्ति निधि कंपनी अथवा ऋण कंपनी अथवा निवेश कंपनी के लिए उस सीमा तक तागू नहीं होगी जिस सीमा तक किसी बीमा कंपनी की ईक्सिट पूंजी में निवेश के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा, लिखित रूप में, विशेष अनुमति दी गई हो।

ऋण/निवेश का संकेतण

20. (1) कोई भी एनबीएफसी

(i) निम्नलिखित को ऋण नहीं देगी:

(क) किसी एक उधारकर्ता को अपनी स्वाधिकृत निधि के पंद्रह प्रतिशत से अधिक; तथा

(ख) किसी एक उधारकर्ता समूह को अपनी स्वाधिकृत निधि के पचीस प्रतिशत से अधिक;

(ii) निम्नलिखित में निवेश नहीं करेगी:

(क) अन्य कंपनी के शोयरों में अपनी स्वाधिकृत निधि के पंद्रह प्रतिशत से अधिक; और

(ख) एक समूह की कंपनियों के शोयरों में अपनी स्वाधिकृत निधि के पचीस प्रतिशत से अधिक;

(iii) निम्नलिखित से अधिक ऋण नहीं देगी और निवेश नहीं करेगी (ऋण/निवेश मिलाकर):

(क) किसी एक पार्टी को अपनी स्वाधिकृत निधि का चालीस प्रतिशत; और

(ख) किसी एक समूह की कंपनियों को अपनी स्वाधिकृत निधि का चालीस प्रतिशत।

बशर्ते उक्त ऋण/निवेश के द्वीकरण की सीमा सरकारी कंपनी अथवा सार्वजनिक वित्तीय संस्था अथवा अनुसूचित वाणिज्य बैंक द्वारा जारी अनुमोदित

प्रतिभूतियों, बांडों, डिबेंचरों और अन्य प्रतिभूतियों में निवेश के संबंध में अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1987 के पैरा 6(1)(क) व 6(1)(ख) के प्रावधानों के अंतर्गत अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी पर लागू नहीं होगी।

बशर्ते यह भी कि अन्य कंपनी के शेयरों में निवेश के संबंध में उक्त अधिकतम सीमा, एनबीएफसी पर उस सीमा तक लागू नहीं होगी जिस सीमा तक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा, लिखित रूप में, विशेष रूप से बीमा कंपनी की ईक्विटी पूँजी में निवेश के संबंध में अनुमति दी गई हो।

बशर्ते यह और भी कि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा परिसंपत्ति वित्त कंपनी के रूप में वर्गीकृत कोई एनबीएफसी, आपवादिक परिस्थितियों में, किसी एक पार्टी या पार्टियों के एक समूह के लिए ऋण/निवेश संकेन्द्रण के संबंध में उपर्युक्त अधिकतम सीमा, अपने बोर्ड के अनुमोदन से अपनी स्वाधिकृत निधि के 5 प्रतिशत तक पार कर सकती है।

टिप्पणी :

- (1) सीमाओं के निर्धारण के लिए, तुलनपत्र से इतर एक्सपोजर को पैराग्राफ 16 में स्पष्ट किए गए परिवर्तन कारकों का इस्तेमाल करते हुए ऋण जोखिम में बदल दिया जाएगा।
- (2) इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए डिबेंचरों में किए गए निवेश को ऋण के रूप में माना जाएगा, न कि निवेश के रूप में।
- (3) ऋण/निवेश से संबंधित ये अधिकतम सीमाएं स्वयं को एनबीएफसी समूह तथा अन्य उधारकर्ताओं/निवेशिती कंपनी के समूह पर लागू होगी।

छमाही विवरणी प्रस्तुत करना

21. पैरा 1(3)(i)(क) और (ख) में उल्लिखित एनबीएफसी तथा आरएनबीसी प्रत्येक वर्ष सितंबर और मार्च की संबंधित छमाही की समाप्ति से तीन महीने के भीतर संलग्नक (2) फार्मेट एनबीएस-2 में छमाही विवरणी प्रस्तुत करेंगी, जो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जनता की जमाराशि स्वीकार्यता (रिजर्व बैंक) निदेश, 1998 की दूसरी अनुसूची तथा अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1987 की अनुसूची ख के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग के उस क्षेत्रीय कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी जिसके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कंपनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित है।

पुंजी बाजार में एक्सपोज़र

22. पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार 100 करोड़ रुपए तथा उससे अधिक की कुल परिसंपत्तियोंवाली प्रत्येक एनबीएफसी (आरएनबीसी-सहित) उस माह की समाप्ति के 7 दिन के भीतर एक मासिक विवरणी प्रस्तुत करेगी। यह विवरणी वह संलग्नक 3 में दिए गए फार्मेट एनबीएस 6 में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जनता की जमाराशि स्वीकार्यता (रिजर्व बैंक) निदेश, 1998 को दूसरी अनुसूची तथा अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1987 की अनुसूची 'ख' के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय को प्रस्तुत करेगी।

मूलभूत संरचना ऋण से संबंधित मानदण्ड

(1) प्रयोज्यता

(i) इन निदेशों के यौग 2(1)(viii) से यथापरिभाषित ये मानदण्ड मूलभूत संरचना ऋण से संबंधित करार की शर्तों की पुनर्संरचना तथा/अथवा पुनर्निर्धारण और/अथवा पुनःसौदा (रिनिगोशिएट) करने के लिए लागू होगा, जो पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मानक एवं अवमानक आस्तियों तथा ऋण के लिए जमानती है, जो शर्तों की पुनर्संरचना करने और/अथवा पुनर्निर्धारित करने और/अथवा पुनःसौदा करने के अधीन है।

(ii) जहाँ परिसंपत्ति की जमानत आंशिक रूप से है, वहाँ वर्तमान मूल्य आधार पर और तिवेकपूर्ण मानदण्डों के अनुसार प्रावधान करने के अलावा, ऋण की पुनर्संरचना तथा/अथवा पुनर्निर्धारण करने तथा/अथवा पुनः सौदा करते समय उपलब्ध जमानत में जितने की कमी है उतने का प्रावधान किया जाएगा।

(2) मूलभूत संरचना ऋण की शर्तों की पुनर्संरचना, पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा

एनबीएफसी, कंपनी के निदेशक मण्डल द्वारा निर्धारित नीतिगत ढांचे के अनुसार मूलभूत संरचना ऋण करार की शर्तों में निम्नलिखित चरणों के अंतर्गत पुनर्संरचना अथवा पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा एक बार से अधिक नहीं करें:

(क) वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने से पहले;

(ख) वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद किंतु परिसंपत्ति को अवमानक के रूप में वर्गीकृत करने से पहले;

(ग) वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद और परिसंपत्ति को जब अवमानक के रूप में बर्गीकृत कर दिया गया हो;

बशर्ते उपर्युक्त तीन चरणों में से प्रत्येक चरण में पुनर्संरचना अथवा पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा करने का पैकेज देने पर मूल और/अथवा ब्याज-सहित या रहित पुनर्संरचना और/अथवा पुनर्निर्धारण और/अथवा पुनःसौदा किया जा सकता है।

(3) पुनर्संरचनाकृत मानक ऋण का प्रतिपादन(ट्रोटमेंट)

उपर्युक्त पहले दो चरणों में से किसी एक चरण में केवल मूलधन की किस्तों का पुनर्निर्धारण अथवा पुनर्संरचना अथवा पुनः सौदा करने पर किसी मानक परिसंपत्ति को अवमानक श्रेणी में पुनः बर्गीकृत नहीं करना होगा, यदि कंपनी के निदेशक मण्डल द्वारा अथवा प्रारंभिक ऋण मंजूर करने वाले अधिकारी से एक दर्जा ऊपर के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा मण्डल द्वारा निर्धारित नीति ढांचे के अंतर्गत परियोजना की पुनः जांच करने पर उसे संभाव्य पाया जाता है;

बशर्ते पहले के दो चरणों में से किसी एक चरण में ब्याज तत्व का पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा अथवा पुनर्संरचना किए जाने पर परिसंपत्ति को नीचे अवमानक श्रेणी में बर्गीकृत नहीं करना होगा लेकिन शर्त यह है कि बाद में यथानिर्दिष्ट ब्याज तत्व में समायोजन के प्रयोजन से छोड़ दी गई ब्याज की रकम को, यदि कोई हो, या तो बहुत खाते डाला जाएगा या उसके लिए 100 प्रतिशत प्रावधान किया जाएगा।

(4) पुनर्संरचित अवमानक परिसंपत्ति का प्रतिपादन

मूलधन की किस्तों की पुनर्संरचना अथवा पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा किये जाने के मामले में अवमानक परिसंपत्ति एक वर्ष की समाप्ति तक उसी श्रेणी में बनी रहेगी और समायोजन के कारण छोड़ी गई ब्याज की रकम, यदि कोई हो, जिसमें पिछले बकाया ब्याज को बहुत खाते डालने के रूप में समायोजन शामिल है, ब्याज तत्व में यथानिर्दिष्ट, बहुत खाते डाला जाएगा अथवा उसके लिए 100 प्रतिशत का प्रावधान किया जाएगा।

(5) ब्याज का समायोजन

पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा अथवा पुनर्संरचना में जहाँ ब्याज दर को घटाना पड़े, वहाँ ब्याज समायोजन की गणना मूलभूत संरचना ऋण के लिए लागू ब्याज दर (उधारकर्ता पर लागू जोखिम रेटिंग हेतु यथा समायोजित) तथा घटाई गई दर के बीच के अंतर से की जाएगी और पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा प्रस्ताव में इस प्रकार से

निर्धारित भावी ब्याज का वर्तमान सकल मूल्य (मूलभूत संरचना ऋण पर लागू वर्तमान दर पर भुनाया गया जोखिम संबर्धन हेतु समायोजित) निकाला जाएगा।

(6) निधिक ब्याज

एनपीए के संबंध में ब्याज के निधीयन के मामले में, जहाँ निधिक ब्याज को आय के रूप में निर्धारित किया जाता है, निधिक ब्याज का पूरा प्रावधान किया जाएगा।

(7) आय निर्धारण मानदण्ड

मूलभूत संरचना ऋण के संबंध में आय निर्धारण प्रक्रिया इन नियमों के पैरा 3 के प्रावधानों द्वारा संचालित होगी;

(8) धारित प्रावधानों का प्रतिपादन

एनबीएफसी द्वारा अनर्जिक मूलभूत संरचना ऋण के लिए किए गए प्रावधानों को, जिसे इसके ऊपर के उप पैरा (3) के अनुसार 'मानक' के रूप में घोषित किया जा सकता है, बनाए रखना तब तक जारी रहेगा जब तक ऋण की पूरी वसूली न हो जाए।

(9) पुनर्संरचनाकृत अवमानक मूलभूत संरचना ऋण के उन्नयन हेतु याचता

अवमानक परिसंग्रहि, जिसका पुनर्निर्धारण और/अथवा पुनः सौदा और/अथवा पुनर्संरचना की जानी है, वह मूलधन की किसी अथवा ब्याज के संबंध में हो, वहाँ जो तरीका हो, का पुनर्संरचना और/अथवा पुनर्निर्धारण और/अथवा पुनःसौदा की शर्तों के अंतर्गत संतोषजनक निष्पादन के एक वर्ष की समाप्ति से पहले मानक श्रेणी में उन्नयन नहीं किया जाएगा।

(10) कर्ज को ईक्विटी में परिवर्तित करना

जहाँ ब्याज के रूप में देय रकम ईक्विटी अथवा अन्य लिखत में परिवर्तित की जाती है और फलस्वरूप आय का निर्धारण किया जाता है, वहाँ इस प्रकार से निर्धारित आय की रकम का पूरा प्रावधान ऐसे आय निर्धारण के प्रभाव को समाप्त करने हेतु किया जाएगा;

बशर्ते कोई प्रावधान किये जाने की अपेक्षा ही न होगी, वह ब्याज का परिवर्तन उस ईक्विटी में हो जिसकी दर उद्धृत है;

बशर्ते यह भी कि ऐसे मामलों में, ब्याज आय का निर्धारण परिवर्तन की तारीख को, ईक्विटी के बाजार मूल्य पर हो सकता है, जो ईक्विटी में परिवर्तित ब्याज की रकम से अधिक नहीं होगा।

(11) कर्ज को डिबेंचर में परिवर्तित करना

जहाँ एनपीए के संबंध में मूलधन और/अथवा ब्याज की रकम को डिबेंचर में परिवर्तित किया जाता है, वहाँ ऐसे डिबेंचरों को एनपीए माना जाएगा, प्रारंभ से ही, उसी परिसंपत्ति वर्गीकरण में जो ऋण के लिए परिवर्तन से पहले लागू था और मानदण्डों के अनुसार प्रावधान किया जाएगा।

(12) मूलभूत संरचना ऋण और निवेश की एक्सपोजर सीमा में बुख़ि

एनबीएफसी इन नियमों के पैरा 20 के प्रावधान के अनुसार ऋण/निवेश मानदण्डों के केंद्रीकरण को एक पार्टी के लिए 5 प्रतिशत और पार्टीयों के एक समूह के लिए 10 प्रतिशत तक पार कर सकती है, यदि अतिरिक्त एक्सपोजर मूलभूत संरचना ऋण और/अथवा निवेश के कारण हो।

(13) एएए रेटिंग वाले प्रतिभूतिकृत पेपर में निवेश के लिए जोखिम भार

मूलभूत संरचना सुविधा से संबंधित "एएए" रेटिंग वाले प्रतिभूतिकृत पेपर में निवेश पर पूँजी पर्याप्तता प्रयोजनों के, लिए 50 प्रतिशत जोखिम भार लगाया जाएगा जिसके लिए निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होंगी:

- (i) मूलभूत संरचना सुविधा से आय/नकदी पैदा होती है, जो प्रतिभूतिकृत पेपर की सर्विसिंग/चुकाती सुनिश्चित करती है;
- (ii) अनुमोदित ऋण साथ एजेंसियों में से किसी एक द्वारा दी गई रेटिंग चालू और वैध है।

स्पष्टीकरण :

जिस रेटिंग पर भरोसा किया गया है वह मौजूदा और वैध समझी जानी चाहिए, यदि रेटिंग निर्गम के खुलने की तारीख से एक महीने से अधिक समय की नहीं है, और रेटिंग एजेंसी से रेटिंग का औचित्य निर्गम खुलने की तारीख से एक वर्ष से अधिक का नहीं है, और रेटिंग पत्र तथा रेटिंग औचित्य दोनों प्रस्ताव दस्तावेज का हिस्सा हों।

- (iii) द्वितीयक बाजार अभिग्रहण के मामले में निर्गम में, 'एएए' रेटिंग लागू है और संबंधित रेटिंग एजेंसी द्वारा प्रकाशित मासिक बुलेटिन से उसकी पुष्टि की जाती है।
- (iv) प्रतिभूतिकृत पेपर एक अर्जक परिसंपत्ति है।

छूट

24. भारतीय रिजर्व बैंक, यदि किसी कन्फिनाई को ठालने अथवा किसी अन्य उचित एवं पर्याप्त कारण से देसा आवश्यक समझता है, तो वह किसी एनबीएफसी अथवा एनबीएफसी की श्रेणी को इन निदेशों के सभी अथवा किसी प्रावधान के अनुपालन के लिए और रामय प्रदान कर सकता है अथवा या तो सामान्य रूप से या किसी विशिष्ट अवधि के लिए छूट दे सकता है, जो उन शर्तों के अधीन होगा जिसे भारतीय रिजर्व बैंक उन पर लगाए।

व्याख्या

25. इन निदेशों के प्रावधानों को लागू करने के प्रयोजन से, भारतीय रिजर्व बैंक यदि आवश्यक समझता है, तो इसमें शामिल किसी भी भासले के बारे में आवश्यक स्पष्टीकरण जारी कर सकता है और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इन निदेशों के किसी प्रावधान की दी गई व्याख्या अंतिम होगी और सभी संबंधित पक्षों पर बाध्यकारी होगी।

निरसन और छूट

26. (1) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक) निदेश, 1998 इन निदेशों द्वारा निरसित माना जाएगा।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उप-खंड (1) में निदेशों के अंतर्गत जारी कोई परिपत्र, अनुदेश, आदेश एनबीएफसी पर उसी प्रकार से लागू रहेंगे जैसे वे ऐसे निरसन से पहले ऐसी कंपनियों पर लागू होते थे।

वी. लीलाधर

उप गवर्नर

संलग्नक 1

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के तुलन-पत्र की अनुसूची
 (गैर-बैंकिंग वित्तीय (आमाराशि स्वीकरण या धारण)
 कंपनी विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक)
 निदेश, 2007 के पैरा 13 के अनुसार अपेक्षित)

(लाख रुपए में)

	ब्योरे		
	देवताएं पक्ष		
1	<p>गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा लिए गए ऋण और अधिक जिनमें इन पर उपचित पर न <u>चुकाया गया ब्याज शामिल है:</u></p> <p>(क) डिबेंचर : जमानती : गैर-जमानत (जनता की जमाराशि की परिभाषा से बाहर)* (ख) आस्थगित ऋण (ग) मीयादी ऋण (घ) अंतर-कंपनी ऋण और उधार (ड.) वाणिज्यिक पत्र (च) जनता की जमाराशि (छ) अन्य ऋण (उनका स्वरूप बताएं)</p> <p>* कृपया नीचे का नोट । देखें</p>	बकाया राशि	अतिरेय राशि

2	<p>उपर्युक्त (1) (च) का अलग-अलग विवरण (बकाया जनता की जमाराशि जिनमें इन पर उपचित, पर न चुकाया गया ब्याज शामिल है)</p> <p>(क) गैर-जमानती डिबेंचरों के रूप में (ख) आंशिक जमानती डिबेंचरों के रूप में अर्थात् वे डिबेंचर जिनकी प्रतिभूति के मूल्य में कुछ गिरावट हो</p> <p>(ग) जनता की अन्य जमाराशियाँ</p> <p>* कृपया नीचे का नोट 1 देखें।</p>
	परिसंपत्तियों पक्ष
	बकाया राशि
(3)	<p>प्राप्य बिलों-सहित ऋणों और अग्रिमों का अलग-अलग विवरण [नीचे (4) में शामिल के अलावा] -</p> <p>(क) जमानती (ख) गैर-जमानती</p>
(4)	<p>एफसी गतिविधियों के लिए गणना की जानेवाली पद्धेवाली परिसंपत्तियों तथा किराये पर स्टाक और अन्य परिसंपत्तियों का अलग-अलग विवरण</p> <p>(i) विविध देनदारों के अंतर्गत पड़ा किराया समेत पड़ा परिसंपत्तियाँ</p> <p>(क) वित्तीय पड़े (ख) परिचालन पड़े</p> <p>(ii) विविध देनदारों के अंतर्गत किराया प्रभार समेत किराए पर स्टाक</p> <p>(क) किराए पर परिसंपत्तियाँ (ख) पुनःधारित परिसंपत्तियाँ</p>

	<p>(iii) एसफल्सी गतिविधियों के लिए गणना किए जानेवाले अन्य ऋण</p> <p>(क) ऐसे ऋण जिनमें आस्तियां पुनः धारित की गईं</p> <p>(ख) उपर्युक्त (क) के अतिरिक्त ऋण</p>	
(5)	<p>निवेशों का अलग-अलग व्योरा</p> <p><u>चालू निवेश</u></p> <p>1. <u>उद्धृत (कोटेड) भाव :</u></p> <p>(i) शेयर : (क) ईक्विटी (ख) अधिमान</p> <p>(ii) डिबेंचर और बांड</p> <p>(iii) स्थूचुअल फंडों की यूनिटें</p> <p>(iv) सरकारी प्रतिभूतियां</p> <p>(v) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें।)</p> <p>2. <u>अनुद्धृत (अनकोटेड)</u></p> <p>(i) शेयर : (क) ईक्विटी (ख) अधिमान</p> <p>(ii) डिबेंचर और बांड</p> <p>(iii) स्थूचुअल फंडों की यूनिटें</p> <p>(iv) सरकारी प्रतिभूतियां</p> <p>(v) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें।)</p>	
	<p><u>दीघावधि निवेश</u></p> <p>1. <u>उद्धृत (कोटेड) :</u></p> <p>(i) शेयर : (क) ईक्विटी (ख) अधिमान</p> <p>(ii) डिबेंचर और बांड</p> <p>(iii) स्थूचुअल फंडों की यूनिटें</p>	

- (iv) सरकारी प्रतिभूतियाँ
 (v) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें।)

2. अनुदृत (अनकोटेड)

- (i) शेयर : (क) इविवटी
 (ख) अधिमान
 (ii) डिबेंचर और बांड
 (iii) म्यूचुअल फंडों की यूनिटें
 (iv) सरकारी प्रतिभूतियाँ
 (v) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें।)

(6) उपर्युक्त (3) एवं (4) में वित्तपोषित परिसंपत्तियों का उधारकर्ता समूहवार वर्गीकरण :

कृपया नीचे का नोट 2 देखें

	श्रेणी	गणि - ग्रावधानों को घटाकर		
		जमानती	गैर- जमानती	कुल
	1. संबंधित पक्ष **			
	(क) सहायक कंपनियाँ			
	(ख) उसी समूह की कंपनियाँ			
	(ग) अन्य संबंधित पक्ष			
	2. संबंधित पक्ष के अलावा अन्य			
	कुल			
7.	शेयरों और प्रतिभूतियों (उदृथत और अनुदृत दोनों) में किए गए समस्त निवेशों (चालू और दीर्घावधि) का निवेशक समूहवार वर्गीकरण			
	कृपया नीचे का नोट 3 देखें			

श्रेणी	बाजार मूल्य/अलग- अलग या उचित मूल्य या निवल परिसंपत्ति मूल्य	बही मूल्य (प्रावधान घटाकर)
1. संबंधित पक्ष ***		
(क) सहायक कंपनियाँ		
(ख) उसी समूह की कंपनियाँ		
(ग) अन्य संबंधित पक्ष		
2. संबंधित पक्ष के अलावा अन्य		
कुल		

*** आइसीएआइ के लेखा मानक के अनुसार (कृपया नोट 3 देखें)

8. अन्य जानकारी

ब्योरा	राशि
(i) सकल अनर्जक परिसंपत्तियाँ	
(क) संबंधित पक्ष	
(ख) संबंधित पक्ष के अलावा अन्य	
(ii) निवल अनर्जक परिसंपत्तियाँ	
(क) संबंधित पक्ष	
(ख) संबंधित पक्ष के अलावा अन्य	
(iii) ऋण की संतुष्टि में अधिगृहीत परिसंपत्तियाँ	

नोट :

- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जनता की जमाराशियाँ स्वीकार्यता (स्विचर्च बैंक) निवेश, 1008 के पैरा 2(I)(xii) में व्यथापरिभाषित।

2. गैर-बैंकिंग वित्तीय (जमा राशि स्वीकरण या धारण) कंपनों विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक) निदेश, 2007 में यथा निर्धारित प्रावधान मानदंड लागू होंगे।
3. निवेश तथा अन्य परिसंपत्तियों के साथ-साथ ऋण की संतुष्टि में अधिगृहीत अन्य परिसंपत्तियों के मूल्यांकन - सहित सभी पर आडसोएआइ द्वारा जारी सभी लेखा मानक और निर्देश नोट लागू होंगे। फिर भी, उद्धृत निवेशों के संबंध में बाजार मूल्यों और अनुद्धृत निवेशों के अलग-अलग/उचित मूल्य/निवल परिसंपत्ति मूल्यों का खुलासा किया जाना चाहिए, भले ही उपर्युक्त (5) में इन्हें दीर्घवधि या चालू के रूप में चर्चाकृत किया गया हो।

xxx

संलग्नक 2फार्म-एनबीएस 2

मार्च/सितंबर 200.. की समाप्ति की स्थिति के अनुसार पूँजीगत निधियों, जोखिय परिसंपत्ति/ऋण (एक्सपोजर) तथा जोखिय परिसंपत्ति अनुपात आदि का छमाही विवरण।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी का नाम और पता	
कंपनी की कोड सं. (भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई)	
पंजीकरण सं. (भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई)	
कंपनी का वर्गीकरण (भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया गया)	

(लाख रुपए में)

भाग - क	मद का नाम	मद कोड	राशि
पूँजीगत निधियां - टिक्कर I			
(i) चुकता ईक्विटी पूँजी		111	
(ii) वे अधिभान शेयर जिन्हें अनिवार्यतः ईक्विटी में परिवर्तित किया जाना हो		112	
(iii) मुक्त आरक्षित निधियां			
(क) सामान्य आरक्षित निधि		113	
(ख) शेयर प्रीमियम		114	
(ग) पूँजीगत आरक्षित निधि (अलग खाते में रखे परिसंपत्ति के विक्रय पर अधिशेष को दर्शाते हों)		115	
(घ) डिबेंचर शोधन आरक्षित निधि		116	
(ङ) पूँजीगत शोधन आरक्षित निधि		117	
(च) लाभ और हानि खाते में जमा शेष		118	
(छ) अन्य मुक्त आरक्षित निधि (विनिर्दिष्ट किए जाएं)		119	
कुल (111 से 119)		110	
(iv) हानि का संचित शेष		121	

(v) आस्थागित राजस्व ल्यय	122
(vi) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	123
कुल (121 से 123)	120
(vii) स्वाधिकृत निधि (110-120)	130
(viii) निम्नलिखित के शेयरों में निवेश	
(क) सहायक कंपनियाँ	141
(ख) उसी समूह की कंपनियाँ	142
(ग) अन्य गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	143
(ix) डिबेंचरों, बॉडीं, बकाया ऋण और अग्रिमों, खरीदे गए और भुनाए गए बिलों (किराया खरीद तथा पट्टा वित्त सहित) के बही-मूल्य और निम्नलिखित के पास रखी जमाराशियाँ	
(क) सहायक कंपनियाँ	144
(ख) उसी समूह की कंपनियाँ	145
(x) कुल (141 से 145)	140
(xi) मद 140 की राशि, उपर्युक्त मद 130 के 10% से अधिक	150
(xii) टियर - I पूँजी	
निवल स्वाधिकृत निधि (130-150)	151

(लाख रुपए में)

भाग - ख	मद का नाम	मद कोड	राशि
पूँजीगत निधि - टियर II			
(निदेश का पैरा 2(1)(xx)(ख))			
(i) अनिवार्यतः इक्विटी में परिवर्तनीय से इतर अधिमान पूँजी शेयर		161	
(ii) पूनर्मूल्यन आरक्षित निधि		162	
(iii) सामान्य प्रावधान और हानि आरक्षित निधि		163	
(iv) समिश्र ऋण पूँजी लिखत		164	
(v) गौण ऋण		165	
(vi) कुल टियर-II पूँजी (मद 161 से 165)		160	
कुल पूँजी निधि (151 + 160)		170	

(लाख रुपए में)

भाग - ग	मद का नाम	मद कोड	राशि
	जोखिम परिसंपत्ति और तुलन पत्र से इतर (ऑफ बैलेंस शीट) मदे		
(i)	निधिक जोखिम परिसंपत्ति का समायोजित मूल्य अर्थात् तुलन पत्र की (आन-बैलेंस शीट) मदे (भाग घ से मिलना चाहिए)	181	
(ii)	अनिधिक और तुलन पत्र से परे मदों का समायोजित मूल्य (भाग ड से मिलना चाहिए)	182	
(iii)	जोखिम भारित कुल परिसंपत्तियों/एक्सपोजर (181 + 182)	180	
(iv)	जोखिम भारित कुल परिसंपत्तियों/एक्सपोजरों की तुलना में पूँजीगत निधियों का प्रतिशत		
(क)	टियर -I पूँजी (मद 151 से मद 180 का प्रतिशत)	191	
(ख)	टियर -II (मद 160 से मद 180 का प्रतिशत)	192	
(ग)	कुल (मद 170 से मद 180 का प्रतिशत)	193	

(लाख रुपर में)

भाग - घ					
भारित परिसंपत्तियां अर्थात् तुलन पत्र की मदे	मद का नाम	मद कोड	बही मूल्य	जोखिम भार	समायोजित मूल्य
I. सावधि जमा तथा जमा प्रमाणपत्रों सहित नकदी और बैंक शेष	210		0	0	
II. निवेश (निदेश का पैरा 6 देखें)			0	0	
(क) भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 में यथा परिभाषित अनुमोदित प्रतिभूतियां	221		0	0	
(ख) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बांड					
(i) भाग 'क' मद (x) में काटी गई राशि (मद कोड 150)	222 क		0		
(ii) भाग 'क' मद (x) में न काटी गई राशि (मद कोड 150)	223 क		20		
(ग) सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं के सावधि जमा/जमा प्रमाणपत्र/बांड					
(i) भाग 'क' मद (x) में काटी गई राशि (मद कोड 150)	224 क		0	0	
(ii) भाग 'क' मद (x) में न काटी गई राशि (मद कोड 150)	225 क		100		
उप-जोड़ (222 क + 223क + 224 क + 225क)	उप जोड़ 225क				
(घ) सभी कंपनियों के शेयर और कंपनियों के डिबेंचर/बांड/वाणिज्यिक पत्र तथा सभी म्युचुअल फंडों की यूनिटें					
(i) भाग 'क' मद (xi) में काटी गई राशि (मद कोड 150)	226		0	0	
(ii) भाग 'क' में न काटी गई राशि	227		100		
उप जोड़ (226 + 227)	उप जोड़ 227				
III. चालू परिसंपत्तियां					
(क) किराए पर स्टॉक (कृपया नीचे का नोट 2 देखें)					

मद का नाम	मद कोड	बही मूल्य	जोखिया भारित	समायोजित मूल्य
(i) भाग 'क' [मद (xi) मद कोड 150] में काटी गई राशि	231		0	0
(ii) भाग 'क' में न काटी गई राशि	232		100	0
उप-जोड़ (231+232)	उप-जोड़ 232			
(ख) अंतर-कंपनी ऋण/जमाराशि				
(i) भाग 'क' [मद (xi) मद कोड 150] में काटी गई राशि	233		0	0
(ii) भाग 'क' में न काटी गई राशि	234		100	
उप-जोड़ (233 + 234)	उप-जोड़ 234			
(ग) कंपनी की अपनी जमाराशि से पूर्णतः रक्षित ऋण और अग्रिम	235		0	0
(घ) स्टाफ को ऋण	236		0	0
(ङ) अन्य जमानती ऋण और अग्रिम जो अच्छे माने गए				
(i) भाग 'क' [मद (xi) मद कोड 150] में काटी गई राशि	241		0	0
(ii) भाग 'क' में न काटी गई राशि	242		100	
उप-जोड़ (235+236+241+242)	उप-जोड़ 242			
(च) खरीदे/भुनाए गए बिल				
(i) भाग 'क' [मद (xi) मद कोड 150] में काटी गई राशि	243		0	0
(ii) भाग 'क' में न काटी गई राशि	244		100	
उप-जोड़ (243+244)	उप-जोड़ 244			
(छ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	245		100	

मद का नाम	मद कोड	बही मूल्य	जोखिम भारित	समायोजित मूल्य
IV. अचल परिसंपत्ति (मूल्यहास को घटाकर)				
(क) पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियाँ				
(i) भाग क [मद (xi) मद कोड 150] में काटी गई राशि	251	0	0	
(ii) भाग क में न काटी गई राशि	252	100		
उप-जोड़ (251+252)	उप-जोड़ 252			
कुल ऋण जोखिम (एक्सपोजर) (उपजोड़ 232 + उप जोड़ 234 + उपजोड़ 242 + उपजोड़ 244+245 + उपजोड़ 252)	सीटी 200			
(ख) परिसर	253	100		
(ग) फर्नीचर और फिल्सचर	254	100		
V. अन्य परिसंपत्तियाँ				
(क) स्रोत पर काटा गया आयकर (प्रावधानों को घटाकर)	255	0	0	
(ख) अग्रिम चुकाया गया कर (प्रावधानों को घटाकर)	256	0	0	
(ग) सरकारी प्रतिभूतियों पर प्राप्त	257	0	0	
ब्याज				
(घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	258	100		
भारित कुल परिसंपत्तियाँ (मद 210 से 258 जिन मद कोडों के पहले 'उप-जोड़' लिखा हो उसे शामिल न करें)	200			

नोट :

- उन आस्तियों का निवलीकरण किया जाए जिनमें मूल्यहास या अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान किये गये हैं।
- वित्तीय प्रभारों अर्थात् ब्याज तथा वसूली योग्य अन्य प्रभारों को घटाकर किराए पर स्टाकों को दर्शाया जाए।
- निवल स्वाधिकृत निधि की गणना के लिए जिन परिसंपत्तियों को स्वाधिकृत निधि से घटाया गया है उस पर भार "शून्य" होगा।
- किसी उधारकर्ता के समग्र बकाया जोखिम के संबंध में निवलोकरण नकदी मार्जिन जमानती राशि/प्रतिशूलि जमा से किया जा सकता है जिनकी जमानत पर मुजरायी(set off) के लिए अधिकार उपलब्ध है।

भाग- ४

भारित अनिधिक(non-funded) एक्सपोजर/तुलन पत्र से इतर मद्दें

मद नाम	मद कोड	बही मूल्य	परिवर्तन कारक	समतुल्य मूल्य	जोखिम भार	सभायोजित मूल्य
1. वित्तीय और अन्य गारंटियाँ	310	-	100	-	100	-
2. शेयर/डिवेंचर हासीधारी बाध्यताएं	320	-	50	-	100	-
3. आंशिक रूप से चुकता शेयर/ डिवेंचर	330	-	100	-	100	-
4. बिलों की पुनर्भुनाई	340	-	100	-	100	-
5. पड़ेदारी करार कर तो लिए गए हैं पर निष्पादिन होना बाकी है	350	-	100	-	100	-
6. अन्य आकस्मिक देयताएं (निर्दिष्ट करें)	360	-	50	-	100	-
कुल अनिधिक एक्सपोजर (मद 310 से 360)	300	-	-	-	-	-

निप्पणी : परिवर्तन कारक लगाने के पहले नकदी मार्जिन/जमाराशियाँ काट ली जाएंगी।

भाग - च

परिसंपत्ति वर्गीकरण

I. निम्नलिखित में वर्गीकृत ऋण जोखियों का सकल योग:

मद का नाम	मद कोड	राशि
(i) मानक परिसंपत्ति	411	
(ii) अवमानक परिसंपत्ति		
(क) पट्टेवाली और किराया खरीद परिसंपत्ति	412	
(ख) अन्य ऋण सुविधाएं	413	
(iii) संदिग्ध परिसंपत्तियाँ	414	
(iv) हानि परिसंपत्तियाँ	415	
जोड़ (411 से 415)	410	
नोट (मद 410 सीटी 200 से मेल खानी चाहिए)		

II. निर्धारित निदेश के अनुसार उपर्युक्त I के संबंध में सकल प्रावधान

मद का नाम	मद कोड	अयोक्षित प्रावधान	किए गए वास्तविक प्रावधान
(क) ऋण, अग्रिम तथा अन्य ऋण सुविधाएं			
(i) अवमानक परिसंपत्तियाँ			
(क) परिसंपत्ति के अनजंक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले पूरी राशि लाभ और हानि लेखा की जमा में ले जायी जाए	421		
[निदेश का पैरा 3(2)]			

मद का नाम	मद कोड	अपेक्षित प्रावधान	किट गए वास्तविक प्रावधान
(ख) बकाया शेष राशि का 10%	422		
(ii) संदिग्ध परिसंपत्तियां			
(क) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले पूरी राशि लाभ और हानि लेखा की जमा में ले जायी जाए। [निदेश का पैरा 3(2)]	423		
(ख) जमानत के वसूली योग्य मूल्य द्वारा पूर्ति नहीं हुई सीमा तक 100 प्रतिशत और परिसंपत्ति संदिग्ध रही अवधि तक जमानती भाग का 20 से 50 प्रतिशत।	424		
(iii) हानिवाली परिसंपत्तियां			
(क) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले पूरी राशि लाभ और हानि लेखा की जमा में ले जायी जाए। [निदेश का पैरा 3(2)]	425		
(ख) बकाया शेष राशि का 100%	426		
जोड़ : (मद सं. 421 से 426)	उप-जोड़ 426		
(ख) किराया खरीद और पट्टेवाली परिसंपत्तियां			

मद का नाम	मद कोड	अपेक्षित प्रावधान	किए गए वास्तविक प्रावधान
(i) अवमानक परिसंपत्तियां [निदेश का पैरा 9(2)]			
<u>किराया खरीद परिसंपत्तियां</u>			
(क) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले पूरी राशि लाभ और हानि लेखा की जमा में ले जायी जाए। [निदेश का पैरा 3(3)]	427		
(ख) कुल प्राप्य राशि और हासित मूल्य के बीच की कमी [निदेश का पैरा 9(2)(i)]	428		
(ग) निवल बही मूल्य का 10% [निदेश का पैरा 9(2)(ii)]	429		
<u>पट्टे पर दी हुई परिसंपत्तियां</u>			
(घ) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले निवल पट्टा किराए को पूरी राशि लाभ और हानि लेखा में जमा की जाए। [निदेश का पैरा 3(4)]	430		
(ङ)) निवल बही मूल्य का 10% [निदेश का पैरा 9(2)(ii)]	431		
<u>(ii) संदिग्ध परिसंपत्तियां</u>			
<u>किराया खरीद परिसंपत्तियां</u>			

मद का नाम	मद कोड	अयोक्षित प्रावधान	किए गए वास्तविक प्रावधान
(क) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले पूरी राशि लाभ और हानि लेखा की जमा में ले जायी जाए। [निदेश का पैरा 3(3)]	432		
(ख) कुल ग्राह्य राशि और हासित मूल्य के बीच की कमी [निदेश का पैरा 9(2)(i)]	433		
(ग) निवल बही मूल्य का 40% [निदेश का पैरा 9(2)(ii)]	434		
<u>पट्टेपर दो गई परिसंपत्तियाँ</u>			
(घ) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले निवल पट्टा किराए की पूरी राशि लाभ और हानि लेखा में जमा की जाए। [निदेश का पैरा 3(4)]	435		
(ङ) निवल बही मूल्य का 40% [निदेश का पैरा 9(2) (ii)]	436		
<u>किराया खरीद परिसंपत्ति</u>			
(च) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले पूरी राशि लाभ और हानि लेखा की जमा में ले जायी जाए। [निदेश का पैरा 3(3)]	437		
(छ) कुल ग्राह्य राशि और हासित मूल्य के बीच की कमी [निदेश का पैरा 9(2)(i)]	438		

मद का नाम	मद कोड	अपेक्षित प्रावधान	किए गए वास्तविक प्रावधान
(ज) निवल बही मूल्य का 70% [निदेश का पैरा 9(2)(ii)]	439		
<u>पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियाँ</u>			
(झ) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले निवल पट्टा किराए की पूरी राशि लाभ और हानि लेखा की जमा में ले जायी जाए। [निदेश का पैरा 3(4)]	440		
(ज) निवल बही मूल्य का 70% [निदेश का पैरा 9(2)(ii)]	441		
<u>हानिवाली परिसंपत्तियाँ</u>			
<u>किराया खरीद परिसंपत्तियाँ</u>			
(क) परिसंपत्ति के अनर्जक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले पूरी राशि लाभ और हानि लेखा की जमा में ले जायी जाए। [निदेश का पैरा 3(3)]	442		
(ख) कुल प्राप्य राशि और हासित मूल्य के बीच की कमी	443		
[निदेश का पैरा 9(2)(i)]			
(ग) निवल बही मूल्य का 100% [निदेश का पैरा 9(2)(ii)]	444		

मद का नाम	मद कोड	अपेक्षित प्रावधान	किए गए वास्तविक प्रावधान
<u>पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां</u>			
(क) परिसंपत्ति के अनर्जीक परिसंपत्ति बनने और वसूल न हो पाने से पहले निवल पट्टा किराए की पूरी राशि लाभ और हानि लेखा में जमा की जाए। [निदेश का पैरा 3(4)]	445		
(ख) निवल बही मूल्य का 100% [निदेश के पैरा 9(2)(ii)]	446		
उप-जोड़ : (मद सं. 427 से 446)	उप-जोड़ 446		
कुल प्रावधान (उप-जोड़ 426 + उप-जोड़ 446)	420		
III. निम्नलिखित के संबंध में अन्य प्रावधान			
(i) अचल परिसंपत्तियों में मूल्यहास	451		
(ii) निवेश में मूल्यहास	452		
(iii) हानि/अमूर्त परिसंपत्तियां	453		
(iv) कराधान हेतु प्रावधान	454		
(v) उपदान/भविष्य निधि	455		
(vi) अन्य (निर्दिष्ट करें)	456		
जोड़	450		

भाग - छ

उसी समूह की कंपनियों/फर्मों और अन्य गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों

में निवेश और उन्हें प्रदत्त अग्रिमों से संबंधित ब्योरे

मद का नाम	मद कोड	राशि
(i) सहायक कंपनियों और उसी समूह की कंपनियों को दिये गये ऋण और अग्रिमों का बकाया और उनके पास जमाराशियों और बांडों और डिबेंचरों के बही मूल्य (परिशिष्ट सं. में ब्योरे संलग्न किए जाएं।	510	
(ii) सहायक कंपनियों और उसी समूह की कंपनियों तथा सभी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के शेयरों में निवेश (परिशिष्ट सं. में ब्योरे संलग्न किए जाएं)	520	
(iii) अन्य कंपनियों, फर्मों और उन स्वामित्व प्रतिष्ठानों में, जिनमें कंपनी के निदेशकों के पर्याप्त हित शामिल हों, शेयरों, डिबेंचरों, ऋणों और अग्रिमों, पट्टा, किशाया खरीद वित्त-पोषण, जमाराशि आदि के रूप में किया गया निवेश (परिशिष्ट सं. में ब्योरे संलग्न किए जाएं)	530	

भाग - ज

उपर्युक्त भाग - छ में शामिल-सहित पार्टीयों को तुलन पत्र से इतर एक्सपोजर और निवेशों-सहित अग्रिमों के संकेत्रीकरण से संबंधित ब्योरे

मद का नाम	मद कूट	राशि
(i) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की स्वाधिकृत निधि के 15 प्रतिशत से अधिक किसी एक पार्टी को तुलन पत्र से इतर एक्सपोजर-सहित दिए गए ऋण और अग्रिम (परिशिष्ट सं. में ब्योरे संलग्न किए जाएं)	610	

मद का नाम	मद कूट	राशि
(ii) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की स्वाधिकृत निधि के 25 प्रतिशत से अधिक किसी एक समूह को तुलन पत्र से इतर एक्सपोजर सहित दिए गए ऋण और अग्रिम (परिशिष्ट सं. में ब्योरे संलग्न किए जाएं)	620	
(iii) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की स्वाधिकृत निधि के 15 प्रतिशत से अधिक किसी एक कंपनी में किये गये निवेश (परिशिष्ट सं. में ब्योरे संलग्न किए जाएं)	630	
(iv) गैर-बैंकिंग कंपनी की स्वाधिकृत निधि के 25 प्रतिशत से अधिक किसी ही समूह को कंपनियों द्वारा जारी शेयरों में किये गये निवेश	640	
(v) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की स्वाधिकृत निधि के 25 प्रतिशत से अधिक किसी एक पार्टी को दिए गए ऋण और अग्रिमों (डिबेंचरों/बांडों और तुलनपत्र से इतर एक्सपोजर सहित) तथा उसके शेयरों में निवेश	650	
(vi) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की स्वाधिकृत निधि के 40 प्रतिशत से अधिक किसी एक समूह की पार्टीयों को दिए गए ऋणों, अग्रिमों (डिबेंचरों/बांडों और तुलनपत्र से इतर एक्सपोजर- सहित) तथा उनके शेयरों में किये गये निवेश	660	

नोट :

- एक्सपोजर की ये सारी सीमाएं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के अपने समूह के साथ-साथ उधारकर्ताओं/निवेशिती कंपनी समूह पर लागू होंगे।
- इस प्रयोजन के लिए डिबेंचरों में किया गया निवेश ऋण माना जाएगा, न कि निवेश।

आग - झा

परिसर तथा अनुद्धृत (अनकोटेड) शेयरों में किए गए निवेश से संबंधित घ्योरे

मद का नाम	मद कूट	राशि
(i) कंपनी की स्वाधिकृत निधि के 10 प्रतिशत से अधिक अपने निजी उपयोग को छोड़कर (विवरणी के मद कोड 253 में से) परिसर (भूमि और भवन) में किया गया निवेश		
(क) कंपनी द्वारा स्वतंत्र रूप से अधिगृहीत	710	
(ख) अपने ऋण की क्षतिपूर्ति के लिए अधिगृहीत	720	
(ii) सहायक कंपनियों और उसी समूह की कंपनियों में (देखें मद कूट 141 तथा 142) निवेश को छोड़कर अनुद्धृत शेयरों में निम्नलिखित से अधिक निवेश		
(क) परिसंपत्ति वित्त कंपनियों के मामले में स्वाधिकृत निधि का 10 प्रतिशत	730	
(ख) ऋण और निवेश कंपनियों के मामले में स्वाधिकृत निधि का 20 प्रतिशत	740	

पारा - अ

**गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा और इसके विरुद्ध दाखिल वाद तथा
डिक्री प्राप्त ऋण के ब्योरे**

मद का नाम	मद क्रूट	राशि
I		
(i) ऋण, अग्रिम, अन्य ऋण सुविधाएं, पट्टेवाली परिसंपत्तियाँ और किराया खरीद परिसंपत्तियाँ जिनके लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ने किसी न्यायालय में डिक्रीप्राप्त ऋणों-सहित अपने बकायों की वसूली के लिए वाद दाखिल कर रखे हैं:	810	
5 वर्ष से अधिक से विचाराधीन	811	
3 से 5 वर्ष तक	812	
1 से 3 वर्ष तक	813	
एक वर्ष से कम के लिए विचाराधीन	814	
(ii) उपर्युक्त (i) में से जिन ऋणों, अग्रिमों, अन्य ऋण सुविधाओं तथा किराया खरीद परिसंपत्तियों के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ने डिक्री लासिल कर ली है	820	
(iii) वाद दाखिल/डिक्री प्राप्त ऋण (न्यायालय में जमा की गई राशि सहित) से हुई वसूली	830	
II. कंपनी के विरुद्ध दाखिल वाद और डिक्रीप्राप्त	840	

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

- (1) इस विवरण में आय निर्धारण, लेखा मानक, परिसंपत्ति वर्गीकरण, अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान, पूँजी पर्याप्तता और ऋण तथा निवेश के संकेतण के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निदेशों के अनुसार ही आंकड़े/सूचना दी गई है। कंपनी के बही खातों तथा अन्य अभिलेखों से ही विवरण का संकलन किया गया है और मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार ये सही हैं;
- (2) कंपनी की परिसंपत्ति तथा आय के स्वरूप से प्राप्त याकृत्य के अनुसार इसके प्रधान कारोबार के आधार पर रिजर्व बैंक ने इसे -----के रूप में वर्गीकृत किया है जो सही रूप में बकरार है/बरकरार नहीं है (जो लागू न हो उसे काट दें);
- (3) कंपनी ने जनता की जमाराशियां स्वीकार की हैं और ये जमाराशियां कंपनी के लिए लागू सीमाओं के तहत हैं;
- (4) कंपनी ने जमाराशि पर निदेशों में निर्धारित उच्चतम सीमा से अधिक व्याज/दलाली का भुगतान नहीं किया है;
- (5) कंपनी ने परिपक्व जमाराशि की चुकौती में चूक नहीं की है;
- (6) मीयादी जमाराशि के लिए साख श्रेणी निर्धारण एजेंसी ----- (एजेंसी का नाम) ने ----- (साख श्रेणी का न्यून/साख श्रेणी) प्रदान की है जो बैंध है;
- (7) भाग घ, ड, और च में दिए गए छाँटों को ध्यान में रखते हुए भाग ग की विवरणी में जिस पूँजी पर्याप्तता का प्रकटीकरण किया गया है उसकी सही गणना की गई है;
- (8) मार्च/सितंबर--- को समाप्त छमाही के दौरान ऋण, उपरकर पढ़े, किराया खरीद वित्तपोषण और निवेश के साथ-साथ कंपनी की अन्य परिसंपत्तियों से संबंधित सकल बकाया राशि को यह सुनिश्चित करने के लिए गणना में लिया जाता है कि कंपनी के लिए निर्धारित न्यूनतम पूँजी पर्याप्तता अनुकूल को संबंधित अवधि के दौरान अनवरत आधार पर बनाए रखा गया है;

- (9) विवरणी के भाग च में यथा प्रकट परिसंपत्ति वर्गीकरण का सत्यापन किया गया और सही पाया गया। ऋणों, पट्टे और किराया खरीद लेनदेने और देय तारीखों के बाद भुनाए गए बिलों का रोलओवर /पुनर्निर्धारण नहीं देखा गया है। अवमानक या संदिग्ध या हानिवाली परिसंपत्तियों का यदि उन्नयन किया गया है तो ऐसा गैर-बैंकिंग वित्तीय (जमा राशि स्वीकरण या धारण) कंपनी विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक) निदेश, 2007 के अनुरूप किया गया है।
- (10) विवरणी के भाग छ में यथा प्रकट समूह कंपनियों में निवेश छामाही विवरणी के भाग ज में ऋण/निवेश संकेत्रण मानदंडों से अधिक अलग-अलग व्यक्तियों/फर्मों अन्य कंपनियों को यथा प्रकट एक्सपोजर, विवरणी के भाग झ में परिसरों और अनुदृढ़ शेयरों में यथा प्रकट निवेशों और विवरणी के भाग ज में कंपनी द्वारा और इसके विरुद्ध दाखिल बाद स्था डिक्रीप्राप्त ऋण के ब्योरे और ऐसी परिसंपत्तियों का वर्गीकरण सही है।

स्थान :

कंपनी के लिए तथा कंपनी की ओर से

दिनांक

(कंपनी का नाम)

प्रबंध निदेशक/मुख्य कार्यपालक अधिकारीलेखा-परीक्षक की रिपोर्ट

हमने -----20--- की स्थिति के अनुसार पूंजीगत निधि, जोखिम परिसंपत्तियों/एक्सपोजर और जोखिम परिसंपत्ति अनुपात आदि के संबंध में -----लिमिटेड द्वारा रखे गए बही खातों और अन्य अभिलेखों तथा कंपनी के प्रबंध निदेशक/मुख्य कार्यपालक अधिकारी या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा दिए गए उपर्युक्त विवरणों/प्रमाणपत्र की जांच की है। यादृच्छिक जांच के आधार पर, हम उपर्युक्त पैरा (8) में दिए गए विवरण को प्रमाणित करते हैं। इसके अतिरिक्त हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि हमारी सर्वोत्तम जानकारी और दी गई जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण तथा हमें दिखाए गए अभिलेख और हमारे द्वारा की गयी उनकी जांच के अनुसार उपर्युक्त विवरण के भाग क, ख, ग, घ, ड, च, छ, ज, झ और ज में दर्शाए गए आंकड़े सही हैं।

स्थान :

दिनांक :

संलग्नक -3**फार्म एनबीएस 6**

पंजी बाजार जोखियम (CME) से संबंधित पासिक विवरणी

----- 200 माह की समाप्ति पर

एनबीएफसी/आरएनबीसी का नाम :

कंपनी की कूट सं.
(भारिंडैक के भरने के लिए)

पंजीकृत कार्यालय का पता :

भारिंडैक पंजीयन सं.

कंपनी का वर्गीकरण : एएफसी/क्रहण/निवेश/आरएनबीसी

विवरणी भरने के लिए टिप्पणियां और अनुदेश

1. प्रयोज्यता

यह विवरणी जमाराशि लेनेवाली उन सभी एनबीएफसी को भरनी हैं जिनकी कुल परिसंपत्तियां पिछले वर्ष 31 मार्च को 100 करोड़ रुपए और उससे अधिक रही हैं (उदाहरण के लिए अप्रैल 2007 या अक्टूबर 2007 माह की विवरणी के लिए कुल परिसंपत्तियों की आधार तारीख मार्च 2007 होगी, इसी प्रकार मार्च 2008 माह की विवरणी के लिए कुल परिसंपत्तियों की आधार तारीख मार्च 2007 होगी)। लेखापरीक्षित आंकड़ों के अभाव में, इस प्रयोजन के लिए अनंतिम आंकड़े लिए जाएं।

2. यह विवरणी गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक के उस क्षेत्रीय कार्यालय को प्रस्तुत की जानी चाहिए जिसके कार्य क्षेत्र में उसका पंजीकृत कार्यालय स्थित है।

3. पूंजी बाजार जोखिम (सीएमई) की परिभ्रमा

इस विवरणी के लिए, सीएमई निम्नलिखित के रूप में कंपनी के ऋण जोखिमों का सकल योग होगा:

- (i) उद्धृत ईकिवटी शेयरों में निवेश, उद्धृत अनिवार्यतः परिवर्तनीय अधिभान शेयर (सीसीपीएस), उद्धृत परिवर्तनीय बांड तथा डिबेंचर और मूलतः ईकिवटी मूलक पारस्परिक निधियों की उद्धृत यूनिटें;
- (ii) उपर्युक्त (i) की प्रतिभूतियों की जमानत पर ऋण एवं अग्रिम, जिसमें आइपीओ, आदि को वित्तपोषित करने वाले ऋण एवं अग्रिम शामिल हैं;
- (iii) शेयर दलालों को दिए गए जमानती तथा बेजमानती ऋण एवं अग्रिम और उनकी ओर से जारी गारंटीयों;
- (iv) बुकाबेल्डिंग रूट के माध्यम-सहित ईकिवटी से संबंधित प्राथमिक निर्गमों के संबंध में हामीदारी वचनबद्धताएं; और
- (v) पूंजी बाजार को ईकिवटी से संबंधित कोई अन्य ऋण जोखिम।

4. संपादिकर्क या अनिरिक्त प्रतिभूति के रूप में एनबीएफसी तथा आरएनबीसी को सौंपे गए शेयर, डिबेंचर, पारस्परिक निधियों की यूनिटें, आदि की स्वीकार्यता सीएमई के अंतर्गत नहीं आती, यदि उन्हें सामान्य कारबार प्रथा तथा मूल्यांकन कार्यविधि के अनुसार स्वीकार किया जाता है, साथ ही अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1987 के पैराग्राफ 6 के प्रावधानों के अनुपालन में आरएनबीसी द्वारा किए गए निवेशों को भी इसी के अनुरूप माना जाता है।

5. इस विवरणी में उल्लिखित 'सहायक कंपनियों' तथा 'उसी समूह की कंपनियों' का वही अर्थ है जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 4 एवं धारा 372(11) में उनके बारे में क्रमशः बताया गया है।

6. 'पण्यावर्त' का अर्थ है निवेशों की उसी श्रेणी में बिक्री एवं खरीद का कुल योग।

7. यदि विवरणी के किसी अंश/मद में कोई बात रिपोर्ट करने के लिए नहीं हो, तो 'राशि' के कालम में '00' दिखाया जाए।

8. विवरणी पर प्रधान अधिकारियों में से किसी एक के हस्ताक्षर होने चाहिए, जैसा कि जमाराशियों के संबंध में वार्षिक विवरणी में दिया गया है (एनबीएस-1/एनबीएस-1ए)।

9. 'सकल क्रय' शब्दावली देसे ऋण जोखिमों का संकेत करती है जिनसे पूंजी बाजार ऋण जोखिम में बढ़ोत्तरी होती है तथा 'सकल विक्रय' का अर्थ उस ऋण जोखिम से है जिससे एनबीएफसी/आरएनबीसी का पूंजी बाजार ऋण जोखिम कम होता है।

भाग-I उद्धृत निवेश

(लाख रुपए में)

निवेशों के ब्योरे	पिछले माह में पर्यायतः			माह के अंत में बही मूल्य	माह के अंत में बाजार मूल्य
	सक्र	सवि**	योग		
1. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों-सहित कंपनियों के उद्धृत ईकिवटी शेयरों में निवेश			*		
1.1 उसी समूह की कंपनियां					
1.2 अन्य कंपनियां					
2. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों-सहित कंपनियों के उद्धृत परिवर्तनीय बांडों/डिबेंचरों में निवेश					
2.1 उसी समूह की कंपनियां					
2.2 अन्य कंपनियां					
3. मूलतः ईकिवटी मूलक पारस्परिक निधियों की यूनिटों में निवेश					
4. उद्धृत अनिवार्यतः परिवर्तनीय अधिमान शेयर					
4.1 उसी समूह की कंपनियां					
4.2 अन्य कंपनियां					
5. उद्धृत शेयरों, बांडों/परिवर्तनीय डिबेंचरों, मूलतः ईकिवटी मूलक पारस्परिक निधियों की यूनिटों में निवेशों का योग (1+2+3+4)					
6. उद्धृत शेयरों या उद्धृत परिवर्तनीय बांडों/डिबेंचरों एवं मूलतः ईकिवटी मूलक पारस्परिक निधियों की यूनिटों को (निम्न स्वरूप की प्रतिभूतियों की) जमानत पर कंपनियों को ऋण तथा अग्रिम (क) भौतिक प्रतिभूतियां (ख) डिमेट प्रतिभूतियां					
6.1 उपर्युक्त 6 में से, किसी कंपनी को दी गई अधिकतम राशि					
6.2 उपर्युक्त 6 में से आइपीओ के विनाशण के स्लिए कंपनियों को ऋण तथा अग्रिम					

6.2.1 भौतिक प्रतिभूतियाँ				
6.2.2 डिमेट प्रतिभूतियाँ				
6.3 उपर्युक्त 6 में से, निम्नलिखित को ऋण तथा अग्रिम				
6.3.1 उसी समूह की कंपनियाँ				
6.3.2 अन्य कंपनियाँ				
7. उद्धृत शेयरों या उद्धृत परिवर्तनीय बांडों/डिवेचरों एवं मूलतः शक्तिवाली मूलक पारस्परिक निधियों की यूनिटों की (निम्न स्वरूप की प्रतिभूतियों की) जमानत पर व्यक्तियों, फर्मों, अविभक्त हिंदू परिवारों तथा लोगों के अनिगमित संघों को ऋण तथा अग्रिम				
(क) भौतिक प्रतिभूतियाँ				
(ख) डिमेट प्रतिभूतियाँ				
7.1 उपर्युक्त 7 में से, एक व्यक्ति या एक फर्म या हिंदू अविभक्त एक परिवार या लोगों के एक अनिगमित संघ को दिए गए ऋण एवं अग्रिमों की अधिकतम राशि				
7.2 उपर्युक्त 7 में से, निम्नलिखित की जमानत पर आहपीओ के वित्तपोषण के लिए व्यक्तियों, फर्मों, हिंदू अविभक्त परिवारों तथा लोगों के अनिगमित संघों को ऋण एवं अग्रिम				
7.2.1 भौतिक प्रतिभूतियाँ				
7.2.2 डिमेट प्रतिभूतियाँ				
8. शेयर दलालों को ऋण जोखिम सोमा				
8.1 शेयर दलालों को ऋण :				
8.1.1 जमानती				
8.1.2 बेजमानती				
8.1.3 उप-योग (8.1.1+8.1.2)				
8.2 शेयर दलालों की ओर से गारंटीयाँ				
8.3 किसी शेयर दलाल को दिए गए ऋण एवं अग्रिमों की अधिकतम राशि				
8.4 शेयर दलालों को ऋण जोखिम का योग (8.1.3+8.2)				
8.5 उपर्युक्त 8.4 में से, एनबीएपसी के स्वयं समूह में दलाली कंपनियों/फर्मों को ऋण जोखिम				

9. ब्रुक बिल्डिंग रूट के माध्यम-सहित इकिवटी संबंधी प्राथमिक निर्मितों के संबंध में कंपनी की हामीदारी वचनबद्धताएं				
10. पूर्जी बाजार को इकिवटी संबंधी कोई अन्य ऋण जोखिम (कृपया उल्लेख करें)				
11. कुल पूर्जी बाजार ऋण जोखिम (5+6+7+8+9+10)				
भाग-2 अनुदृत निवेश				
12. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों-सहित कंपनियों के अनुदृत इकिवटी शेयरों में निवेश				
12.1 उसी समूह की कंपनियां				
12.2 अन्य कंपनियां				
13. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों-सहित कंपनियों के अनुदृत बांडों/डिबेंचरों में निवेश				
13.1 उसी समूह की कंपनियां				
13.2 अन्य कंपनियां				
14. अनुदृत इकिवटी शेयरों/बांडों/ डिबेंचरों में निवेशों का योग (12+13)				

* सक्र = सकल ऋण

** सवि = सकल विक्रय

भाग -3 पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार स्थिति

15. पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार कंपनी की स्वाधिकृत निधियां	
16. पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार कंपनी की कुल परिसंपत्तियां (अमूर्त को घटाकर)	
17. जिस माह से विवरणी संबंधित हैं उस माह के अंत में कंपनी की कुल जमाराशियां (आरएनबीसी के लिए)/सार्वजनिक जमाराशियां (एनबीएफसी के लिए)	

प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/
प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान -----
सारीख -----

नाम -----
पदनाम -----

डीएनबीएस.193/डीजी (बीएल)-2007

भारतीय रिजर्व बैंक, जनता के हित में यह आवश्यक समझकर, और इस बात से संतुष्ट होकर कि देश के हित में ऋण प्रणाली को विनियमित करने के लिए, बैंक को समर्थ बनाने के प्रयोजन से नीचे दिए गए विवेकपूर्ण मानदण्डों से संबंधित निदेश जारी करना जरूरी है, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 ऊक द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इसकी ओर से प्राप्त समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा 31 जनवरी, 1998 की अधिसूचना सं. डीएफसी.119/डीजी (एसपीटी)/98 में दिए गए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी विवेकपूर्ण मानदण्ड (रिजर्व बैंक) निदेश 1998 का अधिक्रमण करते हुए सार्वजनिक जमाराशियां स्वीकार/धारण न करनेवाली प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी को इसके पश्चात निर्दिष्ट निदेश देता है।

संक्षिप्त नाम, निदेशों का प्रारंभ और उनकी प्रयोज्यता

1. (1) इन निदेशों को "गैर-बैंकिंग वित्तीय (जमाराशि स्वीकार या धारण न करनेवाली) कंपनी विवेकपूर्ण मानदण्ड (रिजर्व बैंक) निदेश, 2007" के नाम से जाना जाएगा।

(2) ये निदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

(3) (i) इन निदेशों के प्रावधान, आगे खंड (ii), (iii) तथा (iv) में यथा उल्लिखित को छोड़कर, निम्नलिखित पर लागू होंगे:

सार्वजनिक जमाराशियां स्वीकार/धारण न करनेवाली प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी।

(ii) इन निदेशों के पैराग्राफ 16 तथा 18 के प्रावधान निम्नलिखित पर लागू नहीं होंगे:

(क) कोई ऋण कंपनी;

(ख) कोई निवेश कंपनी;

(ग) कोई परिसंपत्ति वित्त कंपनी;

जो संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण जमा राशि न लेनेवाली कोई गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी नहीं है।

(iii) ये निदेश, निवेश कंपनी होने के नाते किसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर लागू नहीं होंगे;

बशर्ते, वह

(क) अपने समूह/नियंत्रण/सहायक कंपनियों की प्रतिभूतियों में निवेश रखती हो और ऐसे धारण के बही मूल्य उसकी कुल परिसंपत्तियों के नब्बे प्रतिशत से कम न हो और वह ऐसी प्रतिभूतियों में क्रय-विक्रय न करती हो;

(ख) सार्वजनिक जमाराशि स्वीकार/धारण न करती हो; तथा

(ग) संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण जमा राशि न लेनेवाली कोई गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी नहीं है।

तथापि, ऐसी निवेश कंपनियों पर पैराग्राफ 16 एवं 18 के प्रावधान लागू होंगे जो संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण जमा राशि न लेनेवाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है।

(iv) पैराग्राफ 19 के प्रावधानों को छोड़कर, ये निदेश सरकारी कंपनी होने के नाते ऐसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर लागू नहीं होंगे, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 617 के अंतर्गत परिभाषित है और सार्वजनिक जमाराशि स्वीकार/धारण नहीं करती है।

परिभाषा

2. (1) इन निदेशों के प्रयोजन के लिए, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:

(i) "विघटित मूल्य(break-up value)" का अर्थ है ईक्विटी पूँजी तथा आरक्षित निधि, जिसे अमूर्त परिसंपत्तियों एवं सुनर्मूल्यांकित आरक्षित निधि के रूप में घटाया गया है, व निवेशिती (इनवेस्टी) कंपनी के ईक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित किया गया है;

(ii) "वहन लागत(carrying cost)" का अर्थ है परिसंपत्तियों का बही मूल्य और उस पर उपचित छाज कितु जो प्राप्त न हुआ हो;

- (iii) "वर्तमान निवेश(current investment)" का अर्थ है ऐसा निवेश जिसे सुरक्षा भुनाया जा सके और निवेश करने की तारीख से एक वर्ष से अधिक अवधि तक धारित न किए जाने के लिए हो;
- (iv) "संदिग्धपरिसंपत्तियों" का अर्थ है -
- (क) मीयादी ऋण, अथवा
 - (ख) पट्टा परिसंपत्ति, अथवा
 - (ग) किराया खरीद परिसंपत्ति, अथवा
 - (घ) क्रोई अन्य परिसंपत्ति,
- जो 18 महीने से अधिक अवधि तक अवमानक परिसंपत्ति बनी रही हो;
- (v) "अर्जन मूल्य" का अर्थ है ईक्विटी शेयरों का वह मूल्य जिसकी गणना करने के बाद करोत्तर लाभों के औसत तथा अधिमानी लाभांश को घटाते हुए तथा असाधारण एवं गैर-आवर्ती मद्दों को समायोजित करते हुए तत्काल पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए की गई हो और उसे निवेशिती कंपनी के ईक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित किया गया हो तथा जिसे निम्नलिखित दर पर पूंजीकृत किया गया हो:
- (क) प्रमुखतः विनिर्माण कंपनी के मामले में, आठ प्रतिशत;
 - (ख) प्रमुखतः व्यापार कंपनी के मामले में, दस प्रतिशत; और
 - (ग) एनबीएफसी सहित किसी अन्य कंपनी के मामले में, बारह प्रतिशत;

टिप्पणी :

- यदि निवेशिती कंपनी घाटे वाली कंपनी है तो अर्जन मूल्य शून्य पर लिया जाएगा;
- (vi) "उचित मूल्य" का अर्थ है अर्जन मूल्य और विधिवित मूल्य का औसत;
- (vii) "संमिश्र ऋण(hybrid debt)" का अर्थ है ऐसा पूंजीगत लिखत जिसमें ईक्विटी तथा ऋण की कतिपय विशेषताएं हों;
- (viii) "मूलभूत संरचना ऋण" का अर्थ है एनबीएफसी द्वारा उधारकर्ता को दी गई ऐसी ऋण सुविधा जो मीयादी ऋण, परियोजना ऋणस्वरूप किसी परियोजना वित्त पैकेज के हिस्से के रूप में अंजित किसी परियोजना कंपनी के बाण्ड/डिबेंचर/अधिमानी शेयर/ईक्विटी शेयर में अधिदान हो और अधिदान की यह रकम "अग्रिम के रूप में" हो

अथवा निम्नलिखित गतिविधियों में संलग्न किसी उधारकर्ता कंपनी को दी गई किसी अन्य प्रकार की दीर्घविधि निधिक सुविधा हो:

- * विकास कार्य अथवा
- * परिचालन एवं परिरक्षण, अथवा
- * विकास, परिचालन एवं परिरक्षण

ऐसी कोई मूलभूत संरचना सुविधा जो निम्नलिखित क्षेत्र की कोई परियोजना हो:

क) सड़क, पथकर सड़क-सहित, पुल अथवा रेल प्रणाली;

ख) महामार्ग परियोजना जिसमें महामार्ग परियोजना की अभिन्न अंगवाली अन्य गतिविधियां भी शामिल हैं;

ग) बंदरगाह, हवाई अड्डा, अंतर्देशीय जलमार्ग अथवा अंतर्देशीय बंदरगाह;

घ) जल आपूर्ति परियोजना, सिंचाई परियोजना, जल सुविधाकरण प्रणाली, सफाई एवं मलजल प्रणाली अथवा ऊस कचरा वस्तुओं के प्रबंधन की प्रणाली;

ड) मूलभूत(basic) या सेल्यूलर दूरसंचार सेवाएं, साथ ही रेडियो ऐंजिंग, घरेलू उपग्रह सेवा (अर्थात् दूरसंचार सेवा उपलब्ध कराने हेतु ऐसा उपग्रह जिसका स्वामित्व एवं परिचालन भारतीय कंपनी के पास हो), ट्रॉकिंग का नेटवर्क, ब्राडबैंड नेटवर्क तथा इंटरनेट सेवाएं;

च) औद्योगिक क्षेत्र अथवा विशेष आर्थिक क्षेत्र;

छ) विजली उत्पादन अथवा विजली उत्पादन एवं वितरण;

ज) नई प्रेषण या वितरण लाइनों के नेटवर्क लगाकर विजली का प्रेषण या वितरण;

झ) कृषि-प्रसंस्करण तथा कृषि निविष्टि आपूर्ति वाली परियोजनाओं से संबंधित निर्माण;

ञ) प्रसंस्कृत कृषि-उत्पाद, खराब हो जानेवाली वस्तुओं जैसे फल, सब्जी तथा फूल के परिरक्षण एवं भंडारण हेतु निर्माण, इसमें गुणवत्ता की जांच सुविधा भी शामिल है;

ट) शिक्षा संस्थाओं एवं अस्पतालों का निर्माण; और

ठ) समान प्रकृति की कोई अन्य मूलभूत संरचना सुविधा

(ix) "हानि वाली परिसंपत्ति" का अर्थ है:

- (क) ऐसी परिसंपत्ति जिसे एनबीएफसी द्वारा अथवा उसके आंतरिक या बाह्य लेखापरीक्षकों द्वारा अथवा एनबीएफसी के निरीक्षण के दौरान रिजर्व बैंक द्वारा हानिवाली परिसंपत्ति के रूप में उस सीमा तक पहचाना गया है जिस सीमा तक एनबीएफसी द्वारा बट्टे खाते नहीं ढाला गया है; और
- (ख) ऐसी परिसंपत्ति जो प्रतिभूति मूल्य में या तो भरण के कारण अथवा प्रतिभूति की अनुपलब्धता अथवा उधारकर्ता के धोखाधड़ीपूर्ण कृत्य या चूक के कारण बसूल न हो पाने की संभावित खतरे से (विपरीत रूप से) प्रभावित हो;
- (x) "दीर्घावधि निवेश" का अर्थ है वर्तमान निवेश से इतर निवेश;
- (xi) "निवल परिसंपत्ति मूल्य" का अर्थ है किसी खास योजना के संबंध में संबंधित म्युचुअल फंड द्वारा घोषित अद्यतन निवल परिसंपत्ति मूल्य;
- (xii) "निवल बही मूल्य" का अर्थ है :
- (क) किराया खरीद परिसंपत्ति के मामले में, अतिदेयों तथा प्राप्य भावी किस्तों की कुल राशि, जिनमें से अपरिपक्व वित्त प्रभारों की रकम घटाई गई हो तथा इन निदेशों के ऐराग्राफ 9(2)(i) के प्रावधानों के अनुसार आगे और घटाई गई हो;
- (ख) पद्धाकृत परिसंपत्ति के मामले में, प्राप्य राशि के रूप में लेखाकृत पट्टे के अतिदेय किरायों के पूँजीकृत अंश की कुल रकम और पट्टे की परिसंपत्ति का मूल्यहासित बही मूल्य जिसे पद्धा समायोजन खाते की रकम में समायोजित किया गया है।
- (xiii) 'अनर्जक परिसंपत्ति' (इन निदेशों में "एनपीए" नाम से संदर्भित) का अर्थ है:
- (क) ऐसी परिसंपत्ति जिस पर ब्याज छह या उससे अधिक महीने से अतिदेय हो;
- (ख) अदत्त ब्याज-सहित ऐसा मीयादी ऋण, जिसकी किस्त छह या उससे अधिक महीने से बकाया हो अथवा जिस पर ब्याज की रकम छह या उससे अधिक महीने से अतिदेय हो;
- (ग) ऐसा मांग अथवा सूचना ऋण, जो मांग या सूचना की तारीख से छह महीने या उससे अधिक समय से अतिदेय हो अथवा जिस पर ब्याज की रकम छह महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो;
- (घ) ऐसा बिल जो छह महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो;

- (ड) अल्पावधि ऋण/अग्रिम के रूप में ‘अन्य चालू परिसंपत्तियों’ शीर्ष के अंतर्गत कर्ज से संबंधित ब्याज अथवा प्राप्य राशि से होने वाली आय, जो छह महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो;
- (च) परिसंपत्तियों को बिक्री या दी गई सेवाओं के लिए अथवा किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति से संबंधित कोई बकाया, जो छह महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो;
- (छ) पट्टा किराया और किराया खरीद किस्त, जो 12 महीने या उससे अधिक अवधि से अतिदेय हो गई हो;
- (ज) ऋणों, अग्रिमों और अन्य ऋण सुविधाओं के संबंध में (खरीदे और भुनाए गए बिलों-सहित), एक ही उधारकर्ता/लाभार्थी को उपलब्ध करायी गयी ऋण सुविधाओं (उपचित ब्याज-सहित) के अंतर्गत शेष बकाया राशि जब उक्त ऋण सुविधाओं में से कोई एक अनर्जक परिसंपत्ति बन जाएः

बशर्ते पट्टा और किराया खरीद लेनदेन के मामले में, एनबीएफसी ऐसे प्रत्येक खाते को उसकी वसूली स्थिति के आधार पर वर्गीकृत करें;

- (xiv) “स्वाधिकृत निधि” से तात्पर्य है चुकता ईक्विटी पूँजी, अधिमानी शेयर जो अनिवार्यतः ईक्विटी में परिवर्तनीय हों, मुक्त आरक्षित निधियां, शेयर प्रीमियम खाते में शेष और पूँजीगत आरक्षित निधि जो परिसंपत्ति के बिक्री आगमों से होनेवाले अधिशेष को दर्शाती है, परिसंपत्ति के पुनर्मूल्यांकन द्वारा सृजित आरक्षित निधियों को छोड़कर, संचित हानि राशि, अमूर्त परिसंपत्तियों का वही मूल्य और आस्थगित राजस्व व्यय को, यथा घटाकर, यदि कोई हो;
- (xv) “मानक परिसंपत्ति” का अर्थ ऐसी परिसंपत्ति है जिसकी चुकौती या मूल रकम या ब्याज के भुगतान में कोई चूक न हुई हो और जिसमें किसी प्रकार की समस्या न हो और न ही उस कारोबार के सामान्य जोखिम से अधिक जोखिम हो;
- (xvi) “अवमानक परिसंपत्ति” का अर्थ है:

- (क) ऐसी परिसंपत्ति जिसे अधिक-से-अधिक 18 महीने की अवधि के लिए अनर्जक परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया हो;
- (ख) ऐसी परिसंपत्ति जिसके ब्याज और/अथवा मूलधन से गंबंधित करार की शर्तों का परिचालन शुरू होने के बाद युन:सौदाकृत अथवा पुनर्निर्धारित अथवा पुनर्संरचनाकृत

शतों के अंतर्गत संतोषजनक निष्पादन के एक वर्ष की समाप्ति तक पुनः सौदा किया गया हो अथवा शतों पुनर्निर्धारित अथवा शतों की पुनर्संरचना की गई हो:

बशर्ते अवमानक परिसंपत्ति के रूप में मूलसंरचना ऋण का वर्गीकरण इन नियमों के पैराग्राफ 20 के प्रावधानों के अनुसार होगा;

(xvii) "गौण ऋण" का अर्थ है पूर्णतः चुकता लिखत, जो गैर-जमानती होता है और अन्य ऋणदाता के दावों के अधीन होता है और प्रतिबंधित खण्डों से मुक्त होता है और धारक के अनुरोध पर अथवा एनबीएफसी के पर्यवेक्षी प्राधिकारी की सहमति के बिना विमोच्य नहीं होता है। ऐसे लिखत का बही मूल्य निम्नानुसार पुनर्भुनाई के अधीन होगा:

<u>लिखतों की शेष परिपक्वता अवधि</u>	<u>बड़ा दर</u>
(क) एक वर्ष तक	100%
(ख) एक वर्ष से अधिक किंतु दो वर्ष तक	80%
(ग) दो वर्ष से अधिक किंतु तीन वर्ष तक	60%
(घ) तीन वर्ष से अधिक किंतु चार वर्ष तक	40%
(ङ) चार वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष तक	20%

ऐसी भुनाई का मूल्य टियर-I पूंजी के पचास प्रतिशत से अधिक न हो;

(xviii) "पर्याप्त हित" का अर्थ है किसी व्यक्ति अथवा उसके पति-पत्नी अथवा अवयस्क बच्चे द्वारा एकल या सामूहिक रूप से किसी कंपनी के शेयरों में लाभभोगी हित धारिता, जिस पर अदा की गई रकम कंपनी की चुकता पूंजी अथवा भागीदारी फर्म के सभी भागीदारों द्वारा अभिदत्त पूंजी के दस प्रतिशत से अधिक है;

(xix) "संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण जमा राशि न लेनेवाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी" का अर्थ ऐसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से है जो सार्वजनिक जमाराशियां स्वीकार/धारण नहीं करतीं तथा पिछले लेखापरीस्थित तुलनपत्र में दिखाए गए अनुसार जिसकी कुल परिसंपत्तियां 100 करोड़ रुपए और उससे अधिक हैं।

(xx) "टियर-I पूंजी" का अर्थ ऐसी स्वाधिकृत निधि से है जिसमें से अन्य एनबीएफसी के शेयरों और शेयरों, डिबेंचरों, बाण्डों, बकाया ऋणों और अग्रिमों में, जिनमें किराया खरीद तथा किए गए पट्टा वित्तपोषण एवं सहायक कंपनियों तथा उसी

समूह की कंपनियों में रखी जमाराशियों शामिल हैं, एवं धिकृत निधि के दस प्रतिशत से अधिक निवेश, सकल रूप में, घटाया गया है:

- (xxi) "टियर-II पूँजी" में निम्नलिखित शामिल हैं:
- (क) उनसे इतर अधिमानी शेयर जो ईक्विटी में अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय है;
 - (ख) 55 प्रतिशत की भुनाई/घटी दर पर पुनर्पूल्यांकन आरक्षित निधि;
 - (ग) सामान्य प्रावधान एवं उस सीमा तक हानि आरक्षित निधि जो किसी विशिष्ट परिसंपत्ति के मूल्य में वास्तविक कमी अथवा उसमें ज्ञातव्य संभावित हानि के कारण नहीं है और ये अप्रत्याशित हानि की पूर्ति के लिए जोखिम भारित परिसंपत्तियों के एक और एक चौथाई प्रतिशत की सीमा तक उपलब्ध रहती हैं;
 - (घ) समिश्र (हाइब्रिड) ऋण पूँजी लिखत; और
 - (ड) गौण ऋण

जिसकी सीमा सकल राशि, टियर-I पूँजी से अधिक न हो।

(2) इसमें प्रयुक्त अन्य शब्द अथवा अभिव्यक्तियों, जो यहाँ परिभाषित नहीं हैं और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) अथवा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी सार्वजनिक जमाराशि स्वीकार्यता (रिजर्व बैंक) निदेश, 1998 में परिभाषित की गई है, का अर्थ वही होगा जो उक्त अधिनियम अथवा उक्त निदेशों में है। कोई अन्य शब्द अथवा अभिव्यक्ति, जो उक्त अधिनियम या उक्त निदेशों में परिभाषित नहीं है, का वही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में उनसे अभिप्रेत है।

आय निधारण

3. (1) आय निधारण मान्यताप्राप्त लेखा सिद्धांतों पर आधारित होगा।
- (2) ब्याज/बट्टा-सहित आय अथवा एनपीए पर किसी अन्य प्रभार को गणना में तभी लिया जाएगा जब वह वास्तव में प्राप्त हो गया हो। ऐसी कोई भी आय जिसकी गणना परिसंपत्ति के अनर्जक बनने से पहले कर ली गई हो और वसूली न गई हो तो उसे उसमें से घटा दिया जाएगा।
- (3) किराया खरीद परिसंपत्तियों के संबंध में, जहाँ किस्त 12 महीने से अधिक समय से अतिदेय है, आय के रूप में उनकी गणना तभी की जाएगी जब किराया प्रभार वास्तव में प्राप्त हो जाए। ऐसी कोई भी आय जिसे परिसंपत्ति के अनर्जक बनने

से पूर्व लाभ और हानि खाता में जमा के रूप में ले लिया गया है और जिसकी वसूली नहीं हुई है, उसे पलट (रिवर्स कर) दिया जाएगा।

- (4) पट्टा वाली परिसंपत्तियों के संबंध में, जहां पट्टा किराया 12 महीने से अधिक समय तक अतिदेव हों, आय के रूप में उनकी गणना तभी की जाएगी जब पट्टा किराया वास्तव में प्राप्त हो गए हों। पट्टा किराया की वह निवल राशि जो परिसंपत्ति के गैर-निष्पादक होने से पूर्व लाभ और हानि खाते में ले ली गई है और जिसकी वसूली नहीं हुई है, पलट (रिवर्स कर) की जाएगी।

स्पष्टीकरण

इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए 'निवल पट्टा किराया' का अर्थ है सकल पट्टा किराया जो लाभ-हानि खाते में नामे/जमा, पट्टा समायोजन खाते से समायोजित किया गया हो और कंपनी अधिनियम, 1956,(1956 का 1) की अनुसूची XIV के अंतर्गत लागू दर पर मूल्यहास के रूप में घटाया गया हो।

निवेशों से प्राप्त आय

4. (1) कंपनी निकायों के शेयरों और पारस्परिक निधियों की यूनिटों के लाभांश से होने वाली आय की गणना नवदी के आधार पर की जाएगी;

बशर्ते कंपनी निकाय द्वारा उसकी वार्षिक आम बैठक में इस प्रकार के लाभांश घोषित किए जाने पर कंपनी निकायों के शेयरों पर लाभांश से होने वाली आय की गणना उपचय के आधार पर की जाए और एनबीएफसी का भुगतान प्राप्त करने से संबंधित अधिकार स्थापित हो जाए।

- (2) कंपनी निकायों के बाण्डों एवं डिबेंचरों तथा सरकारी प्रतिभूतियों/बाण्डों से होनेवाली आय की गणना उपचय के आधार पर की जाए:

बशर्ते इन लिखतों पर ब्याज दर पूर्व-निर्धारित हो और ब्याज का भुगतान नियमित रूप से हो रहा हो और वह बकाया न हो।

- (3) कंपनी निकायों अथवा सरकारी बेत्र के उपकरणों की प्रतिभूतियों से होने वाली आय, ब्याज भुगतान और मूलधन की चुकौती जो केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा गारंटीकृत हो, उसकी गणना उपचय के आधार पर की जाए।

लेखांकन मानक

5. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (इन निदेशों में “आइसीएआइ” नाम से उल्लिखित) द्वारा जारी लेखांकन मानक और मार्गदर्शी नोट का पालन उस सीमा तक किया जाएगा जहाँ तक वे इन निदेशों से बेमेल न हों।

निवेशों का लेखांकन

6. (1)(क) प्रत्येक एनबीएफसी का निवेशक मण्डल अपनी नीति तैयार करेगा और उसे कार्यान्वित करेगा;

(ख) इस निवेश नीति में कंपनी का मण्डल निवेश को चालू तथा दीर्घावधि निवेश में वर्गीकृत करने से संबंधित मानदण्ड का उल्लेख करेगा;

(ग) प्रत्येक निवेश करते समय प्रतिभूतियों में किए गए निवेशों को चालू एवं दीर्घावधि में वर्गीकृत किया जाएगा;

(घ) (i) तदर्थ आधार पर कोई अंतर-श्रेणी अंतरण नहीं किया जाएगा;

(ii) आवश्यक होने पर, मण्डल के अनुमोदन से अंतर-श्रेणी अंतरण प्रत्येक छमाही के प्रारंभ में ही पहली अप्रैल अथवा पहली अक्टूबर को किया जाएगा;

(iii) निवेश को चालू से दीर्घावधि एवं दीर्घावधि से चालू श्रेणी में बही मूल्य पर अथवा बाजार मूल्य पर जो भी कम हो, शेयरवार अंतरित किया जाएगा;

(iv) यदि कोई मूल्यहास है तो प्रत्येक शेयर में उसके लिए पूरा प्रावधान किया जाएगा और यदि कोई मूल्यवृद्धि होती है तो उसे नजरअंदाज किया जाएगा;

(v) अंतर-श्रेणी अंतरण के समय, यहाँ तक कि एक ही श्रेणी के शेयरों के मामले में भी किसी शेयर का मूल्यहास अन्य शेयर की मूल्यवृद्धि के साथ समायोजित नहीं किया जाएगा,

(2) मूल्यांकन के उद्देश्य से, उद्धृत चालू निवेशों को निम्नलिखित श्रेणियों के समूह में रखा जाएगा, अर्थात्

(क) ईन्विटी शेयर,

(ख) अधिमानी शेयर,

(ग) डिबेंचर और बाण्ड,

(घ) खजाना बिलों सहित सरकारी प्रतिभूतियां,

(ङ) पारस्परिक निधियों की यूनिटें, और

(च) अन्य।

प्रत्येक श्रेणी हेतु उद्धृत चालू निवेश का मूल्यांकन लागत अथवा बाजार मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाएगा। इस प्रयोजन से, प्रत्येक श्रेणी का निवेश शेयर-बार देखा जाएगा और प्रत्येक श्रेणी के सभी निवेशों की लागत एवं बाजार मूल्य को एकीकृत किया जाएगा। यदि श्रेणी विशेष का सकल बाजार मूल्य उस श्रेणी की सकल लागत से कम है, तो निवल मूल्यहास के लिए प्रावधान किया जाएगा अथवा लाभ-हानि खाते में उसे प्रभारित किया जाएगा। यदि श्रेणी विशेष का सकल बाजार मूल्य उस श्रेणी की सकल लागत से अधिक है, तो निवल वृद्धि को नजरअंदाज किया जाएगा। एक श्रेणी के निवेश के मूल्यहास को अन्य श्रेणी की मूल्यवृद्धि के साथ समायोजित नहीं किया जाएगा।

(3) चालू निवेशों के रूप में अनुद्धृत ईकिवटी शेयरों का मूल्यांकन लागत अथवा अलग-अलग मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाएगा। तथापि, एनबीएफसी, आवश्यक समझने पर, शेयरों के अलग-अलग मूल्य के स्थान पर उचित मूल्य रख सकती हैं। जहां निवेश प्राप्त कंपनी के पिछले दो वर्ष के तुलनपत्र उपलब्ध नहीं हैं, वहां ऐसे शेयरों का मूल्यांकन एक रूपए मात्र पर किया जाएगा।

(4) चालू निवेशों की प्रकृति के अनुद्धृत अधिकानी शेयरों का मूल्यांकन लागत अथवा अंकित मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाएगा।

(5) अनुद्धृत सरकारी प्रतिभूतियों या सरकारी गारंटीकृत बाण्डों में निवेशों का मूल्यांकन वहन लागत पर किया जाएगा।

(6) पारस्परिक निधि की यूनिटों में चालू स्वरूप के अनुद्धृत निवेशों का मूल्यांकन पारस्परिक निधि द्वारा प्रत्येक विशिष्ट योजना के संबंध में घोषित निवल परिसंपत्ति मूल्य पर किया जाएगा।

(7) वाणिज्यिक पत्रों का मूल्यांकन वहन लागत पर किया जाएगा।

(8) दीर्घवधि निवेश का मूल्यांकन आइसीएआइ द्वारा जारी लेखा मानक द्वारा किया जाएगा।

टिप्पणी : आय निर्धारण और परिसंपत्ति वर्गीकरण के प्रयोजन से अनुद्धृत डिबेंचरों को मीयादी त्रहण के रूप में अथवा अन्य त्रहण सुविधाओं के रूप में माना जाएगा जो इस प्रकार के डिबेंचरों की अनुधि पर निर्भर करेगा।

मांग/सूचना ऋण से संबंधित नीति की आवश्यकता

7. (1) मांग/सूचना ऋण दे रही/देने का इरादा रखने वालों प्रत्येक एनबीएफसी के निदेशक मण्डल को कंपनी के लिए एक नीति तैयार करनी होगी और उसे कार्यान्वित करना होगा;
- (2) इस नीति में, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित शर्तों का निर्धारण किया जाएगा:
- एक अंतिम तारीख जिसके भीतर मांग अथवा सूचना ऋण की चुकाती को मांग की जा सकेगी या सूचना भेजी जा सकेगी;
 - मांग अथवा सूचना ऋण को मंजूरी देते समय, यदि ऐसे ऋणों को वापस मांगने अथवा वापसी की सूचना देने हेतु अंतिम तारीख ऋण की मंजूरी की तारीख से एक वर्ष बाद की निर्धारित की गई है तो मंजूरी देने वाला अधिकारी लिखित रूप में उसके विशेष कारणों का उल्लेख करेगा;
 - ब्याज की दर जो ऐसे ऋणों पर देय होगी;
 - इन ऋणों पर यथानिर्धारित ब्याज या तो मासिक अथवा तिमाही अंतराल पर देय होगा;
 - मांग अथवा सूचना ऋण मंजूर करते समय, यदि कोई ब्याज निर्धारित नहीं किया गया है अथवा यदि किसी अवधि के लिए ऋण स्थगन (मोरेटोरियम) किया गया है तो मंजूरी देने वाला अधिकारी उसके विशेष कारणों का उल्लेख करेगा;
 - ऋण के निष्पादन की समीक्षा हेतु एक अंतिम तारीख का निर्धारण, जो ऋण मंजूरी की तारीख से छह महीने से अधिक न हो;
 - इन मांग अथवा सूचना ऋणों को तब तक नवीकृत नहीं किया जाएगा जब तक आवधिक समीक्षा से यह पता न चले कि मंजूरी की शर्तों का संतोषजनक अनुपालन किया जा रहा है।

परिसंपत्ति वर्गीकरण

8. (1) प्रत्येक एनबीएफसी, स्पष्ट रूप से परिभाषित ऋण कमज़ोरियों (क्रेडिट वीकनेस) की डिग्री एवं वसूली हेतु संपादित जमानत पर निर्भरता की सीमा को ध्यान में रखते हुए, पट्टा/किराया खरीद परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिमों तथा किसी अन्य प्रकार के ऋण को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत करें, अर्थात् :

- मानक परिसंपत्तियां,
- अवमानक परिसंपत्तियां,

- (iii) संदिग्ध परिसंपत्तियाँ, और
- (iv) हनि वाली परिसंपत्तियाँ।

(2) उपर्युक्त परिसंपत्तियों की श्रेणी, मात्र पुनर्निर्धारण किए जाने के कारण पदोन्नत नहीं की जाएगी, जब तक परिसंपत्तियाँ अनर्जक पदोन्नति के लिए अपेक्षित शर्तें पूरा नहीं करतीं।

प्रावधानीकरण अपेक्षा

9. प्रत्येक एनबीएफसी, किसी खाते के अनर्जक होते जाने, उसके अनर्जक हो जाने के बीच लगने वाले समय, जमानत राशि की वसूली तथा उस समय में प्रधारित जमानती राशि के मूल्य में हुए क्षरण को ध्यान में रखकर अवमानक, संदिग्ध और हनि वाली परिसंपत्तियों के लिए निम्नानुसार प्रावधान करेंगी :

खरीदे और भुनाए गए बिलों-सहित ऋण, अग्रिम और अन्य ऋण सुविधाएं

(1) खरीदे और भुनाए गए बिलों-सहित ऋणों, अग्रिमों और अन्य ऋण सुविधाओं के संबंध में निम्नानुसार प्रावधान किया जाएगा:

(i) हनिवाली परिसंपत्तियाँ

समस्त परिसंपत्ति बड़े खाते ढाली जाएगी। यदि किसी कारण से परिसंपत्तियों को बहियों में बने रहने दिया जाता है तो बकाया के लिए 100% प्रावधान किया जाए;

(ii) संदिग्ध परिसंपत्तियाँ

(क) अग्रिम के उस भाग के लिए 100 प्रतिशत प्रावधान किया जाएगा जो उस जमानत के वसूलीयोग्य मूल्य से पूरा नहीं होता है जिसका एनबीएफसी के पास वैध आश्रय है। वसूली योग्य मूल्य का आकलन वास्तविक आधार पर किया जाना है;

(ख) उपर्युक्त मद (क) के साथ-साथ, परिसंपत्ति के संदिग्ध बने रहने की अवधि को देखते हुए जमानती भाग के 20% से 50% तक के लिए (अर्थात् बकाया का आकलित

वसूली योग्य मूल्य) निम्नलिखित आधार पर
प्रावधान किया जाएगा।

जिस अवधि तक परिसंपत्ति को
संदिग्ध माना गया

प्रावधान का प्रतिशत

एक वर्ष तक	20
एक से तीन वर्ष तक	30
तीन वर्ष से अधिक	50
(iii) अवमानक परिसंपत्तियाँ	कुल बकाया के 10% का सामान्य प्रावधान किया जाएगा।

पट्टा और किराया खरीद परिसंपत्तियाँ

(2) किराया खरीद और पट्टे वाली परिसंपत्तियों के संबंध में निम्नानुसार प्रावधान किया जाएगा:

किराया खरीद परिसंपत्तियाँ

- (i) किराया खरीद परिसंपत्तियों के संबंध में, कुल बकाया (अतिदेय और भविष्य की किस्तों को मिलाकर) को निम्नानुसार घटाकर प्रावधान किया जाएगा :
 - (क) लाभ-हानि खाता में वित्त प्रभार जमा नहीं करके और अपरिपक्व वित्त प्रभार के रूप में आगे ले जा करके; तथा
 - (ख) विचाराधीन (प्रतिभूतिगत) परिसंपत्ति के हासित मूल्य से।

स्पष्टीकरण

इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए:

- (1) परिसंपत्ति के हासित मूल्य की गणना आनुमानिक (नोशनल) आधार पर परिसंपत्ति की मूल लागत में सीधे कम पद्धति (स्ट्रेट लाइन मेथड) से 20 प्रतिशत प्रतिवर्ष मूल्यहास की दर से घटाकर की जाएगी; और
- (2) पुरानी परिसंपत्तियों के मामले में, मूल लागत वह लागत होगी जो उस परिसंपत्ति को प्राप्त करने के लिए व्यय की गई वास्तविक लागत होगी।

किराया खरीद और पट्टाकृत परिसंपत्तियों हेतु अतिरिक्त प्रावधान

(ii) किराया खरीद और पट्टाकृत परिसंपत्तियों के मामले में, अतिरिक्त प्रावधान निम्नानुसार किया जाएगा:

- | | |
|--|-------------------------------|
| (क) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 12 महीने तक अतिदेय हो | शून्य |
| (ख) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 12 महीने से अधिक किंतु 24 महीने तक अतिदेय हो | निवल बही मूल्य का 10 प्रतिशत |
| (ग) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 24 महीने से अधिक किंतु 36 महीने तक अतिदेय हो | निवल बही मूल्य का 40 प्रतिशत |
| (घ) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 36 महीने से अधिक किंतु 48 महीने तक अतिदेय हो | निवल बही मूल्य का 70 प्रतिशत |
| (ड) जहाँ किराया प्रभार अथवा पट्टा किराया 48 महीने से अधिक समय से अतिदेय हो | निवल बही मूल्य का 100 प्रतिशत |
| <i>(iii) किराया खरीद/पट्टाकृत परिसंपत्ति की अंतिम किस्त की नियत तारीख से 12 महीने का समय समाप्त हो जाने पर समस्त निवल बही मूल्य का पूरा प्रावधान किया जाएगा।</i> | |

टिप्पणी :

- (1) किराया खरीद करार के अनुसरण में उधारकर्ता द्वारा एनबीएफसी में रखी गई जमानत राशि/मार्जिन राशि अथवा जमानती राशि को यदि करार के अंतर्गत समान मासिक किस्तें निर्धारित करते समय हिसाब में नहीं लिया गया है, तो उसे उक्त खण्ड (i) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान में से छटाया जाए। किराया खरीद करार के अनुसरण में उपलब्ध अन्य किसी भी जमानत राशि को उक्त खण्ड (ii) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान से ही छटाया जाएगा।
- (2) पट्टा करार के अनुसरण में उधारकर्ता द्वारा एनबीएफसी में जमानत के तौर पर रखी गई राशि तथा पट्टा करार के अनुसरण में उपलब्ध अन्य किसी जमानत का मूल्य, दोनों को उक्त खण्ड (ii) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान से ही छटाया जाएगा।
- (3) यह स्पष्ट किया जाता है कि एनपीए के लिए आय का निर्धारण और प्रावधानीकरण, विवेकपूर्ण मानदण्डों के दो अलग पहलू हैं और मानदण्डों के अनुसार कुल बकायों के एनपीए पर प्रावधान करने की आवश्यकता है साथ ही संदर्भाधीन पट्टाकृत परिसंपत्ति

के हासित बही मूल्य का, यहाँ समायोजन खाते में शेषराशि को, यदि कोई हो, समायोजित करने के बाद, प्रावधान किया जाएगा; यह तथ्य कि एनपीए पर आय का निर्धारण नहीं किया गया है, प्रावधान न करने के कारण के रूप में नहीं माना जाएगा।

- (4) इन निदेशों के पैरा (2)(1)(xvi)(ख) में संदर्भित परिसंपत्ति जिसके लिए पुनः बातचीत (रिनिगोशिएट) की गई अथवा जिसे पुनर्निर्भारित किया गया, अवमानक परिसंपत्ति मानी जाएगी अथवा यह उसी श्रेणी में बनी रहेगी जिस श्रेणी में वह पुनः बातचीत अथवा पुनर्निर्धारण के यूर्व, जैसा भी मामला हो, संदिग्ध अथवा हानिकाली परिसंपत्ति के रूप में थी। ऐसी परिसंपत्तियों के लिए यथा लागू प्रावधान तब तक किया जाता रहेगा जब तक यह उन्नत श्रेणी में न बदल जाए।
- (5) पैरा 10 के उप पैरा (2) में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार एनबीएफसी द्वारा तुलनपत्र तैयार किया जाए।
- (6) 1 अप्रैल, 2001 को या उसके बाद लिखे गए सभी वित्तीन् यहाँ के लिए किया जाए खरीद परिसंपत्तियों पर लागू प्रावधान उन पर भी लागू होंगे।

तुलनपत्र में प्रकटीकरण

10. (1) प्रत्येक एनबीएफसी अपने तुलनपत्र में अलग से उपर्युक्त पैरा 9 के अनुसार किए गए प्रावधानों को आय अथवा परिसंपत्तियों के मूल्य से घटाए बिना प्रकट करेंगी।
- (2) प्रावधानों का उल्लेख विशेष रूप से निम्नलिखित पृथक खाता शीर्षकों के अंतर्गत किया जाएगा:

 - (i) अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान; तथा
 - (ii) निवेशों में मूल्यहास रेतु किए गए प्रावधान।

- (3) इन प्रावधानों को एनबीएफसी द्वारा धारित सामान्य प्रावधान एवं हानिगत आरक्षित निधि, यदि कोई हो, से समायोजित नहीं किया जाएगा।
- (4) इन प्रावधानों को प्रत्येक वर्ष लाभ-हानि खाता में नामे डालता जाएगा। सामान्य प्रावधान एवं हानिगत आरक्षित निधि शीर्ष के अंतर्गत धारित अधिशेष प्रावधान, यदि कोई हो, के साथ उन्हें समायोजित किए बिना पुनरांकित किया जाए।

एनबीएफसी द्वारा लेखा-परीक्षा समिति का गठन

11. एनबीएफसी जिसकी परिसंपत्तियां पिछले लेखापरीक्षित तुलनपत्र के अनुसार 50 करोड़ रुपए और उससे अधिक हैं, एक लेखा-परीक्षा समिति का गठन करेंगी जिसमें उसके निदेशक मण्डल के कम से कम तीन सदस्य होंगे।

स्पष्टीकरण 1 : कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 292-के अंतर्गत की गई अपेक्षा के अनुसार गठित लेखा-परीक्षा समिति इस पैरा के प्रयोजनार्थ लेखा-परीक्षा समिति होगी।

स्पष्टीकरण 2 : इस पैरा के अंतर्गत गठित लेखा-परीक्षा समिति को वही शक्तियाँ, कार्य एवं कर्तव्य प्राप्त होंगे, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 292-के में दिए गए हैं।

लेखा बर्ष

12. प्रत्येक एनबीएफसी प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को अपना तुलनपत्र और लाभ-हानि लेखा तैयार करेगी। जब कभी कोई एनबीएफसी कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अपने तुलनपत्र की तारीख बढ़ाने का इरादा करती है, तो इसके लिए उसे कंपनी के रजिस्ट्रार के पास जाने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक का यूर्व अनुमोदन लेना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, उन मामलों में भी जिनमें बैंक तथा कंपनी रजिस्ट्रार ने समय बढ़ाने की मंजूरी दी है, एनबीएफसी वर्ष के 31 मार्च को एक प्रोफार्मा तुलनपत्र (बिना लेखा परीक्षित) और उक्त तारीख को देव सांविधिक विवरणियां बैंक को प्रस्तुत करेगी।

तुलनपत्र की अनुसूची

13. प्रत्येक एनबीएफसी, कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निर्धारित अपने तुलनपत्र के साथ, संलग्नक में दी गई अनुसूची में घोरे संलग्न करेगी।

सरकारी प्रतिभूतियों में लेनदेन

14. प्रत्येक एनबीएफसी सरकारी प्रतिभूतियों में लेनदेन उसके सीएसजीएल खाते या उसके डिमेट खाते के जरिए कर सकती है।

बशर्ते कोई भी एनबीएफसी सरकारी प्रतिभूति में कोई लेनदेन किसी दलाल के जरिए भौतिक रूप में नहीं करेगी।

सांविधिक लेखापरीक्षक का प्रमाण पत्र बैंक को प्रस्तुत करना

15. प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी को अपने सांविधिक लेखापरीक्षक से इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वह (कंपनी) गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था का कारोबार कर रही है जिसके लिए उसे भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 45-जक के अंतर्गत जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र रखना आवश्यक है। सांविधिक लेखा परीक्षक से इस आशय का प्रमाण पत्र 3। मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष की स्थिति के लिए प्राप्त कर गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग के उस क्षेत्रीय कार्यालय को हर वर्ष 30 जून तक प्रस्तुत किया जाए जिसके अंतर्गत कंपनी का पंजीकरण है। ऐसे प्रमाणपत्र में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की परिसंपत्ति/आद के स्वरूप का उल्लेख भी होगा जिसके कारण कंपनी परिसंपत्ति विला कंपनी, निवेश कंपनी या ऋण कंपनी के रूप में वर्गीकृत होने के लिए पात्र हुई।

पूँजी परिसंपत्ति संबंधी अपेक्षा

16. (1) जमा राशि न लेने वाली संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रत्येक एनबीएफसी, I अप्रैल, 2007 से टियर -I और टियर II पूँजी पर आधारित न्यूनतम पूँजी अनुपात बनाए रखेगी, जो तुलनपत्र में उसकी सकल जोखिम भारित परिसंपत्तियों और तुलनपत्र से इतर मदों के जोखिम समायोजित मूल्य के दस प्रतिशत से कम नहीं होगा:

(2) टियर II पूँजी का जोड़, किसी भी समय, टियर I पूँजी के एक सौ प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण

तुलनपत्र की परिसंपत्तियों के संबंध में

(1) इन निदेशों में, प्रतिशत भार के रूप में व्यक्त ऋण जोखिम की मात्रा तुलनपत्र की परिसंपत्तियों के लिए है। अतः, परिसंपत्तियों के जोखिम समायोजित मूल्य की गणना के लिए प्रत्येक परिसंपत्ति/मद को संबंधित जोखिम भार से गुणा किया जाएगा ताकि परिसंपत्तियों का जोखिम समायोजित मूल्य निकाला जा सके। न्यूनतम पूँजी अनुपात की गणना हेतु इस प्रकार आकलित जोखिम भार के सकल(aggregate) को हिसाब में लिया जाएगा। जोखिम भारित परिसंपत्ति की गणना निधि प्रदत्त(funded) मदों के भारित सकल के रूप में निमानुसार किया जाएगा:

भारित जोखिम परिसंपत्तियां- तुलनपत्र में दी गई यदों के संबंध में

प्रतिशत भार

(i) बैंकों में मीयादी जमा एवं उनके पास जमा प्रमाणपत्र-सहित नकदी
और बैंक शेष

0

(ii) निवेश

(क) अनुमोदित प्रतिभूतियां

0

[नीचे (ग) के अलावा]

(ख) सरकारी क्षेत्र के बैंकों के बांड

20

(ग) सरकारी वित्तीय संस्थाओं की मीयादी जमा/जमा प्रमाणपत्र/बांड

100

(घ) सभी कंपनियों के शेयर तथा सभी कंपनियों के डिबेंचर/बांड/
वाणिज्य पत्र एवं सभी म्युचुअल फंड की यूनिटें

100

(iii) चालू(current) परिसंपत्तियां

(क) किराए पर स्टॉक (निवल बही मूल्य)

100

(ख) अंतर-कंपनी ऋण/जमा

100

(ग) कंपनी ही द्वारा धारित जमाराशियों की पूरी जमानत पर ऋण
और अग्रिम

0

(घ) स्टाफ को ऋण

0

(ङ) अन्य जमानती ऋण और अग्रिम जिन्हें अच्छा पाया गया है

100

(च) खरीदे/भुनाए गए बिल

100

(छ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)

100

(iv) अचल परिसंपत्तियां (मूल्यांकन घटाने के बाद)

(क) पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां (निवल बही मूल्य)

100

(ख) परिसर

100

(ग) फर्नीचर और फिल्सचर

100

(v) अन्य परिसंपत्तियाँ

(क) स्रोत पर काटे गए आय कर (प्रावधान घटाकर)	0
(ख) अदा किया गया अग्रिम कर (प्रावधान घटाकर)	0
(ग) सरकारी प्रतिभूतियों पर देय (इयू) ब्याज	0
(घ) अन्य (स्पष्ट किया जाए)	100

टिप्पणी

- (1) घटाने का कार्य केवल उन्हीं परिसंपत्तियों के संबंध में किया जाए जिनमें मूल्यहास अथवा अशोध्य तथा संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किए गए हों।
- (2) निवल स्वाधिकृत निधि की गणना के लिए जिन परिसंपत्तियों को स्वाधिकृत निधि से घटाया गया है उस पर भार 'शून्य' होगा।
- (3) जोखिम भार लगाने के प्रयोजन से किसी उधारकर्ता के समग्र निधिक जोखिम की गणना करते समय, ऐसी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ उधारकर्ता के खाते में कुल बकाया अग्रिमों से नकदी मार्जिन/प्रतिभूति जमा/जमानती राशि रूपी रूपांशिक प्रतिभूति, जिसकी मुजरायी(set off) के लिए अधिकार उपलब्ध है, का समायोजन कर सकती हैं।"

तुलनपत्र से इतर मदों

(2) इन नियमों में, तुलनपत्र से इतर मदों से संबद्ध ऋण जोखिम(एक्सपोजर) की मात्रा को ऋण परिवर्तन कारक के प्रतिशत के रूप में दर्शाया गया है। अतः, तुलनपत्र से इतर मदों के जोखिम समायोजित मूल्य की गणना के लिए सबसे पहले प्रत्येक मद के अंकित मूल्य को उसके संगत परिवर्तन कारक (कन्वर्सन फैक्टर) से गुणा करना होगा। इसके सकल को न्यूनतम पूँजी अनुपात निकालने के लिए हिसाब में लिया जाएगा। इसे पुनः जोखिम भार 100 से गुणा किया जाएगा। तुलनपत्र से इतर मदों के जोखिम समायोजित मूल्य की गणना, गैर-निधिक मदों के ऋण परिवर्तन कारकों द्वारा निम्नानुसार की जाएगी:-

मद का स्वरूपऋण(क्रेडिट)परिवर्तन कारक-प्रतिशत

(i) वित्तीय एवं अन्य ग्राहकियाँ	100
(ii) शेयर/डिबेंचर हामीदारी दायित्व	50

(iii) आंशिक-प्रदत्त शेयर/डिबेंचर	100
(iv) भुनाए/पुनः भुनाए गए बिल	100
(v) किए गए पट्टा करार जो निष्पादित होने हैं	100
(vi) अन्य आकस्मिक देयताएं (स्पष्ट किया जाए)	50

टिप्पणी : परिवर्तन कारक लागू करने से पहले नकदी मार्जिन/जमा राशियों को घटाया जाएगा।

एनबीएफसी के अपने शेयरों पर ऋण वर्जित

17. (1) कोई भी एनबीएफसी अपने शेयरों पर ऋण नहीं देगी।

(2) इन निदेशों के लागू होने की तारीख को किसी एनबीएफसी द्वारा उसके शेयरों पर दिए गए ऋण की बकाया राशि को चुकौती अनुसूची के अनुसार एनबीएफसी द्वारा वसूला जाएगा।

ऋण/निवेश का संकेतण

18. (1) 1 अप्रैल, 2007 को और उस तारीख से संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण जमाराशि न लेनेवाली कोई भी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी

(i) निम्नलिखित को ऋण नहीं देगी:

(क) किसी एक उधारकर्ता को अपनी स्वाधिकृत निधि के पंद्रह प्रतिशत से अधिक; तथा

(ख) किसी एक उधारकर्ता समूह को अपनी स्वाधिकृत निधि के पचास प्रतिशत से अधिक;

(ii) निम्नलिखित निवेश नहीं करेगी:

(क) अन्य कंपनी के शेयरों में अपनी स्वाधिकृत निधि के पंद्रह प्रतिशत से अधिक; और

(ख) एक समूह की कंपनियों के शेयरों में अपनी स्वाधिकृत निधि के पचास प्रतिशत से अधिक;

(iii) निम्नलिखित से अधिक ऋण नहीं देगी और निवेश नहीं करेगी (ऋण/निवेश मिलाकर):

- (क) किसी एक पार्टी को अपनी स्वाधिकृत निधि के पचीस प्रतिशत से; और
- (ख) किसी एक समूह की कंपनियों को अपनी स्वाधिकृत निधि के चालीस प्रतिशत से।

बाश्तर्ते अन्य कंपनी के शेयरों में निवेश के संबंध में उक्त अधितम सीमा संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण जमाराशि न लेनेवाली किसी एनबीएफसी पर उस सीमा तक लागू नहीं होगी जिस सीमा तक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा, लिखित रूप में, विशेष रूप से बोमा कंपनी की ईकिवटी पूंजी में निवेश के संबंध में अनुमति दी गई हो।

बाश्तर्ते यह और भी कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा परिसंपत्ति विज्ञ कंपनी के रूप में वर्गीकृत जमाराशि न लेनेवाली संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण कोई एनबीएफसी, आपवादिक परिस्थितियों में, किसी एक पार्टी या पार्टीयों के एक समूह के लिए ऋण/निवेश संकेत्रण के संबंध में उपर्युक्त अधिकतम सीमा को, अपने बोर्ड के अनुमोदन से, अपनी स्वाधिकृत निधि के 5 प्रतिशत तक पार कर सकती है।

बाश्तर्ते यह और भी कि संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण जमा राशि न लेनेवाली कोई गैर-वित्तीय कंपनी, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, जो सार्वजनिक निधियां स्वीकार नहीं करती है, निर्धारित उच्चतम सीमा में आशोधन के लिए बैंक को आवेदन दे सकती है।

स्पष्टीकरण : इस परंतुक के प्रयोजन से 'सार्वजनिक निधि' में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सार्वजनिक जमाराशियों, वाणिज्य पत्रों, डिब्बेचरों, अंतर-कंपनी जमागशियों तथा बैंक वित्त के माध्यम से जुटाई गई निधियां शामिल होंगी।

(2) संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण जमाराशि न लेनेवाली प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एकल पार्टी/पार्टीयों के एकल समूह के प्रति ऋण जोखिम के बारे में एक नीति तैयार करेगी।

टिप्पणी :

(1) उपर्युक्त सीमाओं के निर्धारण के लिए, तुलनपत्र से इतर एक्रपोजर को पैराग्राफ 16 में स्पष्ट किए गए परिवर्तन कारकों का इस्तेमाल करते हुए ऋण जोखिम में बदल दिया जाएगा।

- (2) इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए डिबेंचरों में किए गए निवेश को ऋण के रूप में माना जाएगा, न कि निवेश के रूप में।
- (3) ऋण/निवेश से संबंधित ये अधिकतम सीमाएं स्वयं की एनबीएफसी समूह तथा अन्य उधारकर्ताओं/निवेशिती कंपनी के समूह पर लागू होगी।

**पता, निवेशकों, लेखा परीक्षकों आदि के परिवर्तन
के संबंध में प्रस्तुत की जानेवाली सूचना**

19. सार्वजनिक जमा राशि स्वीकार/धारण न करनेवाली प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी निम्नलिखित में किसी प्रकार का परिवर्तन होने की सूचना एक माह के भीतर देगी:

- (क) पंजीकृत/कंपनी (कॉर्पोरेट) कार्यालय के डाक का पूरा पता, टेलीफोन नं. तथा फैक्स नंबर;
- (ख) कंपनी के निवेशकों के नाम तथा आवासीय पते;
- (ग) उसके प्रधान अधिकारियों के नाम एवं पदनाम;
- (घ) कंपनी के लेखा परीक्षकों के नाम तथा उनके कार्यालय के पते;
- (ङ) कंपनी की ओर हस्ताक्षर के लिए प्राधिकृत अधिकारियों के हस्ताक्षरों के नमूने।

यह सूचना वह भारतीय रिजर्व बैंक के गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय को देगी, जैसा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी सार्वजनिक जमाराशि स्वीकरण (रिजर्व बैंक) निवेश, 1998 की द्वितीय अनुसूची में बताया गया है।

मूलभूत संरचना ऋण से संबंधित मानदण्ड

20. (1) **प्रयोज्यता**

- (i) इन नियोगों के पैरा 2(1)(viii) में व्यथापरिभावित ये मानदण्ड मूलभूत संरचना ऋण से संबंधित करार की शर्तों की पुनर्संरचना तथा/अथवा पुनर्निर्धारण और/अथवा पुनःसौदा (रिनिगोशिएट) करने के लिए लागू होगा, जो पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मानक एवं अवमानक आस्तियों तथा ऋण के लिए जमानती है, जो शर्तों की पुनर्संरचना करने और/अथवा पुनर्निर्धारित करने और/अथवा पुनःसौदा करने के अधीन है।

(ii) जहाँ परिसंपत्ति की जमानत आंशिक रूप से है, वहाँ वर्तमान मूल्य आधार पर और विवेकपूर्ण मानदण्डों के अनुसार प्रावधान करने के अलावा, ऋण की पुनर्संरचना तथा/अथवा पुनर्निर्धारण करने तथा/अथवा पुनः सौदा करते समय उपलब्ध जमानत में जितने की कमी है उतने का प्रावधान किया जाएगा।

(2) मूलभूत संरचना ऋण की शर्तों की पुनर्संरचना, पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा

एनबीएफसी, कंपनी के निदेशक मण्डल द्वारा निर्धारित नीतिगत हाँचे के अनुसार मूलभूत संरचना ऋण करार की शर्तों में निम्नलिखित चरणों के अंतर्गत पुनर्संरचना अथवा पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा एक बार से अधिक नहीं, करें:

(क) वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने से पहले;

(ख) वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद किन्तु परिसंपत्ति को अवमानक के रूप में वर्गीकृत करने से पहले;

(ग) वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद और परिसंपत्ति को अवमानक के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया हो;

बशर्ते उपर्युक्त तीन चरणों में से प्रत्येक चरण में पुनर्संरचना अथवा पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा करने का पैकेज देने पर मूल और/अथवा ब्याज-सहित या रहित पुनर्संरचना और/अथवा पुनर्निर्धारण और/अथवा पुनः सौदा किया जा सकता है;

(3) पुनर्संरचनाकृत मानक ऋण का प्रतिपादन

उपर्युक्त पहले दो चरणों में से किसी एक चरण में केवल मूलधन की किस्तों का पुनर्निर्धारण अथवा पुनर्संरचना अथवा पुनः सौदा करने पर किसी मानक परिसंपत्ति को अवमानक श्रेणी में पुनः वर्गीकृत नहीं करना होगा, यदि कंपनी के निदेशक मण्डल द्वारा अथवा प्रारंभिक ऋण मंजूर करने वाले अधिकारी से एक दर्जा ऊपर के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा मण्डल द्वारा निर्धारित नीति हाँचे के अंतर्गत प्रयोजन की पुनः जांच करने पर उसे संभाव्य पाया जाता है;

बशर्ते पहले के दो चरणों में से किसी एक चरण में ब्याज तत्व का पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा अथवा पुनर्संरचना किए जाने पर परिसंपत्ति को नीचे अवमानक श्रेणी में वर्गीकृत नहीं करना होगा लेकिन शर्त यह है कि बाद में यथानिर्दिष्ट ब्याज तत्व में समायोजन के प्रयोजन से छोड़ दी गई ब्याज की रकम को, यदि कोई हो, या तो बट्टे खाते डाला जाएगा या उसके लिए 100 प्रतिशत प्रावधान किया जाएगा।

(4) पुनर्संरचित अवमानक परिसंपत्ति का प्रतिपादन

मूलधन की किस्तों की पुनर्संरचना अथवा पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा किये जाने के मामले में अवमानक परिसंपत्ति एक वर्ष की समाप्ति तक उसी श्रेणी में बनी रहेगी और समायोजन के कारण छोड़ी गई ब्याज की रकम, यदि कोई हो, जिसमें पिछले बकाया ब्याज को बट्टे खाते डालने के रूप में समायोजन शामिल है, ब्याज तत्व में यथानिर्दिष्ट, बट्टे खाते डाला जाएगा अथवा उसके लिए 100 प्रतिशत का प्रावधान किया जाएगा।

(5) ब्याज का समायोजन

पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा अथवा पुनर्संरचना में ब्याज दर को जहाँ घटाना पड़े, वहाँ ब्याज समायोजन की गणना मूलभूत संरचना ऋण के लिए लागू ब्याज दर (उधारकर्ता पर लागू जोखिम रेटिंग हेतु भया समायोजित) तथा घटाई गई दर के बीच के अंतर से की जाएगी और पुनर्संरचना, पुनर्निर्धारण अथवा पुनः सौदा प्रस्ताव में इस प्रकार से निर्धारित भावी ब्याज का वर्तमान सकल मूल्य (मूलभूत संरचना ऋण पर लागू वर्तमान दर पर मुनाया गया, जोखिम संबंधन हेतु समायोजित) निकाला जाएगा।

(6) निधिक ब्याज

एनपीए के संबंध में ब्याज के निधीयन के मामले में, जहाँ निधिक ब्याज को आय के रूप में निर्धारित किया जाता है, निधिक ब्याज का पूरा प्रावधान किया जाएगा।

(7) आय निर्धारण मानदण्ड

मूलभूत संरचना ऋण के संबंध में आय निर्धारण प्रक्रिया इन निदेशों के पैरा 3 के प्रावधानों द्वारा संचालित होगी;

(8) धारित प्रावधानों का प्रतिपादन

एनबीएफसी द्वारा अनर्जक मूलभूत संरचना ऋण के लिए गए प्रावधानों को, जिसे इसके ऊपर के उप पैरा (3) के अनुसार 'मानक' के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, बनाए रखना तब तक जारी रहेगा जब तक ऋण की पूरी वसूली न हो जाए।

(9) पुनर्संरचनाकृत अवमानक मूलभूत संरचना ऋण के उन्नयन हेतु पात्रता

अवमानक परिसंपत्ति, जिसका पुनर्निर्धारण और/अथवा पुनः सौदा और/अथवा पुनर्संरचना की जानी है, चाहे वह मूलधन की किस्तों अथवा ब्याज के संबंध में हो, चाहे जो तरीका हो, का पुनर्संरचना और/अथवा पुनर्निर्धारण और/अथवा पुनः सौदा की शर्तों के अंतर्गत संतोषजनक निष्पादन के एक वर्ष की समाप्ति से पहले मानक श्रेणी में उन्नयन नहीं किया जाएगा।

(10) कर्ज को ईक्विटी में परिवर्तित करना

जहाँ ब्याज के रूप में देय रकम ईक्विटी अथवा अन्य लिखत में परिवर्तित की जाती है और फलस्वरूप आय का निर्धारण किया जाता है, वहाँ इस प्रकार से निर्धारित आय की रकम का पूरा प्रावधान ऐसे आय निर्धारण के प्रभाव को समाप्त करने हेतु किया जाएगा;

बशर्ते कोई प्रावधान किये जाने की अपेक्षा ही न होगी, यदि ब्याज का परिवर्तन उस ईक्विटी में हो जिसकी दर उद्धृत है;

बशर्ते यह भी कि ऐसे मामलों में, ब्याज आय का निर्धारण परिवर्तन की तरीख को, ईक्विटी के बाजार मूल्य पर हो सकता है, जो ईक्विटी में परिवर्तित ब्याज की रकम से अधिक नहीं होगा।

(11) कर्ज को डिबेंचर में परिवर्तित करना

जहाँ एनपीए के संबंध में मूलधन और/अथवा ब्याज वटी रकम को डिबेंचर में परिवर्तित किया जाता है, वहाँ ऐसे डिबेंचरों को एनपीए माना जाएगा, प्रारंभ से ही, उसी परिसंपत्ति वर्गीकरण में जो ऋण के लिए परिवर्तन से पहले लागू था और मानदण्डों के अनुसार प्रावधान किया जाएगा।

(12) मूलभूत संरचना ऋण और निवेश की एक्सपोजर सीमा में वृद्धि

संपूर्ण की प्रणाली की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण एनबीएफसी इन निवेशों के पैरा 18 के प्रावधान के अनुसार ऋण/निवेश मानदण्डों के केंद्रीकरण को एक फार्टी के लिए 5 प्रतिशत और फार्टियों के एक समूह के लिए 10 प्रतिशत की सीमा तक पार कर सकती है, यदि अतिरिक्त एक्सपोजर मूलभूत संरचना ऋण और/अथवा निवेश के कारण हो।

(13) एए रेटिंग वाले प्रतिभूतिकृत पेपर में निवेश के लिए जोखिम भार

मूलभूत संरचना सुविधा से संबंधित “एएए” रेटिंग वाले प्रतिभूतिकृत पेपर में निवेश पर पूंजी पर्याप्तता प्रयोजनों के लिए 50 प्रतिशत जोखिम भार लगाया जाएगा जिसके लिए निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होंगी:

- (i) मूलभूत संरचना सुविधा से आय/नकदी पैदा होती है, जो प्रतिभूतिकृत पेपर की सर्विसिंग/चुकौती सुनिश्चित करती है;
- (ii) अनुमोदित ऋण साथ एजेंसियों में से किसी एक द्वारा दी गई रेटिंग चालू और वैध है।

स्पष्टीकरण :

जिस रेटिंग पर भरोसा किया गया है वह मौजूदा और वैध समझी जानी चाहिए, यदि रेटिंग निर्गम के खुलने की तारीख से एक महीने से अधिक समय की नहीं है, और रेटिंग ऐसेंसी से रेटिंग का औचित्य निर्गम खुलने की तारीख से एक वर्ष से अधिक का नहीं है, और रेटिंग पत्र तथा रेटिंग औचित्य दोनों प्रस्ताव दस्तावेज का हिस्सा हों।

(iii) द्वितीयक बाजार अभियान के मामले में निर्गम में, 'एएए' रेटिंग लागू है और संबंधित रेटिंग ऐसेंसी द्वारा प्रकाशित मासिक बुलेटिन से उसकी पुष्टि की जाती है।

(iv) प्रतिभूतिकृत पेपर एक अर्जक परिसंपत्ति है।

छूट

21. भारतीय रिजर्व बैंक, यदि किसी कठिनाई को टालने अथवा किसी अन्य उचित एवं पर्याप्त कारण से ऐसा आवश्यक समझता है, तो वह किसी एनबीएफसी अथवा एनबीएफसी की श्रेणी को इन निदेशों के सभी अधिवा किसी प्रावधान के अनुपालन के लिए और समय प्रदान कर सकता है अथवा या तो सामान्य रूप से या किसी विशिष्ट अवधि के लिए छूट दे सकता है, जो उन शर्तों के अधीन होगा जिसे भारतीय रिजर्व बैंक उन पर लगाए।

व्याख्या

22. इन निदेशों के प्रावधानों को लागू करने के प्रयोजन से, भारतीय रिजर्व बैंक यदि आवश्यक समझता है, तो इसमें शामिल किसी भी मामले के बारे में आवश्यक स्पष्टीकरण जारी कर सकता है और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इन निदेशों के किसी प्रावधान की दी गई व्याख्या अंतिम होगी और सभी संबंधित पक्षों पर बाध्यकारी होगी।

निरसन और छूट

23. (1) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक) निदेश, 1998 इन निदेशों द्वारा निरसित माना जाएगा।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उप-खंड (1) में निदेशों के अंतर्गत जारी कीई परिपत्र, अनुदेश, आदेश एनबीएफसी उसी प्रकार से लागू रहेंगे जैसे वे ऐसे निरसन से पहले ऐसी कंपनियों पर लागू होते थे।

बी. सीलाधर
उप गवर्नर

संलग्नक

**जमान स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी
के तुलन-पत्र की अनुसूची
(गैर-बैंकिंग वित्तीय (जमाराशि स्वीकरण या धारण)
कंपनी विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक)
निदेश, 2007 के पैरा 13 के अनुसार अपेक्षित)**

(लाख रुपए में)

	व्योरे		
	देयताएं पक्ष		
1	<p>गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा लिए गए ऋण और अग्रिम जिनमें इन पर उपचित पर न चुकाया गया व्याज शामिल है:</p> <p>(क) डिबेचर : जमानती : गैर-जमानती (जनता की जमाराशि* की परिभाषा से बाहर)</p> <p>(ख) आस्थगित ऋण</p> <p>(ग) पीयादी ऋण</p> <p>(घ) अंतर-कंपनी ऋण और उधार</p> <p>(ङ.) वाणिज्यिक पत्र</p> <p>(च) अन्य ऋण (उनका स्वरूप बताएं)</p> <p>* कृपया नीचे का नोट 1 देखें</p>	बकाया राशि	अतिदेय राशि

	परिसंपत्तियां पक्ष	
	बकाया राशि	
(2)	<p>प्राप्य बिलों-सहित ऋणों और अग्रिमों का अलग-अलग विवरण [नीचे (4) में शामिल के अलावा]-</p> <p>(क) जमानती</p> <p>(ख) गैर-जमानती</p>	
(3)	<p>एएफसी गतिविधियों के लिए गणना की जानेवाली पड़ेवाली परिसंपत्तियों तथा किराये पर स्टाक और अन्य परिसंपत्तियों का अलग-अलग विवरण</p> <p>(i) विविध देनदारों के अंतर्गत पट्टा किराया समेत पट्टा परिसंपत्तियां</p> <p>(क) वित्तीय पट्टे</p> <p>(ख) परिवालन पट्टे</p> <p>(ii) विविध देनदारों के अंतर्गत किराया प्रभार समेत किराए पर स्टाक</p> <p>(क) किराए पर परिसंपत्तियां</p> <p>(ख) पुनःधारित परिसंपत्तियां</p> <p>(iii) एएफसी गतिविधियों के लिए गणना किए जानेवाले अन्य ऋण</p> <p>(क) ऐसे ऋण जिनमें परिसंपत्तियां पुनःधारित की गईं</p> <p>(ख) उपर्युक्त (क) के अतिरिक्त ऋण</p>	

<p>(4) निवेशों का अलग-अलग घोरा</p> <p><u>चालु निवेश</u></p> <p>1. <u>उद्धृत (कोटेड)</u></p> <ul style="list-style-type: none"> (i) शेयर : (क) ईक्विटी (ख) अधिमान (ii) डिबेंचर और बांड (iii) म्यूचुअल फंडों की यूनिटें (iv) सरकारी प्रतिभूतियाँ (v) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें।) <p>2. <u>अनुकूल (अनकोटेड)</u></p> <ul style="list-style-type: none"> (i) शेयर : (क) ईक्विटी (ख) अधिमान (ii) डिबेंचर और बांड (iii) म्यूचुअल फंडों की यूनिटें (iv) सरकारी प्रतिभूतियाँ (v) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें।) <p><u>दोषावधि निवेश</u></p> <p>1. <u>उद्धृत (कोटेड) :</u></p> <ul style="list-style-type: none"> (i) शेयर : (क) ईक्विटी (ख) अधिमान (ii) डिबेंचर और बांड (iii) म्यूचुअल फंडों की यूनिटें (iv) सरकारी प्रतिभूतियाँ 	
---	--

	<p>(v) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें।)</p> <p>2. <u>अनुद्धत (अनकोटेड)</u></p> <p>(i) शेयर : (क) इक्विटी</p> <p>(ख) अधिमान</p> <p>(ii) डिबेंचर और बॉड</p> <p>(iii) स्यूचुअल फंडों की यूनिटें</p> <p>(iv) सरकारी प्रतिभूतियां</p> <p>(v) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें।)</p>	
(5)	<p>उपर्युक्त (2) एवं (3) में वित्तपोषित परिसंपत्तियों का उद्धारकर्ता समूहवार वर्गीकरण :</p> <p>कृपया नीचे का नोट 2 देखें</p>	
	<p>श्रेणी</p>	<p>राशि - प्रावधानों को घटाकर</p>
		<p>जमानती गैर- जमानती कुल</p>
1. संबंधित पक्ष **		
(क) सहायक कंपनियां		
(ख) उसी समूह की कंपनियां		
(ग) अन्य संबंधित पक्ष		
2. संबंधित पक्ष के अलावा अन्य		
	कुल	

6.	<p>शेयरों और प्रतिभूलियों (उद्धृत और अनुद्धृत दोनों) में किए गए समस्त निवेशों (चालू और दीर्घावधि) का निवेशक समूहवार वर्गीकरण</p> <p>कृपया नीचे का नोट 3 देखें</p>	
	श्रेणी	
	बाजार मूल्य/अलगा- अलग या उचित मूल्य या निवल परिसंपत्ति गूल्य	बही मूल्य (प्रावधान घटाकर)
	1. संबंधित पक्ष ***	
	(क) सहायक कंपनियाँ	
	(ख) उसी समूह की कंपनियाँ	
	(ग) अन्य संबंधित पक्ष	
	2. संबंधित पक्ष के अलावा अन्य	
	कुल	

*** आइसीएआई के लेखा मानक के अनुसार (कृपया नोट 3 देखें)

7. अन्य ज्ञानकारी

ब्योरा	राशि
(i) सकल अनर्जक परिसंपत्तियां	
(क) संबंधित पक्ष	
(ख) संबंधित पक्ष के अलावा अन्य	
(ii) निवल अनर्जक परिसंपत्तियां	
(क) संबंधित पक्ष	
(ख) संबंधित पक्ष के अलावा अन्य	
(iii) ऋण की संतुष्टि में / की पूर्ति हेतु अधिगृहीत परिसंपत्तियां	

नोट :

- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जनता की जमाराशियां स्वीकारीता (रिजर्व बैंक) निदेश, 1998 के पैरा 2(1)(xii) में यथापरिभाषित।
- गैर-बैंकिंग वित्तीय (जमा राशि स्वीकरण या धारण न करनेवाली) कंपनी विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक) निदेश, 2007 में यथा निर्धारित प्रावधान मानदंड लागू होंगे।
- निवेश तथा अन्य परिसंपत्तियों के साथ-साथ ऋण की संतुष्टि में / की पूर्ति हेतु अधिगृहीत अन्य परिसंपत्तियों के मूल्यांकन-सहित सभी पर आइसीएआइ द्वारा जारी सभी लेखा मानक और निर्देश नोट लागू होंगे। फिर भी, उद्धृत निवेशों के संबंध में बाजार मूल्यों और अनुदृत निवेशों के अलग-अलग/उचित मूल्य/निवल परिसंपत्ति मूल्यों का खुलासा किया जाना चाहिए, भले ही उपर्युक्त (4) में इन्हें दीघवाड़िया चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया हो।

मुंबई-400005, दिनांक 24 अप्रैल 2007

सं. गैरेंपर्सि. 195/सीजीएम(पी.के.)-2007--

भारतीय रिजर्व बैंक, इस बात से संतुष्ट होने पर कि जनता के हित में और वित्तीय प्रणाली को देश के हित में विनियमित करने हेतु बैंक को समर्थ बनाने के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ-जनता की जमाराशियों की स्वीकृति (रिजर्व बैंक) निदेश, 1998 को संशोधित करना आवश्यक है, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 ज, 45ट तथा 45उ द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में उसे सक्षम बनाने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देता है कि 31 जनवरी 1998 की अधिसूचना सं. डीएफसी. 118/डीजी(एसपीटी)-98 में अंतर्विष्ट उक्त निदेश तत्काल प्रभाव से निम्नवत संशोधित होंगे अर्थात्-

पैराग्राफ 4 में उप पैराग्राफ 7 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा:

"(7) 24 अप्रैल 2007 को तथा उस दिन से कोई भी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, साढ़े बाहर प्रतिशत प्रति वर्ष से अधिक ब्याज दर पर जनता की जमाराशि आमंत्रित अथवा स्वीकार अथवा उसका नवीकरण नहीं करेगी। ब्याज अदा किया जाएगा अथवा अंतराल शेष राशि पर संयोजित किया जाएगा यह अंतराल मासिक अंतराल से कम नहीं होगा।"

पी. कृष्णमूर्ति
प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

सं. गैरेंपर्सि. 196/सीजीएम(पी.के.)-2007--

भारतीय रिजर्व बैंक, इस बात से संतुष्ट होने पर कि जनता के हित में और वित्तीय प्रणाली को देश के हित में विनियमित करने हेतु बैंक को समर्थ बनाने के लिए विविध गैर बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 1977 को संशोधित करना आवश्यक है, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 ज, 45ट तथा 45उ द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में उसे सक्षम बनाने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देता है कि 20 जून 1977 की अधिसूचना सं. डीएनबीसी. 39/डीजी(एच)-77 में अंतर्विष्ट उक्त निदेश तत्काल प्रभाव से निम्नवत संशोधित होंगे अर्थात्-

1. पैराग्राफ 9 ए में "4 मार्च 2003" शब्दों एवं अंकों को "24 अप्रैल 2007" शब्दों एवं अंकों से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

2. पैराग्राफ 9 ए के खंड (क) में शब्द "ग्यारह" को शब्द "साढ़े बारह" से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

पी. कृष्णमूर्ति
प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

मुंबई-400005, दिनांक 20 अप्रैल 2007

बैंपविवि. सं. आरईटी. बीसी. 83/12.01.001/2006-07--

भारतीय रिजर्व बैंक (संशोधन) अधिनियम, 2006 की धारा (3) की अधिसूचना के फलस्वरूप भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934(1934 का 2) की धारा 42 की उप धारा (1) में किए गए संशोधन 1 अप्रैल 2007 से लागू हो गये हैं। तदनुसार, अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के संबंध में कुल मांग तथा मीयादी देयताओं के 3 प्रतिशत की न्यूनतम आरक्षित नकदी निधि अनुपात की अपेक्षा 1 अप्रैल 2007 से समाप्त हो गयी है। यह निर्णय लिया गया है कि 4 अप्रैल 2007 की अधिसूचना बैंपविवि. सं. आरईटी. बीसी. 73/12.01.001/2006-07 के परिचालन में तदनुसार संशोधन किया जाए। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की संशोधित उप धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा यह अधिसूचित करता है कि 20 अप्रैल 2007 की अधिसूचना सं. बैंपविवि. आरईटी. बीसी. 85/12.01.001/ 2006-2007 में दी गयी छूटों के अधीन प्रत्येक अनुसूचित वाणिज्य बैंक 14 अप्रैल 2007 से आरंभ होनेवाले पखवाड़े से 6.25 प्रतिशत तथा 28 अप्रैल 2007 से आरंभ होनेवाले पखवाड़े से 6.50 प्रतिशत आरक्षित नकदी निधि अनुपात बनाये रखना जारी रखे।

आनन्द सिन्हा
कार्यपालक निदेशक

बैंकविवि. सं. आरईटी. बीसी. 85/12.01.001/2006-07-

भारतीय रिजर्व बैंक (संशोधन) अधिनियम, 2006 की धारा 3 के 1 अप्रैल 2007 से लागू होने से संबंधित अधिसूचना के फलस्वरूप भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उप धारा (1) में किए गए संशोधन लागू हो गये हैं। तदनुसार, अनुसूचित वाणिज्य बैंक के संबंध में कुल मांग तथा मीयादी देयताओं के 3 प्रतिशत की साविधिक न्यूनतम आरक्षित नकदी निधि अनुपात अपेक्षा। अप्रैल 2007 से समाप्त हो गयी है। अतः यह निर्णय लिया गया है कि । मार्च 2007 की अधिसूचना बैंकविवि. सं. बीसी. 63/12.01.001/2006-07 के परिचालन में । अप्रैल 2007 से तदनुसार संशोधन किया जाए। भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 की धारा 42 की उप-धारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक उतद्वारा प्रत्येक अनुसूचित वाणिज्य बैंक को । अप्रैल 2007 से निम्नलिखित देयताओं पर आरक्षित नकदी निधि अनुपात बनाए रखने से छूट देना है :

- (i) भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उप धारा (1) के स्पष्टीकरण के खंड (घ) के अंतर्गत की गयी गणना के अनुसार भारत में बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएँ;
- (ii) एसीयू (अमरीकी डालर) खातों में जमा शेष;
- (iii) भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआइएल) के साथ संपादित कृत उधार लेने और क्रूण देने के दायित्व (सीबीएलओ) संबंधी लेनदेन; और
- (iv) उनकी अपतटीय बैंकिंग इकाइयों (ओबीयू) के संबंध में मांग और मीयादी देयताएँ

आनन्द सिंह
कार्यपालक निदेशक

सरकारी और बैंक सेवा विभाग

(केन्द्रीय कार्यालय)

मुंबई, दिनांक 25 अप्रैल 2007

भारत सरकार के राजपत्र में 20 अप्रैल, 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल, 1954 की अधिसूचना सं. एफ.(8) 70/वी 52 और भारत सरकार के दिनांक 21 फरवरी, 1990 के असाधारण राजपत्र सं. 67 के अंतर्गत यथा संवैधित लोक अधिनियम, 1944 की तारीख 28 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा बनाए गए लोक अधिनियम, 1946 के नियम 18 के अनुसार, मार्च 2007 को समाप्त भाइ के लिए विमालाखित सूची द्वीप गाँव आदि ऐसी प्रतिभूतियों के बारे में एतद्वाया विज्ञापित की जाती है, जिसके संबंध में इस बात का विवाद करने के लिए प्रथम दृष्टिक्षण आधार नीज़द है कि प्रतिभूतियों द्वीप गाँव हैं और आवेदकों का दावा व्यापक है। नीचे लिखे गये संबंधित दावेदारों से इतर सभी ध्येयित विनका प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, सत्काल महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक सेवा विभाग, केन्द्रीय ऋण प्रबालग, मुंबई-400 008 को संसूचित करें।

सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग "क" में आधी पहली बार विज्ञापित प्रतिभूतियों शासित की गई है और भाग "ख" में घूर्व विज्ञापित प्रतिभूतियों को सूची दी गई है।

सूची "क"

अहमदाबाद सरकार 9% राहत पत्र 1999 (स्थान्तरित)

प्रतिभूतियों को सं.	मूल्य	जिस स्वयंसेवा के नाम जारी किया	वकाला व्याज की तिथि	प्रतिभूति के भुगतान के लिए दावेदार का नाम	प्रतिलिपि आदेश तिथि
1	2	3	4	5	6
एएससे-001637	₹. 3,00,000/-	1. हारिसिंह एवं लियालिक और 2. अमोल आर. मुमुक्षुदार (कोई एक या उत्तरज्ञेयी)	-	प्रतिभूति आर. मुमुक्षुदार	एल.एल./एस 001 दिनांक 09.03.2007

भागलगड़, मुंबई सरकार 9% राहत पत्र 1999 (स्थान्तरित)

श्रीसीसी- 010160 से 10163	₹.50,000/- (प्रत्येकी)	सरोजनी वासुदेव कामत (मृत) नवना धी. नावक	10.08.2000 नवना धी. नावक	सरोजनी वासुदेव कामत (मृत) नवना धी. नावक	06.25.100 8.21.2006
---------------------------------	---------------------------	--	-----------------------------	--	------------------------

सूची "ख"

गर्व विलाली सरकार 10% राहत पत्र 1993

प्रतिभूतियों को सं.	मूल्य	जिस स्वयंसेवा के नाम जारी किया	वकाला व्याज की तिथि	प्रतिभूति के भुगतान के लिए दावेदार का नाम	प्रतिलिपि आदेश तिथि
1	2	3	4	5	6
श्रीएच-000432	₹.40,000/-	किशन सिंह	-	श्रीपती जगदीप साहनी और सुरिनदरचंद्र सिंह	पीटीओ/टीटीएलएन- 1/2000 5.2.2007

बै. पम. बाबा
सहायक प्रबंधक

भारतीय स्टेट बैंक
मुंबई, दिनांक 28 अप्रैल 2007

एसबीडी क्र. 1/01-08--एतद्वाया सर्वसाधारण को घूषित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुवंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25, उप धारा (1) के अनुसूचे (अ) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विभाग के बाद भारतीय स्टेट बैंक श्री अवतार सिंह विंडल, जे-26, सरपा नगर, लुधियाना को स्टेट बैंक आफ पटियाला के निदेशक पद पर दिनांक 1 मई 2007 से 31 अक्टूबर 2008 (दोनों दिन सम्पूर्णता) तक के लिए पुनः नायित करता है।

ओम प्रकाश भट्ट
अध्यक्ष

राष्ट्रीय आवास बैंक
नई दिल्ली, दिनांक । मई 2007

सं. एनएचबी.एचएफसी.आरईबी-JJ/सीएमडी/2007-- राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (53/1987) को धारा 29ए की उप-धारा (1) की धारा (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय आवास बैंक एतद्वारा आवास वित्त संस्थान के लिए जो एक काम्पनी हो और जो 31 मार्च, 2008 तक या उससे पहले आवास वित्त संस्थान का कारोबार करता हो, न्यूनतम निवल स्वाधिकृत निधि दो लाख रुपए निर्दिष्ट करता है।

एस. श्रीधर
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

दि इस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया
नई दिल्ली—110002, दिनांक 7 फरवरी 2007

सं. 13-सी.ए. (परीक्षा)/आई.एस.ए./बूट/2007-- चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेग्लेशन 1988 (जो अनुसूचना में छा—1 सी.ए. (7)/59/2001 दिनांक 28 सितम्बर 2001 के द्वारा संशोधित किया गया) के नियम-7, अनुसूची 'एफ' के रेग्लेशन 204 के अनुसार दि कॉर्सिल ऑफ इस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट 23.06.2007 को सत्र 8 बजे प्रातः से 12 बजे दोपहर को निम्नलिखित केन्द्रों पर होगी, बशर्ते कि प्रत्येक केन्द्र में परीक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थी नियेदन करते हैं।

परीक्षा केन्द्र :--

- | | |
|-----------------------|-------------|
| 1. अहमदाबाद | 13. कानपुर |
| 2. बैंगलोर | 14. कोलकाता |
| 3. भुवनेश्वर | 15. लखनऊ |
| 4. घंडीगढ़ | 16. मुम्बई |
| 5. चेन्नई | 17. नागपुर |
| 6. दिल्ली/न्यू दिल्ली | 18. नासिक |
| 7. इरनाकुलम | 19. पूना |
| 8. गोवा | 20. रायपुर |
| 9. गुवाहाटी | 21. गङ्गोट |
| 10. हैदराबाद | 22. सूरत |
| 11. इंदौर | 23. वाराणसी |
| 12. जयपुर | |

परिषद् अपने विशेषाधिकार के अन्तर्गत किसी भी परीक्षा केन्द्र को किसी भी समय बिना कोई कारण द्वारा रद्द कर सकती है। यह परीक्षा इस्टीट्यूट के केवल पाञ्च सदस्य जो कि पहले से ही पंजीकृत हैं के लिये है। इस परीक्षा (असेसमेंट टेस्ट) के लिए परीक्षा शुल्क 1000/- (एक हजार रुपये) मात्र है।

परीक्षा शुल्क की यांत्रिकी का भुगतान केवल डिमांड ड्राम जो कि किसी भी अनुसूचित बैंक का हो होना चाहिये। डिमांड ड्राम 'सचिव' दि इस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्ट ऑफ इंडिया के पक्ष में होना चाहिये और उसकी अदायगी नई दिल्ली पर हो। आवेदन पत्र उपयुक्त शुल्क के साथ इस प्रकार भेजा जाना चाहिये कि वह संयुक्त सचिव (परीक्षा) के कार्यालय में दिनांक 01.06.2007 तक पहुंच जायें।

इस परीक्षा के लिये आवेदन निर्धारित आवेदन पत्रों पर ही किया जाना चाहिये जो कि दि इस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया को संयुक्त के कार्यालय में भी उपलब्ध है और नकद भुगतान करने पर 12 मई, 2007 से प्राप्त किये जा सकते हैं। आवेदन पत्र इस्टीट्यूट की बैंकसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.आई.सी.ए.आई. और आजी से प्रिन्ट करके परीक्षा शुल्क 1025/- रुपये के साथ भी भेजा जा सकता है।

आवेदन पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 01.06.2007 है। आवेदन पत्र निर्धारित परीक्षा शुल्क के साथ सी.डी.पी.एस.रजिस्टर्ड डाक द्वारा संयुक्त सचिव (परीक्षा) नई दिल्ली को भेजा जाना है। दिनांक 1 जून, 2007 के पश्चात् आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे,

जी, सोमशेखर
संयुक्त सचिव (परीक्षा)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 2007

सं. ए-12(11) 4/2002-स्था. I-- कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 97 की उप धारा (1) और उप धारा (2) के खंड (xxi) और उप धारा (2क) तथा धारा 17 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम (बीमा निरीक्षक/प्रबन्धक श्रेणी-II/अधीक्षक) भर्ती विनियम, 1999 का अधिक्रमण करते हुए ऐसे अधिक्रमण से पूर्व किए गए अथवा करने से रह गये कार्यों के अलावा, कर्मचारी राज्य बीमा निगम एतद्वारा केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से कर्मचारी राज्य बीमा निगम में (बीमा निरीक्षक/प्रबन्धक श्रेणी-II/अधीक्षक) के पद पर भर्ती को विनियमित करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :--

- (1) ये विनियम कर्मचारी राज्य बीमा निगम (बीमा निरीक्षक/प्रबन्धक श्रेणी-II/अधीक्षक) भर्ती विनियम, 2007 कहे जायेंगे।
- (2) ये शासकीय राज्यपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण एवं वेतनमान :--

पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे सम्बद्ध वेतनमान इन विनियमों के साथ संलग्न अनुसूची के कॉलम 2 से 4 में उल्लिखित अनुसार होंगे।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं, आदि :--

पदों की भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य मामले इन विनियमों के साथ संलग्न अनुसूची के कॉलम 5 से 14 में उल्लिखित अनुसार होंगे।

4. निरहता :--

ऐसा कोई व्यक्ति,

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है या विवाह करने का करार किया है जिसका विवाहिती जीवित है; अथवा
 - (ख) जिसने अपने विवाहिती के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है अथवा विवाह करने का करार किया है।
- उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि कर्मचारी राज्य बीमा निगम के महानिदेशक इस बात से संतुष्ट हैं कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति अथवा विवाह की दूसरी पार्टी पर लागू वैयक्तिक कानून के अन्तर्गत अनुमेय है अथवा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं तो वे किसी व्यक्ति को इस विनियम से छूट दे सकते हैं।

5. ढील देने की शक्ति :--

जहां क.रा.बी. निगम के महानिदेशक की राय में ऐसा करना आवश्यक अथवा कालोचित है तो वे आदेश द्वारा केन्द्रीय सरकार से पूर्व अनुमोदन लेने के पश्चात् तत्संबंधी कारणों को लेखबद्ध करके किसी श्रेणी अथवा व्यक्तियों के वर्ग के संबंध में इन विनियमों के किसी भी उपबंध में आदेश द्वारा ढील दे सकते हैं।

6. अवशिष्ट मामले :--

इन विनियमों के उपबंधों के अध्यधीन, निगम में पदों की तदनुरूपी श्रेणी पर लागू कर्मचारी राज्य बीमा निगम (भर्ती) विनियम, 1965 में उल्लिखित सभी अन्य विनियम और शाहै इन विनियमों के साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित पद पर लागू होंगी।

7. अपवाद :--

इन विनियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में ढील और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं ढालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुरूप अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा व्यक्तियों के अन्य वर्गों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

四

पद का नाम	पर्दा की संख्या
संविधान प्रस्तुति	१६७३
संविधान समिति	१६७४
संविधान समिति	१६७५
संविधान समिति	१६७६

पदों की संख्या	वार्तावरण	देशभाषन	संक्षिप्त	प्राचीन
१६७३	२५०७	४	१८५	१८५
१६७३	२५०७	४	१८५	१८५
१६७३	२५०७	४	१८५	१८५
१६७३	२५०७	४	१८५	१८५

कथा चयन पद है	कथा जीवं गए सेवा। योगी भर्ती गलों के लिए आम्-तीर्थी भर्ती बालों के लिए-
अधिकारी चयन पद	के दर्शों का लाभ सीधा केन्द्रीय सेविका
	सेवा (पंचाम) नियम, 1972 के अंतर्गत इच्छिकाएँ
	+ 21.27 चर्च के नियम

फारहल संघर्षा, ए-१२[11]4/२००२-४३८.१

निश्चय
स्वतंत्रता
मानविकास

जापिया भिल्लिया इस्लामिया

मार्च ३१, २००६ का तुलन पत्र

देनदारियाँ	सूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पूर्णीगत विधि	1	-	1,406,831,553
प्रयोजन विशिष्ट / धर्मादा निधि	2	144,054,552	79,218,182
वर्तमान देनदारियाँ एवं प्रावधान	3	1,945,753,303	396,766,227
कुल		2,089,807,855	1,882,815,962

परियोगिताओं

स्थायी घरिसंपत्तियाँ (सकल ब्लाक)	4	883,930,109	1,406,831,553
प्रयोजन विशिष्ट / धर्मादा निधि से निवेश	5	77,127,500	14,765,646
निवेश अन्य	6	235,980	92,070
वर्तमान परियोगितायाँ, ऋण और अधिग्रह	7	617,958,764	461,126,693
सम्यादान न किए जाने को सीधा तक का विविध व्यव		510,555,502	-
पूर्णीगत निधि से घटाया गया		-	-
कुल		2,089,807,855	1,882,815,962

हस्ताक्षर
अधिकारी
संस्थाकार

हस्ताक्षर
जफरलाल हुसैन
लेखाधिकारी

हस्ताक्षर
एम.एम. अफगल
विज्ञ अधिकारी

हस्ताक्षर
एम.एम. अफगल
कलमाचिव

क. आय

25—59 01/2007

क्र. संख्या	विवरण	मुद्रा	महिना
			(गणि हजारों में)
6	अनुदान / प्रृष्ठक अनुदान	531,586,830	
7	अकादमिक प्राप्तियाँ	59,836,671	
8	प्रकाशनों से आय	21,290	
9	निवेश से आय	21,359	
10	आर्किट चालन	13,935,425	
11	अन्य आय	19,719,045	
12	कालावधि पूर्व आय	6,297,118	
13			
14			
	कुल (क.)	631,447,798	
15	स्थापना ऋण	636,988,851	
16	अकादमिक ऋण	30,882,148	
17	प्रशासनिक ऋण	78,785,623	
18	अनुदान पूर्व दंखाशाल	35,821,129	
19	वित्तिक ऋण	10,479,049	
20	दूसरे	76,723,637	
21	कालावधि पूर्व ऋण	1,231,469,341	
22	कुल (क.)	2,101,149,778	
	आखीकरण (आदा) से पूँजीकां निषिद्ध को से जागा गये (क - छ)	-1,469,731,980	
	चिकित्सा खाता लेजा नितिया		
	पृष्ठक देनारियों पूर्व लेखार्डों पर टिकिया		

तात्त्विका १ : पंजीयन निधि

जारीपाया निविल्युत्या इस्तरामया
31-03-2006 को बल्दन पत्र की सारणी

विषय	चालू रक्त	पिछला वर्ष
अन्य खाद्य	1 406,831 553	1,188,931,827
जोड़ : प्रजापात्र ज्ञान के लिए अधिकान अंतर्गत	156,906.183	
	1,563,737,736	
कीटों : बाहर करने वाली विधिवत् विद्युतेश्वरी	42,366	
प्रसारण विभाग विवरण : इस वर्ष विद्युतेश्वरी की विवरण विभाग द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	586,726	
प्रसारण विभाग विवरण : इस वर्ष विद्युतेश्वरी की विवरण विभाग द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	2,012,055	
प्रसारण विभाग विवरण : इस वर्ष विद्युतेश्वरी की विवरण विभाग द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	13,897,355	
प्रसारण विभाग विवरण : इस वर्ष विद्युतेश्वरी की विवरण विभाग द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	289,299	
प्रसारण विभाग विवरण : इस वर्ष विद्युतेश्वरी की विवरण विभाग द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	763,731	
प्रसारण विभाग विवरण : इस वर्ष विद्युतेश्वरी की विवरण विभाग द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	30,787,124	
	48,378,656	
प्रसारण विभाग विवरण : इस वर्ष विद्युतेश्वरी की विवरण विभाग द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	143,910	
	1,612,260,302	
कृषि	550,836,458	
कृषि : इस के लिए विद्युतेश्वरी द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	2,247,366	
कृषि : इस के लिए विद्युतेश्वरी द्वारा दिए गए विवरण से अंतर्भूत है।	653,083,824	
	959,176,478	
पशुपालन : आम एवं अद्य यात्रा के अनुसार चर्च के लिए जारी	217,899,726	
	1,469,731,980	
		(510,555,502)
		1,406,831,553

राशि आशारित विवरण						
विवरण	विव. राशि	विव. राशि	एम.मी.ए. राशि	चि.आ. क. राशि	एम.आ. एम. राशि	धर्माचा. निधि
क. आय शेष	21,442,267	33,110,438	2,652,156	1,413,809	2,801,857	17,797,655
ब. चर्तु के दैवत वृद्धि	81,267,332	5,009,078		2,920,253	5,904,939	4,467,768
(1) निधियों के निवेश से आय	1,061,370	15,582,503				119,224
(2) निधियों के निवेश से प्रत्यक्ष ज्ञान						16,763,097
(3) अन्य वृद्धियां						
कुल	103,770,969	53,702,019	2,682,156	4,334,062	9,172,605	22,384,647
(ग) निधियों वाले लक्ष्यों का व्यय / उपयोग	37,905,520	2,652,156	3,348,819	210,749	2,101,469	46,227,713
(1) ग्रन्थ संग्रह	305,936					
(2) प्रगति व्यय	586,726					
कुल	892,662	37,905,520	2,652,156	3,348,819	5,061,280	2,101,469
वर्ष के अंत में अंत: शेष	102,878,307	15,796,499	-	985,243	4,111,325	20,283,178
विवरण वर्ष	21,442,267	33,110,438	2,652,156	1,413,809	2,801,857	17,797,655
						79,218,182

टिप्पणी : 1. निवेश से आय के विवर दर्शायी गयी ।. 55, 82, 503 रुपये की राशि कर्मचारियों को भवन निधि अधिक पर प्राप्त आय का दर्शाती है

2. एम.आ.सी. प्रकाशन निधि के विवर वर्ष के दौरान वृद्धि गत्य संसाधन कोड भवन के निधि के लिए चि.आ. अयोग (62,00,000/- रुपये) से शायद अनुदान 295,416/- रुपये अथ शेष बंदरकार को दर्शाती है।

कालिकरण दोषः	समाचारा निर्धारया ११.०३.२००६	तारीख	राशि	क्षेत्र
1 जो. प्रम. मुद्रित अस्तुपत्र सम्पादन निधि		जूना	6,686	
2 इ.ने. केवल आवश्यक निधि		जूना	157,938	
3 विस्मय छात्र निधि (संस्कृत स्कृल)		जूना	49,417	
4 आवश्यक आवश्यक निधि		जूना	765,786	
5 कार्यी यो. आहम स्थानक निधि		जूना	28,971	
6 विज्ञा पहुंच वा लूपधूति		जूना	2,000	
7 एम.सो. शुक्रला च्यापक निधि		जूना	213,691	
8 श्रो. दर्शप धर्मदाय निधि		जूना	25,000	
9 ग्रा. सहित अस्तुप्र स्थानक निधि		जूना	104,630	
10 जि. और श्रीमती एन दोन एवं आहम स्थानक धर्मदाय		जूना	26,107	
11 आता के लिए जा. धिक्षण आवश्यक		जूना	60,500	
12 कंगन योद्धन्द विहं वही योद्धन्द निधि		जूना	12,000	
13 सकेन्द्र लालो के ५०० अवधूति निधि (१०० कौटी एक.)		जूना	75,504	
14 श्रद्धा निधि के लिए धर्मकार निधि		जूना	93,599	
15 सकेन्द्र लालो के लिए इन्द्रदेव भवानि लालवृन्द		जूना	249,038	
16 तदूत भग. धर्मलो लाला लाल		जूना	10,500	
17 सर्वोच्चन के लिए लालवृन्द निधि अवधूति विभाग		जूना	132,481	
18 सकेन्द्र के सर्वोच्चन के लिए श्रावश्रवति निधि		जूना	219,714	
19 सकेन्द्र लालो के लिए भवानि लालवृति निधि		जूना	125,000	
20 भग. एवं लाल लाल लाल एवं कार		जूना	125,000	
21 वि. रामदेव भवानि लालवृति निधि		जूना	1,100,000	
22 निकट एवं तदूत भवानि लालवृति निधि		जूना	114,614	
23 दर्शप अवधूति निधि		जूना	251,803	
24 लालग लालवृति लालवृति		जूना	476,000	
25 मृदु विवरण लालवृति		जूना	80,000	4,505,980
		जूना	80,000	
		जूना	1,500,000	
1 उत्तरां उत्तरां उत्तरां		जूना	1,500,000	
2 दालत दालत दालत		जूना	13,277,637	
3 दालत दालत दालत		प्रथ. तदूत लालवृति	348,993	15,126,630
1 श्रो. लालवृति अवधूति के लिए धर्मदाय लालवृति निधि		प्रथ. तदूत लालवृति	653,043	
2 लालवृति लालवृति		प्रथ. तदूत लालवृति	12,082	665,125
		कूल		20,297,735
		जूना	11,857	
		एम.सो.भारती	2,700	14,557
1 कालिकरण विधिक लालवृति धर्मदाय		एम.सो.भारती	2,700	20,283,176
2 वर्णीका / लालवृति				
सकाल लाल				
अगल २००६ में अस्तुप्री				
प्रतिवर्ष संग्रहित ५० प्रतिवर्ष आवश्यक को संप्रद यात्रा का दर्शाता है जो पाठ पर व्यय के लिए संयुक्त होता है।				
आवश्यक के ५० प्रतिवर्ष शेष को दर्शाता है जो पाठ पर व्यय के लिए संयुक्त होता है।				

तालिका ३ : वर्तमान देनदारियाँ और प्रबन्धान

(क) वर्तमान देनदारियाँ	जारी रखे	पिछला वर्ष
(i) कर्मचारियों से जमा	11,989,554	2,000
(ii) शांति से जमा	10,382,006	
(iii) अन्य जमा (हाथड़ी प्रतिसूतिया)	20,296,587	
(iv) संस्थानिक दायित्व (जीपीएफ / टीडीएस/कल्यासी कर / सौं पी एफ / जी आई एस / एन पी एफ	6,341,839	
(v) अन्य वर्तमान देनदारियाँ		
(क) बेतन	31,179,533	
(ख) प्रायोजित परियोजनाओं के किरदार प्राप्तियाँ	36,353,981	31,118,674
(ग) प्रोयोजन केलोक्षिप व स्कॉलरशिप के किरदार प्राप्तियाँ	1,569,765	2,150,926
(घ) उपयोग नहीं हो पाया अनुदान	349,679,108	160,459,772
(इ) अन्य अनुदान	102,876,845	153,009,708
(ज) अन्य देनदारियाँ	5,266,940	13,004,715
		564,898,303 396,766,227
(ख) प्रावधान		
1 सेवा निवृत भेंट	1,245,335,000	
2 चेहुड़ी	135,520,000	
3 अवकाश भुगतान		1,380,855,000
4 अन्य		
सोग (ख)		1,380,855,000
		1,945,753,303 396,766,227

जारी प्रायोगिक परियोजनाओं के बिल्डर
वर्तमान देवदत्तियां अन्य देन-दातियां-प्राप्तियां

भारत का राजपत्र, मई 19, 2007 (वैशाख 29, 1929)

भाग III—खण्ड 4

लेखा शीर्ष	१९५० की अद्य शेष			१९०९-२००८ की दौरान लेन-देन			१९५३-५५ की अन्त शेष
	DR	CR	DR	CR	DR	CR	
प्रयोगिक परियोजनाएँ वित्तप्रबंधित							
निविदा अद्याग	1,637,547	5,170,951	14,112,611	10,762,922	2,341,752	2,525,467	
पा.सर्टि. मंगलव	675,296	1,155,269	6,502,059	6,376,956	972,346	1,320,216	
विभाग पर वैद्यानिकों (चौं पक्ष से)	212,853	8,229,031	5,932,786	8,721,533	206,524	11,011,459	
केन्द्रपा. प्रशासन	64,005	2,760	637	40,712	23,293	7,123	
अन्य एक एक आर	75,757	750,605	1,157,181	948,805	27,518	493,950	
आई एच आर	109,129	5,891	91,514	135,000	65,054	9,307	
अन्य एक एक	269,000	..	246,000	
ग्राम आप आर	..	130,879	616,323	956,542	..	4,75,100	
विविध घंट	4,680,931	10,129,690	14,977,120	14,713,018	5,747,776	10,932,433	
चंग	7,455,518	25,575,076	43,390,234	42,906,508	9,388,263	27,024,095	

जागी उत्तरीयोंजनामों के लिए इस चारोंपास देशदरिया प्रान्तियों

एष सी आर मी

लेपारा शिवाली		₹. १,००,००५ को अध्य रोप		वर्ष ०५-०६ के दौरान लोकेशन		३१.३.२००६ को अंत शेष	
		DR.	CR.	DR.	CR.	DR.	CR.
८५१ २१२ दूर	--	--	--	--	700,000	--	700,000
श्रीमति , अग्रवाल	--	--	--	2,700	--	2,700	--
कुल भुगतान में वस्तुकोड़ी प्रदानकर्ता	--	21,983	--	--	--	21,983	--
अपार्टमेंट निवासियोंका का वित्तीय स्थिति का	--	2,780	--	--	--	2,780	--
(प्रति एक घर)	--	11,847	--	--	--	11,847	--
कुल भुगतान के अंतर्गत	--	17,173	300,693	354,350	--	70,830	--
अपार्टमेंट मालिकोंके खाते परिवर्तन वीक्षण	--	2,600	--	--	--	2,600	--
कुल भुगतानका (अपार्टमेंट)	--	20,000	--	--	--	20,000	--
उपर उल्लिखी	--	1,359,740	2,447,919	1,768,913	--	680,754	--
भुगतान	--	29,000	--	--	--	29,000	--
उपर उल्लिखी	--	7,500	--	--	--	7,500	--
उपर उल्लिखी	--	--	770,392	1,452,335	--	681,943	--
वित्तीय स्थिति का अपार्टमेंट	--	30,969	451,124	450,000	--	29,845	--
वित्तीय स्थिति का अपार्टमेंट	--	--	512,014	493,640	18,574	--	--
उपर उल्लिखी	--	5,563,678	1,185,549	1,267,050	--	5,645,179	--
उपर उल्लिखी	--	34,500	--	--	--	34,500	--
कार्यालय : समेत	--	2,674	--	--	--	2,674	--
कुल	--	7,104,444	6,670,391	6,486,308	21,074	7,841,435	--
7,455,518	33,469,227	49,654,061	50,594,896	9,409,337	36,353,981		

जारी प्रक्रियित, फलोंका पर्याप्त उत्कर्षानुशासन के, विनाश
शोषण, देवदारियाँ, असु देवदारियाँ... प्राप्ति

लेपा शीर्ष	₹. १,०००/- को अधी रोप	रार्ह २००५-०६ के दोगन सेव देन			₹. १,३००/- को अधी रोप
		DR	CR	DR	
प्रमोशित फलोंका पूर्ण स्वाक्षरीताप					
विवरणित द्वारा					
वि.वि.अ. आरा	—	98,001	173,692	115,600	—
मानव संसाधन विकास मंत्रालय	—	17,914	17,914	—	—
आई नी एस एस	—	155,556	402,681	400,680	—
आई नी एस एस आर	—	36,000	399,433	392,100	2,400
आई नी आर	—	17,400	25,980	9,730	—
सी एस आई आर	—	800,051	2,787,968	2,490,935	—
विविध ग्रान्ट	—	834,840	1,918,683	1,875,109	—
गोपा	—	2,009,562	5,726,351	5,284,154	2,400
					1,569,765

लोकसभा अनुदर्शन : भारत सरकार, वित्तीय आय का अप्रयुक्त अनुदर्शन

प्र. लोकसभा अनुदर्शन : भारत सरकार राष्ट्रीय बैंक / एफ	जापिया प.	एप. सी आर ची	बोग
राष्ट्रीय बैंक के दोहरा प्रति वर्षित बोग	18,371,621	-	18,371,621
प्रयुक्त अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	19,371,621	-	18,371,621
राजस्व अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	13,603,769	-	13,603,769
राजस्व अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	4,767,852	-	4,767,852
वित्तीय आय अनुदर्शन : और बोजना गत वर्ष की : एफ	4,767,852	4,767,852	
एप. के दोहरा प्रति वर्षित बोग	527,833,000	547,792	547,792
प्रयुक्त अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	527,833,000	26,000,000	553,833,000
प्रयुक्त अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	32,516,526	26,547,792	554,380,792
राष्ट्रीय अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	495,316,474	3,058,839	35,575,365
राजस्व अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	564,277,157	23,486,953	518,805,427
अन्तर्राष्ट्रीय प्रयुक्ति	68,960,683	32,478,233	596,755,390
शेष / जी एफ	75,491,654	8,989,280	77,949,963
वित्तीय आय अनुदर्शन बोजना बोग	6,530,981	4,779,818	80,271,482
वित्तीय आय अनुदर्शन बोजना बोग	8,581,626	4,209,462	2,321,519
वित्तीय आय अनुदर्शन बोजना बोग	93,432,071	(658,898)	7,922,720
वित्तीय आय अनुदर्शन बोजना बोग	102,013,697	6,598,000	100,030,071
वित्तीय आय अनुदर्शन बोजना बोग	38,932,948	5,939,102	107,952,789
वित्तीय आय अनुदर्शन बोजना बोग	63,080,749	416,439	39,349,387
वित्तीय आय अनुदर्शन बोजना बोग	7,141,982	5,522,663	68,603,412
वित्तीय आय अनुदर्शन बोजना बोग	55,938,767	793,324	7,935,306
वित्तीय आय अनुदर्शन अन्य बोग	4,729,339	4,729,339	60,668,106
वित्तीय आय अनुदर्शन अन्य बोग	69,920,849	69,064,088	138,984,937
वित्तीय आय अनुदर्शन अन्य बोग	168,482,032	50,000,000	218,482,032
प्रयुक्त अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	238,402,881	119,064,088	357,466,969
प्रयुक्त अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	26,472,400	41,905,262	68,377,662
प्रयुक्त अनुदर्शन के लिए कम प्रयुक्त बोग	211,930,481	77,158,826	289,089,307
शेष सी.एफ	7,152,503	15,173	7,167,676
दूसरे दोग सी.एफ	204,777,978	77,143,653	281,921,631
दूसरे दोग सी.एफ	272,015,578	86,082,454	349,679,108

Sl.	लेखा नम्बर	अद्य शब्द				प्राचीनता	कुल शब्द	पूर्णिमा शब्द	ग्रन्थसंक्षय	आठ संख्या
		DR	CR	DR	CR					
1	ग्रौं और सत्ता पर्याप्ति विवाह का 10 वाँ वोला कार्यक्रम	1,746,198		526,870		275,587	250,283	1,544,561	128,989	1,220,328
2	अर्न 10 वाँ वोला का इस्पोर्ट कार्यक्रम ल्यापना	174,038		1,589,600	1,544,561					
3	भैं. अ.एटोड्क्यूट्स नोड्डीटी, पा.न नान.स्वामी श्रवणी के लिए स्वामीशन का विवाह (44.28 क्र.विवाह अमृतन में से)		2,354,229	31,655		31,655				2,322,574
4	आमिका चालिक कैंचन में सब देवी का विवाह (44.28 क्र.विवाह क्रपट के लिए विवाह अमृतन में से)		5,250,618	39,818	39,818					5,210,800
5	जामिद दे कैंचन कैंचन का विवाह (44.28 क्र.विवाह के विवाह अमृतन में से)		3,934,383	63,457	63,457					3,870,926
6	प्रस्त प्रस्त उमावाह परिवार में भ्रष्टवाह कहु व रसायनक विवाह (44.28 क्र.विवाह के विवाह अमृतन में से)		4,947,303	2,281,855	2,281,855					2,665,448
7	जोगिया धूम अध्ययन केन्द्र		450,000							450,000
8	10वाँ वोला मार्गजीनी नायदू भूमित्व अध्ययन केन्द्र		860,000	848,586	243,714	604,872				11,414
9	ज्ञानालय नेहरू अध्ययन केन्द्र (। कार्यक्रम के अनुपन में से)		9,809,549		708,583	573,066	135,517			9,100,966
10	इलानन्दन धर्म एवं सामाजिक केन्द्र (आवाही)		500,000	428,446	165,060	263,386				71,554
11	नवीन गोपनीयताओं अध्ययन केन्द्र		820,000	474,338	128,003	346,335				345,662
12	दरिला धर्म अस्पतालक अध्ययन केन्द्र (आवाही)		500,000	472,635	206,475	266,160				27,365
13	परिवाम प्रशिक्षण अध्ययन केन्द्र (आवाही)		600,000	359,662	269,403	90,259				140,338
14	संस्कृती पूर्णि साक्षिति अध्ययन केन्द्र (आवाही)		500,000	389,952	46,606	343,346				110,046
15	तुलसात्मक धर्म प्रश्न सम्बन्ध केन्द्र(वेतन एवं परती)		176,434	176,434						
16	प्राकारत्तम नेहरू अध्ययन केन्द्र(वेतन एवं परती)		1,163,018	1,163,018						1,163,018
17	परिवाम प्रशिक्षण अध्ययन केन्द्र(वेतन एवं परती)		585,144	595,144						585,144

Sr.	सेक्षा शीर्ष	अधि. नियम	आदाय	आदाय विवर	कृत ऋण	प्रतिक्रिया ऋण	राजस्व ऋण	अंतः ऋण
18	शालवा पर्व अधिकारक अधिकारक चौकन्द (चौकन्द एवं छाती)		77,869	77,869			77,869	
19	मासिक भूमि व वृक्ष वार्ताएँ अधिकारक कर्तव्य बहन एवं भाती		57,040	57,040			57,040	
20	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		300,000	145,818	145,818			154,182
21	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		500,000	231,156	50,000	181,156		268,844
22	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		14,964,325	-	6,581,025	6,581,025		8,383,300
23	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		2,758,000		1,020,481	666,212	1,62,269	1,729,519
24	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		40,000,000	0				40,000,000
25	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		40,641,536	12,646,536	12,646,536			27,991,998
26	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		46,669,323	449,255	449,255			48,220,068
27	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		51,233,103					51,233,103
28	विद्युतग्राम व विद्युतग्राम अधिकारक चौकन्द		1,167,877					1,167,877
29	दूसरे शब्दों इन्हांस्थिरण व धर्माधारण इन्हांस्थिरण भवन		3,521	3,521			3,521	
30	विद्युत वार्ताएँ विद्युतग्राम (द्विअप्पा) विद्युतग्राम चौकन्द							
31	विद्युत वार्ताएँ विद्युतग्राम (द्विअप्पा) विद्युतग्राम एवं सम्बन्धित		425,310	331,811	923,849	675,755	246,094	166,728
32	विद्युत वार्ताएँ विद्युतग्राम (द्विअप्पा) विद्युतग्राम एवं सम्बन्धित (तीसरा चरण)		111,382	421,456	608,880	296,768	312,112	76,042

卷之三 20,47,77,978

तुलन एवं का सार

अप्रसुक्त अनुदान	योग
विवि अ आ अनुदान	Cr. 281,921,631
विवि अ आ योजना	Cr. 60,668,106
भारत सरकार योजना	Cr. 4,767,852
विवि अ आ आयोग गैर योजना	Cr. 2,321,519
	349,679,108
प्राप्तियोग्य अनुदान	
विवि अ आ गैर योजना	Dr. 62,346,459
विवि अ आ गैर अनिविष्ट अनुदान	Dr. 1,675,064
	64,021,523

अन्य अनुदान

A		क्रमांक	राशि	राशि
		जमा	नियम	नियम
1	कुलपति राहत कोष		211,800	राशि
2	प्रधानमंत्री लाभवाल कोष		5,000	216,800
B	असंचारी क्रम संबंधी कोष			
1	जातिया कर्पोरेशन राहत कोष	जमा	6,633	
2	प्रधान स्टाफ अग्रिम कोष	जमा	25,770	
3	प्रधान स्टाफ संघ	जमा	28,394	
4	एग आर के सम्बंधी	जमा	5,000	
5	दिव्य शिव संघ	जमा	106,695	
6	विष्णुलाल त्रिपाक कोष	जमा	8,346	
7	श्रीलक्ष्मी द्वारा एवं प्रधान कोष	जमा	6,602	
8	धर्माधिकरण स्टाफ कर्तव्य	जमा	6,805	
9	दिव्य शिव संघ	जमा	46,923	
10	इन्द्र लालधारक विद्यालय शासन कोष	जमा	194,432	
11	अमरनाथ एवं विद्यालय (लक्ष्मी के लिए)	जमा	2,800,807	
12	यशोराजकरण योगीविद्यालय	जमा	431,971	
13	ज्ञानकोश लक्ष्मी ठच्छारे यात्राप्रधान विद्यालय	जमा	8,116	
14	क्षेत्र विवरण	जमा	13,162	
15	लालक विवरण	जमा	43,305	
16	विजयन अम्बेडकर पार्थिव विद्यालय उच्चतर म. विद्यालय	जमा	282,824	
17	दिव्यानन्दालय प्रधिकार कोष	जमा	1,398,400	
18	निवार्य लालधारक विद्यालय कोष (लाल)	जमा	160,575	
19	दिव्यानन्दी संकाय प्रधिकार कोष	जमा	642,042	
20	उच्चतर पार्थिव विद्यालय विद्यालय	जमा	320,492	
21	यो. विद्यालय प्रधिकार कोष	जमा	68,095	
22	परिवार बल कोष	जमा	721,865	
23	दो एस एस बाल महाविद्यालय कर्तव्य	जमा	76,772	
24	प्रधान विद्यालय विद्यालय कोष (धार्मिक)	जमा	275,886	
25	उच्चतर प्रधान स्टाफ कर्तव्य विवरण	जमा	583,159	
26	विधान विकास कोष	जमा	1,865,420	
27	विष्णुलाल स्टाफ कोष	जमा	357,428	
28	उमा खलकुट कोष	जमा	248,304	
29	प.वि. खलकुट कोष	जमा	1,639,768	
30	संस्कृतक ग्रन्थालय	जमा	262,561	
31	जातिया संघना विवेस समाजे (लाल)	जमा	1,056,067	
32	निर्मल अध्ययन उमा विद्यालय	जमा	98,038	
33	निर्मल अध्ययन य. विद्यालय	जमा	66,206	
34	कलिमतन का विकास (द्वारा यात्रार्थी)	जमा	71,371	
35	कलिमती चाहिला लालकुट	जमा	514,881	

36	जोड़े एवं सरक शिखा		67,446
37	प्रबोधनक एवं सर्वीय कार्य (सरक तकता)	जना	799,079
38	कार्य छवि (समाज कार्य)	अपा	4,600
39	सर्वीय परोक्ष (उच्च विद्यालय)	जपा	99,573
40	कीलट वक्त शुल्क (समाज कार्य) एवं संसद	जना	177,660
41	एवं परिषेध शुल्क (प्राधिक विभाग-4)	लमा	83,655
42	परिषेध प्रबोधन के लिए रियासत सरकारी गतिहासिया	अपा	1,741
43	विस्तारीय कार्यालय (शास्त्र)	जमा	285,232
44	प्राधिक प्रोफेशन (विधि संसाधन) आदि	जपा	812,818
45	लगानी एवं प्रबोधनकारी (एवं एन एम)	जना	47,900
46	वो एम एवं बी ए बोम्पर प्राइवेट कंपनी	जमा	63,302
47	झकड़ा जन् जारीनवा, दिल्ली धरामस	लमा	39,175
48	ए.स.वा. कालाक्रम शास्त्र, छात्र	जपा	33,886
49	पुस्तकालय समाजी शुल्क (लाइन सर्वाय)	जना	1,543,770
50	वापरी शुल्क (एम) श्री उमाननदी नवाय	प्रया	401,432
51	लगानी प्रबोधनकारी (प्रदेश) अमृत अंशुला	जपा	11,044
52	लगानी इंजीनियरिंग एवं विद्यालय	जना	21,900
53	वन्ना के लिए सावधान इंजी. यात्रायात	लमा	77,749
54	कैफल जारी दी एवं वाराणसी विभाग	जपा	25,500
55	विधायिका प्रबोधन शिक्षा	जमा	57,700
56	कामागार विकास इन्स्टी.	लमा	58,000
57	सामाजिक वर्क एवं यात्रा कार्य	लमा	8,900
58	संसदीय अपा (एम) एवं फारमार्क विभाग	लमा	848,076
59	विभायी दी विषय कार्यालय	लमा	134,027
60	एम लाइन यात्रा एवं विद्या	लमा	300,430
61	एम.ए.वा. जन् जारीनवा शास्त्र	लमा	3,964
62	एम.ए.वा. जन् जारीनवा शास्त्र	लमा	281,335
63	एम.ए.वा. जन् जारीनवा शास्त्र	लमा	3,525
64	एम.ए.वा. जन् जारीनवा शास्त्र	जना	9,000
65	एम.ए.वा. जन् जारीनवा शास्त्र	लमा	815,136
66	दूरध्वा एवं दूरध्वा विद्युत विभाग	जना	179,179
67	सामाजिक प्रबोधनकारी (कार्यालय) के लिए त्रि व अमाझान यात्रायात	जपा	6,523
68	अमुनाह देखता कार्यालय अहर एवं विद्या	जना	66,400
69	ज्ञान समाजनवा दीपा	जपा	1,753,295
70	गविराय लगानी एवं प्रतिक्रिया कार्य	जना	46,266
71	बच्चों की दृष्टिकोण	जना	12,391
72	स्टोक विवरण संकायकम	जपा	3,337,179
73	ए.आ. दृष्टिकोण (एम) प्रतिक्रिया	जना	602,984
74	मन्त्री जारीनवा नवीन विधायिका	जना	20
75	एक दिवस विधायिका इन्वेस्टिगेशन मार्गान्वित विभाग	जना	11,275

क्रमांक	निवासिकालीन योग्यता एवं सहायता नंबर	जमा	412,177
C	अन्य	जमा	3,105,300
1	दूसरी प्रियते दान	जमा	6,773,002
2	एस बिन भोपित प्रचलकम * ¹	जमा	48,312,996
3	लारियो रेटिंग युनिट	जमा एवं सो आर सी	453,529
4	डॉ. अधिकारी हुड्डे संसाक जया	जमा	25,000
5	एस एफ नवाच नेपिंग	जमा	6,538,966
6	नवी पेंटन बालना	जमा	2,926,942
7	आपिकल लाम्बावाल एवं रमेश	जमा. एवं रसाई	3,709,563
8	छात्राधार सुविधाएँ	जमा. एवं रसाई	856,206
9	एम सी फौ / एन यो एल ए छोटा से ची आई पी कार्डिनेशन का औणोड़र	एयोडन निशान	18,932
10	नवाचकल एवं द्वाषागमन केश (एम सो आर सी)	एम सो आर सी	6,899
	माल बोग (ए-की-सी)		102,909,146
	एटाप लाल शेष		
	इमान बाल जमा		32301
			102,876,845

*¹ कंडोम कार्ग्यूटर सुविधा. भवन निवास, डी एच और सेवा निवास कोया सहित एवं निवास कोया सहित चार वर्षों से संबंध चुन राष्ट्र का समाज

ਪੰਜਾਬ ਪਰਿਸਥਿਤੀ - ਜਾਪਿੜ ॥ ਪ੍ਰਮਲ ਏਵੇਂ ਏਪ ਸੌ ਆਰ ਸੌ ਸੰਧੁਆਤ ੨੦੦੫-੨੦੦੬

विवरण	तात्पुर										नेट आकर
	चर्च के आंध्र में लगात / पूर्य निवापण	चर्च के दीर्घन बहिर्भूमि	चर्च के दीर्घन भास	चर्च के अंत में लगात / पूर्य निवापण	चर्च के अंत में जोहरी भी	चर्च में अनुपानिक धार्म पदार्थ विद्यान	चर्च के अंत तक पूर्य	चर्च के अंत तक पूर्य	चर्च के अंत तक पूर्य	पूर्ये चर्च १.०.३. २०८६ के लिए ३.२०८५ के अने के सीधे	
भारतीय विवाहिताओं भीम	14,732,031	—	493	14,731,538	0	0	0	0	0	(4,731,538) 14,732,031	
भवन	587,628,941	49,889,187	—	637,518,128	92,815,096	12,750,363	—	105,565,459	531,952,669	494,813,843	
ट्रॉफी	885,573	—	—	885,573	167,987	17,711	—	185,698	699,875	717,586	
विष्णु चिह्निस (विष्णु लगात और उपकरण)	10,405,060	—	—	10,405,060	2,598,550	520,253	—	3,118,803	7,286,257	7,806,310	
प्रिंसेप ड्रेस (प्रिंस और मार्गोनी)	127,464	—	—	—	127,464	127,463	0	—	127,463	—	
प्रणगणनालय और कार्यालय (विवाह और प्रणगणना उपकरण)	139,191,611	365,169	—	139,496,810	95,921,315	11,159,745	—	107,008,060	124,151,750	132,270,296	
फार्माचियर एवं उपकरण	162,301,513	30,602,750	—	192,904,263	85,469,645	14,467,820	—	99,937,465	92,966,798	76,831,868	
क्रमांक	750	—	—	—	726	749	0	—	749	—	
कार एवं लार्ज वाहन	83,659,365	13,376,227	—	97,035,592	51,379,469	19,407,418	—	70,786,587	26,249,005	32,279,896	
पुस्तक	4,994,645	824,482	—	5,819,127	4,684,264	82,448	—	4,776,712	1,042,415	300,381	
कैप उपकरण (फार्माचियर और उपकरण)	85,793,082	13,514,440	2,247,366	97,060,156	61,907,208	9,706,016	1,621,671	69,991,553	27,068,603	23,895,874	
गार्डन (अन्य)	13,310	—	—	—	13,310	13,309	0	—	13,309	—	
डिस्कोन (कार्यालय उपकरण)	17,849	11,525	—	29,374	4,783	2,937	—	7,720	21,654	13,066	
दीपाल और लार्ज (फार्माचियर और उपकरण)	63,457	—	—	—	63,457	23,796	4,759	—	0	0	
आखं और छोड़	—	—	—	—	—	—	—	28,535	34,902	39,661	
पिकला सालेन	1,089,814,651	108,523,810	2,247,859	1,196,090,602	395,123,634	68,119,170	1,621,671	461,621,133	734,469,469	694,691,017	
पुस्तक जर्नल पार्टी यात्रा	924,054,021	166,013,792	253,162	1,089,814,651	334,350,975	60,916,211	143,552	395,123,634	694,691,017	589,703,046	
योग (ए-डी)	11,710,538	49,368,434	—	6,078,942	—	—	—	—	61,078,972	11,710,538	
नेट विष्णु चाना है बीता विवाहिताओं के आपात एवं स्थानीय चिह्निस किया गया है	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	

१०१३:

पृष्ठ ० प्रतिशत भवन २ प्रतिशत फर्मिचर और उपकरण ७.५ प्रतिशत वैतानिक एवं प्रयोग, उपकरण ५ प्रतिशत, उपकरण ३ प्रतिशत, उपकरण १० प्रतिशत, आठन १० प्रतिशत, कार्यालय उपकरण ७.५ प्रतिशत आठन १० प्रतिशत विवाहित सामग्री एवं उपकरण ५ प्रतिशत आठन १० प्रतिशत उपकरण ७.५ प्रतिशत उपकरण ५ प्रतिशत

ବିଜ୍ଞାନ ପିତାମହ ୧୯୯୩-୧୯୯୪ ସେ ଅଗର

परिसंपत्तियाँ- एम सी आर सी १००५-१००६

पूर्ण ० प्रतित भजन २ एवं शब्द-धनीचारा और काळकरण ७.५ प्रतित वैशालीक एवं प्रयोग। इन्हें ४ प्रतिता, कामदेव ३० प्रतित ग्रन्थ १० प्रतिता, अन्य १० प्रतित विष्णु मीमांसा एवं उक्तकाम ५ प्रतित एवं सामाजिक ५ प्रतिता।

शास्त्रीय उपकरण १३: अंडाकार इम्पेन्टे २ प्रतिशत, वाहन १० प्रतिशत, कालांतर उपकरण १५ प्रतिशत

विवरण	चालू राशि	पिछला वर्ष
हिन्दूसं एवं खांडेल अन्य बैंक संघर्षी जमा	77,127,500	14,765,646
जोग	77,127,500	14,765,646

प्रयोजन विविध / अमरदा कोश (कोश अनुसार)

कोश	चालू राशि	पिछला वर्ष
विद्युतिकालय विकास कोश	55,000,000	-
एम आर सी कोश	5,300,000	-
धर्मना कोश	16,827,500	-
जोग	77,127,500	-

तालिका ६ : नियंत्रा - अन्य

विवरण	चालू राशि	पिछला वर्ष
मनकरना जापिया लिये अंस (लागत पर)	92,070	92,070
अथवा	143,910	-
बोर्ड : कोर्ट :		
इकाई अंस रूपये 10 प्रतिशत)		
जोग	235,980	92,070

गोलिकों के अस्तीन परिसरोंमें, लूहा एवं अस्तीन	
A. सर्वेतम् वरिष्ठतम्	
चक्र एवं लैंडर शेष	
1. लौह एवं चक्र (दर्या गढ़)	
का) अनुसन्धान लैंडर एवं चक्र द्वारा छापे	150,251,566
बा) स्थगार्क एवं लैंडर एवं सर्विसेन्टों से बाहर	347,102,675
2. लैंडर शेष	372,644
शेष (ए)	497,727,085
	303,879,915

भारत का राजपत्र, मई 19, 2007 (वेशाख 29, 1929)	
B. लूहा एवं अस्तीन	
a. कस्तुरारीयों के लिए अस्तीन	
1. लैंडर	625,742
लैंडर	43,000
लैंडर द्वारा छापे	73,810
लैंडर द्वारा छापे	292,857
2. लैंडर	1,035,409
शेष (ए)	5,728
	70,010
	75,738
	33,602,360
b. कस्तुरारीयों के लिए निपटकालीन आवश्यकताएँ (ए)	
1. लैंडर	2,211,040
लैंडर द्वारा छापे	3,396,635
लैंडर द्वारा छापे	22,465,763
2. लैंडर	28,142,438
शेष (ए)	41,812
	45,794

१. घास और देव नहीं है। योजना विभाग / अमरदा कारोबार से नियम पर नियम पर - अन्य कल्प एवं अधिकारी पर अन्य	1,978,426 15,173,095	17,151,521	7,242,537	
२. अन्य प्राचीनोंगत प्राचीनता वर्तनात्मकी में उच्चशब्द प्राचीनता वर्तनात्मकी में अन्यतरीक वस्तुओं द्वारा अनुप्राप्त अन्य प्राचीन वर्तनात्मकी	9,409,337 2,400 64,021,523 351,501		88,834,807	
३. घोषणा द्वारे				120,231,879
				157,246,778
४. घोषणा द्वारे				617,956,764
				461,126,893
५. घोषणा द्वारे				

संकायक (ए)

३२.३.२००६ को बदलते हींक खातों में शेष

I	इंडिपन लैंक	प्रमुख	एम सी आर सी	योग
	एनसन खाता	59,115,929	615	59,116,544
	योउस खाता	35,433,177	7,485,624	42,918,801
	प्रयोगन विधाय खाता	3,998,001	700,000	4,698,001
	जमा खाता	38,216,846	3,465,911	41,682,757
	अवगतिम समौद्र	1,167,399	-	1,167,399
	योग	137,931,352	11,652,150	149,583,502
II	यु.सी.आ. कार्यपाल चार्ज			
	एनसन खाता	620,636	32,035	652,671
	योउस खाता	-	8,621	8,621
	जमा खाता	-	6,772	6,772
	योग	620,636	47,428	668,064
	दूसरे चार्ज १ - १	138,554,988	11,699,578	150,251,566

जापिया फिल्मिंग इस्तोप्रिया, नई दिल्ली ११००७१

लाइसेन्स नं : सरकारी अनुदान / छट्ट

32-69 GV/2007

विवरण	भारत सरकार	विविध बोर्ड	विविध गोबना	विविध अन्य	चोग
शेष बोर्ड	18,371,621	7,922,728	547,792	138,984,937	165,827,078
जोड़ : चार के दोहरे प्राप्तियाँ	--	100,030,071	553,833,000	218,482,032	872,345,103
योग	18,371,621	107,952,799	554,380,792	357,466,969	1,038,172,181
घटाएँ : पृथग्गत व्यय के लिए प्रयुक्त	13,603,769	39,349,387	35,575,365	68,377,662	158,906,183 (a)
शेष	4,767,852	68,603,412	518,805,427	289,089,307	881,265,998
घटाएँ : आम न जाया गया शेष	4,767,852	60,668,106	2,321,519	281,921,631	349,679,108 (b)
एकल व्यय के लिए प्रयुक्त	--	7,935,306	516,483,908	7,167,676	531,586,890 (c)

(ए) तुलन पत्र में स्थायी फरसतपत्र लालिका में वर्च के दौरान स्थायी परिमाणों में वृद्धि के रूप में और पूर्णोत्तम निधि में घटाएँ के रूप में प्रस्तुत

(बी) (1) तुलन पत्र में बर्तमान देनाराओं के अधीन प्रस्तुत

(2) फरसतपत्र को और पूर्णोत्तम दाते पर अपूर्णकालिकाओं को जापियम्, बैंक शासी और नकद द्वारा दर्शाया गया।

(सी) आम और ज्ञात खाते में आप के रूप में प्रस्तुत

टिप्पणी: मेरे चेकन के अधीन आगे ले जाया गया 2321519 रुपये का शेष 80271482 रुपये 7,54,91,664 रुपये (प्रमुख) 47,79,818 रुपये (एम.सी.आर.सी.) आंतरिक ग्राहित के खाते में है।

तालिका १ : अकातमिक भारियाँ

विवरण	जामिया पिंड	एम सी आर सी	चाप
ए. छान्ति से शुल्क			
अकातमिक			
1. देशन शुल्क	9,765,825	265,000	10,020,825
2. प्रयोग शुल्क	922,560	7,900	930,460
3. पंचकरण शुल्क	278,910	--	278,910
4. सुसंकरण प्रबंध शुल्क	1,931,170	1,550	1,932,720
5. उत्तोलन शुल्क	2,452,830	--	2,452,830
6. गोप्य शुल्क : चावि / उभावि	103,200	--	103,200
7. उत्तोलन नमै सहाय	20,400	--	20,400
8. वैद्युत ऊर्जा शुल्क दो घम सी	23,940	--	23,940
9. उपचारी शुल्क दो घम सी	36,210	--	36,210
10. उपचारी शुल्क दो घम सी	4,200	--	4,200
11. दूरध्वाध शुल्क	43,000	--	43,000
टोटा	15,582,245	264,450	15,846,695
परिदृश्य			
1. उपचारी शुल्क	20,145,458	993,220	21,138,678
2. उपचारी शुल्क	10,365,003	--	10,365,003
3. उपचारी शुल्क	102,550	--	102,550
टोटा	30,613,011	993,220	31,606,231
अन्य शुल्क			
1. उपचारी शुल्क	646,240	--	646,240
2. उपचारी शुल्क	199,150	2,206,854	2,406,004
3. उपचारी शुल्क	832,870	--	832,870
4. बगलानी शुल्क	527,860	4,250	532,110
5. दू. जौ सो आव	30,661	--	30,661
टोटा	2,236,781	2,211,104	4,447,885
प्रकाशनों की विक्री			
1. प्रदूषकम व प्रसापन विक्री	246,580	--	246,580
2. प्रयोग घर फार्म सहित प्रोत्साहन की विक्री	7,377,200	312,080	7,689,280
टोटा	7,623,780	312,080	7,935,860
कुल घोष	66,055,817	3,780,854	69,836,671

विवरण	का.मि.इ.	एवं नि. अन्ति. इ.	योग
परदस्ती योग्या सामग्री	21,290	--	21,290
योग	21,290	--	21,290

आमिया फिल्में फिल्में फिल्में, जूँ दिसंबर १९०३%

तात्पर्यका १० : भवानीमें से आय

विवरण	प्रयोगन चिकित्सा / धर्मादा से निवेश	निवेश करन्ती
1. अन्तर्गत	--	--
(ए) साकारी प्रतिष्ठानों पर (भी) बागाइट्स / फिल्में	--	--
2. फिल्में	21,358	21,358
3. अन्य	1,061,370	
(ए) विश्वविद्यालय चिकित्सा कार्यालय (भी) धर्मादा कार्यालय	119,224	119,224
योग	1,180,594	21,359
योग्या विलिंग / धर्मादा कार्यालय की स्थानांतरित	1,180,594	
योग	0	0

विवरण	उत्तमआई	एमसीआरसी
का) लियाई जमा		
1. योजना अनुदान	1,100,114	151,707
2. राष्ट्रकाव अनुदान	341,919	55,836
3. विधानसभा नियम	2,297,481	--
4. नेटिनम नुगली के भवासर पर विशेष अतिरिक्त अनुदान	1,434,289	--
5. भरपुर केंद्र	549,009	--
6. उत्तरायण का नियमण - सामाजिक व्याय एवं सारकारीकरण मंत्रालय	3,403,784	--
7. अन्य -	--	4,321,291
(i) लघु लियाई जमा		
ब. बचत जमा खाता		
8. बैंक से पास ह्यात	289,975	--
योग	9,406,571	4,528,854
		13,935,425

तालिका 13 : अन्य आय

जानिया निलिमा इस्तमिया, नई दिल्ली-110025

पृष्ठ III—खण्ड 4)

विवरण	जेसमआइ	एससीआरसी	योग
1. शुल्क एवं खरच से आय			
1. छात्रावास के फरमारी का किराया	1,223,740	—	1,223,740
2. लाइसेंस फीस	2,203,317	—	2,203,317
3. अनिशि गृह का किराया	1,312,257	—	1,312,257
4. ऑडिटोरियम, खेल के मैदान, सामुदायिक केंद्र आदि का किराया	1,842,150	—	1,842,150
5. विभूत एवं जल शुल्क योग	837,932	—	807,932
	7,489,396	—	7,489,396
2. अन्य			
1. कर्मचारियों से प्राप्त शिकित्सा योगदान	1,720,549	88,435	1,808,984
2. स्व वित्तीय पाठ्यक्रमों के रधारकाय का खर्च	4,324,715	—	4,324,715
3. परियोजनाओं के ऊपरी खर्च	219,285	—	219,285
4. इनदू के अध्ययन केंद्र से प्राप्त आय	266,910	—	266,910
5. अवेदन पत्रों की बिक्री (अरती)	426,719	—	426,719
6. विधिप्रसिद्धि (निविदा प्रपत्र की बिक्री, रही कागज़, आदि) योग	432,8363	854,673	5,183,036
	11,286,541	943,108	12,229,649
कुल योग	18,775,937	943,108	19,719,045

तालिका 14 : अवधि पूर्वी आय

विवरण	जेसमआइ	एससीआरसी	योग
1. योजना अनुदान पर व्याज योग	3,129,886	3,167,230	6,297,116
	3,129,886	3,167,230	6,297,116

जागिया भिन्नितया इस्लामिया, ताई दिल्ली-११००२५

卷之三

विवरण	जेएसआई			एमसीआरसी		
	गैर योजना योग	योजना योग	गैर योजना योग	योजना योग	गैर योजना योग	गैर योग
1. तनाख्याह एवं अते	369,103,985	5,040,972	374,144,957	20,972,318	793,324	21,765,642
2. असदेय	7,440,298	--	7,440,298	--	--	--
3. बोल्स	3,161,022	--	3,161,022	189,464	189,464	3,350,486
4. सेपा निवृति लाभ	1,419,825,605	--	1,419,825,605	50,372,815	50,372,815	1,470,198,420
योग (क)	1,799,530,910	5,040,972	1,804,571,882	71,534,597	793,324	72,327,921
जोड़ : दलखाय छार्च						
1. तनाख्याह एवं अते	27,557,116	391,268	27,948,384	1,714,887	62,023	1,776,910
2. अन्य स्थापना खर्च	1,296,540	--	1,296,540	--	--	--
3. अशेषायी भविष्य निधि अंशदान	157,699	--	157,699	--	--	157,699
योग (क)	29,011,355	391,268	29,402,623	1,714,887	62,023	1,776,910
घटार्च : प्रबंध खाते में डाले गए अंतराल	39,835,306	--	39,835,306	916,588	916,588	40,751,894
मटार्च : पर्य कान्तिक खर्च	26,034,570	203,484	26,238,054	1,608,650	53,380	1,682,030
1. तनाख्याह एवं अते						
2. सेपा निवृति लाभ	1,047,418,010	--	1,045,418,000	39,574,000	--	39,574,000
(i) पेंटन	111,315,000	--	111,315,000	4,714,000	--	4,714,000
(ii) शेष्यट्री	1,344,528	72,979	1,417,507	--	--	--
3. अन्य स्थापना खर्च	1,223,947,404	276,463	1,224,223,867	46,813,238	53,380	46,866,618
योग (क)	604,694,861	5,155,777	609,750,638	26,436,246	801,967	27,238,213
महा योग (क+क-ग)	604,694,861	5,155,777	609,750,638	26,436,246	801,967	27,238,213
	636,988,851		636,988,851			

लाइसेन्स 15 के : स्थापना व्यय (वैतन एवं अन्य)

दिवरण	नेटवर्काई	प्रमुखीआरक्षी			
	मैर योजना	योजना योग	मैर योजना	योजना योग	मैरह योग
1. योतन एवं अन्य	328,532,178	5,040,972	333,573,150	20,306,926	793,324
2. ओपर एडम्स भूमि	455,476	-	455,476	79,787	-
3. पउ-होक कर्मचारियों के चेतन	1,415,214	-	1,415,214	-	-
4. अंतर्गाही अन्तों का बकाया	3,738,402	-	3,738,402	218,107	-
5. चेतन शृंदि के लकरण चेतन बकाया	5,245,826	-	5,245,826	-	-
6. चेतन छन्नवास	2,496,226	-	2,496,226	-	-
7. विजिटिंग प्रोफेसर के लिए प्रावधान	12,400	-	12,400	-	-
8. चेतन ड्रेड एच आई आई एस	678,618	-	678,618	-	-
9. जारिया सम्बद्ध फला कार्यक्रम	158,773	-	158,773	-	-
10. अन्यथा एवं कर्मचारी अधिकारियों संबंधी	6,869,971	-	6,869,971	-	-
11. विशेष सहायता विभाग	1,429,300	-	1,429,300	-	-
12. एन.टी.सी. सुविधाएँ	3,851,216	-	3,851,216	354,058	-
13. विकिर्सा सुविधाएँ	14,093,042	-	14,093,042	-	-
14. शिक्षा शुल्क की व्यापसी	127,343	-	127,343	13,440	-
योग	369,103,986	5,040,972	374,144,957	20,972,318	793,324
					21,766,842
					395,910,599

जागिया निकिया अस्तानिया, नई दिल्ली-110026

तालिका 15 चु : सेवा दिवति लाभ [क्रूर]

विवरण		उपमआई		एकस्तीआसरी		कम्हा योग	
गैर योजना	योजना योग	गैर योजना	योजना योग	गैर योजना	योजना योग	गैर योजना	योजना योग
(क) 2005-06 के दौरान अन्तराल							
(i) पैशन	34,726,984	-	34,726,984	9,16,588	-	9,16,588	35,643,572
(ii) योज्यटी	5,108,322	-	5,108,322	-	-	-	5,108,322
(iii) अधिष्ठा विधि अंशदाता	2,418,165	-	2,418,165	262,510	-	262,510	2,680,675
(iv) फुटियों का नकद धूगताल	4,652,286	-	4,652,286	26,129	-	26,129	4,678,415
(v) अपकारीय घेलन/घेलन अंशदाता	480,542	-	480,542	-	-	-	480,542
योग (क)	47,386,299	-	47,386,299	1,205,227	-	1,205,227	48,591,526
(छ) सेवा विवृति लाभ के प्रावधान							
बनांकन फलानक (गव कर्तानक पद) अनुसार ₹१,०३,८८ प्रतिशत अपेक्षित							
(i) पैशन	1,045,418,000	-	1,045,418,000	39,574,000	-	39,574,000	1,084,992,000
(ii) योज्यटी	111,315,000	-	111,315,000	4,714,000	-	4,714,000	116,029,000
योग (छ)	1,156,733,000	-	1,156,733,000	44,288,000	-	44,288,000	1,201,021,000
घटाएँ: 2005-06 के दौरान अन्तराल (क)							
(i) पैशन	34,726,984	-	34,726,984	9,16,588	-	9,16,588	35,643,572
(ii) योज्यटी	5,108,322	-	5,108,322	-	-	-	5,108,322
योग	39,835,306	-	39,835,306	9,16,588	-	9,16,588	40,751,894
(ग) बकाया प्रबंध (छ) ₹१,०३,८८ को प्रबंध से बाहर							
(i) पैशन	1,010,691,016	-	1,010,691,016	38,657,412	-	38,657,412	1,049,348,428
(ii) योज्यटी	106,206,678	-	106,206,678	4,714,000	-	4,714,000	110,920,678
योग (ग)-(छ-क)	1,116,897,694	-	1,116,897,694	43,371,412	-	43,371,412	1,160,269,106
(घ) बोर्डविक बलानक के अनुसार ₹१,०३,८८ का प्रवधान अपेक्षित							
(i) पैशन	1,202,955,000	-	1,202,955,000	42,380,000	-	42,380,000	1,245,335,000
(ii) योज्यटी	129,649,000	-	129,649,000	5,871,000	-	5,871,000	135,520,000
योग (घ)	1,332,604,000	-	1,332,604,000	48,251,000	-	48,251,000	1,380,855,000
(ड) 2005-06 में किए गए प्रावधान							
(i) पैशन	192,263,984	-	192,263,984	3,722,588	-	3,722,588	195,986,572
(ii) योज्यटी	23,442,322	-	23,442,322	1,157,000	-	1,157,000	24,599,322
योग (ड)-(घ-ग)	215,706,306	-	215,706,306	4,879,588	-	4,879,588	220,585,894
महायोग (क+घ+ड)	1,419,825,605	-	1,419,825,605	50,372,815	-	50,372,815	1,470,198,420

तालिका 15 ग : सेपा नियुक्ति लाभ (प्रेशन एवं घोटाला)

चिवरण	जेमआई	एकसीआरसी
(क) 2005-06 वर्ष के दौरान किया गया शुगतान	वैर योजना योग	वैर योजना योग
(i) पेशन	34,726,984	34,726,984
(ii) घोटाला	5,108,322	5,108,322
योग	39,835,306	39,835,306
(ख) सेपा नियुक्ति लाभ के प्रावधान		
बीमानिक युवानक (पूर्व कार्यालय पद) अनुसार ३०.०३.०५ प्रावधान अपेक्षित		
(i) पेशन	1,045,418,000	1,045,418,000
(ii) घोटाला	111,315,000	111,315,000
योग	1,156,733,000	1,156,733,000
प्रटार्स 2005-06 के दौरान शुगतान		
(i) पेशन	34,726,984	34,726,984
(ii) घोटाला	5,108,322	5,108,322
योग	39,835,306	39,835,306
सेप प्रावधान (बी) प्रावधान में ३१.३.०६ को		
(i) पेशन	1,010,691,016	1,010,691,016
(ii) घोटाला	106,206,678	106,206,678
योग	1,116,897,694	1,116,897,694
बीमानिक युवानक (क) के अनुसार ३०.०३.०५ का प्रावधान अपेक्षित		
(i) पेशन	1,202,955,000	1,202,955,000
(ii) घोटाला	129,649,000	129,649,000
योग	1,332,604,000	1,332,604,000
2005-06 (क-ख) में तय किए गए शुगतान		
(i) पेशन	192,263,984	192,263,984
(ii) घोटाला	23,442,322	23,442,322
योग	215,706,306	215,706,306
(ग) पूर्व कालिक सेपा नियुक्ति लाभ		
(i) पेशन	1,045,418,000	1,045,418,000
(ii) घोटाला	111,315,000	111,315,000
योग	1,156,733,000	1,156,733,000

जाकिया लिंगलया इस्तमालिया, नई दिल्ली-110025

नोटिका 16 : शक्तिक अर्थ

नियरण	ज्ञेपसंबंधी	गैर योजना	योजना योग	गैर योजना	योजना योग	महा योग	एकमीआरसी
1. प्रयोगशाला खर्च	3,933,861	--	3,933,861	--	--	--	3,933,861
2. फीनल वर्क/भागीदारी	493,316	--	493,316	--	--	--	493,316
3. शैक्षिक सम्बन्धी	--	--	--	--	--	--	--
4. संगोष्ठी एवं कार्यशालाएँ	744,259	--	744,259	--	--	--	744,259
5. विनिटिंग संकाय को भुगतान	1,954,849	--	1,954,849	--	--	--	1,954,849
6. शोप गतिविधियाँ	--	--	--	--	--	--	--
7. परिष्का	8,302,269	--	8,302,269	--	--	--	8,302,269
8. प्रदेश परिष्का	8,274,210	--	8,274,210	403,240	--	403,240	8,677,450
9. छाव कल्याण खर्चे	588,807	--	588,807	--	--	--	588,807
10. प्रदेश संबंधी खर्चे	2,238,017	--	2,238,017	--	--	--	2,238,017
11. दीक्षांत समारोह खर्चे	384,516	--	384,516	--	--	--	384,516
12. प्रकाशन	46,693	--	46,693	--	--	--	46,693
13. भिन्नस का कराचा आन्स छपाई एवं प्रोसेसिंग	--	--	589,689	--	589,689	589,689	--
14. अंतिम वर्कअपों को आनंदेय	--	--	59,800	--	59,800	59,800	--
15. वर्जिया / भैरव फास मीडिस आप्रेप्टिया	--	--	13,000	--	13,000	13,000	--
16. दिगिप्रि.	2,954,855	--	2,954,855	--	--	--	2,954,855
योग	29,915,652	--	29,915,652	1,065,729	--	1,065,729	30,981,381
जोड़ : बकाया शक्तिक खर्चे	123,520	--	123,520	--	--	--	123,520
योग	30,039,172	--	30,039,172	1,065,729	--	1,065,729	31,104,901
घटाएँ : पूर्व कलिक शक्तिक खर्च	222,753	--	222,753	--	--	--	222,753
योग	29,816,419	--	29,816,419	1,065,729	--	1,065,729	30,882,148

तालिका 17 : प्रशासनिक खर्च

जारिया क्रितिक्या इस्तमालिया, नई दिल्ली-110026

विवरण	जेपमआइ			एमसीजारसी
	गैर योजना योजना/अन्य योग	गैर योजना योजना/अन्य योग	गैर योजना योजना/अन्य योग	
1. किएया, दर्द एवं कर (संपत्ति कर सहित)	20,169,914	—	20,169,914	—
2. विषुव प्रभार	28,601,414	—	28,601,414	4,369,006
3. जल प्रभार	467,073	—	467,073	—
4. बाह्य प्रधानन अर्थ	1,999,864	—	1,999,864	—
5. आक दिक्ष एवं तार	238,654	—	238,654	195,812
6. टेलीफोन एवं इंटरनेट प्रभार	2,327,244	—	2,327,244	23,740
7. विजापन एवं प्रचार	2,027,430	—	2,027,430	285,275
8. विधायी खर्चे	1,013,332	—	1,013,332	2,612,519
9. दिल्ली नजदी भूगतान	1,364,170	—	1,364,170	—
10. उपर्युक्त साकारी खर्चे	2,486,631	—	2,486,631	268,408
11. यात्रा याहन खर्चे	1,244,415	—	1,244,415	2,295,838
12. मेहमान नयाजी	269,134	—	289,134	—
13. विधि खर्चे	4,150,048	7,152,503	11,302,551	—
योग	66,379,323	7,152,503	73,531,826	5,850,877
जोड़ : बकाया प्रशासनिक खर्च	28,708	—	28,708	—
योग	66,408,031	—	66,408,031	5,850,877
घटारे : पूर्ण कालिक प्रशासनिक खर्च	840,961	—	840,961	—
योग	66,767,070	—	66,767,070	5,850,877
				5,850,877
				78,785,623

प्र० 18 : सुरक्षात एवं रक्षात

संख्या	नेपमआई	एमसीआरसी		
		गैर योजना योग	गैर योजना योग	गैर योजना योग
1. सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	436,552	--	436,552	--
2. अवन रखरखाव (विशुद्ध एवं जल आपूर्ति सहित)	24,959,405	--	24,959,405	1,236,336
3. बगायाती	306,671	--	306,671	42,102
4. कृष्णदर्ती का रखरखाव	3,019,446	--	3,019,446	--
5. फॉर्मिंग एवं सामाजिक	4,013,607	--	4,013,607	1,749,473
योग	32,735,681	--	32,735,681	3,027,911
जोड़े : बफाया सुधार एवं रखरखाव खण्ड	218,446	--	218,446	42,443
योग	32,954,127	--	32,954,127	3,070,354
खटाएँ पूर्ण कालिका मरक्कत एवं रखरखाव खण्ड	203,352	--	203,352	--
महा योग	32,750,775	--	32,750,775	3,070,354
तालिका 19 : विविध खण्ड				35,821,129

विवरण	नेपमआई	एमसीआरसी		
		गैर योजना योग	गैर योजना योग	गैर योजना योग
1. विविध खण्ड	--	2,101,010	2,101,010	132,020
2. परिक्रान्त एवं ऊर्तेन्स	--	--	--	25,339
3. दैनक प्रभार	--	--	9,348	9,348
4. आकस्मिक खर्च	8,142,483	--	8,142,483	--
योग	8,142,483	2,101,010	10,243,493	166,707
जोड़े : बकाया विविध खण्ड	127,220	--	127,220	5,313
योग	8,269,703	2,101,010	10,370,713	172,020
खटाएँ पूर्ण कालिका विविध खण्ड	63,684	--	63,684	--
महा योग	8,206,019	2,101,010	10,307,029	172,020
				10,479,049

जाकिया क्रिहिलया इस्तमाकिया, नई हिल्टी-110025

तालिका 20 : अवधि पर्यंग खर्च

दिवरण	नेट आई	एक्सप्रेस और सीआरसी	महा योग
	मेर योजना योग	मेर योजना योग	महा योग
1. राज्यपत्रा खर्च	26,034.570	203,484	26,238,054
A. वेतन एवं भ्रते	1,045,418,000	—	1,045,418,000
B. सेवा नियुक्ति लाभ	111,315,000	—	111,315,000
(i) पैशल	1,344,528	72,979	1,417,507
(ii) शेष्युटी	1,184,112,098	276,463	1,184,388,561
अन्य स्थापना खर्च	45,896,650	63,380	45,950,030
योग	222,753	—	222,753
2. शैक्षिक खर्च	640,961	—	640,961
3. प्रशासनिक खर्च	203,352	—	203,352
4. सरकारी एवं राजनीतिक	17,880	45,804	63,684
5. विविध खर्च	1,084,946	45,804	1,130,750
योग	—	—	—
महा योग	1,165,197,044	322,267	1,185,519,311
			45,896,650
			63,380
			45,950,030
			1,231,469,341
			1,130,750

जानिया लिलित्या इस्तलामिया, नई दिल्ली -25

31 अर्धे 2006 को समाप्त होने वाले चर्षे के लेखों की तालिकाएँ

तालिका 21: अहंचक्रपर्ण लेखा नीतियाँ

1. लेखा तैयार करने का अधार
यह लेखा ऐतिहासिक लेखा पढ़ति के अनुसार लैया रिक्षा आता है और अन्यथा न कहा जाए तो यह भासान्यत संभिति पढ़ति के तहत तैयार किया आता है।
2. राजस्व की पहचान
2.1 ओरों से ली जाने वाली शुल्क, उत्तर के आदेदों को बिक्की, व्यापत सही पर लिखते याते द्याज्ञ को लाकर्दी और गर देखा जाता है।
2.2 भूमि, इमारतों और अन्य संपत्तियों से लोने वाली भाव तथा लिंगों से प्राप्त व्याज को संभिति पढ़ति के अनुग्रह जैसा किया है।
2.3 करमांगारियों को सकाल बकाने के लिए दृष्टि अहंचक्रपर्ण द्वारा संभिति के आधार पर दृष्टि अहंचक्रपर्ण की वस्त्रों में लगात के लिए कुरानाल के बाद ही हो पाते हैं।
3. स्थाई संपत्तियाँ और मूल्य स्फीती
3.1 स्थाई संपत्तियाँ आने के बिना, राजस्व और जरो संहित बरिंदर द्वारा लिया जाता है। लगाने और लालू जैसे अन्य संस्कृत एवं सीधे भूमि से जो भूमि लिया जाता है, उसके लिए लगाना जैसा कर्तव्य दिया जाता है। यह अपनी गति द्वारा लगाना जैसा कर्तव्य दिया जाता है। यह अपनी गति द्वारा लगाना जैसा कर्तव्य दिया जाता है।

1	अन्य	0%
2	अन्य	2%
3	दस्तव ग्रेल एवं जल मापूति	2%

4. विजली का समान एवं कगाई
सर्वत्र एवं सभीने ८%
5. देवजिलोक एवं प्रयोगशाला यंत्र ५%
6. कार्यालयी सामान ६%
7. दृग्-शत्रु यंत्र ७.५%
8. कठयूटर एवं धेरिकेपल्स ७.५%
9. फर्मीचर, फिक्सचर्स एवं फिटिंग्स २०%
10. वाहन ७.५%
11. पुस्तके एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ १०%
12. पुस्तके एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ १०%
13. अन्य १०%
- 3.३ पूर्ण अवमूल्यन वर्ष के दौरान जोड़े गई संपत्तियों पर उपलब्ध कराया गया है। जब कोई संपति पूरी तरह अवमूल्यित हुई है तो उसे बेलस शीट पर 1 रुपए के बद्ये हुए मूल्य की तरह दर्ज किया गया है और उसका भविष्य में अवमूल्यन नहीं होगा।
- 3.४ तिथिरित लिखियों और प्रायोजनाओं से सुरित संपत्तियों जिनका स्थानित्व विश्विद्यालय के पास है उन्हें पैंडी कोष में दर्शाया गया है और विश्विद्यालय की स्थाई संपत्तियों में शामिल कर निया गया है। इनका अवमूल्यन अन्य संपत्तियों के हास की दर पर आंका गया है।
- 3.५ विश्विद्यालय को भैट की गई संपत्तियों पैंडी लिखि में लिहित कर दी जाती है और उन्हें विश्विद्यालय की स्थाई संपत्तियों में मिला दी जाती है। इसका अवमूल्यन भी अन्य संपत्तियों पर लिथरित दरों पर ही होगा।
- 3.६ भैट स्थरूप प्राप्त पुस्तकों का मूल्य वही रखा जाता है जो उन पर छपा होता है। जहाँ कोई मूल्य नहीं छपा होता है वहाँ मूल्यकलन के अधार पर मूल्य तय किया जाता है।
- 3.७ सेवा लिखिति के लाभ सेवा लिखिति लाभ अर्थात् पैशन और बेच्युटी हर वर्ष के अंत में किए गए मूल्यांकन के आधार पर मुहैया कराया जाते हैं। विश्विद्यालय के उन कर्मचारियों के जिन्हें विश्विद्यालय में समाहित कर लिया गया है उनके पूर्ण लियोकाओं से प्राप्त पैशन और बेच्युटी की पूर्जीगत मूल्य को उनके प्रोविजनल खाते में जमा किया जाया है। प्रतिनियुक्तिविदेश सेवा पर गर विश्विद्यालय के कर्मचारियों के वर्तमान लियोका से प्राप्त पैशन अंदराजा को भी योजन के प्रावधानों में जमा किया गया है।
4. सेवा लिखिति के लाभ
- 4.१ सेवा लिखिति लाभ अर्थात् पैशन और बेच्युटी हर वर्ष के अंत में किए गए मूल्यांकन के आधार पर मुहैया कराया जाते हैं। विश्विद्यालय के उन कर्मचारियों के जिन्हें विश्विद्यालय में समाहित कर लिया गया है उनके पूर्ण लियोकाओं से प्राप्त पैशन और बेच्युटी की पूर्जीगत मूल्य को उनके प्रोविजनल खाते में जमा किया जाया है। प्रतिनियुक्तिविदेश सेवा पर गर विश्विद्यालय के कर्मचारियों के वर्तमान लियोका से प्राप्त पैशन अंदराजा को भी योजन के प्रावधानों में जमा किया गया है।

सभी निवेश लागत के अनुसार अल्पांकित हैं।

6. लिङ्गलिखित टीई-अवधि निधियों विशेष उद्देश्यों के लिए निर्धारित की गई है। इनमें से अधिक जमा राशि याती निधियाँ हिंदूरस, बांड और बैंकों में मौजाहदी याती नियेशित की गई है। नियेश और अवधि निर्माण अग्रिम की उस्ली से प्राप्त आय को संबंधित याती में जमा दिया गया है। ऊर्चे और अकाल बनाने के लिए परिक्रमण कोष के मामले में; अग्रिम कोष में जमा किया गया। बकाया आगे ले जाया गया और उसे वर्तमान परिस्पतियों में; नियेश और प्राप्त द्व्याज तथा निधारित/नियादी वचत याता में मिला कर) बैंक में शेष के साथ परिसंपत्तियों में दर्शाया गया है।

6.1 विश्वविद्यालय विकास निधि:

एह कोष विश्वविद्यालय के काँओ से प्राप्त वार्षिक आय एवं अन्य प्रयोक्ता द्वारा प्राप्तियों से दर्तनाया गया है। दूसरका उपर्योग सुविधाओं को सुधारा। परिसंपत्तियों के भर्ती, आदि के लिए किया जाता है।

- 6.2 सकाल बनाने के लिए अग्रिम भुगतान कोष अधिकारियों और कर्मचारियों को सकाल बनाने के लिए दिए गए ट्याज वाले अधिकों का भुगतान करने के लालचा गया परिक्रमा निधि।

6.3 बाह्यन कोष

अधिकारियों और कर्मचारियों को गोरर कार, ट्रॉलीज और कारबूट बरीदने के लिए दिए गए बाज वाले अधिकों का भुगतान करने के लालचा गया परिक्रमा जाप।

- 6.4 यू. आर. सी. -जे. आर. एफ. कोष फेलोशिप और कलिञ्च शोधाध्यानपृष्ठियों द्वारे द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी गई निधि।

6.5 एस. आर. सी. प्रकाशन निधि

राज्य संसाधन केंद्र के प्रबन्धनों की प्रक्रिया से वर्जना गया परिक्रमा कोष नियमसे प्रबन्धनों का उपाय अद्यता का छर्ची विवरनम् है। एस. आर. सी. अद्या के निर्माण का लालचे और इसी कोष से निकला गया है।

एंडोवर्मेंट निधि

6.6

एंडोवर्मेंट वह निधियाँ हैं जो विभिन्न व्यक्तिगत दानकर्ताओं, दस्टों और अन्य संगठनों से प्राप्त होती हैं। यह निधियाँ पीट रखापित करने के लिए और दानकर्ताओं द्वारा तथ की गई आनंदता यों, पुरस्कारों, मेडलों के लिए होती हैं। अहं हर एंडोवर्मेंट निधि का अपना निवेश होता है वही अहिवेशित राशि को एक ही बैंक खाते में रखा जाता है वर्तमान राशि की यह सरियाँ बहुत अधिक नहीं होती।

प्रत्येक एंडोवर्मेंट निधि के निवेश से ग्रास आय को संतुत आधार पर एक कोष में एकक्रित किया जाता है। पीठ, मोडल, पुरस्कार एवं छात्रवृत्तियों पर होने वाला खर्च इस विशेष एंडोवर्मेंट निधि से निकाला जाता है और बकाया आगे बढ़ा दिया जाता है। यकाया को स्थाई परिसंपत्तियों, प्राप्त व्याज (वर्तमान परिसंपत्तियों) में नियेश के रूप में परिवर्तित किया जाता है और कुल बकाया सभी जमा राशियों को एक ही बचत खाते में रखा जाता है।

7. सरकारी पांच विश्विदालय अध्योग के अनुदान

- 7.1 सरकारी अनुदान एवं विश्विदालय अनुदान आयोग के अनुदानों को प्राप्ति के आधार पर दर्शाया जाता है।
- 7.2 सरकारी अनुदान एवं यूजीसी के अनुदानों को उनका जितना उपयोग प्रमुख खर्च के लिए होता है उनका प्रमुख निधि में डाल दिया जाता है।
- 7.3 सरकारी और यूजीसी के अनुदानों को जिस हद तक राजस्व खर्च का भार उठाने के लिए उपयोग में लाया जाता है उस हद तक उन्हें उस गई की आय माता जाता है जिस वर्त वह प्राप्त हुए।
- 7.4 अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदानों से दिए गए अग्रिमों सहित) आगे ले जाया गया और उसे बैंकेस शीट में देयता की तरह दर्शाया गया है।
8. निर्धारित एंडोवर्मेंट निधियों का निवेश और ऐसे निवेशों से ग्रास व्याज की आय जिस हद तक खर्च के लिए तुरंत आवश्यकता न हो, ऐसी निधियों से ग्रास पैसे को स्वीकृत प्रतिभूतियों और बांद्स या बैंकों में नियादी जमा खातों में निवेशित किया गया और शेष राशि बचत खातों में रख ओड़ी गई।

ऐसे नियशों में पास ड्यार्जन, प्राप्त द्वारा और प्राप्त ड्यार्ज लेकिन देख नहीं एवं देख को संबंधित क्रोधों में जोड़ दिया गया और उन्हें विश्विधालय की आय नहीं माना गया है।

प्रायोगित परियोजनाएँ

12. अनंतचार शोध केंद्र

अनंतचार शोध केंद्र विषयविद्यालय का अभिन्न अंग है, उसका लेखा भी बैलेस शोट, आय एवं व्यय लेखों, पासि एवं शुगरान लेखों में शामिल किया जाता है। फिर भी बैलेस शोट और आय एवं व्यय लेखों की तात्त्विकाओं में केंद्र की गतिविधियों को अलग से भी दर्शाया गया है।

हमनाथ
(आयात्तुल्याह)
लेखाकार

हमनाथ
(जफरुल्लाह खान)
लेखाधिकारी

हमनाथ
(एन. य. सिद्दीकी)
वित्त अधिकारी

हमनाथ
(एस. एम. आफ़ज़ल)
कुलसचिव

तालिका: 22: अकारिस्मक देवताएँ एवं लोका पुर दिपाणियाँ

1. आकारिस्मक दायित्व
 - 1.1 31.03.2006 तक जामिया के पूर्व वर्तमान कर्मचारियों ने विभिन्न न्यायालयों में जामिया के खिलाफ मुकदमे दायर किए हुए हैं। यह सामग्रे पदोन्नति, वेतनपृष्ठि, वेतनमात्र और नियकासन आदि से संबद्ध हैं। दायों के मृत्यु का निर्धारण नहीं किया जा सकता।
 - 1.2 बैंक ने नियमित्यात्मके तात्पर लेटर ऑफ क्रेडिट थोला और 31.03.06 तक इसमें 49,01,255 रुपए का बकाया है।
2. प्रमुख प्रतिबद्धताएँ

पूँजीगत लेखा में नियमित्यात्मके जाते तात्पर बकाया सायदाओं का मूल्य और ग्रे पापधान वर्ती अभिम की कुल राशि 31.03.2006 को 10,09,64,225 रुपए थी।
3. अवमूल्यन

पिछले वर्षों तक स्थाई परिसंपत्तियों का अवमूल्यन नहीं दिखाया जाता था। तकद लेखा से पोद्दूत लेखा घटति में परिवर्तन होने से पहली बार वर्ष 2005-06 के लिए जमा करने से लेकर पूँजीगत लिपि तक 31 मार्च 2005 तक पिछले सभी वर्षों के लिए लेखा अवमूल्यन की जाता नियमित्यात्मके लिए विश्वियालय के पहली वार अवमूल्यन दर्ज किया गया है। पिछले सभी वर्षों के लिए अवमूल्यन की जाता नियमित्यात्मके लिए और उन संघर शोध केंद्र की परिसंपत्तियों के लिए मूल्य लेखे में परिसंपत्तियों के शटमों में 26.12.1988 से प्रत्येक वर्ष के लिए और उन संघर शोध केंद्र की परिसंपत्तियों के लिए और उन संघर शोध केंद्र की परिसंपत्तियों के लिए और उन संघर शोध केंद्र की परिसंपत्तियों के लिए 01.04.1991 से लेखा जीति में अनुवंशित तथा तात्पर दर्ज पर अवमूल्यन का परिवर्तन करायद तात्परिके में 26.12.1988 और 31.03.1991 से पहले के सभी वर्षों को अनुसार समिग्रित करते हुए किया गया है। तटर्थ दरे इस प्रकार है-

1. अभिम	0%
2. स्थान विकास	0%
3. भवन	10%
4. दृश्य वेल एवं जल आपूर्ति	10%
5. बिजली का सामान एवं लगाई	25%
6. संयंत्र एवं भास्ती	25%
7. वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला यंत्र	40%

8.	कार्बोलीं सामाजन	37.5%
9.	ट्रेय-श्वेत चंच	37.5%
10.	कर्ष्णदर एवं पेरिफ्रेस	50%
11.	फर्नीचर, फिल्मचर्चर एवं फिटिंग्स	37.5%
12.	वाहन	50%
13.	पुस्तके एवं वैज्ञानिक प्रिकारे	50%
14.	अन्य	50%

वर्ष 2005-06 के लिए अध्यमान्यन दर्शें गया है और उसे आद्य और ट्यूय खाते में जमा कर दिया गया है।

5. **श्रृंखि का निक्षय:** 2004-05 में श्रृंखि के एक घटन की लिखी में हुए अंक को, और 2,05,75,704 रुपय भा और लिखे हुए अंक रखा गया था, वर्ष 2005-06 में विश्वविद्यालय विकास लिखि में जमा करा दिया गया।
6. **वेतन:** जैसा कि लेखा की प्रकृत पद्धति में परिवर्तित होने का यह पहला घर्ष है, तेरह जहिने के वेतन पर व्यय का परिकलन 2005-06 में कर लिया गया है। सार्व 2005 के वेतन का जो अनुतात अप्रैल 2005 में किया गया उसे पूर्ण कालिक छर्चे के तौर पर दर्शाया गया है और सार्व 2006 के वेतन की व्यवस्था वर्ष 2005-06 के जाती में बदला देयता के तौर पर की गई है।
7. **सेवा नियुक्ति लाभ – अवकाश शुद्धाना:** वारस्तविक मन्त्रालय की अनुपस्थिति में अवकाश शुद्धाने के वर्ष के दौरान व्यय को लाकड के आधार पर ढर्ज किया गया है।
8. **वर्तमान परिसंपत्तियाँ, इण इय अग्रिम प्रबंधन की राय में,** सामान्य तरीके से वर्तमान परिसंपत्तियाँ, इण तथा अग्रिम राशियों का वस्तुली के समय एक मूल्य होता है जो कम से कम बैलेस शोट में दर्शाए गई कुल एशि के बराबर होता है।
9. बचत खाते में बदकाया रिशि के विवरण संलग्नक 'क' में दिए गए हैं।
10. पिछले वर्ष के अँकडे जहाँ भी आवश्यक था वहाँ पुनः समूहित किए गए हैं।
11. अदिस लेखे में भौमिकों को निकटतम रूपए तक राँड ऑफ कर दिया गया है।

12. तालिका 1 से तक 31 मार्च 2006 तक दी योर्स थोर के अमिन्ट अंग की तरह और उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और देय लेखा में संलग्न किए गए हैं।
13. क्षयीक अविष्य तिथि लेखे उनके खातेदारों के होते हैं विश्विधालय के लिए, इसलिए 2005-06 में इन खातों को विश्विधालय के लेखे से अलग रखा गया है; किर भी पासि एवं भुगतान लेखा, आय एवं देय लेखा (प्रदूत के आधार पर) और भविष्य तिथि खातों के तुलना-पत्र विश्विधालय के लेखे के साथ संलग्न किए गए हैं।
14. क्षयीक रघु-पोषित पाठ्यकार्म भविष्य तिथि एवं नई पेशन योजना को अंशतः अलग रखे और जमा वैक खातों में जिला दिवा गया इसलिए उन्हें वर्तमान वर्ष के लिए वर्तमान ट्रैयताओं-मन्त्र्य लिपियाँ के तहत शामिल किया गया है। रघु-पोषित पाठ्यकार्म भविष्य तिथि को 2006-07 से अंप्रयव तिथि कोप में शामिल किया जाएगा। 2006-07 से नई पेशन योजना को 2006-07 के एक अलग वैक खाते के साथ अलग से दर्शाया जाएगा।

प्रमाणिक
(नियन्त्रितार्थ)
लेखाकारी

उपाध्यक्ष
(अप्रबलत्वाद् खाता)
लेखाकारी

हस्ताक्षर
(एन.यू. सिद्धकी)
पित अधिकारी

र. दीपक
(एस.एम. अमनजल)
कुलसचिव

विवरण		दं य ता		परि स प ति योग	
निकासी	सारणी	निवेश	विवरण	राशि	
सीपीएफ अंशदान डॉक्टर जमा डॉक्टर (2005-06 के दोरान) डॉक्टर-द्व्याज पर्सनल	283,103,625 79,204,444 22,617,455 <u>79,485,354</u>	305,440,170	बढ़ा हआ द्व्याज(तोपिन देय नहीं)	11,726,220	
सीपीएफ अंशदान डॉक्टर जमा डॉक्टर (2005-06 के दोरान) डॉक्टर-द्व्याज पर्सनल	23,002,700 7,479,510 1,864,933 <u>4,655,196</u>	27,691,947	(आर्थ 06 के दोरान से बदली योग्य) 1)सीपीएफ अंशदान 2)सीपीएफ अंशदान 3)सीपीएफ योगदान	6,742,211 611,938 157,699	374,636,000
सीपीएफ अंशदान डॉक्टर जमा डॉक्टर (2005-06 के दोरान) डॉक्टर-द्व्याज पर्सनल	13,136,540 2,084,958 947,102 <u>865,912</u>	15,302,688	इडियन बैंक में बकाया		595,307
सीपीएफ अंशदान डॉक्टर जमा डॉक्टर (2005-06 के दोरान) डॉक्टर-द्व्याज पर्सनल	6,742,211 611,998 157,699	7,511,908 500,000			
सीपीएफ अंशदान डॉक्टर जमा डॉक्टर-द्व्याज- रोकड़ जमा पर्सनल के उपर अतिरिक्त आय	21,367,341 16,653,381	38,020,722			
कुल योग (रुपये में)		384,467,435	कुल योग (रुपये में)		394,467,435

हस्ताक्षर
(जनप्रस्तावना अन्व.)
लेखाधिकारी

हस्ताक्षर
(एस.एम. अमरजल)
कृत्तसचिव

हस्ताक्षर
यातुल्यान्वति
प्रमाणकार

जनकिया गिलिलया इस्तमाकिया
भविष्य निषि लेखा
आय एवं खर्च लेखा

[31 मार्च 2006 में समाप्त हो रहे वर्ष के लिए]

ख. नं.	विवरण	राशि	विवरण	आ. य
पी एफ खातेदारों को स्थीकृत व्याज	22,617,455 1,864,933 बदल हुआ व्याज(लेकिन देय नहीं)	30,357,651		
1)सीधीएफ खातेदार	947,102	1) पूर्वकालिक आय --- आर बी आई और यूपी बॉडीस से व्याज 2) व्याज से आय --- 2005-2006 के लिए आर बी आई और बॉडीस पर व्याज	6,375,202	
2)सीधीएफ खातेदार	16,653,381			5,350,018
3)सीधीएफ खातेदार				
खर्च के ऊपर आय की आविष्य				
कुल योग (रुपये में)		42,082,871	कुल योग (रुपये में)	42,082,871

प्राप्तियाँ एवं खान लेखा

[31 मार्च 2006 में समाप्त हो रहे वर्ष के लिए]

ख. नं.	विवरण	राशि	विवरण	आ. य
रोकड़ शेष		310,206	कर्ज़ / निकासी / अतिम सीधीएफ अशदान	79,485,354
इटियन नीक में		78,000,000	सीधीएफ अशदान घटाई नियोजन	4,655,135
निवेश नवाय धार्या		30,357,651	किया गया निवेश	874,276
प्राप्त व्याज		500,000	अत शेष से इटियन बैंक में	8,364
विश्विचालय से कर्ज़ योजना खाते से		79,204,444 7,479,510		112,835,000
वर्ष के दौरान जोड़				595,307
जीवीएफ अशदान	2,093,322			
सीधीएफ अशदान	8,364			
सीधीएफ योगदान				
घटाई नियोजन				
कुल योग (रुपये में)		198,436,769	कुल योग (रुपये में)	198,436,769

जाकिया मिलिया इस्तमालिया, नई दिल्ली-110025
31 अर्धे 2006 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्ति	राशि	भुगतान	राशि
रोकड़ शेष बनकद बैंक में शेष	179075 53,389,490	53,568,565 प्रतिशेषियों और जमा खातों (की रेलीज) प्रेषित रकम एवं अधिक राशियाँ निवेश	1,022,849,040 10,281,054 297,343,741 705,512,197
सहायता अनुदान अनुदान के अतिरिक्त प्राप्तियाँ प्रतिशेषित एवं जमा खाते प्रेषित रकम एवं अधिक राशियाँ निवेश (की प्राप्ति)	949,363,250 321,915,648 19,054,951 295,582,332 547,213,082	अंत शेष तकद बैंक में शेष	360,230 150,251,566 150,641,796
कुल योग		2,186,697,828	कुल योग
			2,186,697,828

लेखापरीक्षा भाग-एक

मैंने जानिया चिह्नित आलोचना के 31 जारी 2006 को लेखापरीक्षा तुलन-पत्र तथा 31 जारी 2006 को लेखापरीक्षा तुलन-पत्र के लिए आय पर व्यय लेखे। प्राप्ति एवं सुगतान लेखाओं की लेखापरीक्षा कर दी है। इन विचार करने की लिखेकी जानिया चिह्नित आलोचना के अधार पर विचार लेखापरीक्षा की दो मौसिमी बन दिली हैं लेखापरीक्षा के आधार पर विचार व्यवस्था करने की है।

मैंने अपनी लेखापरीक्षा सामान्यतः भाषा में उत्तीर्णत लेखापरीक्षा आलोकों और लाभ लियाँ नियमों के अनुसार की है। इन आलोकों में व्योमिता है कि विचार विवरणों के अधिक अधिक विवरणों से सुकृत होने के बारे में उचित आलोचना प्राप्त करने के लिए मैं योजना तथा लेखापरीक्षा चिह्नित करूँ। लेखापरीक्षा में विचार विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्पित सांकेतिक विचार की नमूना आलोर पर जांच जानिया है। मुझे विचार है कि ऐसी लेखापरीक्षा में विचारों के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

इमारों लेखापरीक्षा के आधार पर मैं सुनित करता हूँ कि—

1. हमारी लेखापरीक्षा उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोन्मम जानकारी एवं विचार के अनुसार मैंने आलोक, सूचना एवं रपोर्टेकरण प्राप्त कर लिए हैं।
 2. इसके साथ सर्वोन्मम उत्तरक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में विरहत अनुक्रियाओं के अधीन मैं सुनित होता हूँ कि इस प्रतिवेदन से राजबानीद्वारा तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं को सही प्रकार से लेखा किया गया है और लेखे बहिर्भूतों के अनुसार है।
 3. मेरे विचार और ऐसी सर्वोन्मम लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षा के साथ विवरणों के साथ संबंधित पृष्ठक लेखाकान नीतियों तथा उन पर विभागों के साथ विवरणों के अधीन काव्यित तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखे सही एवं उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।
- (क) उल्लेखनीय तथा उल्लेखनीय विवरणों के अधीन काव्यित तुलन-पत्र पत्र में सम्बन्धित है ; तथा
- (ख) उल्लेखनीय तथा 31 जारी 2006 को जानिया चिह्नित आलोचना के कार्यकलायों के तुलन-

पत्र में सम्बन्धित है ; तथा

(ग) उल्लेखनीय तथा 31 जारी 2006 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं लेखा की कमी से सम्बन्धित है।

उल्लेखनीय विवरण
दिनांक: 26 - 2 - 2007

(मा. अ. अ. अ. अ. अ. अ.)
माननीय विवरण के सम्बन्धित
कानूनीय विवरण

वर्ष 2005-06 के दिसं जामिया भिलिया इस्लामिया के लेखनों पर देखापटीमा प्रतिवेदन

मस्तकावलय

जामिया भिलिया इस्लामिया (जा.मि.इ.) की स्थापना 1920 में हुई थी और समिति पंजीकरण अधिनियम, 1980 के अंतर्गत इसका पंजीकरण 1939 में हुआ था और जामिया भिलिया इस्लामिया अधिनियम, 1989 के अंतर्गत 26 दिसंबर 1986 से इसे केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया।

जा.मि.इ. के छोरेवर अधिगम की विभिन्न भाषाओं में निर्दिशात्मक अनुसंधान और विस्तार सुनिधारे उपलब्ध कराना और आधुनिक ज्ञान का प्रसार करना है। जा.मि.इ. मुख्यतः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (जि.अ.आ.) और संघ भारकार से प्राप्त अमुदानों से वितरणे की है। वर्ष 2005-06 के दौरान जा.मि.इ. ने ६४.९३ करोड़ रु. (योजनेवार ६५.७८ करोड़ रु. योजनापत्र ७.३४ करोड़ रु. तथा योजनावार अनुसंधान के दूर्वा ८.३० करोड़ रु. अनुदान प्राप्त किए)। वर्ष के दौरान जा.मि.इ. ने ६.०३ करोड़ रु. की प्राप्तिनों की उपायित की थी।

जा.मि.इ. को लेखनों की लेखापरीक्षा जा.मि.इ. अधिनियम, 1989 की धारा 28(1) के साथ परिस नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (कार्यालय, अधिनियम देखा सेवा शहर) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अंतर्गत की जाती है।

लेखनों पर दिघ्गियाँ

2 तुलनात्मक

2.1 परिसम्परियाँ

2.1.1 देखावी परिसम्परियाँ (अनुसूची - 4) - ८२.२९ करोड़ रु.

(i) जनसंख्या अनुसंधान के दूर्वा (जि.अ.आ.के.) के परिसम्परियाँ देखों ३।.३.२००८ को ६.७४ करोड़ रु. को परिसम्परियों के अधिग्रहण को दर्शाते हैं तथा १.३६ करोड़ रु. यूनिय की अप्रतित, अप्रोज्य, अंसरोधानीय और असाध्य परिसम्परियों को अलग चर्चा करते हैं जिसका नहीं करते। इसे पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा प्राप्तिवान में भी इनित किया गया था परन्तु जा.मि.इ. द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

(ii) वर्ष 2005-06 की वीरान निपटाई गई परिसम्परियों (वालन) के कठोरी न करने के कारण जि.अ.आ.के. की परिसम्परियों का ३.३३ लाख रु. तक अधिकरण हुआ।

(डा. अ. शु. अनंती)

२५०८ - विजयेन्द्र

महाराष्ट्र विधान सभा के द्वारा लिया गया एक अद्वितीय फैसले का इस बात का अध्ययन करने के लिए एक विशेष आयोजन है।

प्राप्ति विद्या की अवधारणा विद्या की अवधारणा

4. लेत्यत्प्रयोगानि विद्यमानानि च तु तदनुपर्यायः।

प्राप्ति विद्युत के लिए अपनी जिम्मेदारी का उपयोग करने की चाही दृष्टि से इसका नियंत्रण विद्युत विभाग के हाथों रहना चाहिए। इसका अधिकार विद्युत विभाग के अधीन रखा जाना चाहिए। इसका अधिकार विद्युत विभाग के अधीन रखा जाना चाहिए।

THEORY OF THE STATE IN RUSSIA

1 लाला जी के लिए यह विषय बहुत अच्छा था। उसके बाद उन्होंने अपने भाई के लिए भी एक अच्छी विधि खोजी। उसके बाद उन्होंने अपने भाई के लिए भी एक अच्छी विधि खोजी।

कार्टर्सड रप्ट
(सेवा परीक्षा परिवेशको पर दिप्पणिया)
वित्तीय वर्ष 2005-2006

प्रांत नं.	प्रस्तावना	परिवर्कणों की सहित विवर वस्तु	तथ्यों की पुष्टि की गयी, कैसे हिष्पनी नहीं। कैसे गयी कार्यवाही
1.	प्रस्तावना	परिवर्कणों की सहित विवर वस्तु	तथ्यों की पुष्टि की गयी, कैसे हिष्पनी नहीं।
2.	पुस्तक एवं परिसंपत्तियाँ	लेखालों पर दिप्पणीये	
2.1	स्थायी परिसंपत्तियाँ (जनसुधी 4) 82.29 करोड़ रु		
2.1.1.	(i) ८.१.३६ करोड़ के युग्मे गये को बटेखाती वे उत्तमा (ii) ८.३.९३ शाख के बाहन को बटेखते थाते में बाहना।	८.१.३६ करोड़ की राशि के उपकरणों को बदते थाते ढाने की प्रक्रिया प्राप्तानिक औपचारिकताओं के बारण असी पूर्ण की जानी है।	
2.1.2	८.१.७२ शाख की दोषुदा परिसंपत्तियों को कम विद्याया जाना।	अनुप्रलङ्घन हेतु दर्ज कर लिया गया।	
2.1.3	लाइनरों की पुस्तक	पुस्तकबलय की पुस्तकों का जागमन रक्षितदार की पूर्ण किया जा रहा है और इसके अनुप्रलङ्घन को अगले लेखा परीका दर को दिया गया।	
3.1	परिसंपत्तियों का सत्यापन न विद्या जाना	पूर्ण विद्याविद्यालय की परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन कर लिया जाना है और सत्यापन रूप को दिया किया जा सुका है।	
4.	लेखापरीका दिप्पणीयों का युलत पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं प्राप्तान हेत्का पर प्रशाद	लेखा परीका परिवर्कणों का अनुप्रलङ्घन हेतु दर्ज कर लिया गया।	
5.	कमियों, जैसे लेखा परीका रस्ते से शार्किल नहीं हैं, सुधारात्मक कारोबाही के लिए, जल्दा से प्राप्त एवं हरा जमिया परिवर्क इस्तमिया के वित अधिकारी के ब्यान में लाइ गई है।	अनुप्रलङ्घन हेतु दर्ज कर लिया गया।	

हस्ताक्षर
एन. बू. शिवाजी
विचार अधिकारी

**RESERVE BANK OF INDIA
DEPARTMENT OF NON-BANKING
SUPERVISION
CENTRAL OFFICE**

Mumbai-400005, the 22nd February 2007

No. DNBS. 192/DG (VL)-2007.

The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest, and being satisfied that, for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to issue the Directions relating to the prudential norms as set out below, in exercise of the powers conferred by Section 45JA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, and in supersession of the Non-Banking Financial Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 1998 contained in Notification No. DFC. 119/DG(SPT)/98 dated January 31, 1998, gives to every non-banking financial company (other than Residuary Non-Banking Company) accepting/holding public deposits and to every Residuary Non-Banking Company the Directions hereinafter specified.

Short title, commencement and applicability of the Directions:

1. (1) These Directions shall be known as the "Non-Banking Financial (Deposit Accepting or Holding) Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 2007".

(2) These Directions shall come into force with immediate effect.

(3) (i) The provisions of these Directions, shall apply to

(a) a non-banking financial company, except a mutual benefit financial company (*and a mutual benefit company*) as defined in the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998 and accepting/holding public deposit;

(b) a residuary non-banking company as defined in the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987.

(ii) These Directions shall not apply to a non-banking financial company being a Government company as defined under Section 617 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and accepting / holding public deposit.

Definitions

2. (1) For the purpose of these Directions, unless the context otherwise requires:
- (i) "break up value" means the equity capital and reserves as reduced by intangible assets and revaluation reserves, divided by the number of equity shares of the investee company;
 - (ii) "carrying cost" means book value of the assets and interest accrued thereon but not received;
 - (iii) "current investment" means an investment which is by its nature readily realisable and is intended to be held for not more than one year from the date on which such investment is made;
 - (iv) "doubtful asset" means:
 - (a) a term loan, or
 - (b) a lease asset, or
 - (c) a hire purchase asset, or
 - (d) any other asset,
 which remains a sub-standard asset for a period exceeding 18 months;

- (v) "earning value" means the value of an equity share computed by taking the average of profits after tax as reduced by the preference dividend and adjusted for extra-ordinary and non-recurring items, for the immediately preceding three years and further divided by the number of equity shares of the investee company and capitalised at the following rate:
 - a) in case of predominantly manufacturing company, eight per cent;
 - (b) in case of predominantly trading company, ten per cent; and
 - (c) in case of any other company, including non-banking financial company, twelve per cent;

NOTE : If, an investee company is a loss making company, the earning value will be taken at zero;

- (vi) "fair value" means the mean of the earning value and the break up value;
- (vii) "hybrid debt" means capital instrument which possesses certain characteristics of equity as well as of debt;
- (viii) 'infrastructure loan' means a credit facility extended by non-banking financial companies to a borrower, by way of term loan, project loan subscription to bonds/debentures/ preference shares / equity shares in a project company acquired as a part of the project finance package such that such subscription amount to be "in the nature of advance" or any other form of long term funded facility provided to a borrower company engaged in:

- Developing or
- Operating and maintaining, or
- Developing, operating and maintaining

any infrastructure facility that is a project in any of the following sectors:

- a) a road, including toll road, a bridge or a rail system;
- b) a highway project including other activities being an integral part of the highway project;
- c) a port, airport, inland waterway or inland port;
- d) a water supply project, irrigation project, water treatment system, sanitation and sewerage system or solid waste management system;
- e) telecommunication services whether basic or cellular, including radio paging, domestic satellite service (i.e., a satellite owned and operated by an Indian company for providing telecommunication service), network of trunking, broadband network and internet services;
- f) an industrial park or special economic zone;
- g) generation or generation and distribution of power;
- h) transmission or distribution of power by laying a network of new transmission or distribution lines;
- i) construction relating to projects involving agro-processing and supply of inputs to agriculture;
- j) construction for preservation and storage of processed agro-products, perishable goods such as fruits, vegetables and flowers including testing facilities for quality; and
- k) construction of educational institutions and hospitals; and
- l) any other infrastructure facility of similar nature.

(ix) "loss asset" means:

- (a) an asset which has been identified as loss asset by the non-banking financial company or its internal or external auditor or by the Reserve Bank of India during the inspection of the non-banking financial company, to the extent it is not written off by the non-banking financial company; and
- (b) an asset which is adversely affected by a potential threat of non-recoverability due to either erosion in the value of security or non availability of security or due to any fraudulent act or omission on the part of the borrower;

(x) "long term investment" means an investment other than a current investment;

(xi) "net asset value" means the latest declared net asset value by the mutual fund concerned in respect of that particular scheme;

(xii) "net book value" means:

- (a) in the case of hire purchase asset, the aggregate of overdue and future

instalments receivable as reduced by the balance of unmatured finance charges and further reduced by the provisions made as per paragraph 9(2)(i) of these Directions;

- (b) in the case of leased asset, aggregate of capital portion of overdue lease rentals accounted as receivable and depreciated book value of the lease asset as adjusted by the balance of lease adjustment account.
 - (xiii) 'non-performing asset' (referred to in these Directions as "NPA") means:
 - (a) an asset, in respect of which, interest has remained overdue for a period of six months or more;
 - (b) a term loan inclusive of unpaid interest, when the instalment is overdue for a period of six months or more or on which interest amount remained overdue for a period of six months or more;
 - (c) a demand or call loan, which remained overdue for a period of six months or more from the date of demand or call or on which interest amount remained overdue for a period of six months or more;
 - (d) a bill which remains overdue for a period of six months or more;
 - (e) the interest in respect of a debt or the income on receivables under the head 'other current assets' in the nature of short term loans/advances, which facility remained overdue for a period of six months or more;
 - (f) any dues on account of sale of assets or services rendered or reimbursement of expenses incurred, which remained overdue for a period of six months or more;
 - (g) the lease rental and hire purchase instalment, which has become overdue for a period of twelve months or more;
 - (h) in respect of loans, advances and other credit facilities (including bills purchased and discounted), the balance outstanding under the credit facilities (including accrued interest) made available to the same borrower/beneficiary when any of the above credit facilities becomes non-performing asset;
- Provided that in the case of lease and hire purchase transactions, a non-banking financial company may classify each such account on the basis of its record of recovery;
- (xiv) "owned fund" means paid up equity capital, preference shares which are compulsorily convertible into equity, free reserves, balance in share premium account and capital reserves representing surplus arising out of sale proceeds of asset, excluding reserves created by revaluation of asset, as reduced by

accumulated loss balance, book value of intangible assets and deferred revenue expenditure, if any;

(xv) "standard asset" means the asset in respect of which, no default in repayment of principal or payment of interest is perceived and which does not disclose any problem nor carry more than normal risk attached to the business;

(xvi) "sub-standard asset" means:

- (a) an asset which has been classified as non-performing asset for a period not exceeding 18 months;
- (b) an asset where the terms of the agreement regarding interest and / or principal have been renegotiated or rescheduled or restructured after commencement of operations, until the expiry of one year of satisfactory performance under the renegotiated or rescheduled or restructured terms;

Provided that the classification of infrastructure loan as a sub-standard asset shall be in accordance with the provisions of paragraph 23 of these Directions;

(xvii) "subordinated debt" means an instrument, which is fully paid up, is unsecured and is subordinated to the claims of other creditors and is free from restrictive clauses and is not redeemable at the instance of the holder or without the consent of the supervisory authority of non-banking financial company. The book value of such instrument shall be subjected to discounting as provided hereunder:

<u>Remaining Maturity of the instruments</u>	<u>Rate of discount</u>
(a) Upto one year	100%
(b) More than one year but upto two years	80%
(c) More than two years but upto three years	60%
(d) More than three years but upto four years	40%
(e) More than four years but upto five years	20%

to the extent such discounted value does not exceed fifty per cent of Tier I capital;

(xviii) "substantial interest" means holding of a beneficial interest by an individual or his spouse or minor child, whether singly or taken together in the shares of a company, the amount paid up on which exceeds ten per cent of the paid up capital of the company; or the capital subscribed by all the partners of a partnership firm;

- (xix) "Tier I Capital" means owned fund as reduced by investment in shares of other non-banking financial companies and in shares, debentures, bonds, outstanding loans and advances including hire purchase and lease finance made to and deposits with subsidiaries and companies in the same group exceeding, in aggregate, ten per cent of the owned fund;
- (xx) "Tier II capital" includes the following:
- preference shares other than those which are compulsorily convertible into equity;
 - revaluation reserves at discounted rate of fifty five percent;
 - general provisions and loss reserves to the extent these are not attributable to actual diminution in value or identifiable potential loss in any specific asset and are available to meet unexpected losses, to the extent of one and one fourth percent of risk weighted assets;
 - hybrid debt capital instruments; and
 - subordinated debt.

to the extent the aggregate does not exceed Tier I capital.

- (2) Other words or expressions used but not defined herein and defined in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) or the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998 or the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987 shall have the same meaning as assigned to them under that Act or those Directions. Any other words or expressions not defined in that Act or those Directions, shall have the same meaning assigned to them in the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Income recognition

- The income recognition shall be based on recognised accounting principles.
- Income including interest/discount or any other charges on NPA shall be recognised only when it is actually realised. Any such income recognised before the asset became non-performing and remaining unrealised shall be reversed.
- In respect of hire purchase assets, where instalments are overdue for more than 12 months, income shall be recognised only when hire charges are actually received. Any such income taken to the credit of profit and loss account before the asset became non-performing and remaining unrealised, shall be reversed.
- In respect of lease assets, where lease rentals are overdue for more than 12 months, the income shall be recognised only when lease rentals are actually

received. The net lease rentals taken to the credit of profit and loss account before the asset became non-performing and remaining unrealised shall be reversed.

Explanation

For the purpose of this paragraph, 'net lease rentals' mean gross lease rentals as adjusted by the lease adjustment account debited/credited to the profit and loss account and as reduced by depreciation at the rate applicable under Schedule XIV of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Income from investments

4. (1) Income from dividend on shares of corporate bodies and units of mutual funds shall be taken into account on cash basis:

Provided that the income from dividend on shares of corporate bodies may be taken into account on accrual basis when such dividend has been declared by the corporate body in its annual general meeting and the non-banking financial company's right to receive payment is established.

(2) Income from bonds and debentures of corporate bodies and from Government securities/bonds may be taken into account on accrual basis:

Provided that the interest rate on these instruments is pre-determined and interest is serviced regularly and is not in arrears.

(3) Income on securities of corporate bodies or public sector undertakings, the payment of interest and repayment of principal of which have been guaranteed by Central Government or a State Government may be taken into account on accrual basis.

Accounting standards

5. Accounting Standards and Guidance Notes issued by the Institute of Chartered Accountants of India (referred to in these Directions as "ICAI") shall be followed insofar as they are not inconsistent with any of these Directions.

Accounting of investments

6. (1) (a) The Board of Directors of every non-banking financial company shall frame investment policy for the company and implement the same:

- (b) The criteria to classify the investments into current and long term investments shall be spelt out by the Board of the company in the investment policy;
- (c) Investments in securities shall be classified into current and long term, at the time of making each investment;

- (d) (i) There shall be no inter-class transfer on ad-hoc basis;
- (ii) The inter-class transfer, if warranted, shall be effected only at the beginning of each half year, on April 1 or October 1, with the approval of the Board;
- (iii) The investments shall be transferred scrip-wise, from current to long-term or vice-versa, at book value or market value, whichever is lower;
- (iv) The depreciation, if any, in each scrip shall be fully provided for and appreciation, if any, shall be ignored;
- (v) The depreciation in one scrip shall not be set off against appreciation in another scrip, at the time of such inter-class transfer, even in respect of the scrips of the same category.
- (2) Quoted current investments shall, for the purposes of valuation, be grouped into the following categories, viz.,
- (a) equity shares,
(b) preference shares,
(c) debentures and bonds,
(d) Government securities including treasury bills,
(e) units of mutual fund, and
(f) others.
- Quoted current investments for each category shall be valued at cost or market value whichever is lower. For this purpose, the investments in each category shall be considered scrip-wise and the cost and market value aggregated for all investments in each category. If the aggregate market value for the category is less than the aggregate cost for that category, the net depreciation shall be provided for or charged to the profit and loss account. If the aggregate market value for the category exceeds the aggregate cost for the category, the net appreciation shall be ignored. Depreciation in one category of investments shall not be set off against appreciation in another category.
- (3) Unquoted equity shares in the nature of current investments shall be valued at cost or break up value, whichever is lower. However, non-banking financial companies may substitute fair value for the break up value of the shares, if considered necessary. Where the balance sheet of the investee company is not available for two years, such shares shall be valued at one Rupee only.

- (4) Unquoted preference shares in the nature of current investments shall be valued at cost or face value, whichever is lower.
- (5) Investments in unquoted Government securities or Government guaranteed bonds shall be valued at carrying cost.

- (6) Unquoted investments in the units of mutual funds in the nature of current investments shall be valued at the net asset value declared by the mutual fund in respect of each particular scheme.
- (7) Commercial papers shall be valued at carrying cost
- (8) A long term investment shall be valued in accordance with the Accounting Standard issued by ICAI.

Note: Unquoted debentures shall be treated as term loans or other type of credit facilities depending upon the tenure of such debentures for the purpose of income recognition and asset classification.

Need for Policy on Demand/Call Loans

- 7. (1) The Board of Directors of every non-banking financial company granting/intending to grant demand/call loans shall frame a policy for the company and implement the same.
- (2) Such policy shall, inter alia, stipulate the following. -
 - (i) A cut off date within which the repayment of demand or call loan shall be demanded or called up;
 - (ii) The sanctioning authority shall, record specific reasons in writing at the time of sanctioning demand or call loan, if the cut off date for demanding or calling up such loan is stipulated beyond a period of one year from the date of sanction;
 - (iii) The rate of interest which shall be payable on such loans;
 - (iv) Interest on such loans, as stipulated shall be payable either at monthly or quarterly rests;
 - (v) The sanctioning authority shall, record specific reasons in writing at the time of sanctioning demand or call loan, if no interest is stipulated or a moratorium is granted for any period;
 - (vi) A cut off date, for review of performance of the loan, not exceeding six months commencing from the date of sanction;
 - (vii) Such demand or call loans shall not be renewed unless the periodical review has shown satisfactory compliance with the terms of sanction.

Asset Classification

- 8. (1) Every non-banking financial company shall, after taking into account the degree of well defined credit weaknesses and extent of dependence on collateral security for realisation, classify its lease/hire purchase assets, loans and advances

and any other forms of credit into the following classes, namely,:-

- (i) Standard assets;
- (ii) Sub-standard assets;
- (iii) Doubtful assets; and
- (iv) Loss assets.

(2) The class of assets referred to above shall not be upgraded merely as a result of rescheduling, unless it satisfies the conditions required for the upgradation.

Provisioning requirements

9. Every non-banking financial company shall, after taking into account the time lag between an account becoming non-performing, its recognition as such, the realisation of the security and the erosion over time in the value of security charged, make provision against sub-standard assets, doubtful assets and loss assets as provided hereunder:

Loans, advances and other credit facilities including bills purchased and discounted

(1) The provisioning requirement in respect of loans, advances and other credit facilities including bills purchased and discounted shall be as under :

- | | |
|----------------------|--|
| (i) Loss Assets | The entire asset shall be written off.
If the assets are permitted to remain in the books for any reason, 100% of the outstanding should be provided for; |
| (ii) Doubtful Assets | <p>(a) 100% provision to the extent to which the advance is not covered by the realisable value of the security to which the non-banking financial company has a valid recourse shall be made. The realisable value is to be estimated on a realistic basis;</p> <p>(b) In addition to item (a) above, depending upon the period for which the asset has remained doubtful, provision to the extent of 20% to 50% of the secured portion (i.e. estimated realisable value of the outstanding) shall be made on the following basis : -</p> |

<u>Period for which the asset has been considered as doubtful</u>	<u>% of provision</u>
Upto one year	20
One to three years	30
More than three years	50
iii) Sub-standard assets	A general provision of 10% of total outstanding shall be made.

Lease and hire purchase assets

(2) The provisioning requirements in respect of hire purchase and leased assets shall be as under:

Hire purchase assets

- (i) In respect of hire purchase assets, the total dues (overdue and future instalments taken together) as reduced by
 - (a) the finance charges not credited to the profit and loss account and carried forward as unmatured finance charges; and
 - (b) the depreciated value of the underlying asset.

shall be provided for.

Explanation :

For the purpose of this paragraph,

- (1) the depreciated value of the asset shall be notionally computed as the original cost of the asset to be reduced by depreciation at the rate of twenty per cent per annum on a straight line method; and
- (2) in the case of second hand asset, the original cost shall be the actual cost incurred for acquisition of such second hand asset.

Additional provision for hire purchase and leased assets

- (ii) In respect of hire purchase and leased assets, additional provision shall be made as under :
 - (a) Where hire charges or lease rentals are overdue upto 12 months Nil
 - (b) where hire charges or lease rentals are overdue for more than 12 months but upto 24 months 10 percent of the net book value

(c) where hire charges or lease rentals are overdue for more than 24 months but upto 36 months	40 percent of the net book value
(d) where hire charges or lease rentals are overdue for more than 36 months but upto 48 months	70 percent of the net book value
(e) where hire charges or lease rentals are overdue for more than 48 months	100 percent of the net book value
(iii) On expiry of a period of 12 months after the due date of the last instalment of hire purchase/leased asset, the entire net book value shall be fully provided for.	

NOTES:

- (1) The amount of caution money/margin money or security deposits kept by the borrower with the non-banking financial company in pursuance of the hire purchase agreement may be deducted against the provisions stipulated under clause (i) above, if not already taken into account while arriving at the equated monthly instalments under the agreement. The value of any other security available in pursuance to the hire purchase agreement may be deducted only against the provisions stipulated under clause (ii) above.
- (2) The amount of security deposits kept by the borrower with the non-banking financial company in pursuance to the lease agreement together with the value of any other security available in pursuance to the lease agreement may be deducted only against the provisions stipulated under clause (ii) above.
- (3) It is clarified that income recognition on and provisioning against NPAs are two different aspects of prudential norms and provisions as per the norms are required to be made on NPAs on total outstanding balances including the depreciated book value of the leased asset under reference after adjusting the balance, if any, in the lease adjustment account. The fact that income on an NPA has not been recognised cannot be taken as reason for not making provision.
- (4) An asset which has been renegotiated or rescheduled as referred to in paragraph (2) (1) (xvi) (b) of these Directions shall be a sub-standard asset or continue to remain in the same category in which it was prior to its renegotiation or rescheduling as a doubtful asset or a loss asset as the case may be. Necessary provision is required to be made as applicable to such asset till it is upgraded.

- (5) The balance sheet to be prepared by the non-banking financial company may be in accordance with the provisions contained in subparagraph (2) of paragraph 10.
- (6) All financial leases written on or after April 1, 2001 attract the provisioning requirements as applicable to hire purchase assets.

Disclosure in the balance sheet

- 10.** (1) Every non-banking financial company shall separately disclose in its balance sheet the provisions made as per paragraph 9 above without netting them from the income or against the value of assets.
- (2) The provisions shall be distinctly indicated under separate heads of account as under :
- (i) provisions for bad and doubtful debts; and
 - (ii) provisions for depreciation in investments.
- (3) Such provisions shall not be appropriated from the general provisions and loss reserves held, if any, by the non-banking financial company.
- (4) Such provisions for each year shall be debited to the profit and loss account. The excess of provisions, if any, held under the heads general provisions and loss reserves may be written back without making adjustment against them.

Constitution of Audit Committee by non-banking financial companies

- 11.** A non-banking financial company having assets of Rs. 50 crore and above as per its last audited balance sheet shall constitute an Audit Committee, consisting of not less than three members of its Board of Directors.

Explanation I: The Audit Committee constituted by a non-banking financial company as required under Section 292A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall be the Audit Committee for the purposes of this paragraph.

Explanation II: The Audit Committee constituted under this paragraph shall have the same powers, functions and duties as laid down in Section 292A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Accounting year

- 12.** Every non-banking financial company shall prepare its balance sheet and profit and loss account as on March 31 every year. Whenever a non-banking financial company intends to extend the date of its balance sheet as per provisions of the Companies Act, it should take prior approval of the Reserve Bank of India before approaching the Registrar of Companies for this purpose.

Further, even in cases where the Bank and the Registrar of Companies grant extension of time, the non-banking financial company shall furnish to the Bank a proforma balance sheet (unaudited) as on March 31 of the year and the statutory returns due on the said date.

Schedule to the balance sheet

13. Every non-banking financial company shall append to its balance sheet prescribed under the Companies Act, 1956, the particulars in the schedule as set out in Annex 1.

Transactions in Government securities

14. Every non-banking financial company may undertake transactions in Government securities through its CSGL account or its demat account:
provided that no non-banking financial company shall undertake any transaction in government security in physical form through any broker.

Submission of a certificate from Statutory Auditor to the Bank

15. Every non-banking financial company shall submit a Certificate from its Statutory Auditor that it is engaged in the business of non-banking financial institution requiring it to hold a Certificate of Registration under Section 45-JA of the RBI Act. A certificate from the Statutory Auditor in this regard with reference to the position of the company as at end of the financial year ended March 31 may be submitted to the Regional Office of the Department of Non-Banking Supervision under whose jurisdiction the non-banking financial company is registered, latest by June 30, every year. Such certificate shall also indicate the asset / income pattern of the non-banking financial company for making it eligible for classification as Asset Finance Company, Investment Company or Loan Company.

Requirement as to capital adequacy

16. (1) Every non-banking financial company shall maintain a minimum capital ratio consisting of Tier I and Tier II capital which shall not be less than twelve per cent of its aggregate risk weighted assets on balance sheet and of risk adjusted value of off-balance sheet items.

(2) The total of Tier II capital, at any point of time, shall not exceed one hundred per cent of Tier I capital.

Explanations :**On balance sheet assets**

(1) In these Directions, degrees of credit risk expressed as percentage weightages have been assigned to balance sheet assets. Hence, the value of each asset/item requires to be multiplied by the relevant risk weights to arrive at risk adjusted value of assets. The aggregate shall be taken into account for reckoning the minimum capital ratio. The risk weighted asset shall be calculated as the weighted aggregate of funded items as detailed hereunder:

Weighted risk assets - On-Balance Sheet items**Percentage weight**

(i) Cash and bank balances including fixed deposits and certificates of deposits with banks	0
(ii) <u>Investments</u>	
(a) Approved securities [Except at (c) below]	0
(b) Bonds of public sector banks	20
(c) Fixed deposits/certificates of deposits/bonds of public financial institutions	100
(d) Shares of all companies and debentures/bonds/commercial papers of all companies and units of all mutual funds	100
(iii) <u>Current assets</u>	
(a) Stock on hire (net book value)	100
(b) Intercorporate loans/deposits	100
(c) Loans and advances fully secured against deposits held by the company itself	0
(d) Loans to staff	0

(e) Other secured loans and advances considered good	100
(f) Bills purchased/discounted	100
(g) Others (To be specified)	100
(iv) Fixed Assets (net of depreciation)	
(a) Assets leased out (net book value)	100
(b) Premises	100
(c) Furniture & Fixtures	100
(v) Other assets	
(a) Income tax deducted at source (net of provision)	0
(b) Advance tax paid (net of provision)	0
(c) Interest due on Government securities	0
(d) Others (to be specified)	100

Notes:

- (1) Netting may be done only in respect of assets where provisions for depreciation or for bad and doubtful debts have been made.
- (2) Assets which have been deducted from owned fund to arrive at net owned fund shall have a weightage of 'zero'.
- (3) While calculating the aggregate of funded exposure of a borrower for the purpose of assignment of risk weight, non-banking financial companies may net off the amount of cash margin / caution money/security deposits (against which right to set-off is available) held as collateral against the advances out of the total outstanding exposure of the borrower.

Off-balance sheet Items

- (2) In these Directions, degrees of credit risk exposure attached to off-balance sheet items have been expressed as percentage of credit conversion factor. Hence, the face value of each item requires to be first multiplied by the relevant conversion factor to arrive at risk adjusted value of off-balance sheet item. The aggregate shall be taken into account for reckoning the minimum capital ratio. This shall have to be again multiplied by the risk weight of 100.

The risk adjusted value of the off-balance sheet items shall be calculated as per the credit conversion factors of non-funded items as detailed hereunder : -

Nature of Item	Credit conversion factor – Percentage
i) Financial & other guarantees	100
ii) Share/debenture underwriting obligations	50
iii) Partly-paid shares/debentures	100
iv) Bills discounted/rediscounted	100
v) Lease contracts entered into but yet to be executed	100
vi) Other contingent liabilities (To be specified)	50

Note: Cash margins/deposits shall be deducted before applying the conversion factor.

Loans against non-banking financial company's own shares prohibited

17. (1) No non-banking financial company shall lend against its own shares.

(2) Any outstanding loan granted by a non-banking financial company against its own shares on the date of commencement of these Directions shall be recovered by the non-banking financial company as per the repayment schedule.

Non-banking financial company failing to repay public deposit prohibited from making loans and investments

18. A non-banking financial company which has failed to repay any public deposit or part thereof in accordance with the terms and conditions of such deposit, as provided in Section 45QA(1) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) shall not grant any loan or other credit facility by whatever name called or make any investment or create any other asset as long as the default exists.

Restrictions on investments in land and building and Unquoted shares

19. (i) No Asset Finance Company, which is accepting public deposit, shall, invest in -
- (a) land or building, except for its own use, an amount exceeding ten percent of its owned fund;
 - (b) unquoted shares of another company, which is not a subsidiary company or a company in the same group of the non-banking financial company, an amount exceeding ten percent of its owned fund.
- (ii) No loan company or investment company, which is accepting public deposit, shall, invest in -
- (a) land or building, except for its own use, an amount exceeding ten percent of its owned fund ;
 - (b) unquoted shares of another company, which is not a subsidiary company or a company in the same group of the non-banking financial company, an amount exceeding twenty percent of its owned fund;

Provided that the land or building or unquoted shares acquired in satisfaction of its debts shall be disposed off by the non-banking financial company within a period of three years or within such period as extended by the Bank, from the date of such acquisition if the investment in these assets together with such assets already held by the non-banking financial company exceeds the above ceiling;

Explanation

While calculating the ceiling on investment in unquoted shares, investments in such shares of all companies shall be aggregated.

Provided further that the ceiling on the investment in unquoted shares shall not be applicable to an Asset Finance Company or a loan company or an investment company in respect of investment in the equity capital of an insurance company upto the extent specifically permitted, in writing, by the Reserve Bank of India.

Concentration of credit/investment

20. (1) No non-banking financial company shall,

- (i) lend to
 - (a) any single borrower exceeding fifteen per cent of its owned fund; and
 - (b) any single group of borrowers exceeding twenty five per cent of its owned fund;
- (ii) invest in
 - (a) the shares of another company exceeding fifteen per cent of its owned fund; and
 - (b) the shares of a single group of companies exceeding twenty five per cent of its owned fund;
- (iii) lend and invest (loans/investments taken together) exceeding
 - (a) twenty five per cent of its owned fund to a single party; and
 - (b) forty per cent of its owned fund to a single group of parties.

Provided that the ceiling on credit/investment concentration shall not be applicable to a residuary non-banking company in respect of investments in approved securities, bonds, debentures and other securities issued by a Government company or a public financial institution or a scheduled commercial bank under the provisions of paragraphs 6(1)(a) and 6(1)(b) of the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987.

Provided further that the ceiling on the investment in shares of another company shall not be applicable to a non-banking financial company in respect of investment in the equity capital of an insurance company upto the extent specifically permitted, in writing, by the Reserve Bank of India.

Provided further that any non-banking financial company, classified as Asset Finance Company by the Reserve Bank of India, may in exceptional circumstances, exceed the above ceilings on credit/investment concentration to a single party or a single group of parties by 5 per cent of its owned fund, with the approval of its Board.

Notes:

- (1) For determining the limits, off-balance sheet exposures shall be converted into credit risk by applying the conversion factors as explained in paragraph 16.
- (2) The investments in debentures for the purposes specified in this paragraph shall be treated as credit and not investment.
- (3) These ceilings shall be applicable to the credit/investment by such a non-banking financial company to companies/firms in its own group as well as to

the borrowers/ investee company's group.

Submission of half yearly return

21. Non-banking financial companies including residuary non-banking companies referred to in paragraphs 1(3)(i)(a) and (b) shall submit a half-yearly return within three months of the expiry of the relative half-year as on September and March every year, in the format NBS 2 provided in Annex 2 to the Regional Office of the Department of Non-Banking Supervision of the Reserve Bank of India under whose jurisdiction the registered office of the company is located as per Second Schedule to the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998 and Schedule B to Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987.

Exposure to Capital Market

22. Every non-banking financial company (including residuary non-banking company) with total assets of Rs. 100 crore and above according to the previous audited balance sheet, shall submit a monthly return within a period of 7 days of the expiry of the month to which it pertains in the format NBS 6 provided in Annex 3 to the Regional Office of the Department of Non-Banking Supervision of the Reserve Bank of India as indicated in the Second Schedule to the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998 and Schedule B to the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987.

Norms relating to Infrastructure loan

23. (1) **Applicability**

- (i) These norms shall be applicable to restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation of the terms of agreement relating to infrastructure loan, as defined in paragraph 2(1)(viii) of these Directions which is fully or partly secured standard and sub-standard asset and to the loan, which is subjected to restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation of terms.
- (ii) Where the asset is partly secured, a provision to the extent of shortfall in the security available, shall be made while restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation of the loans, apart from the provision required on present value basis and as per prudential norms.

(2) **Restructuring, reschedulement or renegotiation of terms of infrastructure loan**

The non-banking financial companies may, not more than once, restructure or reschedule or renegotiate the terms of Infrastructure loan agreement as per the policy framework laid down by the Board of

Directors of the company under the following stages.

- (a) before commencement of commercial production;
- (b) after commencement of commercial production but before the asset has been classified as sub-standard;
- (c) after commencement of commercial production and the asset has been classified as sub-standard:

Provided that in each of the above three stages, the restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation of principal and / or of interest may take place, with or without sacrifice, as part of the restructuring or rescheduling or renegotiating package evolved

(3) Treatment of restructured standard loan

The rescheduling or restructuring or renegotiation of the instalments of principal alone, at any of the aforesaid first two stages shall not cause a standard asset to be re-classified in the sub-standard category, if the project is re-examined and found to be viable by the Board of Directors of the company or by a functionary at least one step senior to the functionary who sanctioned the initial loan for the project, within the policy framework laid down by the Board:

Provided that rescheduling or renegotiation or restructuring of interest element at any of the foregoing first two stages shall not cause an asset to be downgraded to sub-standard category subject to the condition that the amount of interest foregone, if any, on account of adjustment in the element of interest as specified later, is either written off or 100 per cent provision is made thereagainst.

(4) Treatment of restructured sub-standard asset

A sub-standard asset shall continue to remain in the same category in case of restructuring or rescheduling or renegotiation of the instalments of principal until the expiry of one year and the amount of interest foregone, if any, on account of adjustment, including adjustment by way of write off of the past interest dues, in the element of interest as specified later, shall be written off or 100 per cent provision made thereagainst.

(5) Adjustment of interest

Where rescheduling or renegotiation or restructuring involves a reduction in the rate of interest, the interest adjustment shall be computed by taking the difference between the rate of interest as

currently applicable to infrastructure loan (as adjusted for the risk rating applicable to the borrower) and the reduced rate and aggregating the present value (discounted at the rate currently applicable to infrastructure loan, adjusted for risk enhancement) of the future interest payable so stipulated in the restructuring or rescheduling or renegotiation proposal.

(6) **Funded interest:**

In the case of funding of interest in respect of NPAs, where the interest funded is recognized as income, the interest funded shall be fully provided for.

(7) **Income Recognition norms**

The income recognition in respect of infrastructure loan shall be governed by the provisions of paragraph 3 of these Directions;

(8) **Treatment of Provisions held**

The provisions held by the non-banking financial companies against non-performing infrastructure loan, which may be classified as 'standard' in terms of sub-paragraph (3) hereinabove, shall continue to be held until full recovery of the loan is made.

(9) **Eligibility for upgradation of restructured sub-standard infrastructure loan**

The sub-standard asset subjected to rescheduling and/or renegotiation and/or restructuring, whether in respect of instalments of principal amount, or interest amount, by whatever modality, shall not be upgraded to the standard category until expiry of one year of satisfactory performance under the restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation terms.

(10) **Conversion of debt into equity**

Where the amount due as interest, is converted into equity or any other instrument, and income is recognized in consequence, full provision shall be made for the amount of income so recognized to offset the effect of such income recognition:

Provided that no provision is required to be made, if the conversion of interest is into equity which is quoted;

Provided further that in such cases, interest income may be recognized at market value of equity, as on the date of conversion, not exceeding the amount of interest converted to equity.

(11) Conversion of debt into debentures

Where principal amount and/or interest amount in respect of NPAs is converted into debentures, such debentures shall be treated as NPA, ab initio, in the same asset classification as was applicable to the loan just before conversion and provision shall be made as per norms.

(12) Increase in exposure limits for Infrastructure related loan and investment

The non-banking financial companies may exceed the concentration of credit/investment norms, as provided in paragraph 20 of these Directions, by 5 per cent for any single party and by 10 per cent for a single group of parties, if the additional exposure is on account of infrastructure loan and/ or investment.

(13) Risk weight for investment in AAA rated securitized paper

The investment in "AAA" rated securitized paper pertaining to the infrastructure facility shall attract risk weight of 50 per cent for capital adequacy purposes subject to the fulfilment of the following conditions:

- (i) The infrastructure facility generates income / cash flows, which ensures servicing / repayment of the securitized paper.
- (ii) The rating by one of the approved credit rating agencies is current and valid.

Explanation:

The rating relied upon shall be deemed to be current and valid, if the rating is not more than one month old on the date of opening of the issue, and the rating rationale from the rating agency is not more than one year old on the date of opening of the issue, and the rating letter and the rating rationale form part of the offer document.

- (iii) In the case of secondary market acquisition, the 'AAA' rating of the issue is in force and confirmed from the monthly bulletin published by the respective rating agency
- (iv) The securitized paper is a performing asset.

Exemptions

24. The Reserve Bank of India may, if it considers it necessary for avoiding any hardship or for any other just and sufficient reason, grant extension of time to comply with or exempt any non-banking financial company or class of non-banking financial companies, from all or any of the provisions of these Directions either generally or for

any specified period, subject to such conditions as the Reserve Bank of India may impose.

Interpretations

25. For the purpose of giving effect to the provisions of these Directions, the Reserve Bank of India may, if it considers necessary, issue necessary clarifications in respect of any matter covered herein and the interpretation of any provision of these Directions given by the Reserve Bank of India shall be final and binding on all the parties concerned.

Repeal and saving

26. (1) The Non-Banking Financial Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 1998 shall stand repealed by these Directions.

(2) Notwithstanding such repeal, any circular, instruction, order issued under the Directions in sub-section (1) shall continue to apply to non-banking financial companies in the same manner as they applied to such companies before such repeal.

V. LEELADHAR
Dy. Governor

Annex 1

**Schedule to the
Balance Sheet of a non-banking financial company**
 (as required in terms of paragraph 13 of
**Non-Banking Financial (Deposit Accepting or Holding) Companies Prudential
Norms (Reserve Bank) Directions, 2007**)
 (Rs. in lakhs)

Particulars			
Liabilities side :			
(1)	Loans and advances availed by the non-banking financial company inclusive of interest accrued thereon but not paid:	Amount out-standing	Amount overdue
	(a) Debentures : Secured : Unsecured (other than falling within the meaning of public deposits*)		
	(b) Deferred Credits (c) Term Loans (d) Inter-corporate loans and borrowing (e) Commercial Paper (f) Public Deposits* (g) Other Loans (specify nature)		
	* Please see Note 1 below		
(2)	Break-up of (1)(f) above (Outstanding public deposits inclusive of interest accrued thereon but not paid):		
	(a) In the form of Unsecured debentures (b) In the form of partly secured debentures i.e. debentures where there is a shortfall in the value of security (c) Other public deposits		
	* Please see Note 1 below		

	<u>Assets side :</u>	
		<u>Amount outstanding</u>
(3)	Break-up of Loans and Advances including bills receivables [other than those included in (4) below] : (a) Secured (b) Unsecured	
(4)	Break up of Leased Assets and stock on hire and other assets counting towards AFC activities	
	(i) Lease assets including lease rentals under sundry debtors : (a) Financial lease (b) Operating lease (ii) Stock on hire including hire charges under sundry debtors: (a) Assets on hire (b) Repossessed Assets (iii) Other loans counting towards AFC activities (a) Loans where assets have been repossessed (b) Loans other than (a) above	
(5)	Break-up of Investments : <u>Current Investments :</u> 1. <u>Quoted :</u> (i) Shares : (a) Equity (b) Preference (ii) Debentures and Bonds (iii) Units of mutual funds (iv) Government Securities (v) Others (please specify)	

	<p>2. <u>Unquoted :</u></p> <p>(i) Shares : (a) Equity (b) Preference</p> <p>(ii) Debentures and Bonds</p> <p>(iii) Units of mutual funds (iv) Government Securities (v) Others (please specify)</p>																							
	<p>Long Term investments :</p> <p>1. <u>Quoted :</u></p> <p>(i) Shares : (a) Equity (b) Preference</p> <p>(ii) Debentures and Bonds (iii) Units of mutual funds (iv) Government Securities (v) Others (please specify)</p> <p>2. <u>Unquoted :</u></p> <p>(i) Shares : (a) Equity (b) Preference</p> <p>(ii) Debentures and Bonds (iii) Units of mutual funds (iv) Government Securities (v) Others (please specify)</p>																							
	<p>(6). Borrower group-wise classification of assets financed as in (3) and (4) above :</p> <p>Please see Note 2 below</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">Category</th> <th colspan="3">Amount net of provisions</th> </tr> <tr> <th>Secured</th> <th>Unsecured</th> <th>Total</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1. Related Parties **</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>(a) Subsidiaries</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>(b) Companies in the same group</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>(c) Other related parties</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table>	Category	Amount net of provisions			Secured	Unsecured	Total	1. Related Parties **				(a) Subsidiaries				(b) Companies in the same group				(c) Other related parties			
Category	Amount net of provisions																							
	Secured	Unsecured	Total																					
1. Related Parties **																								
(a) Subsidiaries																								
(b) Companies in the same group																								
(c) Other related parties																								

	2. Other than related parties		
	Total		
(7)	Investor group-wise classification of all Investments (current and long term) in shares and securities (both quoted and unquoted):		
	Please see note 3 below		
	Category	Market Value / Break up or fair value or NAV	Book Value (Net of Provisions)
	1. Related Parties **		
	(a) Subsidiaries		
	(b) Companies in the same group		
	(c) Other related parties		
	2. Other than related parties		
	Total		

** As per Accounting Standard of ICAI (please see Note 3)

(8) Other Information

	Particulars	Amount
(i)	Gross Non-Performing Assets	
	(a) Related parties	
	(b) Other than related parties	
(ii)	Net Non-Performing Assets	
	(a) Related parties	
	(b) Other than related parties	
(iii)	Assets acquired in satisfaction of debt	

Notes:

- As defined in paragraph 2(1)(xii) of the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998.

2. Provisioning norms shall be applicable as prescribed in the Non-Banking Financial (Deposit Accepting or Holding) Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 2007.
3. All Accounting Standards and Guidance Notes issued by ICAI are applicable including for valuation of investments and other assets as also assets acquired in satisfaction of debt. However, market value in respect of quoted investments and break up/fair value/NAV in respect of unquoted investments should be disclosed irrespective of whether they are classified as long term or current in (5) above.

xxx

Annex 2**Form NBS 2**

Half yearly Statement of capital funds, risk assets/exposures and risk asset ratio etc., as at the end of March/September 200....

**Name and address of the Non-Banking
Financial Company**

Company code number (as given by RBI) _____

Registration number (as given by RBI) _____

Classification of the company (as given by RBI) _____

<u>PART - A</u>	(Rupees in lakh)	
Item Name	Item Code	Amount
Capital Funds – Tier I		
(i) Paid-up Equity Capital	111	
(ii) Preference shares to be compulsorily convertible into equity	112	
(iii) Free reserves		
(a) General Reserves	113	
(b) Share Premium	114	
(c) Capital Reserves (representing surplus on sale of assets held in separate account)	115	
(d) Debenture Redemption Reserve	116	
(e) Capital Redemption Reserve	117	
(f) Credit Balance in P & L Account	118	
(g) Other free reserves (to be specified)	119	
Total (111 to 119)	110	
(iv) Accumulated balance of loss	121	
(v) Deferred Revenue Expenditure	122	
(vi) Other Intangible Assets	123	
Total (121 to 123)	120	
(vii) Owned Fund (110 - 120)	130	
(viii) Investment in shares of :		
(a) Subsidiaries	141	
(b) Companies in the same Group	142	
(c) Other non-banking financial companies	143	

(ix) The book value of debentures, bonds, outstanding loans and advances, bills purchased and discounted (including hire-purchase and lease finance) made to, and deposits with	
(a) Subsidiaries	144
(b) Companies in the same Group	145
(x) Total (141 to 145)	140
(xi) Amount of Item 140 in excess of 10% of item 130 above	150
(xii) Tier I Capital	
Net owned fund (130 - 150)	151

(Rupees in lakh)

<u>PART - B</u>	Item Code	Amount
Item Name		
<u>Capital Funds – Tier II</u>		
(Para 2(1)(xx)(b) of Directions)		
(i) Preference Share Capital other than those compulsorily convertible into equity	161	
(ii) Revaluation reserves	162	
(iii) General provisions and loss reserves	163	
(iv) Hybrid debt capital instruments	164	
(v) Subordinated debt	165	
(vi) Aggregate Tier II Capital (Items 161 to 165)	160	
Total Capital Funds (151 + 160)	170	

(Rupees in lakh)

<u>PART - C</u>	Item Code	Amount
Item Name		
<u>Risk Assets and Off-Balance Sheet items</u>		
(i) Adjusted value of funded risk assets i.e. on-balance sheet items (To tally with Part D)	181	
(ii) Adjusted value of non-funded and off-balance sheet items (To tally with Part E)	182	
(iii) Total risk weighted assets/ exposures (181 + 182)	180	
(iv) Percentage of capital funds to risk weighted assets/exposures:		
(a) Tier I capital (Percentage of item 151 to item 180)	191	
(b) Tier II capital (Percentage of item 160 to item 180)	192	
(c) Total (Percentage of item 170 to item 180)	193	

PART - D

(Rupees in lakh)

Weighted assets i.e., On - balance Sheet items

Item name	Item code	Book value	Risk weight	Adjusted value
I. Cash and bank balances including fixed deposits & certificates of deposits	210		0	0
II. Investments [see paragraph 6 of the Directions]				
(a) Approved securities as defined in Reserve Bank of India Act, 1934	221		0	0
(b) Bonds of public sector banks				
(i) Amounts deducted in part 'A' item (x) (Item code 150)	222A		0	
(ii) Amounts not deducted in part 'A' item (x) (Item code 150)	223A		20	
(c) FDs/CDs/bonds of public financial institutions				
(i) Amounts deducted in part 'A' item (x) (Item code 150)	224A		0	0
(ii) Amounts not deducted in part 'A' item (x) (Item code 150)	225A		100	
Sub-total(222A+223A+224A+225A)	ST225A			
(d) Shares of all companies and debentures/ bonds/ commercial papers of companies and units of all mutual funds				
(i) Amounts deducted in Part 'A' Item (xi) (Item code 150)	226		0	0
(ii) Amounts not deducted in Part A	227		100	
Sub-total(226+227)	ST227			
III. Current Assets				
(a) Stock on hire (Please see Note 2 below)				
(i) Amounts deducted in Part A [Item (xi) Item code 150]	231		0	0
(ii) Amounts not deducted in part A	232		100	
Sub-total(231+232)	ST232			
(b) Inter-corporate loans/ deposits				
(i) Amounts deducted in Part 'A' [Item (xi) Item code 150]	233		0	0
(ii) Amounts not deducted in Part A	234		100	
Sub-total (233+234)	ST234			
(c) Loans and advances fully secured by company's own deposits	235		0	0
(d) Loans to staff	236		0	0
(e) Other secured loans and advances considered good				
(i) Amounts deducted in Part A [Item (xi) Item code 150)]	241		0	0

(ii) Amounts not deducted in Part A	242	100	
Sub-total(235+236+241+242)	ST242		
(f) Bills purchased/discounted			
(i) Amounts deducted in Part A [Item (xi) item code 150]]	243	0	0
(ii) Amounts not deducted in Part A	244	100	
Sub-total (243+244)	ST244		
(g) Others (to be specified)	245	100	
IV. Fixed Asset (net of depreciation)			
(a) Assets leased out			
(i) Amounts deducted in Part A [Item (xi) item code 150]]	251	0	0
(ii) Amounts not deducted in Part A	252	100	
Sub-total (251+252)	ST252		
Total credit exposure (ST232+ST234+ST242+ ST244+245+ST252)	CT200		
(b) Premises	253	100	
(c) Furniture & Fixtures	254	100	
V. Other assets			
(a) Income-tax deducted at source (net of provisions)	255	0	0
(b) Advance tax paid (net of provision)	256	0	0
(c) Interest due on Government securities	257	0	0
(d) Others (to be specified)	258	100	
Total weighted assets (Items 210 to 258 please exclude item codes prefixed by "ST")	200		

NOTES:

1. Netting may be done in respect of assets where provisions for depreciation or for bad and doubtful debts have been made.
2. Stock on hire should be shown net of finance charges i.e. interest and other charges recoverable.
3. Assets which have been deducted (item code 150) from owned fund to arrive at net owned fund will have a weightage of '0'.
4. Netting may be done in respect of total outstanding exposure of a borrower by cash margin/caution money/security deposits against which right to set-off is available.

PART - E**Weighted non-funded exposures/off-balance sheet items**

Item Name	Item Code	Book value	Conversion factor	Equivalent value	Risk weight	Adjusted value
1. Financial & Other guarantees	310	—	100	—	100	—
2. Share/debenture underwriting obligations	320	—	50	—	100	—
3. Partly paid shares/ debentures	330	—	100	—	100	—
4. Bills rediscounted	340	—	100	—	100	—
5. Lease contracts entered into but yet to be executed	350	—	100	—	100	—
6. Other contingent liabilities (To be specified)	360	—	50	—	100	—
Total non-funded exposures (Items 310 to 360)	300	—	—	—	—	—

Note: Cash margin/deposits shall be deducted before applying the conversion factor.

PART - F
Asset Classification

I. Aggregate of credit exposures categorised into:

<i>Item name</i>	<i>Item code</i>	<i>Amount</i>
(i) Standard assets	411	
(ii) Sub-standard assets :		
(a) Lease and hire purchase assets	412	
(b) Other credit facilities	413	
(iii) Doubtful assets	414	
(iv) Loss assets	415	
Total (411 to 415)	410	

Note: (item 410 should tally with CT200)

II. Aggregate provisioning in respect of I above as per the Directions prescribed

<i>Item Name</i>	<i>Item code</i>	<i>Provision required</i>	<i>Actual provision made</i>
(A) <u>Loans, advances and other credit facilities</u>			
(i) <u>Sub-standard assets</u> :			
(a) entire amount taken to the credit of profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(2) of the Directions]	421		
(b) 10% of the balance of outstanding dues	422		
(ii) <u>Doubtful assets</u> :			
(a) entire amount taken to the credit of profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(2) of the Directions]	423		

Item Name	Item code	Provision required	Actual provision made
(b) 100% to the extent not covered by realisable value of security plus 20% to 50% of the secured portion for the period the asset has remained doubtful	424		
(iii) <u>Loss assets :</u>			
(a) entire amount taken to the credit of profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(2) of the Directions]	425		
(b) 100 % of the outstanding balance	426		
Total: (Item No.421 to 426)	ST426		

(B) Hire purchase and Leased assets

- (i) Sub-standard assets : [paragraph 9(2) of the Directions]

Hire Purchase assets

- (a) entire amount taken to the credit of profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(3) of the Directions]
- (b) deficit between total dues and depreciated value [paragraph 9(2)(i) of the Directions]
- (c) 10% of net book value [paragraph 9(2)(ii) of the Directions]

Leased Assets

- (d) net lease rentals credited to profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(4) of the Directions]
- (e) 10% of the net book value [paragraph 9(2)(ii) of the Directions]

Item name	Item code	Provision required	Actual provision made
(ii) <u>Doubtful assets</u>			
<u>Hire Purchase assets</u>			
(a) entire amount taken to the credit of profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(3) of the Directions]	432		
(b) deficit between total dues and depreciated value [paragraph 9(2)(i) of the Directions]	433		
(c) 40% of net book value [paragraph 9(2)(ii) of the Directions]	434		
<u>Leased Assets</u>			
(d) net lease rentals credited to profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(4) of the Directions]	435		
(e) 40% of the net book value [paragraph 9(2)(ii) of the Directions]	436		
<u>Hire Purchase assets</u>			
(f) entire amount taken to the credit of profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(3) of the Directions]	437		
(g) deficit between total dues and depreciated value [paragraph 9(2)(i) of the Directions]	438		
(h) 70% of net book value [paragraph 9(2)(ii) of the Directions]	439		
<u>Leased Assets</u>			
(i) net lease rentals credited to profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(4) of the Directions]	440		
(j) 70% of the net book value [paragraph 9(2)(ii) of the Directions]	441		

Item name	Item code	Provision required	Actual provision made
-----------	-----------	--------------------	-----------------------

(iii) Loss assets**Hire Purchase assets**

- (a) entire amount taken to the credit of profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(3) of the Directions] 442
- (b) deficit between total dues and depreciated value [paragraph 9(2)(i) of the Directions] 443
- (c) 100% of net book value [paragraph 9(2)(ii) of the Directions] 444

Leased Assets

- (a) net lease rentals credited to profit and loss account before the asset became NPA and remaining unrealised [paragraph 3(4) of the Directions] 445
- (b) 100% of the net book value [paragraph 9(2)(ii) of the Directions] 446

Sub-Total: (item No.427 to 446)	ST 446		
Total provisions (ST426+ST446)	420		

III. Other provisions in respect of :

- (i) Depreciation in fixed assets 451
- (ii) Depreciation in investments 452
- (iii) Loss/intangible assets 453
- (iv) Provision for taxation 454
- (v) Gratuity/provident fund 455
- (vi) Others (to be specified) 456

Total	450		
--------------	------------	--	--

PART- G

**Particulars regarding investments in and advances to
companies/firms in the same group and other non-banking financial companies**

Item name	Item code	Amount
i) Book value of bonds and debentures and outstanding loans and advances to and deposits with subsidiaries and companies in the same group (Details to be enclosed in Appendix No.).	510	
ii) Investments in shares of subsidiaries and companies in the same group and all non-banking financial companies (Details to be enclosed in Appendix No.).	520	
iii) Investments by way of shares, debentures, loans and advances, leasing, hire purchase finance, deposits etc. in other companies, firms and proprietary concerns where directors of the company hold substantial interest (Details to be enclosed in Appendix No.).	530	

PART - H**Particulars regarding concentration of advances including off balance sheet exposure and investments to parties Including those in Part G above**

Item name	Item Code	Amount
i) Loans and advances including off-balance sheet exposures to any single party in excess of 15 per cent of owned fund of the non-banking financial company (Details to be enclosed in Appendix No.)	610	
ii) Loans and advances including off-balance sheet exposures to a single group of parties in excess of 25 per cent of owned fund of the non-banking financial company (Details to be enclosed in Appendix No.)	620	
iii) Investments in a single company in excess of 15 per cent of the owned fund of the non-banking financial company (Details to be enclosed in Appendix No.)	630	
iv) Investments in the shares issued by a single group of companies in excess of 25 per cent of the owned fund of the non-banking financial company	640	
v) Loans, advances to (including debentures/bonds and off-balance sheet exposures) and investment in the shares of single party in excess of 25 per cent of the owned fund of the non-banking financial company	650	
vi) Loans, advances to (including debentures/bonds and off-balance sheet exposures) and investment in the shares of single group of parties in excess of 40 per cent of the owned fund of the non-banking financial company	660	

Notes :

- (1) All these exposure limits shall be applicable to the non-banking financial company's own group as well as to the borrower/investee company's group.
- (2) Investment in debentures for this purpose shall be treated as credit and not investment.

Part - I**Particulars regarding Investments in premises and unquoted shares**

Item name	Item Code	Amount
(i) Investments in Premises, (Land and buildings) except for own use, (out of item code 253 in the return) held by the company in excess of 10 percent of the owned fund		
(a) Acquired by the company independently	710	
(b) Acquired in satisfaction of its debts.	720	
(ii) Investments in unquoted shares except those held in the subsidiaries and companies in the same group (vide item code 141 and 142) in excess of		
(a) 10 percent of the owned fund in case of Asset Finance Companies	730	
(b) 20 percent of the owned fund in case of loan and investment companies	740	

PART – J**Particulars on suit filed and decreed debts by
the non-banking financial company and against it**

Item Name	Item Code	Amount
I.		
(i) Loans, advances, other credit facilities, leased assets and hire purchase assets for which the non-banking financial company has filed suits in any Court of Law for recovery of its dues including the decreed debts :	810	
Pending for over 5 years	811	
Pending for 3 to 5 years	812	
Pending for 1 to 3 years	813	
Pending for less than one year	814	
(ii) Out of (i) above, the loans, advances, other credit facilities and hire purchase assets for which decree has been obtained by the non-banking financial company	820	
(iii) Recoveries made in suit filed / decreed debts (including amounts deposited in the Court)	830	
II. Suit filed and decreed against the company	840	

CERTIFICATE

Certified that

- (1) the data/information furnished in this statement are in accordance with the Directions issued by the Reserve Bank of India relating to income recognition, accounting standards, asset classification, provisioning for bad and doubtful debts, capital adequacy and concentration of credit and investments. The statement has been compiled from the books of account and other records of the company and to the best of my knowledge and belief they are correct;
- (2) Reserve Bank's classification of the company as a on the basis of its principal business as evidenced from its asset and income pattern continues/does not continue to hold good (delete whatever is not applicable);
- (3) the company has accepted public deposit and the quantum of such deposit is within the limits applicable to the company;
- (4) the company has not paid interest/brokerage on deposit beyond the ceiling prescribed under the Directions;
- (5) the company has not defaulted in repayment of matured deposit;
- (6) the credit rating for fixed deposits assigned by the Credit Rating Agency viz.----- (Name of the Agency) at -----(rating level) is valid;
- (7) the capital adequacy as disclosed in part C of the return after taking into account the particulars contained in part D, E and F has been correctly worked out;
- (8) the aggregate of amount outstanding in respect of loans, equipment leasing, hire purchase finance and investment held together with other assets of the company during the half year ended March / September _____ is taken into account to ensure that the minimum stipulated capital adequacy ratio as applicable to the company has been maintained throughout the relevant period on an on-going basis;
- (9) classification of assets as disclosed in part F of the return has been verified and found to be correct. No rollover/rephasement of loans, lease and hire purchase transactions and bills discounted beyond due dates has been observed. The sub-standard or doubtful or loss asset, if up-graded, has been done so, in conformity with the Non-Banking Financial (Deposit Accepting or Holding) Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 2007;
- (10) investments in group companies as disclosed in part G of the return, exposures to individuals/firms/other companies exceeding the credit/investment concentration norms as disclosed in part H of the half-yearly return, investments in premises and unquoted shares as

disclosed in part I of the return and particulars on suit filed and decreed debts by the company and against it as disclosed in part J of the return and classification of such assets is correct.

Place :

Date :

For and on behalf of
(Name of the company)

Managing Director/Chief Executive Officer

Auditor's Report

We have examined the books of account and other records maintained by Limited in respect of the capital funds, risk assets/exposures and risk asset ratio etc. as on 20.., and statements/certificate hereinabove made by the Managing Director/Chief Executive Officer of the company or his authorised representative. On the basis of random checking, we certify the statement in paragraph (8) above. We further report that to the best of our knowledge and according to the information and explanations given to us and as shown by the record examined by us, the figures shown in Parts A, B, C, D, E, F, G, H, I and J of the statement hereinabove are correct.

Place:

Date:

Statutory auditors

Annex 3**Form NBS 6****Monthly return on exposure to capital market****as at end of month _____, 20...****Name of the NBFC/RNBC :****Company Code No. :**
(To be filled by RBI)**Address of Registered Office:****RBI Registration No.:****Classification of the Company : AFC/Loan/Investment/RNBC****Notes and Instructions for filling of the Return****1. Applicability**

This return is to be filled by all deposit taking NBFCs having total assets of Rs 100 crore and above as on March 31 of the previous year (e.g. for the return for the month of April 2007 or October 2007 the base date total assets would be March 2007, similarly for the return for the month of March 2008 base date total assets would be March 2007). In the absence of audited figures, provisional figures may be taken for the purpose.

2. The return should be submitted to the Regional Office of the Department of Non-Banking Supervision, Reserve Bank of India under whose jurisdiction its Registered Office is situated.

3. Definition of capital market exposure (CME)

The CME, for the purpose of this return, would be the aggregate of exposures of the company in the form of:

(i) investment in quoted equity shares, quoted compulsorily convertible preference shares (CCPS), quoted convertible bonds and debentures and quoted units of primarily equity oriented mutual funds;

(ii) loans and advances against securities at (i) above, including those for financing of IPOs, etc.

- (iii) secured and unsecured loans and advances to and guarantees issued on behalf of stock brokers; and
- (iv) underwriting commitments in respect of equity related primary issues including through book building route; and
- (v) any other equity related exposure to capital market.

4. The CME does not cover acceptance of shares, debentures, units of mutual funds, etc. assigned to the NBFCs and RNBCs as collateral or additional security, if they are accepted as per normal business practice and appraisal procedure, as also the investments by RNBCs in compliance with the provisions of paragraph 6 of the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987.

5. 'Subsidiaries' and 'Companies in the same group' mentioned in this Return have the same meanings assigned to them in Section 4 and Section 372 (11) respectively, of the Companies Act, 1956.

6. Turnover means total of sales and purchases in the same category of investments.

7. In case there is nothing to report in any part / item of the Return, 00s may be indicated in the column(s) meant for "Amount".

8. The Return should be signed by any of the Principal Officers as given in the Annual return on deposits (NBS-1/NBS-1A).

9. The term Gross Purchases indicates exposures which result in increase in capital market exposure and Gross Sales means exposure which result in decline in capital market exposure of the NBFC/RNBC.

Part 1—Quoted Investments

(Amount in lakhs of Rs.)

Particulars of investments	Turnover during the last month	Book value as at the end of the month	Market value as at the end of the month
		GP*	GS**
1. Investment in Quoted Equity shares of Companies including Public Sector Undertakings			
1.1 Companies in the same group			
1.2 Other companies			
2. Investment in quoted convertible bonds / debentures of Companies including Public Sector Undertakings			
2.1 Companies in the same group			
2.2 Other companies			
3. Investment in units of primarily equity oriented Mutual Funds			
4. Investments in quoted Compulsorily Convertible Preference Shares			
4.1 Companies in the same group			
4.2 Other companies			
5. Total of investments in quoted shares, bonds/ convertible debentures, units of primarily equity oriented Mutual Funds (1+2+3+4)			
6. Loans and advances against quoted shares or quoted convertible bonds/debentures or units of primarily equity oriented Mutual Funds to companies against			
(a) physical securities			
(b) demat securities			
6.1 Of 6 above, maximum amount given to a company			

6.2 Of 6 above, loans and advances to companies for financing of IPOs				
6.2.1 physical securities				
6.2.2 demat securities				
6.3 Of 6 above, loans and advances to				
6.3.1 Companies in the same group				
6.3.2 Other companies				
7. Loans and advances against quoted shares or quoted convertible bonds/debentures or units of primarily equity oriented Mutual Funds to individuals, firms, HUFs and unincorporated associations of persons against				
(a) physical securities				
(b) demat securities				
7.1 Of 7 above, maximum amount of loan and advances given to one individual or a firm or an HUF or an unincorporated association of persons				
7.2 Of (7) above, loans and advances to individuals, firms, HUFs and unincorporated associations of persons for financing of IPOs against				
7.2.1 physical securities				
7.2.2 demat securities				
8. Exposure to stock brokers				
8.1 Loans to stock brokers:				
8.1.1 Secured				
8.1.2 Unsecured				
8.1.3 Sub Total 8.1.1 + 8.1.2				
8.2 Guarantees on behalf of stock brokers				
8.3 Maximum amount of loan and advances given to a stock broker				
8.4 Total of exposure to stock brokers (8.1.3+8.2)				
8.5 Of 8.4 above, the exposure to broking entities/firms in the own group of NBFC				

9. Underwriting commitments of the company in respect of equity related primary issues including through book building route			
10. Any other equity related exposure to capital market (Please specify)			
11. TOTAL CAPITAL MARKET EXPOSURE – (5 +6 + 7 + 8 + 9 + 10)			

Part - 2 Unquoted investments

12. Investment in unquoted Equity shares of Companies including Public Sector Undertakings			
12.1 Companies in the same group			
12.2 Other companies			
13. Investment in unquoted bonds / debentures of Companies including Public Sector Undertakings			
13.1 Companies in the same group			
13.2 Other companies			
14. Total of investments in unquoted equity shares/bonds/debentures (12+13)			

* GP – Gross Purchases

** GS – Gross Sales

Part - 3 Position as per last Audited Balance Sheet

15. Owned Funds of the company as per last audited balance sheet	
16. Total assets of the company (net of intangibles) as per last audited balance sheet	
17. Total deposits (for RNBCs)/public deposits (for NBFCs) of the company as at the end of the month to which the return relates	

Signature of Manager/ Managing Director / Authorised Official

Place : -----

Name : -----

Date:-----

Designation : -----

No. DNBS. 193 DG(VI.)-2007

The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest, and being satisfied that, for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to issue the Directions relating to the prudential norms as set out below, in exercise of the powers conferred by Section 45JA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, and in supersession of the Non-Banking Financial Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 1998 contained in Notification No. DFC. 119/DG(SPT)/98 dated January 31, 1998, gives to every non-banking financial company not accepting / holding public deposits the Directions hereinafter specified.

Short title, commencement and applicability of the Directions:

1. (1) These Directions shall be known as the "Non-Banking Financial (Non- Deposit Accepting or Holding) Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 2007".

(2) These Directions shall come into force with immediate effect.

(3) (i) The provisions of these Directions save as provided for in clauses (ii) (iii) and (iv) hereinafter, shall apply to -

every non-banking financial company not accepting / holding public deposits.

(ii) The provisions of paragraphs 16 and 18 of these Directions shall not apply to -

- (a) a loan company;
- (b) an investment company;
- (c) an asset finance company

which is not a systemically important non-deposit taking non-banking financial company.

(iii) These Directions shall not apply to a non-banking financial company being

an investment company;

Provided that, it is

- (a) holding investments in the securities of its group/ holding/ subsidiary companies and book value of such holding is not less than ninety per cent of its total assets and it is not trading in such securities;
- (b) not accepting/holding public deposit; and
- (c) is not a systemically important non-deposit taking non-banking financial company.

However, the provisions of paragraphs 16 and 18 shall be applicable to such investment companies which are systemically important non-deposit taking non-banking financial company.

- (iv) These Directions except the provisions of paragraph 19 shall not apply to non-banking financial company being a Government company as defined under Section 617 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and not accepting / holding public deposit.

Definitions

2. (1) For the purpose of these Directions, unless the context otherwise requires:
- (i) "break up value" means the equity capital and reserves as reduced by intangible assets and revaluation reserves, divided by the number of equity shares of the investee company;
 - (ii) "carrying cost" means book value of the assets and interest accrued thereon but not received;
 - (iii) "current investment" means an investment which is by its nature readily realisable and is intended to be held for not more than one year from the date on which such investment is made;
 - (iv) "doubtful asset" means
 - (a) a term loan, or
 - (b) a lease asset, or
 - (c) a hire purchase asset, or
 - (d) any other asset,which remains a sub-standard asset for a period exceeding 18 months;

- (v) "earning value" means the value of an equity share computed by taking the average of profits after tax as reduced by the preference dividend and adjusted for extra-ordinary and non-recurring items, for the immediately preceding three years and further divided by the number of equity shares of the investee company and capitalised at the following rate:
- (a) in case of predominantly manufacturing company, eight per cent;
 - (b) in case of predominantly trading company, ten per cent; and
 - (c) in case of any other company, including non-banking financial company, twelve per cent;

NOTE : If, an investee company is a loss making company, the earning value will be taken at zero;

- (vi) "fair value" means the mean of the earning value and the break up value;
- (vii) "hybrid debt" means capital instrument which possesses certain characteristics of equity as well as of debt;
- (viii) 'infrastructure loan' means a credit facility extended by non-banking financial companies to a borrower, by way of term loan, project loan subscription to bonds/debentures/ preference shares / equity shares in a project company acquired as a part of the project finance package such that such subscription amount to be "in the nature of advance" or any other form of long term funded facility provided to a borrower company engaged in:
- Developing or
 - Operating and maintaining, or
 - Developing, operating and maintaining

any infrastructure facility that is a project in any of the following sectors:

- a) a road, including toll road, a bridge or a rail system;
- b) a highway project including other activities being an integral part of the highway project;
- c) a port, airport, inland waterway or inland port;
- d) a water supply project, irrigation project, water treatment system, sanitation and sewerage system or solid waste management system;
- e) telecommunication services whether basic or cellular, including radio paging, domestic satellite service (i.e., a satellite owned and operated by an Indian company for providing telecommunication service), network of trunking, broadband network and internet services;
- f) an industrial park or special economic zone;
- g) generation or generation and distribution of power;
- h) transmission or distribution of power by laying a network of new transmission or distribution lines;
- i) construction relating to projects involving agro-processing and supply of inputs to agriculture;

- j) construction for preservation and storage of processed agro-products, perishable goods such as fruits, vegetables and flowers including testing facilities for quality,
- k) construction of educational institutions and hospitals; and
- l) any other infrastructure facility of similar nature.

(ix) "loss asset" means:

- (a) an asset which has been identified as loss asset by the non-banking financial company or its internal or external auditor or by the Reserve Bank of India during the inspection of the non-banking financial company, to the extent it is not written off by the non-banking financial company; and
- (b) an asset which is adversely affected by a potential threat of non-recoverability due to either erosion in the value of security or non availability of security or due to any fraudulent act or omission on the part of the borrower;

(x) "long term investment" means an investment other than a current investment;

(xi) "net asset value" means the latest declared net asset value by the mutual fund concerned in respect of that particular scheme;

(xii) "net book value" means:

- (a) in the case of hire purchase asset, the aggregate of overdue and future instalments receivable as reduced by the balance of unmatured finance charges and further reduced by the provisions made as per paragraph 9(2)(i) of these Directions;
- (b) in the case of leased asset, aggregate of capital portion of overdue lease rentals accounted as receivable and depreciated book value of the lease asset as adjusted by the balance of lease adjustment account.

(xiii) 'non-performing asset' (referred to in these Directions as "NPA") means:

- (a) an asset, in respect of which, interest has remained overdue for a period of six months or more;
- (b) a term loan inclusive of unpaid interest, when the instalment is overdue for a period of six months or more or on which interest amount remained overdue for a period of six months or more;
- (c) a demand or call loan, which remained overdue for a period of six months or more from the date of demand or call or on which interest amount remained overdue for a period of six months or more;

- (d) a bill which remains overdue for a period of six months or more;
- (e) the interest in respect of a debt or the income on receivables under the head 'other current assets' in the nature of short term loans/advances, which facility remained overdue for a period of six months or more;
- (f) any dues on account of sale of assets or services rendered or reimbursement of expenses incurred, which remained overdue for a period of six months or more;
- (g) the lease rental and hire purchase instalment, which has become overdue for a period of twelve months or more;
- (h) in respect of loans, advances and other credit facilities (including bills purchased and discounted), the balance outstanding under the credit facilities (including accrued interest) made available to the same borrower/beneficiary when any of the above credit facilities becomes non-performing asset:

Provided that in the case of lease and hire purchase transactions, a non-banking financial company may classify each such account on the basis of its record of recovery;

- (xiv) "owned fund" means paid up equity capital, preference shares which are compulsorily convertible into equity, free reserves, balance in share premium account and capital reserves representing surplus arising out of sale proceeds of asset, excluding reserves created by revaluation of asset, as reduced by accumulated loss balance, book value of intangible assets and deferred revenue expenditure, if any;
- (xv) "standard asset" means the asset in respect of which, no default in repayment of principal or payment of interest is perceived and which does not disclose any problem nor carry more than normal risk attached to the business;
- (xvi) "sub-standard asset" means:

- (a) an asset which has been classified as non-performing asset for a period not exceeding 18 months;
- (b) an asset where the terms of the agreement regarding interest and / or principal have been renegotiated or rescheduled or restructured after commencement of operations, until the expiry of one year of satisfactory performance under the renegotiated or rescheduled or restructured terms;

Provided that the classification of infrastructure loan as a sub-standard asset shall be in accordance with the provisions of paragraph 20 of these Directions;

(xvii) "subordinated debt" means an instrument, which is fully paid up, is unsecured and is subordinated to the claims of other creditors and is free from restrictive clauses and is not redeemable at the instance of the holder or without the consent of the supervisory authority of the non-banking financial company. The book value of such instrument shall be subjected to discounting as provided hereunder:

<u>Remaining Maturity of the instruments</u>	<u>Rate of discount</u>
(a) Upto one year	100%
(b) More than one year but upto two years	80%
(c) More than two years but upto three years	60%
(d) More than three years but upto four years	40%
(e) More than four years but upto five years	20%

to the extent such discounted value does not exceed fifty per cent of Tier I capital;

- (xviii) "substantial interest" means holding of a beneficial interest by an individual or his spouse or minor child, whether singly or taken together in the shares of a company, the amount paid up on which exceeds ten per cent of the paid up capital of the company; or the capital subscribed by all the partners of a partnership firm;
- (xix) 'Systemically important non-deposit taking non-banking financial company', means a non-banking financial company not accepting / holding public deposits and having total assets of Rs 100 crore and above as shown in the last audited balance sheet."
- (xx) "Tier I Capital" means owned fund as reduced by investment in shares of other non-banking financial companies and in shares debentures, bonds, outstanding loans and advances including hire purchase and lease finance made to and deposits with subsidiaries and companies in the same group exceeding, in aggregate, ten per cent of the owned fund;
- (xxi) "Tier II capital" includes the following :-
 - (a) preference shares other than those which are compulsorily convertible into equity;
 - (b) revaluation reserves at discounted rate of fifty five percent;
 - (c) general provisions and loss reserves to the extent these are not

attributable to actual diminution in value or identifiable potential loss in any specific asset and are available to meet unexpected losses, to the extent of one and one fourth percent of risk weighted assets;

- (d) hybrid debt capital instruments; and
- (e) subordinated debt;

to the extent the aggregate does not exceed Tier I capital.

(2) Other words or expressions used but not defined herein and defined in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) or the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998 shall have the same meaning as assigned to them under that Act or that Directions. Any other words or expressions not defined in that Act or that Directions, shall have the same meaning assigned to them in the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Income recognition

- 3. (1) The income recognition shall be based on recognised accounting principles.
- (2) Income including interest/discount or any other charges on NPA shall be recognised only when it is actually realised. Any such income recognised before the asset became non-performing and remaining unrealised shall be reversed.
- (3) In respect of hire purchase assets, where instalments are overdue for more than 12 months, income shall be recognised only when hire charges are actually received. Any such income taken to the credit of profit and loss account before the asset became non-performing and remaining unrealised, shall be reversed.
- (4) In respect of lease assets, where lease rentals are overdue for more than 12 months, the income shall be recognised only when lease rentals are actually received. The net lease rentals taken to the credit of profit and loss account before the asset became non-performing and remaining unrealised shall be reversed.

Explanation

For the purpose of this paragraph, 'net lease rentals' mean gross lease rentals as adjusted by the lease adjustment account debited/credited to the profit and loss account and as reduced by depreciation at the rate applicable under Schedule XIV of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Income from investments

- 4. (1) Income from dividend on shares of corporate bodies and units of mutual funds shall be taken into account on cash basis:

Provided that the income from dividend on shares of corporate bodies may be taken into account on accrual basis when such dividend has been declared by the corporate body in its annual general meeting and the non-banking financial company's right to receive payment is established.

(2) Income from bonds and debentures of corporate bodies and from Government securities/bonds may be taken into account on accrual basis

Provided that the interest rate on these instruments is pre-determined and interest is serviced regularly and is not in arrears.

(3) Income on securities of corporate bodies or public sector undertakings, the payment of interest and repayment of principal of which have been guaranteed by Central Government or a State Government may be taken into account on accrual basis.

Accounting standards

5. Accounting Standards and Guidance Notes issued by the Institute of Chartered Accountants of India (referred to in these Directions as "ICAI") shall be followed insofar as they are not inconsistent with any of these Directions

Accounting of investments

6. (1)(a) The Board of Directors of every non-banking financial company shall frame investment policy for the company and implement the same;

- (b) The criteria to classify the investments into current and long term investments shall be spelt out by the Board of the company in the investment policy;
- (c) Investments in securities shall be classified into current and long term, at the time of making each investment;
- (d)
 - (i) There shall be no inter-class transfer on ad-hoc basis;
 - (ii) The inter-class transfer, if warranted, shall be effected only at the beginning of each half year, on April 1 or October 1, with the approval of the Board;
 - (iii) The investments shall be transferred scrip-wise, from current to long-term or vice-versa, at book value or market value, whichever is lower;
 - (iv) The depreciation, if any, in each scrip shall be fully provided for and appreciation, if any, shall be ignored;
 - (v) The depreciation in one scrip shall not be set off against appreciation in another scrip, at the time of such inter-class transfer, even in respect of the scrips of the same category.

(2) Quoted current investments shall for the purposes of valuation, be grouped into the following categories, viz.,

- (a) equity shares,
- (b) preference shares,
- (c) debentures and bonds,
- (d) Government securities including treasury bills,
- (e) units of mutual fund, and
- (f) others.

Quoted current investments for each category shall be valued at cost or market value whichever is lower. For this purpose, the investments in each category shall be considered scrip-wise and the cost and market value aggregated for all investments in each category. If the aggregate market value for the category is less than the aggregate cost for that category, the net depreciation shall be provided for or charged to the profit and loss account. If the aggregate market value for the category exceeds the aggregate cost for the category, the net appreciation shall be ignored. Depreciation in one category of investments shall not be set off against appreciation in another category.

- (3) Unquoted equity shares in the nature of current investments shall be valued at cost or break up value, whichever is lower. However, non-banking financial companies may substitute fair value for the break up value of the shares, if considered necessary. Where the balance sheet of the investee company is not available for two years, such shares shall be valued at one Rupee only.
- (4) Unquoted preference shares in the nature of current investments shall be valued at cost or face value, whichever is lower.
- (5) Investments in unquoted Government securities or Government guaranteed bonds shall be valued at carrying cost.
- (6) Unquoted investments in the units of mutual funds in the nature of current investments shall be valued at the net asset value declared by the mutual fund in respect of each particular scheme.
- (7) Commercial papers shall be valued at carrying cost.
- (8) A long term investment shall be valued in accordance with the Accounting Standard issued by ICAI.

Note: Unquoted debentures shall be treated as term loans or other type of credit facilities depending upon the tenure of such debentures for the purpose of income recognition and asset classification.

Need for Policy on Demand/Call Loans

7. (1) The Board of Directors of every non-banking financial company granting/intending to grant demand/call loans shall frame a policy for the company and implement the same.
- (2) Such policy shall, inter alia, stipulate the following:-
- (i) A cut off date within which the repayment of demand or call loan shall be demanded or called up;
 - (ii) The sanctioning authority shall, record specific reasons in writing at the time of sanctioning demand or call loan, if the cut off date for demanding or calling up such loan is stipulated beyond a period of one year from the date of sanction;
 - (iii) The rate of interest which shall be payable on such loans;
 - (iv) Interest on such loans, as stipulated shall be payable either at monthly or quarterly rests;
 - (v) The sanctioning authority shall, record specific reasons in writing at the time of sanctioning demand or call loan, if no interest is stipulated or a moratorium is granted for any period;
 - (vi) A cut off date, for review of performance of the loan, not exceeding six months commencing from the date of sanction;
 - (vii) Such demand or call loans shall not be renewed unless the periodical review has shown satisfactory compliance with the terms of sanction.

Asset Classification

8. (1) Every non-banking financial company shall, after taking into account the degree of well defined credit weaknesses and extent of dependence on collateral security for realisation, classify its lease/hire purchase assets, loans and advances and any other forms of credit into the following classes, namely,

- (i) Standard assets;
- (ii) Sub-standard assets;
- (iii) Doubtful assets; and
- (iv) Loss assets.

(2) The class of assets referred to above shall not be upgraded merely as a result of rescheduling, unless it satisfies the conditions required for the upgradation.

Provisioning requirements

9. Every non-banking financial company shall, after taking into account the time lag between an account becoming non-performing, its recognition as such, the

realisation of the security and the erosion over time in the value of security charged, make provision against sub-standard assets, doubtful assets and loss assets as provided hereunder :-

**Loans, advances and other credit facilities
including bills purchased and discounted**

(1) The provisioning requirement in respect of loans, advances and other credit facilities including bills purchased and discounted shall be as under :

(i) **Loss Assets** The entire asset shall be written off. If the assets are permitted to remain in the books for any reason, 100% of the outstanding should be provided for;

(ii) **Doubtful Assets**

- (a) 100% provision to the extent to which the advance is not covered by the realisable value of the security to which the non-banking financial company has a valid recourse shall be made. The realisable value is to be estimated on a realistic basis;
- (b) In addition to item (a) above, depending upon the period for which the asset has remained doubtful, provision to the extent of 20% to 50% of the secured portion (i.e. estimated realisable value of the outstanding) shall be made on the following basis :-

<u>Period for which the asset has been considered as doubtful</u>	<u>% of provision</u>
Up to one year	20
One to three years	30
More than three years	50
iii) Sub-standard assets	A general provision of 10% of total outstanding shall be made.

Lease and hire purchase assets

(2) The provisioning requirements in respect of hire purchase and leased assets shall be as under:

Hire purchase assets

- (i) In respect of hire purchase assets, the total dues (overdue and future instalments taken together) as reduced by
- the finance charges not credited to the profit and loss account and carried forward as unmatured finance charges; and
 - the depreciated value of the underlying asset
- shall be provided for.

Explanation : For the purpose of this paragraph,

- the depreciated value of the asset shall be notionally computed as the original cost of the asset to be reduced by depreciation at the rate of twenty per cent per annum on a straight line method; and
- in the case of second hand asset, the original cost shall be the actual cost incurred for acquisition of such second hand asset.

Additional provision for hire purchase and leased assets

- (ii) In respect of hire purchase and leased assets, additional provision shall be made as under :
- | | |
|---|--|
| (a) Where hire charges or lease rentals are overdue upto 12 months
(b) where hire charges or lease rentals are overdue for more than 12 months but upto 24 months
(c) where hire charges or lease rentals are overdue for more than 24 months but upto 36 months
(d) where hire charges or lease rentals are overdue for more than 36 months but upto 48 months
(e) where hire charges or lease rentals are overdue for more than 48 months | Nil
10 percent of the net book value
40 percent of the net book value
70 percent of the net book value
100 percent of the net book value |
| (iii) On expiry of a period of 12 months after the due date of the last instalment of hire purchase/leased asset, the entire net book value shall be fully provided for. | |

NOTES :

- (1) The amount of caution money/margin money or security deposits kept by the borrower with the non-banking financial company in pursuance of the hire purchase agreement may be deducted against the provisions stipulated under clause (i) above, if not already taken into account while arriving at the equated monthly instalments under the agreement. The value of any other security available in pursuance to the hire purchase agreement may be deducted only against the provisions stipulated under clause (ii) above.
- (2) The amount of security deposits kept by the borrower with the non-banking financial company in pursuance to the lease agreement together with the value of any other security available in pursuance to the lease agreement may be deducted only against the provisions stipulated under clause (ii) above.
- (3) It is clarified that income recognition on and provisioning against NPAs are two different aspects of prudential norms and provisions as per the norms are required to be made on NPAs on total outstanding balances including the depreciated book value of the leased asset under reference after adjusting the balance, if any, in the lease adjustment account. The fact that income on an NPA has not been recognised cannot be taken as reason for not making provision.
- (4) An asset which has been renegotiated or rescheduled as referred to in paragraph (2) (1) (xvi) (b) of these Directions shall be a sub-standard asset or continue to remain in the same category in which it was prior to its renegotiation or reschedulement as a doubtful asset or a loss asset as the case may be. Necessary provision is required to be made as applicable to such asset till it is upgraded.
- (5) The balance sheet to be prepared by the NBFC may be in accordance with the provisions contained in sub-paragraph (2) of paragraph 10.
- (6) All financial leases written on or after April 1, 2001 attract the provisioning requirements as applicable to hire purchase assets.

Disclosure In the balance sheet

10. (1) Every non-banking financial company shall separately disclose in its balance sheet the provisions made as per paragraph 9 above without netting them from the income or against the value of assets.

(2) The provisions shall be distinctly indicated under separate heads of account as

under :-

- (i) provisions for bad and doubtful debts; and
- (ii) provisions for depreciation in investments.

(3) Such provisions shall not be appropriated from the general provisions and loss reserves held, if any, by the non-banking financial company.

(4) Such provisions for each year shall be debited to the profit and loss account. The excess of provisions, if any, held under the heads general provisions and loss reserves may be written back without making adjustment against them.

Constitution of Audit Committee by non-banking financial companies

11. A non-banking financial company having assets of Rs. 50 crore and above as per its last audited balance sheet shall constitute an Audit Committee, consisting of not less than three members of its Board of Directors.

Explanation I: The Audit Committee constituted by a non-banking financial company as required under Section 292A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall be the Audit Committee for the purposes of this paragraph.

Explanation II: The Audit Committee constituted under this paragraph shall have the same powers, functions and duties as laid down in Section 292A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Accounting year

12. Every non-banking financial company shall prepare its balance sheet and profit and loss account as on March 31 every year. Whenever a non-banking financial company intends to extend the date of its balance sheet as per provisions of the Companies Act, it should take prior approval of the Reserve Bank of India before approaching the Registrar of Companies for this purpose.

Further, even in cases where the Bank and the Registrar of Companies grant extension of time, the non-banking financial company shall furnish to the Bank a proforma balance sheet (unaudited) as on March 31 of the year and the statutory returns due on the said date.

Schedule to the balance sheet

13. Every non-banking financial company shall append to its balance sheet prescribed under the Companies Act, 1956, the particulars in the schedule as set out in Annex.

Transactions in Government securities

14. Every non-banking financial company may undertake transactions in Government securities through its CSGL account or its demat account:

provided that no non-banking financial company shall undertake any transaction in government security in physical form through any broker.

Submission of a certificate from Statutory Auditor to the Bank

15. Every non-banking financial company shall submit a Certificate from its Statutory Auditor that it is engaged in the business of non-banking financial institution requiring it to hold a Certificate of Registration under Section 45-IA of the RBI Act. A certificate from the Statutory Auditor in this regard with reference to the position of the company as at end of the financial year ended March 31 may be submitted to the Regional Office of the Department of Non-Banking Supervision under whose jurisdiction the non-banking financial company is registered, latest by June 30, every year. Such certificate shall also indicate the asset / income pattern of the non-banking financial company for making it eligible for classification as Asset Finance Company, Investment Company or Loan Company.

Requirement as to capital adequacy

16. (1) Every systemically important non-deposit taking non-banking financial company shall maintain, with effect from April 1, 2007, a minimum capital ratio consisting of Tier I and Tier II capital which shall not be less than ten per cent of its aggregate risk weighted assets on balance sheet and of risk adjusted value of off-balance sheet items.

(2) The total of Tier II capital, at any point of time, shall not exceed one hundred per cent of Tier I capital.

Explanations:**On balance sheet assets**

(1) In these Directions, degrees of credit risk expressed as percentage weightages have been assigned to balance sheet assets. Hence, the value of each asset/item requires to be multiplied by the relevant risk weights to arrive at risk adjusted value of assets. The aggregate shall be taken into account for reckoning the minimum capital ratio. The risk weighted asset shall be calculated as the weighted aggregate of funded items as detailed hereunder:

Weighted risk assets - On-Balance Sheet Items**Percentage weight**

(i) Cash and bank balances including

fixed deposits and certificates of deposits with banks	0
(ii) Investments	
(a) Approved securities [Except at (c) below]	0
(b) Bonds of public sector banks	20
(c) Fixed deposits/certificates of deposits/bonds of public financial institutions	100
(d) Shares of all companies and debentures/bonds/commercial papers of all companies and units of all mutual funds	100
(iii) Current assets	
(a) Stock on hire (net book value)	100
(b) Intercorporate loans/deposits	100
(c) Loans and advances fully secured against deposits held by the company itself	0
(d) Loans to staff	0
(e) Other secured loans and advances considered good	100
(f) Bills purchased/discounted	100
(g) Others (To be specified)	100
(iv) Fixed Assets (net of depreciation)	
(a) Assets leased out (net book value)	100
(b) Premises	100
(c) Furniture & Fixtures	100
(v) Other assets	
(a) Income tax deducted at source (net of provision)	0

(b) Advance tax paid (net of provision)	0
(c) Interest due on Government securities	0
(d) Others (to be specified)	100

Notes:

- (1) Netting may be done only in respect of assets where provisions for depreciation or for bad and doubtful debts have been made.
- (2) Assets which have been deducted from owned fund to arrive at net owned fund shall have a weightage of 'zero'.
- (3) While calculating the aggregate of funded exposure of a borrower for the purpose of assignment of risk weight, such non-banking financial companies may net off the amount of cash margin/caution money/security deposits (against which right to set-off is available) held as collateral against the advances out of the total outstanding exposure of the borrower.

Off-balance sheet items

(2) In these Directions, degrees of credit risk exposure attached to off-balance sheet items have been expressed as percentage of credit conversion factor. Hence, the face value of each item requires to be first multiplied by the relevant conversion factor to arrive at risk adjusted value of off-balance sheet item. The aggregate shall be taken into account for reckoning the minimum capital ratio. This shall have to be again multiplied by the risk weight of 100. The risk adjusted value of the off-balance sheet items shall be calculated as per the credit conversion factors of non-funded items as detailed hereunder :-

Nature of item	Credit conversion factor – Percentage
i) Financial & other guarantees	100
ii) Share/debenture underwriting obligations	50
iii) Partly-paid shares/debentures	100
iv) Bills discounted/rediscounted	100
v) Lease contracts entered into but yet to be executed	100

vi) Other contingent liabilities (To be specified)	50
---	----

Note: Cash margins/deposits shall be deducted before applying the conversion factor.

Loans against non-banking financial company's own shares prohibited

17. (1) No non-banking financial company shall lend against its own shares.

(2) Any outstanding loan granted by a non-banking financial company against its own shares on the date of commencement of these Directions shall be recovered by the non-banking financial company as per the repayment schedule.

Concentration of credit/investment

18. (1) On and from April 1, 2007 no systemically important non-deposit taking non-banking financial company shall,

(i) lend to

- (a) any single borrower exceeding fifteen per cent of its owned fund; and
- (b) any single group of borrowers exceeding twenty five per cent of its owned fund;

(ii) invest in

- (a) the shares of another company exceeding fifteen per cent of its owned fund; and
- (b) the shares of a single group of companies exceeding twenty five per cent of its owned fund;

(iii) lend and invest (loans/investments taken together) exceeding

- (a) twenty five per cent of its owned fund to a single party; and
- (b) forty per cent of its owned fund to a single group of parties.

Provided that the ceiling on the investment in shares of another company shall not be applicable to a systemically important non-deposit taking non-banking financial company in respect of investment in the equity capital of an insurance company upto the extent specifically permitted, in writing, by the Reserve Bank of India.

Provided further that any systemically important non-deposit taking non-banking financial company, classified as Asset Finance Company by the Reserve Bank of India, may in exceptional circumstances, exceed the above ceilings on credit / investment concentration to a single party or a single group of parties by 5 per cent of its owned fund, with the approval of its Board.

Provided further that any systemically important non-deposit taking non-banking financial company not accessing public funds, either directly or indirectly, may make an application to the Bank for modifications in the prescribed ceilings.

Explanation: "Public funds" for the purpose of the proviso shall include funds raised either directly or indirectly through public deposits, Commercial Papers, debentures, inter-corporate deposits and bank finance.

(2) Every systemically important non-deposit taking non-banking financial company shall formulate a policy in respect of exposures to a single party / a single group of parties.

Notes :

- (1) For determining the limits, off-balance sheet exposures shall be converted into credit risk by applying the conversion factors as explained in paragraph 16.
- (2) The investments in debentures for the purposes specified in this paragraph shall be treated as credit and not investment.
- (3) These ceilings shall be applicable to the credit/investment by such a non-banking financial company to companies/firms in its own group as well as to the borrowers/ investee company's group.

**Information in regard to change of address,
directors, auditors, etc. to be submitted**

19. Every non-banking financial company not accepting/holding public deposit shall communicate, not later than one month from the occurrence of any change in:

- (a) the complete postal address, telephone number/s and fax number/s of the registered/corporate office;
- (b) the names and residential addresses of the directors of the company;
- (c) the names and the official designations of its principal officers;
- (d) the names and office address of the auditors of the company; and
- (e) the specimen signatures of the officers authorised to sign on behalf of the company

to the Regional Office of the Department of Non-Banking Supervision of the Reserve Bank of India as indicated in the Second Schedule to the Non-

Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998.

Norms relating to infrastructure loan

20. (1) Applicability

- (i) These norms shall be applicable to restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation of the terms of agreement relating to infrastructure loan, as defined in paragraph 2(1)(viii) of these Directions which is fully or partly secured standard and sub-standard asset and to the loan, which is subjected to restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation of terms.
- (ii) Where the asset is partly secured, a provision to the extent of shortfall in the security available, shall be made while restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation of the loans, apart from the provision required on present value basis and as per prudential norms.

(2) Restructuring, reschedulement or renegotiation of terms of infrastructure loan

The non-banking financial companies may, not more than once, restructure or reschedule or renegotiate the terms of infrastructure loan agreement as per the policy framework laid down by the Board of Directors of the company under the following stages

- (a) before commencement of commercial production;
- (b) after commencement of commercial production but before the asset has been classified as sub-standard;
- (c) after commencement of commercial production and the asset has been classified as sub-standard:

Provided that in each of the above three stages, the restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation of principal and / or of interest may take place, with or without sacrifice, as part of the restructuring or rescheduling or renegotiating package evolved.

(3) Treatment of restructured standard loan

The rescheduling or restructuring or renegotiation of the instalments of principal alone, at any of the aforesaid first two stages shall not cause a standard asset to be re-classified in the sub-standard category, if the project is re-examined and found to be viable by the Board of Directors of the company or by a functionary at least one step senior to the

functionary who sanctioned the initial loan for the project, within the policy framework laid down by the Board:

Provided that rescheduling or renegotiation or restructuring of interest element at any of the foregoing first two stages shall not cause an asset to be downgraded to sub-standard category subject to the condition that the amount of interest foregone, if any, on account of adjustment in the element of interest as specified later, is either written off or 100 per cent provision is made thereagainst.

(4) **Treatment of restructured sub-standard asset**

A sub-standard asset shall continue to remain in the same category in case of restructuring or rescheduling or renegotiation of the instalments of principal until the expiry of one year and the amount of interest foregone, if any, on account of adjustment, including adjustment by way of write off of the past interest dues, in the element of interest as specified later, shall be written off or 100 per cent provision made thereagainst.

(5) **Adjustment of interest**

Where rescheduling or renegotiation or restructuring involves a reduction in the rate of interest, the interest adjustment shall be computed by taking the difference between the rate of interest as currently applicable to infrastructure loan (as adjusted for the risk rating applicable to the borrower) and the reduced rate and aggregating the present value (discounted at the rate currently applicable to infrastructure loan, adjusted for risk enhancement) of the future interest payable so stipulated in the restructuring or rescheduling or renegotiation proposal.

(6) **Funded Interest**

In the case of funding of interest in respect of NPAs, where the interest funded is recognized as income, the interest funded shall be fully provided for.

(7) **Income Recognition norms**

The income recognition in respect of infrastructure loan shall be governed by the provisions of paragraph 3 of these Directions;

(8) **Treatment of Provisions held**

The provisions held by the non-banking financial companies against non-performing infrastructure loan, which may be classified as 'standard' in terms of sub-paragraph (3) hereinabove, shall continue to be held until full recovery of the loan is made.

(9) Eligibility for upgradation of restructured sub-standard infrastructure loan

The sub-standard asset subjected to rescheduling and/or renegotiation and/or restructuring, whether in respect of instalments of principal amount, or interest amount, by whatever modality, shall not be upgraded to the standard category until expiry of one year of satisfactory performance under the restructuring and/or rescheduling and/or renegotiation terms.

(10) Conversion of debt into equity

Where the amount due as interest, is converted into equity or any other instrument, and income is recognized in consequence, full provision shall be made for the amount of income so recognized to offset the effect of such income recognition:

Provided that no provision is required to be made, if the conversion of interest is into equity which is quoted;

Provided further that in such cases, interest income may be recognized at market value of equity, as on the date of conversion, not exceeding the amount of interest converted to equity.

(11) Conversion of debt into debentures

Where principal amount and/or interest amount in respect of NPAs is converted into debentures, such debentures shall be treated as NPA, ab initio, in the same asset classification as was applicable to the loan just before conversion and provision shall be made as per norms.

(12) Increase in exposure limits for Infrastructure related loan and investment

The systemically important non-deposit taking non-banking financial companies may exceed the concentration of credit/investment norms, as provided in paragraph 18 of these Directions, by 5 per cent for any single party and by 10 per cent for a single group of parties, if the additional exposure is on account of infrastructure loan and/ or investment.

(13) Risk weight for investment in AAA rated securitized paper

The investment in "AAA" rated securitized paper pertaining to the infrastructure facility shall attract risk weight of 50 per cent for capital adequacy purposes subject to the fulfilment of the following conditions:

- (i) The infrastructure facility generates income / cash flows, which ensures servicing / repayment of the securitized paper.

- (ii) The rating by one of the approved credit rating agencies is current and valid.

Explanation:

The rating relied upon shall be deemed to be current and valid, if the rating is not more than one month old on the date of opening of the issue, and the rating rationale from the rating agency is not more than one year old on the date of opening of the issue, and the rating letter and the rating rationale form part of the offer document.

- (iii) In the case of secondary market acquisition, the 'AAA' rating of the issue is in force and confirmed from the monthly bulletin published by the respective rating agency.
- (iv) The securitized paper is a performing asset.

Exemptions

21. The Reserve Bank of India may, if it considers it necessary for avoiding any hardship or for any other just and sufficient reason, grant extension of time to comply with or exempt any non-banking financial company or class of non-banking financial companies, from all or any of the provisions of these Directions either generally or for any specified period, subject to such conditions as the Reserve Bank of India may impose.

Interpretations

22. For the purpose of giving effect to the provisions of these Directions, the Reserve Bank of India may, if it considers necessary, issue necessary clarifications in respect of any matter covered herein and the interpretation of any provision of these Directions given by the Reserve Bank of India shall be final and binding on all the parties concerned.

Repeal and Saving

23. (1) The Non-Banking Financial Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 1998 shall stand repealed by these Directions.

(2) Notwithstanding such repeal, any circular, instruction, order issued under the Directions in sub-section (1) shall continue to apply to non-banking financial companies in the same manner as they applied to such companies before such repeal.


(V. Leeladhar)
Deputy Governor

Annex

**Schedule to the
Balance Sheet of a non-deposit taking non-banking financial company
(as required in terms of paragraph 13 of Non-Banking Financial (Non-Directive Accepting or Holding) Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 2007)**

(Rs. in lakhs)

Particulars		Amount out- standing	Amount overdue
<u>Liabilities side :</u>			
(1)	Loans and advances availed by the non-banking financial company inclusive of interest accrued thereon but not paid:		
	(a) Debentures : Secured ; Unsecured (other than falling within the meaning of public deposits*)		
	(b) Deferred Credits		
	(c) Term Loans		
	(d) Inter-corporate loans and borrowing		
	(e) Commercial Paper		
	(f) Other Loans (specify nature)		
	* Please see Note 1 below		

	<u>Assets side :</u>	
		Amount outstanding
(2)	Break-up of Loans and Advances including bills receivables [other than those included in (4) below] : (a) Secured (b) Unsecured	
(3)	Break up of Leased Assets and stock on hire and other assets counting towards AFC activities	
	(i) Lease assets including lease rentals under sundry debtors : (a) Financial lease (b) Operating lease (ii) Stock on hire including hire charges under sundry debtors: (a) Assets on hire (b) Repossessed Assets (iii) Other loans counting towards AFC activities (a) Loans where assets have been repossessed (b) Loans other than (a) above	
(4)	Break-up of Investments : <u>Current Investments :</u> 1. <u>Quoted :</u> (i) Shares : (a) Equity (b) Preference (ii) Debentures and Bonds (iii) Units of mutual funds (iv) Government Securities (v) Others (please specify)	

	<p>2. <u>Unquoted :</u></p> <p>(i) Shares : (a) Equity (b) Preference</p> <p>(ii) Debentures and Bonds</p> <p>(iii) Units of mutual funds</p> <p>(iv) Government Securities</p> <p>(v) Others (please specify)</p>																							
	<p><u>Long Term investments :</u></p> <p>1. <u>Quoted :</u></p> <p>(i) Shares : (a) Equity (b) Preference</p> <p>(ii) Debentures and Bonds</p> <p>(iii) Units of mutual funds</p> <p>(iv) Government Securities</p> <p>(v) Others (please specify)</p>																							
	<p>2. <u>Unquoted :</u></p> <p>(i) Shares : (a) Equity (b) Preference</p> <p>(ii) Debentures and Bonds</p> <p>(iii) Units of mutual funds</p> <p>(iv) Government Securities</p> <p>(v) Others (please specify)</p>																							
(5)	<p>Borrower group-wise classification of assets financed as in (2) and (3) above :</p> <p>Please see Note 2 below</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">Category</th> <th colspan="3">Amount net of provisions</th> </tr> <tr> <th>Secured</th> <th>Unsecured</th> <th>Total</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1. Related Parties **</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>(a) Subsidiaries</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>(b) Companies in the same group</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>(c) Other related parties</td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table>	Category	Amount net of provisions			Secured	Unsecured	Total	1. Related Parties **				(a) Subsidiaries				(b) Companies in the same group				(c) Other related parties			
Category	Amount net of provisions																							
	Secured	Unsecured	Total																					
1. Related Parties **																								
(a) Subsidiaries																								
(b) Companies in the same group																								
(c) Other related parties																								

	2. Other than related parties			
	Total			
(6)	Investor group-wise classification of all investments (current and long term) in shares and securities (both quoted and unquoted):			
	Please see note 3 below			
	Category	Market Value / Break up or fair value or NAV	Book Value (Net of Provisions)	
	1. Related Parties **			
	(a) Subsidiaries			
	(b) Companies in the same group			
	(c) Other related parties			
	2. Other than related parties			
	Total			

** As per Accounting Standard of ICAI (Please see Note 3)

(7) Other Information

	Particulars	Amount
(i)	Gross Non-Performing Assets	
	(a) Related parties	
	(b) Other than related parties	
(ii)	Net Non-Performing Assets	
	(a) Related parties	
	(b) Other than related parties	
(iii)	Assets acquired in satisfaction of debt	

Notes:

- As defined in paragraph 2(1)(xii) of the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998.

2. Provisioning norms shall be applicable as prescribed in Non-Banking Financial (Non-Deposit Accepting or Holding) Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 2007.
3. All Accounting Standards and Guidance Notes issued by ICAI are applicable including for valuation of investments and other assets as also assets acquired in satisfaction of debt. However, market value in respect of quoted investments and break up/fair value/NAV in respect of unquoted investments should be disclosed irrespective of whether they are classified as long term or current in (4) above.

xxx

Mumbai-400005, the 24th April 2007

No. DNBS. 195/CGM (PK)-2007.—

The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest and being satisfied that for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to amend the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998, in exercise of the powers conferred by Sections 45J, 45K and 45L of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, hereby directs that the said directions contained in Notification No. DFC. 118 / DG (SPT)-98 dated January 31, 1998 shall stand amended, with immediate effect, as follows, namely –

In Paragraph 4, sub-paragraph (7) shall be substituted by the following, namely

"(7) On and from April 24, 2007, no non-banking financial company shall invite or accept or renew public deposit at a rate of interest exceeding twelve and half per cent per annum. Interest may be paid or compounded at rests which shall not be shorter than monthly rests."

P. KRISHNAMURTHY
Chief General Manager-in-Charge

No. DNBS. 196/CGM (PK)-2007.—

The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest and being satisfied that for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to amend the Miscellaneous Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1977, in exercise of the powers conferred by Sections 45J, 45K and 45L of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, hereby directs that the said directions contained in Notification No. DNBC. 39 / DG (H)-77 dated June 20, 1977 shall stand amended with immediate effect, as follows, namely -

1. In paragraph 9A, for the words and figures, "March 4, 2003", the words and figures "April 24, 2007" shall be substituted.
2. In paragraph 9A, in clause (a), for the word "eleven", the words "twelve and a half" shall be substituted.

P. KRISHNAMURTHY
Chief General Manager-in-Charge

Mumbai-400005, the 20th April 2007

DBOD. No. Ret.BC.83/12.01.001/2006-07.—

Consequent upon the notification of Section 3 of the Reserve Bank of India (Amendment) Act, 2006, the amendment carried out to sub-section (1) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) has come into force with effect from April 01, 2007. Accordingly, the minimum Cash Reserve Ratio (CRR) requirement of 3 per cent of the total demand and time liabilities no longer exists in respect of Scheduled Commercial Banks with effect from April 01, 2007. It has been decided to modify the operation of Notification DBOD. No.Ret.BC.73/12.01.001/2006-07 dated April 04, 2007 accordingly. Further in exercise of the powers conferred under the amended sub-section (1) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934, the Reserve Bank of India hereby notifies that every Scheduled Commercial Bank should continue to maintain a Cash Reserve Ratio of 6.25 per cent from the fortnight beginning from April 14, 2007 and 6.50 per cent from the fortnight beginning from April 28, 2007, subject to the exemptions as envisaged in Notification No.DBOD.Ret.BC.85 /12.01.001/2006-2007 dated April 20, 2007.

ANAND SINHA
Executive Director

DBOD. No. Ret.BC.85/12.01.001/2006-07.—

Consequent upon the notification of Section 3 of the Reserve Bank of India (Amendment) Act, 2006 as coming into force with effect from April 01, 2007, the amendment carried out to sub-section (1) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) has been brought into force. Accordingly, the statutory minimum Cash Reserve Ratio (CRR) requirement of 3 per cent of the total demand and time liabilities in respect of Scheduled Commercial Banks no longer exists with effect from April 01, 2007. Therefore, it has been decided to modify the operation of the notification DBOD. No. BC. 63 /12.01.001/ 2006-2007 dated March 01, 2007 accordingly with effect from April 01, 2007. In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934, the Reserve Bank of India hereby exempts every Scheduled Commercial Bank from the maintenance of Cash Reserve Ratio (CRR) on the following liabilities with effect from April 01, 2007:

- (i) Liabilities to the banking system in India as computed under Clause (d) of the explanation to sub-section (1) of Section 42 of the RBI Act, 1934;
- (ii) Credit balances in ACU (US\$) accounts;
- (iii) Transactions in Collateralized Borrowing and Lending Obligation (CBLO) with Clearing Corporation of India Ltd. (CCI); and
- (iv) Demand and Time Liabilities in respect of their Offshore Banking Units (OBUs)

ANAND SINHA
Executive Director

DEPARTMENT OF GOVERNMENT & BANK ACCOUNTS
CENTRAL DEBT DIVISION
Mumbai, the 25th April 2007

In pursuance of Rule 18 of the Public Debt Rules, 1946 made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of 20th April 1946 [as amended under the Notification No. F (8)70-B/52 dated the 29th April, 1954 and the Notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990], the following list of securities lost etc. in respect of which *prima facie* ground exists for believing that the securities have been lost and the claim of applicant is just for the month ended March 2007 is hereby advertised. All persons other than the respective claimants named below, who have any claim upon these securities should communicate immediately with Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai-400 008.

The list has been divided into two parts List "A" being securities now advertised for the first time and List "B" being the list of securities previously advertised.

List "A"

No. of Security	Value in Rs./Grams	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. and date of order issued
1.	2.	3.	4.	5.	6.

AHMEDABAD CIRCLE
9% Relief Bonds 1999 (Cumulative)

AHC-001637	3,00,000/-	1. Harismita N. Divatia & 2. Jyoti R. Mazumdar (Either or Survivor)	N.A.	Jyoti R. Mazumdar	LVS/001 09.03.2007
------------	------------	---	------	-------------------	-----------------------

BYCULLA MUMBAI CIRCLE
9% Relief Bonds 1999 (Demat)

BCC-010160 to 10165	50,000/- each	Sarojini Vasudev Kamath (deceased) & Nayana P. Nayak	10.08.2000	Sarojini Vasudev Kamath (deceased) & Nayana P. Nayak	06.25.100 8-11-2006
------------------------	---------------	--	------------	--	------------------------

List "B"

No. of Security	Value in Rs./Grams	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. and date of order issued
1.	2.	3.	4.	5.	6.

NEW DELHI CIRCLE
10% Relief Bonds 1993

DH-000432	40,000/-	Kishan Singh	-	Smt. Jagdip Sawhney & Surinder Jit Singh	PDO/DT/LN- 1/2002 dt. 5.2.2007
-----------	----------	--------------	---	---	--------------------------------------

J. M. BAVA
Asstt. Manager

STATE BANK OF INDIA

Mumbai, the 28th April 2007

SBD. No. 1/2007-08.—

It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India, re-nominated Shri Avtar Singh Dhindsa, 1-26, Sarabha Nagar, Ludhiana, as a director on the Board of Directors of State Bank of Patiala from 1st May 2007 to 31st October 2008 (both days inclusive).



(O. P. BHATTI)
CHAIRMAN

NATIONAL HOUSING BANKNew Delhi the 1st May, 2007

No. NHB.HFC.REG-II/CMD/2007- In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 29A of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) the National Housing Bank, hereby specifies the minimum Net Owned Fund to be two crores of rupees for a housing finance institution which is a company which carries on the business of a housing finance institution on or before March 31, 2008.

S. SRIDHAR
Chairman & Managing Director

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 7th May 2007

No. 13-CA(EXAM)/ISA/J/2007: - In pursuance of Rule 7 of Schedule 'F' to Regulation 204 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 (as amended vide Notification No. 1-CA(7)/59/2001 dated 28th September 2001), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify that the Information Systems Audit (ISA) Course Assessment Test will be held on 23rd June 2007 from 8.00 am to 12.00 noon at the following centres provided that sufficient number of candidates offer themselves to appear from each centre as detailed below.

1	Ahmedabad	13	Kanpur
2	Bangalore	14	Kolkata
3	Bhubaneswar	15	Lucknow
4	Chandigarh	16	Mumbai
5	Chennai	17	Nagpur
6	Delhi/New Delhi	18	Nashik
7	Ernakulam	19	Pune
8	Goa	20	Raipur
9	Guwahati	21	Rajkot
10	Hyderabad	22	Surat
11	Indore	23	Varanasi
12	Jaipur		

The Council reserves the right to withdraw any centre at any stage without assigning any reason. The above test is open only to eligible Members of the Institute who are already registered with the Institute for the said course. The fees payable for the above Assessment Test is Rs. 1000/-.

Payment of fees for the Assessment Test should be made only by Demand Draft. The Demand Draft may be of any Scheduled Bank and should be drawn in favour of the Secretary, The Institute of Chartered Accountants of India, payable at New Delhi only. Application together with the prescribed fee be sent so as to reach the Joint Secretary (Exams) at New Delhi on or before 1st June 2007.

Applications for admission to the Assessment Test is required to be made in the prescribed form which may be obtained from the Joint Secretary (Exams), The Institute of Chartered Accountants of India, ICAI Bhawan, Indraprastha Marg, New Delhi – 110 002 on payment of Rs.25/- per application form. The forms are also available in the Regional and Branch Offices of the Institute and can be obtained on cash payment on or from 12th May 2007. Alternatively, the format of application form can be downloaded from the website of the Institute viz. www.icai.org and the cost of the application form of Rs. 25/- can be added to the Assessment Test fee of Rs. 1000/- and the Demand Draft for Rs. 1025/- has to be sent. The last date for receipt of duly filled in application forms is 1st June 2007. The application together with the prescribed fee should be sent by Speed Post/Registered Post to the Joint Secretary (Exams.), New Delhi. The applications received after 1st June 2007 will not be entertained under any circumstances.

G. SOMASEKHAR
Jt. Secy. (Exams.)

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 16th April 2007

No. A-12(11)-4/2002-Estt. I - In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clausa (xxi) of sub-section (2) and sub-section (2 A) of section 97 and sub-section (2) of section 17 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in supersession of the Employees' State Insurance Corporation (Insurance Inspector/Manager Grade-II/Superintendent) Recruitment Regulations, 1999, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Employees' State Insurance Corporation hereby makes, with the approval of the Central Government, the following regulations regulating the method of recruitment to the posts of Insurance Inspector/Manager Grade-II/Superintendent in the Employees' State Insurance Corporation, namely:-

- 1. Short title and commencement:**— (1) These regulations may be called the Employees' State Insurance Corporation (Insurance Inspector/Manager Grade-II/Superintendent) Recruitment Regulations, 2007.
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of posts, classification and scale of pay:**— The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these regulations.
- 3. The method of recruitment, age limit, qualification, etc.,:**— The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.
- 4. Disqualification:**— No person,
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having spouse living; or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said posts.
 Provided that the Director General of the Employees' State Insurance Corporation may, satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and to the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of these regulations.
- 5. Power to relax:**— Where the Director General of the Employees' State Insurance Corporation is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, he may, after taking prior approval of the Central Government, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these regulations, with respect to any class or category of persons.
- 6. Residuary matters:**— Subject to the provisions of these regulations, all other regulations, instructions, laid down in the Employees' State Insurance Corporation (Recruitment) Regulations, 1965, applicable to the corresponding category of posts in the Corporation, shall apply to the post specified in the Schedule annexed to these regulations.
- 7. Savings:**— Nothing in these regulations shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, ex-servicemen and the other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of 10 years of service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972.	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotions.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Insurance Inspector / Manager (Grade II) / Superintendent	1043 (2507)	Group 'C' Ministerial	Rs. 3500-175-9000/-	Non-selection	No	Between 21 to 27 years. (Relaxable for Employees' State Insurance Corporation employees, Government servants and persons belonging to the reserved categories in accordance with the instructions and orders issued from time to time Note: The exact date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Lakshadweep District of Jammu and Kashmir, Jharkhand, Jharkhand and Ranchi, Sub Division of Chhattisgarh District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep)	Essential: 1. A degree of a recognised University (Preference will be given to the graduates in Commercial Law Management). Desirable: Three years service in a Government Organisation or Corporation or Government Undertaking or Local Body or Scheduled Back, etc.	1. Age - No 2. Educational Qualification - No "Working knowledge of Computer including use of office suites and databases" is essential qualification for promotion through Linked Departmental Competitive Examination.

Period of probation, if any	Dashed line indicates whether to direct examination or promotion by departmental selection board and the percentage of those liable to be included in various methods	Indicated by dashed line indicates whether to direct examination or promotion by departmental selection board and the percentage of those liable to be included in various methods	Indicated by dashed line indicates whether to direct examination or promotion by departmental selection board and the percentage of those liable to be included in various methods	Indicated by dashed line indicates whether to direct examination or promotion by departmental selection board and the percentage of those liable to be included in various methods
10				
One year (for permanent)	(i) 20% by promotion on the basis of proficiency subject to a period of 2 years and (ii) 20% by promotion in respect of the posts allocated Departmental Competitive Examination	Promotion Used Circular Act items and 2 years regular service in the grade	Group 'C' Departmental Promotion Committee (For considering promotion) consisting of 1. Insurance Commissioner, Director, 2. Director, Finance Commissioner, 3. Director, Commercial Commissioner, 4. Director, Audit, Assistant Director, 5. Director, Corporate Affairs, 5. Director of Financial Services, 6. Director, Organization and Training, 7. Director, ESI Fund, 8. Director, Central Productivity and Efficiency Management	Not applicable
Ten years (for fixed recruits)	(i) 20% by promotion in respect of the posts allocated Departmental Competitive Examination ii. Syllabus for limited departmental competitive examination -	Note 1: Officers who have been promoted in 'C' category posts by direct selection may be promoted by promotion. Those officers selected will be considered as having been selected in the category 'A' directly. Syllabus: The syllabus for the examination will be determined by the Departmental Competitive Examination Board which will have of duly constituted such a body capable of doing so.	Group 'C' Departmental Promotion Committee (For considering confirmation) 1. Assistant Commissioner, 2. Director, 3. Director, Commercial Commissioner, 4. Director, Audit, Assistant Director, 5. Director, Corporate Affairs, 6. Director of Financial Services, 7. Director, Organization and Training, 8. Director, ESI Fund, 9. Director, Central Productivity and Efficiency Management	
	(i) Employees Service Rules Act, 1968 and its Rules and Rules of the concerned Department (ii) Legal Office Manual (iii) Accounts Manual (iv) Financial Manual (v) Resource Manual (vi) Management Rules Supplementary Rules Cladding and office discipline Personnel Rules, Circular Rules and General Financial Rules (vii) Book-keeping and Double Entry System (viii) Administration Law (ix) General Procedural Management and Policy to each except for	Note 2: The eligibility for confirmation will be limited to those officers who have been promoted in the category 'A' by direct selection for the purpose of the examination. The said examination will be held annually.		

No. A.G./11/2007/ESI/1

S.KRISHNAN
Director General
ESI Corporation

JAMIA MILLIA ISLAMIA
BALANCE SHEET AS ON MARCH 31, 2006

Liabilities	Schedule	Current Year	Previous Year
Capital Fund	1	1,406,831,553	1,406,831,553
Earmarked / Endowment Funds	2	79,218,182	79,218,182
Current Liabilities and Provisions	3	396,766,227	396,766,227
Total		2,089,807,855	1,882,815,962
Assets			
Fixed Assets (Net Block)	4	883,930,109	1,406,831,553
Investments from Earmarked / Endowment Funds	5	77,127,500	14,765,646
Investments - others	6	235,980	92,070
Current Assets, Loans & Advances	7	617,958,764	461,126,693
Miscellaneous Expenditure to the extent not written off (Debit Balance in the Capital Fund)		510,555,502	-
Total		2,089,807,855	1,882,815,962
Sd.	Sd.	Sd.	Sd.
(Aayatullah) Accountant	(Zafarullah Khan) Accounts Officer	(N.U. Siddiqui) Finance Officer	(S.M. Afzal) Registrar

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2006

A. INCOME

Particulars	Schedule	(Amount in Rs.)
		Amount
Grants in aid /subsidies	8	531,586,890
Academic receipts	9	59,836,671
Income from Publications	10	21,290
Income from Investment	11	21,359
Interest earned	12	13,935,425
Other Income	13	19,719,045
Prior Period Income	14	6,297,118
Total (A)		631,417,798

B. EXPENDITURE

Establishment Expenses	15	636,988,851
Academic Expenses	16	30,882,148
Administrative Expenses	17	78,785,623
Repairs and Maintenance	18	35,821,129
Miscellaneous Expenses	19	10,479,049
Depreciation	4	76,723,637
Prior Period Expenditure	20	1,231,469,341
Total (B)		2,101,149,778
Balance Being Surplus/(Deficit) carried to Capital Fund (A-B)		-1,469,731,980
Significant Accounting Policies	21	
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	22	

Jamia Millia Islamia
Schedules Forming part of Balance Sheet as on 31.03.2006

Schedule 1: Capital Fund

Particulars	Current Year	Previous Year
Opening Balance	1,406,831,553	1,188,931,827
Add: Grants to the extent utilised for capital expr.	156,906,183	
	1,563,737,736	
 Add: Gifted assets		
Assets created out of Earmarked Funds(UDF)	42,366	
Assets created out of sponsored projects-MCRC	586,726	
Assets created out of sponsored projects-MAIN	2,012,055	
Assets created out of Hostel & Kitchen	13,897,355	
Capitalisation of expr. Wrongly treated as Rev. expr.in past	289,299	
Assets created from SFC only	763,731	
	30,787,124	
 Add: Value of Bonus Shares from Muktaba Jamia Ltd.		
Total	48,378,656	
	143,910	
	1,612,260,302	
 Less: Reduction of Capital Fund due to Depreciation for all the years upto including 2004-05	650,838,458	
Less: Assets written off during the year	2,247,306	
 Balance	653,083,824	217,899,726
 Less: Deficit for the year as per Income & Expenditure account	959,176,478	
 Closing Balance *	1,469,731,980	
	(510,555,502)	1,406,831,553

*Note: The debit balance in the Capital Fund has been shown on the Assets side of the Balance Sheet against the head
 "Miscellaneous expenditure to the extent not written off"

Schedule 2: Earmarked / Endowment Funds

Particulars	Fund-Wise Break up					Endowment Funds	Total
	University Devt Fund	HBA Fund	MCA Fund	UGC JRF	SRC Publication Fund		
a) Opening Balance	21,442,267	33,110,438	2,652,156	1,413,809	2,801,857	17,797,655	79,218,182
b) Additions during the year	81,267,332	5,009,078		2,920,253	5,904,939	4,467,768	99,569,370
i) Income from investments made of the funds	1,061,370	15,582,503				119,224	16,763,097
ii) Accrued Interest on investments made of the funds							
iii) Other additions							
Total	103,770,969	53,702,019	2,652,156	4,334,062	9,172,605	22,384,647	196,016,458
c) Utilisation /Expenditure towards objectives of funds		37,905,520	2,652,156	3,348,819	219,749	2,101,469	46,227,713
i) Revenue expenditure	305,936						305,936
ii) Capital Expenditure	586,726						5,428,257
Total	892,662	37,905,520	2,652,156	3,348,819	5,061,280	2,101,469	51,961,906
Closing balance at the year end	102,878,307	15,796,499	-	985,243	4,111,325	20,283,178	144,054,552
Previous Year	21,442,267	33,110,438	2,652,156	1,413,809	2,801,857	17,797,655	79,218,182

- Note 1. The amount of Rs. 1,55,82,503 shown against Income from investments represents accrued interest income on House Building Advances to employees.
2. Additions during the year against SRC Publication Fund represents the grant received from UGC (Rs. 62,30,000) for the construction of State Resource Centre Building, less the opening debit balance of Rs. 295,061.

Schedule 2A:

ENDOWMENT FUNDS - 31.03.2006			Amount	Total
1 PROF M. MUJEEB RESEARCH PRIZE FUND	Deposit		6,686	
2 E.J. KELLALT SCHOLARSHIP FUND	Deposit		157,938	
3 DISABLED CHILDREN FUND (NURSERY SCHOOL)	Deposit		49,417	
4 STUDENTS UNION SCHOLARSHIP FUND	Deposit		765,786	

5	QAZI MOHAMMAD AHMAD MEMORIAL FUND	Deposit	28,971
6	MIRZA MEHMOOD BEG SCHOLARSHIP	Deposit	2,000
7	S.C. SHUKLA MEMORIAL SCHOLARSHIP FUND	Deposit	213,691
8	PROF. DALEEP ENDOWMENT FUND	Deposit	25,000
9	PROF. SAEED ANSARI MEMORIAL SCHOLARSHIP	Deposit	104,630
10	BARR. & MRS. N-DIN & AHMAD MEM. SCHOLARSHIP	Deposit	26,107
11	JAMIA TEACHERS SCHOLARSHIP FOR STUDENT	Deposit	60,500
12	KANWAR MOHINDER SINGH BEDILIT TRUST	Deposit	12,000
13	SCHOLARSHIP FUND FOR TOPPER (CLASS X-XII)	Deposit	75,504
14	PRIZE FUND FOR BEST ESSAYS	Deposit	93,599
15	ISLAMIC STUDIES SCHOLARSHIP FUND FOR TOPPER	Deposit	249,039
16	TEHAT & MERSIA KHWANI FUND	Deposit	10,500
17	SCHOLARSHIP FUND FOR TOPPER - ARABIC DEPTT.	Deposit	132,481
18	SCHOLARSHIP FUND FOR TOPPER OF FACULTIES	Deposit	219,714
19	NASIMA EDUCATIONAL AWARD FOR TOPPER	Deposit	125,000
20	MOHAMMAD AJAZ STUDENT TOP EXCEL AWARD	Deposit	125,000
21	BARR. NOORUDIN MEM. SCHOLARSHIP FUND	Deposit	1,100,000
22	BIKRAM N.NANDA MEMORIAL ENDOWMENT FUND (ATWS)	Deposit	114,614
23	CENTRAL SCHOLARSHIP FUND	Deposit	251,803
24	ANSARI HEALTH CENTRE - UPGRADATION OF	Deposit	476,000
25	MUSHER FATMA MEMORIAL SCHOLARSHIP FUND	Deposit	80,000
		Earmarked	4,505,980
1	ZAKIR HUSSAIN ENDOWMENT	Earmarked	1,500,000
2	DALIT STUDY CHAIR ENDOWMENT**	Earmarked	13,277,637
3	DALIT STUDY CHAIR***	Earmarked	348,993
1	FUND FOR AWARD/FELLOWSHIP TO YOUNG MEDIA PERSONS (MCRC)	MCRC	653,043
2	MEDIA STAR SCHOLARSHIP(MCRC)	MCRC	12,082
	TOTAL		20,297,735
	<i>Less:</i> Debit Balance		
1	JAMIA TEACHERS SCHOLARSHIP FUND*	Deposit	11,857
2	STIPEND/SCHOLARSHIP(MCRC)	MCRC	2,700
	NET AMOUNT		14,667
	*Recoveries in April 2006		
	**Represents the corpus with 50% of the interest, cumulated every year.		
	***Represents the balance 50% of the interest which is used for the expenditure on the Chair.		

Schedule 3 : CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS**A. CURRENT LIABILITIES**

	Current Year	Previous Year
(i) Deposits from staff	-	2,000
(ii) Deposits from Students	11,989,554	10,382,006
(iii) Deposits Others (EMD, Security Deposit)	25,982,577	20,296,587
(iv) Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS)		6,341,839
(v) Other Current Liabilities		
a) Salaries	31,179,533	31,118,674
b) Receipts against sponsored projects (Net of expenditure)	36,353,981	2,150,926
c) Receipts against sponsored Fellowships & Scholarships	1,569,765	
d) Unutilized Grants	349,679,108	160,459,772
d) Other Funds	102,876,845	153,009,708
e) Other Liabilities	5,266,940	13,004,715
Total (A)	564,898,303	396,766,227
B. PROVISIONS		
1 Superannuation Pension	1,245,335,000	
2 Gratuity	135,520,000	
3 Leave Encashment	-	1,380,855,000
4 Others		
Total (B)	1,380,855,000	-
Total (A+B)	1,945,753,303	396,766,227

**CURRENT LIABILITIES-OTHER LIABILITIES-RECEIPTS
AGAINST ONGOING SPONSORED PROJECTS**

HEAD OF ACCOUNT SPONSORED PROJECTS FINANCED BY	OPENING BALANCE AS ON 1.4.2006		TRANSACTIONS DURING THE YEAR 2006-2006		CLOSING BALANCE AS ON 31.3.2006	
	DR	CR	DR	CR	DR	CR
University Grants Commission	1,637,547	5,170,951	14,112,611	10,762,922	2,341,752	2,525,467
Ministry of Human Resource Development	675,296	1,155,269	6,508,059	6,375,958	872,346	1,320,216
Ministry of Science & Technology (DST)	212,653	6,225,031	5,932,766	5,721,553	206,524	11,011,469
Ministry of Welfare	64,005	2,780	637	40,712	23,283	2,123
I.C.S.S.R.	75,757	750,605	1,157,181	948,805	27,518	493,990
I.C.H.R.	108,120	5,891	91,514	135,000	69,054	9,302
I.C.C.R.	—	—	—	250,000	—	250,000
C.S.I.R.	—	130,879	610,326	958,542	—	479,095
Miscellaneous Sources	4,680,931	10,129,690	14,977,120	14,713,018	5,747,776	10,932,433
Total:	7,455,518	25,676,076	43,390,234	42,906,608	9,388,263	27,024,085

**CURRENT LIABILITIES-OTHER LIABILITIES-RECEIPTS
AGAINST ONGOING SPONSORED PROJECTS**

HEAD OF ACCOUNT	OPENING BALANCE AS ON		TRANSACTIONS DURING THE MONTH		CLOSING BALANCE AS ON	
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1 International Conf. On New Challenges For Civil Engg.	-	3,970	-	-	-	3,970
Symposium On Astronomy & Astrophysics	-	2,000	-	-	-	2,000
Trg. Prog. On Rainwater Harvesting	-	32,523	21,219	-	-	11,304
Conference On 'Recent Trends In Power Management' (Dept. Of Electrical Engg.)	-	14,134	-	-	-	14,134
Second International Caliber-2004, Dr. Z. H. Library	-	98,269	600	-	-	97,689
Rambaray. Cyanobacterial Extracts On Various Micro-Organisms	-	3,267	78,267	100,000	-	25,000
"Third Glagift Conference" International Conference	-	105,234	3,800	-	-	101,434
Thompson Press: Community Baseline	-	780	-	-	-	780
Research Project Collaboration With Yashraj Biotech Mumbai	-	97,500	22,762	-	-	74,738
National Workshop On "Softcomputing, Machine Learning And Bioinformatics Applications" Prof. S.I Ahsan	-	32,030	5,000	-	-	27,030
Study On Assess. Of Soc. & Eco. Impact Of Rural Roads In Up (Safia Mahdi -Atws)	-	375,000	-	-	-	375,000
Hadi Hasan Memorial Lecture	-	-	-	1,000	-	1,000
Workshop On Capacity Building For Community Teachers (Dept. Of Social Work)	-	-	11,000	11,000	-	-
Development Of New Anti-Amoebic Agents (Principal Investigator Dr. Amir Azam)	-	-	-	205,500	-	205,500
National Conference On 'Advances In Mechanical Engineering'	-	-	48,800	63,719	-	14,819
National Seminar On "Emerging Issues In Inter. Business" Deptt. Of Commerce	-	-	-	10,000	-	10,000
South Asia Workshop On Human Rights Education In Schools (Osaka)	-	-	40,000	40,000	-	-
A M Khwaja Mem Foundation Aligarh Assist. For Lecture At Centre For J. N. Studies	-	-	-	100,000	-	100,000
Seminar "India & East Asia Paradigms For New Global Co-Operation"	-	-	20,000	20,000	-	-
Progressive Writers' Move: Ideology & Soc. Base: Centre for Jawaharlal Nehru Studies	-	49,980	50,300	-	-	20
Need Assessment Survey And Impact Assessment -----Fardababad Gps : A.S Kohli	-	-	37,129	-	-	37,129
International Seminar On Amir Khusro Deptt. Of Persian	-	-	3,586	55,000	-	51,414
Workshop On Sustainable Development	-	-	-	10,000	-	10,000
Seminar at ATWS	-	25,000	20,000	20,000	-	25,000
Corpus Fund for Computer Application & DTP Centre	-	-	77,822	259,525	-	181,703
Disaster Management Unit Deptt. of Social Work	-	-	200,500	219,307	-	18,807
TOTAL	"	788,707	603,436	1,202,180	"	1,388,451

**CURRENT LIABILITIES-OTHER LIABILITIES-RECEIPTS
AGAINST ONGOING SPONSORED PROJECTS - MCRC**

HEAD OF ACCOUNT	OPENING BALANCE AS ON 1.4.2005		TRANSACTIONS DURING THE YEAR 2006-2008		CLOSING BALANCE AS ON 31.3.2008	
	DR.	CR.	DR.	CR.	DR.	CR.
Relan Tata Trust	—	—	—	700,000	—	700,000
Stipend/ Scholarship	—	—	2,700	—	2,700	—
Short term course in Film Studies	—	21,983	—	—	—	21,983
Workshop Media centre of Kashmir University	—	2,780	—	—	—	2,780
Sikkim Project	—	11,847	—	—	—	11,847
PG Diploma in Broadcast	—	17,173	300,693	354,350	—	70,830
Folk Media in Social Mobilisation	—	2,600	—	—	—	2,600
Rural Litigation (RLI)	—	20,000	—	—	—	20,000
Outside Agency	—	1,369,740	2,447,918	1,768,933	—	680,754
Pria	—	28,000	—	—	—	28,000
Workshop on ENRCC	—	7,500	—	—	—	7,500
Advance Diploma in Journalism	—	—	770,392	1,452,335	—	681,943
Country wide Classroom	—	30,969	451,124	450,000	—	29,845
Unesco Project	—	—	512,014	493,640	16,374	—
Development Comm.	—	5,583,678	1,185,549	1,267,050	—	5,645,179
C.E.C.	—	34,500	—	—	—	34,500
Workshop/ Seminar	—	2,674	—	—	—	2,674
TOTAL	—	7,104,444	5,870,391	6,486,308	21,974	7,841,435
GRAND TOTAL	7,455,518	33,469,227	49,664,061	50,694,995	9,409,337	36,353,961

SCHEDULE : 3(v) (c)

**CURRENT LIABILITIES-OTHER LIABILITIES-RECEIPTS
AGAINST ONGOING SPONSORED FELLOWSHIPS & SCHOLARSHIPS**

HEAD OF ACCOUNT FINANCED BY	OPENING BALANCE AS ON 1.4.2005		TRANSACTIONS DURING THE YEAR 2005-2006		CLOSING BALANCE AS ON 31.3.2006	
	DR	CR	DR	CR	DR	CR
SPONSORED FELLOWSHIPS & SCHOLARSHIPS						
University Grants Commission	—	98,001	173,692	115,600	—	39,909
Ministry of Human Resource Development	—	17,914	17,914	—	—	—
I.C.S.R.	—	155,556	402,681	400,680	—	153,556
I.C.H.R.	—	86,000	399,433	392,100	2,400	81,067
I.C.C.R.	—	17,400	25,980	9,730	—	1,150
C.S.I.R.	—	800,051	2,787,968	2,490,935	—	503,018
Miscellaneous Sources	—	834,640	1,918,683	1,875,109	—	791,066
Total:	—	2,009,562	5,726,354	5,264,154	2,450	1,569,765

Schedule 3(v)(d) Unutilised Grants from UGC, Government of India

	JMI MAIN	NCRC	TOTAL
A. Plan grants: Govt. of India			
Balance B/F	18,371,621		18,371,621
Add Receipts during the year			
Total	18,371,621		18,371,621
Less utilized for Capital Expenditure	13,603,769		13,603,769
Balance	4,767,852		4,767,852
Less utilized for Revenue Expenditure			
Balance C/F	4,767,852		4,767,852
 B. UGC Grants: Non-Plan			
Balance B/F			
Add Receipts during the year			
Total	527,833,000		547,792
Less utilized for Capital Expenditure	527,833,000	26,547,792	553,833,000
Balance	32,516,526	3,058,839	35,575,365
Less utilized for Revenue Expenditure			
Deficit	495,316,474	23,488,953	518,805,427
Internal Receipts	584,277,157	32,478,233	596,755,390
Balance C/F	68,960,683	8,989,280	77,949,963
75,491,684	4,779,818		80,271,482
6,530,981	4,209,462		2,321,518
 C. UGC Grants: Plan			
Balance B/F	8,581,626	(658,898)	7,922,728
Add Receipts during the year	93,432,071	6,599,000	100,030,071
Total	102,013,697	6,939,102	107,952,798
Less utilized for Capital Expenditure	38,932,948	416,439	39,349,387
Balance	63,080,749	5,522,663	68,603,412
Less utilized for Revenue Expenditure	7,141,982	793,324	7,935,306
Balance C/F	55,938,767	4,729,339	60,668,106
 D. UGC Grants: Others			
Balance B/F	69,920,849	69,064,086	138,984,937
Add Receipts during the year	168,482,032	50,000,000	218,482,032
Total	238,402,881	119,064,086	357,466,969
Less utilized for Capital Expenditure	26,472,400	41,905,282	68,377,662
Balance	211,930,481	77,158,826	289,089,307
Less utilized for Revenue Expenditure	7,152,503	15,173	7,167,676
Balance C/F	204,777,978	77,143,653	281,921,631
 Grand Total Balance C/F	272,015,578	86,082,454	349,679,108

Sr.	HEAD OF ACCOUNT	UGC-EMF (2005-06) Other Grants					Revenue Expenditure	CLOSING BALANCE
		DR	CR	Receipts	Total Expenditure	Capital Expenditure		
1	X Plan Programme Of Adult & Continuing Education & Extn. Xth Plan	1,746,198		525,870	275,587	250,283	DR	GR 1,220,328
2	Infonet Programme Establishment Of Ernet	174,038		1,589,600	1,544,561	1,544,561		
3	Const. Of Sub-Station For A.T.W.S. C.I.T.F/O H&L G.House, Mgmt. Bld.		2,364,229	31,655	31,655			2,322,574
4	Construction Of Sub-Station At Jamia College Campus (Against Spl. Grant Of 44.28 Crore)		5,260,618	39,818	39,818			5,210,800
5	Construction Of Castro Canteen At J.M.I. (Against Spl. Grant Of 44.28 Crore)		3,934,383	63,457	63,457			3,870,926
6	Construction Of Dining Hall & Kitchen At S.S. Mahdi Hall Of Res. (Against Spl. Grant Of 44.28 Crore)		4,947,303	2,281,855	2,281,855			2,665,448
7	Dr. Zakir Husain Studies Centre		450,000					
8	Xth Plan Sarojini Naidu Centre For Woman Studies		260,000	848,586	243,714	604,872		450,000
9	Centre For Jawaharlal Nehru Studies(Against 1 Crore Grant)		9,809,549	-	708,583	573,066	135,517	11,414
10	Centre For Comparative Religions And Civilizations(Recurring)		500,000	428,446	165,060	263,386		71,554
11	Centre For New Gandhian Studies		820,000	474,348	128,003	346,335		6,100,966
12	Centre For Dait & Minorities Studies (Recurring)		500,000	472,335	266,475	266,160		345,662
13	Centre For West Asian Studies (Recurring)		500,000	359,662	269,403	90,259		27,365
14	Centre For Spanish Portuguese And Latin American Studies(Recurring)		500,000	389,952	46,606	343,346		140,338
15	Centre For Comparative Religions And Civilisations (Salaries & Allowance)		176,434	176,434	-	176,434		110,048
16	Centre For Jawaher Lal Nehru Centre		1,163,018	1,163,018	-	1,163,018		
17	Centre For West Asian Studies (Salaries & Allowances)		595,144	595,144	-	595,144		

Sr.	HEAD OF ACCOUNT	Opening Balance	Receipts	Total Expenditure	Capital Expenditure	Revenue Expenditure	CLOSING BALANCE
18	Centre For Dalit & Minorities Studies (Salaries & Allowances)	77,869	77,869	-	-	77,869	
19	Centre For Spanish Portuguese And Latin American Studies (Salaries & Allowances)	57,040	57,040	-	-	57,040	
20	Centre For Pakistan Studies At A.T.W.S.	300,000	145,818	145,818	-	-	154,182
21	Jawaharlal Nehru Studies Centre (Centre Against 44.28 Crore)	500,000	231,156	50,000	181,156	-	268,844
22	Special Additional Grant Occasion Of Platinum Jubilee	14,984,325	-	6,581,025	6,581,025	-	8,383,300
a.	New Girls Hostel	-	-	-	-	-	-
b.	New Boys Hostel	-	-	-	-	-	-
c.	Const. of 1st & IInd Floor of Academic Building Over Nelson Mandela House (Jubilee Grant)	-	-	-	-	-	-
23	Assistance For Strengthing Of The Infrastructure Of Humanities & Social Science	2,758,000	1,028,481	866,212	162,269	-	1,729,519
24	Const. Of Building For M.Sc. Electronics & Env. Engg.	40,000,000	"0	-	-	-	-
25	New School Building	40,000,000	40,641,536	12,649,538	12,649,538	-	40,000,000
26	Construction Of Five Centres & International Boys Hostel (Against Spcl. Grant Of 44.28 Crore)	-	-	-	-	-	27,991,998
27	Construction Of New Central Library Building (Against Spcl. Grant Of 44.28 Infrastructure Development Grant Under Namp. (Special Grant Rs. 44.28 Crore)	48,669,323	449,255	449,255	-	-	48,220,068
28	Building - M.Sc. Electronics & Env. Engg.	1,167,877	-	-	-	-	1,167,877
29	Special Assistance Programme (Drs.) Physics (2nd Phase)	3,521	3,521	-	-	3,521	-
30	Special Assistance Programme (Drs.) Of History & Culture	425,310	331,811	923,849	675,755	248,084	166,728
31	Special Assistance Programme (Drs.) English & Msl (3rd Phase)	111,382	421,456	608,880	296,768	312,112	76,042

Sr.	HEAD OF ACCOUNT	Opening Balance	Receipts	Total Expenditure	Capital Expenditure	Revenue Expenditure	CLOSING BALANCE
33	Special Assistance Programme (Drs.) Urdu (1st Phase)	395,835	109,165	441,724	161,552	280,172	63,276
34	Special Assistance Programme (Drs.) Psychology (3rd Phase)	1,070,000	-	322,733	271,778	50,955	747,267
35	Upgradation of Computer Centre		2,000,000				
36	X Plan Sarojini Naidu Women Studies Centre	21,356	-	-	-	-	21,356
	Total	1,363,271	71,284,120	168,482,032	33,624,903	26,472,400	7,152,503
							1,561,002
							206,338,980

Summary for Balance Sheet

<u>Unutilized Grants</u>		Total
UGC Others	Cr.	281,921,631
UGC Plan	Cr.	60,668,106
GoI Plan	Cr.	4,767,852
UGC Non-Plan	Cr.	2,321,519
		349,679,108
<u>Grants Receivable</u>		
UGC Non-Plan	Dr.	62,346,459
UGC Unsigned Grants	Dr.	1,675,064
		64,021,523

		OTHER FUNDS		
A		Amount	Total	
1	V.C. Relief Fund	Deposit	211,800	
2	Maktaba Jamia Fund	Deposit	5,000	216,800
B	Employees, Student related Funds			
1	Jamia Employees Relief Fund	Deposit	6,633	
2	Admin. Staff Reserve Fund	Deposit	25,770	
3	Admin. Staff Association	Deposit	28,394	
4	S.R.K. Association	Deposit	5,000	
5	University Teachers' Association	Deposit	106,595	
6	School Teachers Association	Deposit	8,346	
7	Old boys Association	Deposit	6,602	
8	Teaching Staff Club	Deposit	6,605	
9	University Students Union	Deposit	46,923	
10	Sr. Sec. School Student Association	Deposit	194,432	
11	Subject Association (For Student)	Deposit	2,800,807	
12	Co-Curricular Activities	Deposit	431,971	
13	Literary Club - Sr. Sec. School	Deposit	9,116	
14	Student Club	Deposit	13,162	
15	Heinz Club	Deposit	43,300	
16	Science Club (Middle School & Sr Sec School)	Deposit	282,824	
17	University Magazine Fund (Student)	Deposit	1,398,400	
18	Teachers College Magazine Fund	Deposit	160,575	
19	Faculty of Engg. Magazine Fund	Deposit	642,042	
20	Sr. Sec. School Magazine Fund	Deposit	320,492	
21	Middle School Magazine Fund	Deposit	68,093	
22	Masjid Deposit Fund	Deposit	721,665	
23	BMAC Children Aid Fund	Deposit	76,772	
24	Lab Course Development Fund Annual	Deposit	275,886	
25	Academic Staff College Development Fund	Deposit	563,159	
26	Department Development Fund	Deposit	1,865,420	
27	University Games Fund	Deposit	357,428	
28	Sr. Sec. School Games Fund	Deposit	248,304	
29	Middle School Games Fund	Deposit	262,561	
30	Cultural Activities	Deposit	1,056,067	
31	Jamia Foundation Day Celebration (Students)	Deposit	1,639,768	
32	Supervised Study - Sr. Sec. School	Deposit	98,038	
33	Supervised Study - Middle School	Deposit	66,206	
34	Improvement of Grave Yard (Staff Contribution)	Deposit	71,371	
35	Working Women's Hostel	Deposit	514,881	

36	Adult & Continuing Education	Deposit	57,446
37	Practical & Sessional Work (Fine Arts)	Deposit	799,079
38	Craft Charges (Social Work)	Deposit	4,600
39	Sessional Test (Sr. Sec. School)	Deposit	99,573
40	Field Work Fee (Social Work) Placement	Deposit	177,660
41	Home Examination Fee (Middle School)	Deposit	83,655
42	Workshop on Remote Sensing For Environment Mgmt.	Deposit	1,741
43	Department Functions (Students)	Deposit	285,232
44	Practical Training (F/Law) (Students)	Deposit	812,818
45	Seminar & Reading Material (LLM)	Deposit	47,900
46	Computer Training Centre at B.M.C.	Deposit	63,302
47	SCADA Lab at JMI - Mini Thoms	Deposit	39,175
48	Fee for NSS Programme (Students)	Deposit	33,886
49	Case Material Fees (F/Law)	Deposit	1,543,770
50	Counseling Fee Pref(F) Student (F/Engg.)	Deposit	401,432
51	Remedial course English (Madrasa) D/o English	Deposit	11,044
52	Institute of Mech. Engg. (Exam)	Deposit	21,900
53	Architecture for Masses (F/o Engg./Tech.)	Deposit	77,749
54	Field Work - BBS (D/o Commerce)	Deposit	25,500
55	Department Library Fee	Deposit	57,700
56	Lab. Development Fee	Deposit	58,000
57	Centre for Comparative Religion & Civilizations	Deposit	8,960
58	Short Education Tour (F/Engg./Tech.)	Deposit	848,075
59	Talim-Sair Tour Deposit (School)	Deposit	134,027
60	Home Task Diary (Student)	Deposit	300,430
61	Vehicle Account (Social Work)	Deposit	3,964
62	Consultancy Charges (F/Engg.)	Deposit	281,333
63	Central Sect. Library - Stipend to trainee (ZHL)	Deposit	3,525
64	Urdu Academy (Tameez-e-Mushaira)	Deposit	9,000
65	Computer Lab Facility(Law)	Deposit	815,136
66	Tourism & Travel Management Fee	Deposit	179,179
67	UGC Model Curriculum for UG Courses (Computer)	Deposit	6,523
68	Differential Fee Transstation Proficiency Programme	Deposit	66,400
69	Students' Aid Fund	Deposit	1,759,295
70	Activity Material & Magazine Fund	Deposit	46,286
71	Bachchon Ki Hukumat	Deposit	12,391
72	Staff Development Programme	Deposit	3,337,179
73	AIQ Trophy Cricket(M) Tournament	Deposit	602,984
74	Golden Jubilee - Jamia Nursery School	Deposit	20
75	One Day School - Sr. Sec. School	Deposit	11,275

76	University Concelling & Guidance Centre	Deposit	412,177	
77	Canteen Deposit	Deposit	3,105,300	31,070,311
C	Others			
1	Chancellor's Donation	Deposit	6,773,002	
2	Self Financing Courses *	Deposit	48,312,986	
3	Jamis Radio Fee	Dep. & MCRC	453,529	
4	Dr Z.H. Memorial Deposit	Deposit	25,000	
5	S F Provident Fund	Deposit	8,538,966	
6	New Pension Scheme	Deposit	2,926,942	
		H&K	3,709,563	
7	Surplus - Hostel & Kitchen	H&K	856,206	
8	Hostel Amenities			
9	MCD - Face Lifting of VIP Graveyard out of MPLADS Funds	Earmarked	16,932	
10	Renewal & Replacement Fund(MCRC)	MCRC	6,899	71,622,035
	Grand Total (A+B+C)			102,909,146
	Less Debit Balance			
	Tour Deposit		32301	
			102,876,845	

*Net of debit balances in /to the S F. Courses including central computer facility, Cont. of Bldg. Centre for D&OPL and the released Dev. Funds

SCHEDULE 4- FIXED ASSETSCapital Assets JMI Main & MCRC Combined 2005-2006

DESCRIPTION		GROSS BLOCK		DEPRECIATION		NET BLOCK			
		Cost/valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	As at the beginning of the year	Depreciation for the year at stipulated	Total up to the year-end	As at the previous year-end	As at the previous year-end
A. FIXED ASSETS:									
Land	14,732,031	49,889,187	493	14,731,538	--	--	--	0	14,731,538
Building	593,670,339	885,573	--	643,559,526	94,401,266	12,871,191	--	107,272,457	536,287,069
Tubewell	13,208,025	13,208,025	--	885,573	167,987	17,711	--	185,698	699,875
Electric Fittings (Electric Install. & Equ.)	127,464	127,464	--	13,208,025	5,261,367	660,400	--	5,921,767	7,286,259
Printing Press (Plant & Machinery)	374,233,276	45,664,343	--	419,897,619	310,776,959	14,788,477	--	345,565,436	74,332,183
Furniture & Equipment	217,055,692	31,924,704	--	246,980,596	96,601,908	18,673,545	--	115,275,453	133,705,144
Film/V Film (Audio Visual Equipments)	83,659,365	13,376,227	--	105,097	3,092,742	2,503,274	231,899	2,735,173	357,569
Computers	6,508,749	824,482	--	97,035,592	51,379,469	19,407,118	--	70,786,587	26,249,003
Car & Lorry (Vehicles)	87,958,040	14,120,840	2,247,366	99,831,514	63,366,512	9,983,152	1,621,671	6,290,815	1,042,416
Camp Equipment (Fur. & Equipment)	13,310	11,525	--	13,310	13,309	--	--	13,309	1
Gowns (others)	17,849	29,374	--	4,783	2,937	--	--	7,720	21,654
Telephone (Office Equipment)	63,457	63,457	--	0	0	--	--	0	0
Arms & Ammunition (Fur. & Equip.)				23,796	4,759	--	28,555	34,902	39,661
TOTAL A	1,395,121,015	155,916,405	2,247,859	1,548,780,561	650,836,460	76,723,637	1,621,671	725,938,426	822,851,137
TOTAL B	1,188,594,205	206,779,972	253,162	1,395,121,015	585,412,318	65,567,692	143,552	650,836,458	744,284,557
TOTAL C	11,710,518	49,368,434	0	61,078,972	0	0	0	0	61,078,972
TOTAL (A+B)	1,406,831,553	205,284,839	2,247,859	1,609,848,533	650,836,460	76,723,637	1,621,671	725,938,426	813,930,105
									758,994,095

(Note to be given as to cost of assets on *the purchase basis included above*)

Note: Land 0%, Buildings 2%, Furniture & Equipment 7.5%, Scientific. & Lab. Equip. 8%, Computers 20%, Books 10%, Others 10%, Electric Install. & Equ. 5%, Plant & Machinery 5%, Audio Visual Equipments 7.5%, Tubewell 2%, Vehicles 10%, Office Equipment 7.5%.

Capital Assets JMI Main 2005-2006

Progressive Position from 26.12.1998 onwards

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/valuation at the year- end	As at the beginning of the year	Depreciation for the year	Deductions/ ¹ Deletions/ ² Adj. during the year	Total up to the year-end/ ³	As at the current year end	As at the previous year-end
A. FIXED ASSETS:										
Land	1,4,732,031	--	493	14,731,538	0	0	0	0	14,731,538	14,732,031
Building	587,628,941	49,889,187	--	637,518,128	92,815,096	12,750,363	--	105,565,459	531,952,669	494,813,845
Tubewell	885,573	--	885,573	167,987	17,711	--	185,698	699,875	717,586	
Electric Fittings (Electric Install. & Equip.)	10,405,060	--	10,405,060	2,998,550	520,253	--	3,118,803	7,286,257	7,806,450	
Printing Press (Plant & Machinery)	127,464	--	127,464	127,464	0	--	127,463	1	1	
Lab & Workshop (Scientific. & Lab. Equip.)	139,191,611	30,5,199	--	139,496,810	95,921,315	11,159,745	--	107,081,060	32,415,750	43,270,206
Furniture & Equipment	662,301,513	30,692,750	--	692,904,263	85,469,615	14,467,826	--	99,937,465	42,966,798	76,851,868
Film/Vidya (Audio Visual Equipment)	750	--	--	750	749	0	--	749	1	1
Computers	83,659,765	13,376,227	--	97,035,592	51,379,773	10,407,118	--	30,786,587	26,249,005	32,279,896
Car & 1 way Vehicles	4,994,645	823,182	--	5,819,127	4,694,264	82,438	--	4,776,712	1,042,415	360,481
Banks	85,703,082	13,514,440	2,217,466	97,060,156	61,967,398	9,706,016	1,621,671	69,991,553	27,068,603	23,865,474
Canteen Equipment (Furniture & Equipment)	1,3,110	--	--	13,310	13,309	0	--	13,309	1	1
Gloves (forbers)	17,849	11,525	--	29,374	4,783	2,937	--	7,720	21,654	13,056
Telephone (Office Equipment)	0	--	--	0	0	0	--	0	0	0
Alms & Ammunition (Furniture & Equip.)	63,457	--	--	63,457	21,796	4,759	--	28,458	34,942	39,663
TOTAL OF CURRENT YEAR	1,089,814,651	108,513,810	2,247,859	1,106,091,602	395,125,634	68,119,170	1,621,671	461,621,133	734,469,469	694,694,017
PREVIOUS YEAR	924,054,621	166,013,792	253,162	1,089,814,651	314,351,075	61,916,211	14,352	495,121,644	604,694,017	589,401,466
E. CAPITAL WORK-IN-PROGRESS	11,240,538	40,368,434	--	61,078,942	--	--	--	--	61,078,942	11,240,538
TOTAL (A+B)	1,101,525,189	137,882,244	2,247,859	1,257,169,544	395,125,634	68,119,170	1,621,671	461,621,133	735,548,411	706,401,555

Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above.

¹xx: Land 0%, Buildings 2%, Furniture & Equipment 7.5%, Scientific. & Lab. Equip. 8%, Computers 20%, Banks 10%, Others 10%, Electric Instal. & Equip. 5%, Plan & Machinery 5%, Audio Visual Equipments 7.5%, Tubewell 2%, Vehicles 10%, Office Equipment 7.5%.

Capital Assets MCRC 2005-2006

Progressive Position 1991-1992 onwards

DESCRIPTION	GROSS BLOCK			DEPRECIATION			NET BLOCK			
	Cost valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/valuation at the year-end	As at the beginning of the year	Depreciation for the year / Deletions/ at stipulated rate (xx%)	Deductions Ad.- during the year	Total up to the year-end	As at the current year-end	As at the previous year-end
A. FIXED ASSETS:										
Land	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
Building	6,041,398	—	—	6,041,398	1,586,170	120,828	—	1,706,998	4,334,400	4,455,228
Tubewell	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
Electric Fittings (Electric Install. & Equ.)	2,802,965	—	—	2,802,965	2,662,817	140,147	—	2,802,964	—	140,148
Printing Press (Plant & Machinery)	—	—	—	0	—	—	—	—	—	—
Lab & workshop (Scien. & Lab. Equip.)	235,041,665	45,339,144	—	280,400,809	234,855,654	3,628,732	—	238,484,376	41,916,433	186,021
Furniture & Equipment	54,754,379	1,321,954	—	56,076,333	11,132,263	4,205,725	—	15,317,988	40,739,345	43,622,116
Film & film (Audio Visual Equipments)	2,986,893	105,097	—	3,091,992	2,502,525	231,899	—	2,714,424	357,568	484,370
Computers	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
Car & Lorry (Vehicles)	1,514,104	—	—	1,514,104	1,514,103	0	—	1,514,103	—	—
Books	2,164,958	606,400	—	2,771,358	1,459,304	277,136	—	1,736,440	1,034,918	705,654
Camp Equipment (Furn. & Equipment)	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
Gowns (others)	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
Telephone (Office Equipment)	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
Arms & Ammunition (Furniture & Equip)	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
TOTAL OF CURRENT YEAR	305,306,364	47,392,595	—	352,698,959	255,712,826	8,604,467	—	264,317,290	88,381,666	49,593,538
PREVIOUS YEAR	264,340,184	40,766,180	—	305,306,364	251,061,343	4,651,481	—	255,712,824	49,593,540	13,478,841
B. CAPITAL WORK-IN-PROGRESS	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
TOTAL (A+B)	305,306,364	47,392,595	—	352,698,959	255,712,826	8,604,467	—	264,317,290	88,381,666	49,593,538

Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above.

xx: Land 0%, Buildings 2%, Furniture & Equipment 7.5%, Scientific. & Lab. Equip. 8%, Computers 20%, Books 10%, Others 10%, Electric Install. & Equ. 5%, Plant & Machinery 5%, Audio Visual Equipments 7.5%, Tubewell 2%, Vehicles 10%, Office Equipment 7.5%.

Schedule 5: Investments from Earmarked/Endowment Funds

Particulars	Current Year	Previous Year
1. Debentures and Bonds	-	-
2. Others - Bank Fixed Deposits	77,127,500	14,765,646
Total	77,127,500	14,765,646

Earmarked/Endowment Funds (Fund wise)

Funds	Current Year	Previous Year
1 University Development Fund	55,000,000	-
2. SRC Publication Fund	5,300,000	-
3. Endowment Funds	16,827,500	-
Total	77,127,500	-

Schedule 6: Investments - Others

Particulars	Current Year	Previous Year
Shares in Maktaba Jamia Ltd. (at cost)		
Opening Balance	92,070	92,070
Add: Bonus Shares (Equity Shares of Rs 10 each)	143,910	-
Total	235,980	92,070

Schedule 7: Current Assets, Loan & Advances

A	Current Assets	Cash and Bank Balances:	Current Year	Previous Year
1.	Cash in hand (including stamps)			179,075
2.	Bank Balances			
a.	Scheduled Banks in Saving Bank Accounts	150,251,568		
b.	In Term Deposits (including margin money)	347,102,875	497,354,441	303,700,840
	Total (A)		497,727,085	303,879,915

B	Loans and Advances	a. Advances to Employees (Non-Interest Bearing)	Current Year	Previous Year
		-- Salary	625,742	
		-- Festival	43,000	
		-- TA	73,810	
		-- LTC	292,857	1,035,409
		-- Medical Advance		1,160,827
		-- Others		
		b. Long Term Advances to Employees (Interest Bearing)		
		-- Fans	5,728	
		-- Cycles	70,010	
		c. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind of value to be received	75,738	33,602,390
		-- Advances to Supplier	2,281,040	
		-- Advances on Capital acc	3,395,635	
		-- Others	22,465,763	
		d. Prepaid Expenses	28,142,438	26,360,423
		-- Insurance		
		-- Other Expenses		
		e. Deposits		
		-- Telephone		
		-- Lease Rent		
		-- Electricity		
		-- Others		
			41,812	45,794

f. Income Accrued but not due				
— On Investments From Earmarked / Endowment Funds	1,978,426	17,151,521		
— On Investments - Others	15,173,095			
— On Loans & Advances				7,242,537
— Others				
g. Other receivable				
— Debit balances in Sponsored Project	9,409,337			
— Debit balances in Sponsored Scholarship	2,400			
— Grants recoverable	64,021,523			
— Other receivables	351,501			
h. Claims receivable				
				88,834,807
Total (B)				
				120,231,679
Total (A+B)				157,246,778
Total (A+B)				617,958,764
				461,126,693

Balances in Saving Bank Accounts as on 31.03.2006

I	Indian Bank	Main	MCRC	Total
	i. Revenue Account	59,115,929	615	59,116,544
	ii. Plan Account	35,433,177	7,485,624	42,918,801
	iii. Earmarked Account	3,998,001	700,000	4,698,001
	iv Deposit Account	38,216,846	3,465,911	41,682,757
	v Hostel & Kitchen	1,167,329		1,167,329
	Total	137,931,352	11,652,150	149,583,502
II	UBI Jamia Nagar			
	i. Revenue Account	620,636	32,035	652,671
	ii. Plan Account	-	8,621	8,621
	iii. Deposit Account	-	6,772	6,772
	Total	620,636	47,428	668,064
	Grand Total I+II	138,551,988	11,699,578	150,251,566

SCHEDULE B : GRANTS IN AIDS/SUBSIDIES

Particulars	Govt. of India	UGC Plan	UGC Non-Plan	UGC Others	Total
Balance B/F	18,371,621	7,922,728	547,792	138,984,937	165,827,078
Add Receipts during the year					
Total	—	100,030,071	553,833,000	218,482,032	872,345,103
Less utilized for Capital Expenditure					
Balance	18,371,621	107,952,799	554,380,792	357,466,969	1,038,172,181
Less Balance Carried Forward	13,603,769	39,349,387	35,575,365	68,377,662	156,906,183 (a)
Utilized for Revenue Expenditure	4,767,852	88,603,412	518,805,427	289,089,307	881,265,998
	4,767,852	60,868,106	2,321,519	281,921,631	349,879,108 (b)
	—	7,935,306	516,483,808	7,187,676	531,586,880 (c)

(a) Appear as additions to Capital Fund as well as Additions to Fixed Assets during the year in the Fixed Assets Schedule in the Balance Sheet.

(b) (i) Appear under Current Liabilities in the Balance Sheet.

(ii) Represented by cash and Bank Balances, Advances to Suppliers and Advances on Capital Account on the Assets side.

(c) Appears as Income in the Income and Expenditure Account.

Note: Balance of Rs. 23,21519 carried forward under non-plan takes into account internal Receipts of Rs. 8,02,71,482
Rs. 7,54,91,884 (Main) Rs. 47,79,818(MCRC)

SCHEDULE 9 : ACADEMIC RECEIPTS**JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025**

Particulars	JMI	MCRC	Total
A. FEE FROM STUDENTS			
Academic			
1. Tuition Fee	9,765,825	255,000	10,020,825
2. Admission Fee	922,560	7,900	930,460
3. Enrolment Fee	278,910	—	278,910
4. Library Admission Fee	1,931,170	1,550	1,932,720
5. Laboratory Fee	2,452,830	—	2,452,830
6. Annual Fee : M School/S S. School	103,200	—	103,200
7. Annual Fee : Nursery School	20,400	—	20,400
8. Adult & Craft Fee - BMC	23,940	—	23,940
9. Nursery Fee - BMC	36,210	—	36,210
10. Primary Fee - BMC	4,200	—	4,200
11. Registration Fee	43,000	—	43,000
Total	15,582,245	264,450	15,846,695
Examinations			
1. Admission Test Fee	20,145,458	993,220	21,138,678
2. Annual Examination Fee	10,365,003	—	10,365,003
3. Mark Sheet, Certificate Fee	102,550	—	102,550
Total	30,613,011	993,220	31,606,231
Other Fees			
1. Identity Card Fee	646,240	—	646,240
2. Fine/Misc. Fee	199,150	2,206,854	2,406,004
3. Medical Fee	632,870	—	632,870
4. Garden Fee	527,860	4,250	532,110
5. Income from UGC	39,661	—	39,661
Total	2,236,781	2,211,104	4,447,885
B. SALE OF PUBLICATIONS			
1. Sale of Syllabus and Question Paper etc.	246,580	—	246,580
2. Sale of Prospectus including admission forms	7,377,200	312,080	7,689,280
Total	7,623,780	312,080	7,935,860
Grand Total	56,055,817	3,760,864	59,836,671

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110026

SCHEDULE 10 : INCOME FROM PUBLICATIONS

<u>Particulars</u>	<u>JMI</u>	<u>MCRC</u>	<u>Total</u>
Subscription : Jamia Monthly	21,290	—	21,290
Total	21,290	—	21,290

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025SCHEDULE 11 : INCOME FROM INVESTMENTS

<u>Particulars</u>	<u>Investment from Earmarked/Endowment Others</u>	<u>Investment - Others</u>
1. Interest	—	—
a) On Government Securities	—	—
b) Bonds/Debentures	—	—
2. Dividends	—	21,359
a) On Shares (Maktaba Jamia Ltd.)	—	—
3. Others	1,061,370 119,224	—
a) University Development Fund	1,180,594	21,359
b) Endowment Fund	1,180,594	—
Total	1,180,594	0
Transferred to Earmarked Fund/Endowment Fund		
Total		0

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025**SCHEDULE 12 : INTEREST EARNED**

Particulars	JMI	MCRC	Total
A. Fixed Deposits			
1. Plan Grant	1,100,114	151,707	1,251,821
2. Maintenance Grant	341,919	55,856	397,775
3. New School Building	2,287,481	--	2,287,481
4. Special Add. Grant on the Occasion of Platinum Jubilee	1,434,289	--	1,434,289
5. Nehru Centre	549,009	--	549,009
6. Construction of Hostels - Min. of Social Justice & Empowerment	3,403,784	--	3,403,784
7. Others -	--	4,321,291	4,321,291
(i) Term Deposit			
B. Savings Bank Account			
8. Bank Interest	289,975	--	289,975
Total	9,406,571	4,528,854	13,935,425

JAMA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025

SCHEDULE 13 : OTHER INCOME

<u>Particulars</u>	<u>JMI</u>	<u>MCRC</u>	<u>Total</u>
1. Income From Land & Building			
1. Hostel Room Rent	1,223,740	—	1,223,740
2. License Fee	2,203,317	—	2,203,317
3. Guest House Rent	1,312,257	—	1,312,257
4. Hire Charges of Auditorium/Play Ground/C.Centre etc.	1,842,150	—	1,842,150
5. Electricity & Water Charges	907,932	—	907,932
Total	7,485,356	—	7,485,356
2. Others			
1. Medical Contribution from Employees	1,720,549	88,435	1,808,984
2. Maintl. Charges from S.F. Courses	4,324,715	—	4,324,715
3. Overhead Charges from Projects	219,285	—	219,285
4. Income from IGNOU study centre	288,910	—	288,910
5. Sale of Application Form (Recruitment)	426,719	—	426,719
6. Misc. Receipt (Sale of Tender Form, Waste Paper etc.)	4328363	854,673	5,183,036
Total	11,286,541	943,108	12,229,649
Grand Total	18,775,937	843,108	19,719,045

SCHEDULE 14 : PRIOR PERIOD INCOME

Particulars	JMI	MCRC	Total
1. Interest on Plan Grant	3,129,888	3,167,230	6,297,118
Total	3,129,888	3,167,230	6,297,118

SCHEDULE 15 : ESTABLISHMENT EXPENSES

Particulars	JMI			MCRC			Grand Total
	Non-Plan	Plan	Total	Non-Plan	Plan	Total	
1. Salaries and Allowances	369,103,985	5,040,972	374,144,957	20,972,318	793,324	21,765,642	395,910,599
2. Honorarium	7,440,298	--	7,440,298	--	--	--	7,440,298
3. Bonus	3,161,022	--	3,161,022	189,464	--	189,464	3,350,486
4. Retirement Benefits	1,419,825,605	--	1,419,825,605	50,372,815	--	50,372,815	1,470,198,420
Total (A)	1,799,530,910	5,040,972	1,804,571,882	71,534,597	793,324	72,327,921	1,876,899,803
Add : Outstanding Expenses							
1. Salaries & Allowances	27,557,116	391,268	27,948,384	1,714,887	62,023	1,776,910	29,725,294
2. Other Establishment Expenses	1,296,540	--	1,296,540	--	--	--	1,296,540
3. CPF Contribution	157,699	--	157,699	--	--	--	157,699
Total (B)	29,011,355	391,268	29,402,623	1,714,887	62,023	1,776,910	31,179,533
Less : Transfer by debit to Provision a/c							
39,835,306	--	39,835,306	916,588	--	916,588	40,751,894	
Less : Prior Period Expenses							
1. Salaries & Allowances	26,034,570	203,484	26,238,054	1,608,650	53,380	1,662,030	27,900,084
2. Retirement Benefits							
(i) Pension	1,045,418,000	--	1,045,418,000	39,574,000	--	39,574,000	1,084,992,000
(ii) Gratuity	111,315,000	--	111,315,000	4,714,000	--	4,714,000	116,029,000
3. Other Establishment Expenses	1,344,528	72,979	1,417,507	--	--	--	1,417,507
Total (C)	1,223,847,404	276,463	1,224,223,867	46,813,238	53,380	46,866,618	1,271,090,465
Grand Total (A+B+C)	604,584,881	5,156,777	609,750,638	26,436,246	801,967	27,238,213	636,988,851

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110026

SCHEDULE 16A : ESTABLISHMENT EXPENSES (SALARIES & ALLOWANCES)

Particulars	JMI			MCRC		
	Non-Plan	Plan	Total	Non-Plan	Plan	Total
1. Salary & Allowances	326,532,176	6,040,972	333,573,150	20,306,926	793,324	21,100,250
2. OTA	455,478	—	455,478	79,787	—	79,787
3. Salaries Of Adhoc Staff	1,415,214	—	1,415,214	—	—	1,415,214
4. Arrear Of DA	3,738,402	—	3,738,402	218,107	—	218,107
5. Salary Arrear Due To Increment	5,245,826	—	5,245,826	—	—	5,245,826
6. Salary Hostel	2,466,226	—	2,466,226	—	—	2,466,226
7. Provision For Visiting Professor	12,400	—	12,400	—	—	12,400
8. Salary Z.H.I.S	678,618	—	678,618	—	—	678,618
9. Jamia Community And Programme	158,773	—	158,773	—	—	158,773
10. Dean Fac. Engg. Staff	6,869,971	—	6,869,971	—	—	6,869,971
11. Deptt. Of Special Assistance	1,429,300	—	1,429,300	—	—	1,429,300
12. L.T.C. Facilities	3,851,218	—	3,851,218	354,058	—	354,058
13. Medical Facilities	14,093,042	—	14,093,042	—	—	14,093,042
14. Reimbursement Of Tuition Fees	127,343	—	127,343	13,440	—	13,440
Total	369,103,985	6,040,972	374,144,957	20,972,318	793,324	21,765,642
						395,910,599

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025**SCHEDULE 15 B : RETIREMENT BENEFITS (GROSS)**

Particulars	JMI	Non-Plan	Plan	Total	Non-Plan	Plan	Total	Grand Total
(A) Paid During the Year : 2005-06				MCRC				
(i) Pension	34,726,984	--	34,726,984	916,588	--	916,588	35,643,572	
(ii) Gratuity	5,108,322	--	5,108,322	--	--	--	5,108,322	
(iii) PF Contribution	2,418,165	--	2,418,165	262,510	--	262,510	2,680,675	
(iv) Encashment of Leave	4,652,286	--	4,652,286	26,129	--	26,129	4,678,415	
(v) Leave Salary/Pension Contribution	480,542	--	480,542	--	--	--	480,542	
Total (A)	47,386,299	--	47,386,299	1,205,227	--	1,205,227	48,591,526	
(B) Provision for Retirement Benefits								
Pw. Req. on 31.03.05 as per actuarial valuation (Prior Period Item)								
(i) Pension	1,045,418,000	--	1,045,418,000	39,574,000	--	39,574,000	1,084,992,000	
(ii) Gratuity	1,113,15,000	--	1,113,15,000	4,714,000	--	4,714,000	116,029,000	
Total (B)	1,156,733,000	--	1,156,733,000	44,288,000	--	44,288,000	1,201,021,000	
Less Payment During 2005-06 (A)								
(i) Pension	34,726,984	--	34,726,984	916,588	--	916,588	35,643,572	
(ii) Gratuity	5,108,322	--	5,108,322	--	--	--	5,108,322	
Total	39,835,306	--	39,835,306	916,588	--	916,588	40,751,894	
(C) Balance Provision (B) Out of Provision on 31.3.05								
(i) Pension	1,010,691,016	--	1,010,691,016	38,657,412	--	38,657,412	1,049,348,428	
(ii) Gratuity	105,205,678	--	105,205,678	4,714,000	--	4,714,000	110,920,678	
Total C=(B-A)	1,116,897,694	--	1,116,897,694	43,371,412	--	43,371,412	1,160,269,106	
(D) Pro. Req. as on 31-03-06 as per actuarial valuation								
(i) Pension	1,202,955,000	--	1,202,955,000	42,380,000	--	42,380,000	1,245,335,000	
(ii) Gratuity	129,649,000	--	129,649,000	5,871,000	--	5,871,000	135,520,000	
Total (D)	1,332,604,000	--	1,332,604,000	48,251,000	--	48,251,000	1,380,855,000	
(E) Provision to be made in 2005-06								
(i) Pension	192,263,984	--	192,263,984	3,722,588	--	3,722,588	195,986,572	
(ii) Gratuity	23,442,322	--	23,442,322	1,157,000	--	1,157,000	24,599,322	
Total E=(D-C)	215,706,306	--	215,706,306	4,879,588	--	4,879,588	220,586,894	
Grand Total (A+B+E)	1,419,825,605	--	1,419,825,605	50,372,815	--	50,372,815	1,470,198,420	

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025

SCHEDULE 16 C : RETIREMENT BENEFITS (PENSION & GRATUITY)

Particulars	JMI	Non-Plan	Total	Non-Plan	Plan	Total	Grand Total
(A) Paid During the Year : 2005-06							
(i) Pension							
(ii) Gratuity							
Total	34,726,984	—	34,726,984	916,588	—	916,588	35,643,572
(B) Provision for Retirement Benefits							
Pro. Req. on 31.03.06 as per actuarial valuation (prior Period Item)							
(i) Pension	1,045,418,000	—	1,045,418,000	39,574,000	—	39,574,000	1,084,992,000
(ii) Gratuity	111,315,000	—	111,315,000	4,714,000	—	4,714,000	116,029,000
Total	1,156,733,000	—	1,156,733,000	44,288,000	—	44,288,000	1,201,021,000
Less Payment During 2005-06							
(i) Pension	34,726,984	—	34,726,984	916,588	—	916,588	35,643,572
(ii) Gratuity	5,108,322	—	5,108,322	—	—	—	5,108,322
Total	39,835,306	—	39,835,306	916,588	—	916,588	40,751,894
Balance Provision (B) Out of Provision on 31.3.05							
(i) Pension	1,010,691,016	—	1,010,691,016	38,657,412	—	38,657,412	1,049,348,428
(ii) Gratuity	106,206,678	—	106,206,678	4,714,000	—	4,714,000	110,920,678
Total	1,116,897,694	—	1,116,897,694	43,371,412	—	43,371,412	1,160,268,108
Pro. Req. as on 31-03-06 as per actuarial valuation (A)							
(i) Pension	1,202,955,000	—	1,202,955,000	42,380,000	—	42,380,000	1,245,335,000
(ii) Gratuity	129,649,000	—	129,649,000	5,871,000	—	5,871,000	135,520,000
Total	1,332,604,000	—	1,332,604,000	48,251,000	—	48,251,000	1,380,855,000
Provision to be made in 2005-06 (A-B)							
(i) Pension	192,263,984	—	192,263,984	3,722,588	—	3,722,588	195,986,572
(ii) Gratuity	23,442,322	—	23,442,322	1,157,000	—	1,157,000	24,599,322
Total	215,706,306	—	215,706,306	4,879,588	—	4,879,588	220,585,894
(C) Prior Period Retirement Benefits							
(i) Pension	1,045,418,000	—	1,045,418,000	39,574,000	—	39,574,000	1,084,992,000
(ii) Gratuity	111,315,000	—	111,315,000	4,714,000	—	4,714,000	116,029,000
Total	1,156,733,000	—	1,156,733,000	44,288,000	—	44,288,000	1,201,021,000

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110026SCHEDULE 16 : ACADEMIC EXPENSES

Particulars	JMI			NCRC			Grand Total
	Non-Plan	Plan	Total	Non-Plan	Plan	Total	
1. Laboratory Expenses	3,933,861	--	3,933,861	--	--	--	3,933,861
2. Field Work/Participation	493,316	--	493,316	--	--	--	493,316
3. Teaching Aids	--	--	--	--	--	--	--
4. Seminar Workshop	744,259	--	744,259	--	--	--	744,259
5. Payment to Visiting Faculty	1,954,849	--	1,954,849	--	--	--	1,954,849
6. Research Activities	--	--	--	--	--	--	--
7. Examination	8,302,269	--	8,302,269	--	--	--	8,302,269
8. Admission Test	8,274,210	--	8,274,210	403,240	--	403,240	8,677,450
9. Student Welfare Expenses	568,807	--	568,807	--	--	--	568,807
10. Admission Expenses	2,239,017	--	2,238,017	--	--	--	2,238,017
11. Convocation Expenses	384,516	--	384,516	--	--	--	384,516
12. Publications	46,693	--	46,693	--	--	--	46,693
13. Film Raw Stock Printing & Processing	--	--	--	589,689	--	589,689	589,689
14. Honorarium to Guest Lecturer	--	--	--	59,800	--	59,800	59,800
15. Stipend/means-cum-merit scholarship	--	--	--	13,000	--	13,000	13,000
16. Miscellaneous	2,954,855	--	2,954,855	--	--	--	2,954,855
Total	29,915,652	--	29,915,652	1,066,729	--	1,066,729	30,981,381
Add : Outstanding Academic Expenses	123,520	--	123,520	--	--	--	123,520
Total	30,039,172	--	30,039,172	1,066,729	--	1,066,729	31,104,901
Less : Prior Period Academic Expenses	222,753	--	222,753	--	--	--	222,753
Total	29,816,419	--	29,816,419	1,066,729	--	1,066,729	30,882,148

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025

SCHEDULE 17 : ADMINISTRATIVE EXPENSES

Particulars	JMI			MCRC		
	Non-Plan	Plan/Others	Total	Non-Plan	Plan/Others	Total
1. Rent, Rates & Taxes (including Prop. Tax)	20,169,914	—	20,169,914	—	—	—
2. Electricity Charges	26,601,414	—	28,601,414	4,369,006	—	4,369,006
3. Water Charges	467,073	—	467,073	—	—	—
4. Vehicle Running Expenses	1,999,864	—	1,999,864	195,812	—	195,812
5. Postage & Telegram	238,654	—	238,654	23,740	—	23,740
6. Telephone & Internet Charges	2,327,244	—	2,327,244	285,275	—	285,275
7. Advertisement & Publicity	2,027,430	—	2,027,430	268,408	—	268,408
8. Legal Expenses	1,013,332	—	1,013,332	—	—	—
9. Liveries & Diary Wages	1,364,170	—	1,364,170	—	—	—
10. Printing Stationary Charges	2,486,831	—	2,486,831	353,546	—	353,546
11. Travel Conveyance Charges	1,244,415	—	1,244,415	324,247	—	324,247
12. Hospitality	289,134	—	289,134	30,841	—	30,841
13. Misc. Expenses	4,150,048	7,152,503	11,302,551	—	15,173	15,173
Total	66,379,323	7,152,503	73,531,826	6,850,877	15,173	6,866,050
Add : Outstanding Administrative Expenses	28,708	—	28,708	—	—	—
Total	66,408,031	—	66,408,031	6,850,877	—	6,866,050
Less : Prior Period Administrative Expenses	640,961	—	640,961	—	—	—
Total	65,767,070	—	65,767,070	6,850,877	—	6,866,050

JANIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110026

SCHEDULE 18 : REPAIRS AND MAINTENANCE

Particulars	JMI			MCRC		
	Non-Plan	Plan	Total	Non-Plan	Plan	Total
1. Cleaning Material & Services	436,552	--	436,552	--	--	--
2. Maint. of Building (Inc. Elec & Water Supply)	24,959,405	--	24,959,405	1,236,336	--	1,236,336
3. Gardening	306,671	--	306,671	42,102	--	42,102
4. Maintenance of Computer	3,019,446	--	3,019,446	--	--	--
5. Furniture & Equipment	4,013,607	--	4,013,607	1,749,473	--	1,749,473
Total	32,735,681	--	32,735,681	3,027,911	--	3,027,911
Add : Outstanding Repairs & Maint. Expenses	218,446	--	218,446	42,443	--	42,443
Total	32,954,127	--	32,954,127	3,070,354	--	3,070,354
Less : Prior Period Repairs & Maint. Expenses	203,352	--	203,352	--	--	--
Grand Total	32,750,775	--	32,750,775	3,070,354	--	3,070,354
SCHEDULE 19 : MISCELLANEOUS EXPENSES						
Particulars	JMI			MCRC		
	Non-Plan	Plan	Total	Non-Plan	Plan	Total
1. Misc. Expenses	--	2,101,010	2,101,010	132,020	--	132,020
2. Magazine & Journals	--	--	--	25,339	--	25,339
3. Bank Charges	--	--	--	9,348	--	9,348
4. Contingencies	8,142,483	--	8,142,483	--	--	--
Total	8,142,483	2,101,010	10,243,493	166,707	--	166,707
Add : Outstanding Miscellaneous Expenses	127,220	--	127,220	5,313	--	5,313
Total	8,269,703	2,101,010	10,370,713	172,020	--	172,020
Less : Prior Period Miscellaneous Expenses	63,684	--	63,684	--	--	--
Grand Total	8,206,019	2,101,010	10,307,029	172,020	--	172,020
						10,478,049

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025

SCHEDULE 20 : PRIOR PERIOD EXPENDITURE

Particulars	JMI		MCRC		Total	Grand Total
	Non-Plan	Plan	Total	Non-Plan	Plan	
1. Establishment Expenses						
A. Salaries & Allowances	26,034,570	203,484	26,238,054	1,608,650	53,380	1,862,030
B. Retirement Benefits						
(i) Pension	1,045,418,000	—	1,045,418,000	39,574,000	—	39,574,000
(ii) Gratuity	111,315,000	—	111,315,000	4,714,000	—	4,714,000
Other Establishment Expenses	1,344,528	72,979	1,417,507	—	—	—
Total	1,184,112,098	276,463	1,184,388,561	46,896,650	53,380	45,950,030
2. Academic Expenses						
	222,753	—	222,753	—	—	222,753
3. Administrative Expenses						
	640,961	—	640,961	—	—	640,961
4. Repairs & Maintenance						
	203,352	—	203,352	—	—	203,352
5. Miscellaneous Expenses						
	17,880	45,804	63,684	—	—	63,684
Total	1,084,948	46,804	1,130,750	—	—	1,130,750
Grand Total	1,186,197,044	322,267	1,186,519,311	45,896,650	53,380	45,950,030
						1,231,469,341

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-26**SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2006****SCHEDULE: 21: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES****1. BASIS FOR PREPARATION OF ACCOUNTS.**

The Accounts are prepared under the Historical Cost Convention unless otherwise stated and generally on the Accrual method of accounting.

2. REVENUErecognition

- 2.1 Fees from Students, Sale of Admission Forms, and Interest on Saving Bank a/c are accounted on cash basis.
- 2.2 Income from Land, Buildings and Other Property and Interest on Investments are accounted on accrual basis.
- 2.3 Interest on interest bearing advances to staff for House Building Advances is accounted on accrual basis every year, though the actual recovery of interest starts after the full repayments of the Principal.

3. FIXED ASSETS AND DEPRECIATION.

- 3.1 Fixed assets are stated at cost of acquisition including inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition, installation and commissioning.
- 3.2 Fixed assets are valued at cost less accumulated depreciation. Depreciation on fixed assets is provided on Straight line method, at the following rates:

1.	Land	0%
2.	Buildings	2%
3.	Tube wells & water supply	2%

4.	Electrical Installation and equipment	5%
5.	Plant & Machinery	5%
6.	Scientific & Laboratory Equipment	8%
7.	Office Equipment	7.5%
8.	Audio Visual Equipment	7.5%
9.	Computer & Peripherals	20%
10.	Furniture, Fixtures & Fittings	7.5%
11.	Vehicles	10%
12.	Lib. Books & Scientific Journals	10%
13.	Others	10%

3.3 Full depreciation is provided on additions during the year.

3.4 Where an asset is fully depreciated, it will be carried at a residual value of Re 1 in the Balance Sheet and will not be further depreciated.

3.5 Assets created out of Earmarked Funds and Sponsored Projects, where the ownership of such assets vests in the university, are setup by credit to Capital fund and merged with the Fixed Assets of the university. Depreciation is charged at the rates applicable to the respective assets.

3.6 Assets gifted to the university are set up by credit to Capital Fund and merged with the Fixed Assets of the university. Depreciation is charged at the rates applicable to the respective assets.

3.7 Books received as gifts are valued at selling prices printed on the books. Where they are not printed, the value is based on an assessment.

4. RETIREMENT BENEFITS

Retirement benefits i.e. pension and gratuity are provided on the basis of actuarial valuation at the end of each year. Capitalized Value of pension and Gratuity received from previous employers of the university employees, who have been absorbed in the university, is credited to the respective Provision Accounts. Pensionary contribution received from present employers of the employees of the university on deputation / Foreign Service, is also credited to the provision for pension.

5. INVESTMENTS

All investments are valued at cost.

6. The following long-term funds are earmarked for specific purposes. Those with large balances have investments in Debentures and Bonds and Term Deposits with Banks. The incomes from investments / recoveries of advances (House Building) on accrued basis are credited to the respective Funds. The expenditure and advances (in the case of House Building Revolving Fund) are debited to the Fund. The balance is carried forward and is represented on the assets side by the balance at Bank (merged in Earmarked/Deposit savings Account), Investments and accrued interest (Current Assets).
- 6.1 University Development Fund:**
This fund is built up from annual fees towards the fund collected from students of the university, and any other substantial capital receipts. It is utilized towards improving the infrastructure, acquisition of assets etc.
- 6.2 House Building Advance Fund**
A revolving fund for the purpose of paying interest bearing advances to officers & staff for House Building.
- 6.3 Conveyance Fund**
A revolving fund for the purpose of paying interest bearing advances to officers & staff for the purchase of motor cars, two wheelers and computers.
- 6.4 UGC-JRF Fund**
Fund provided by UGC for the purpose of paying Fellowships to junior Research Fellows
- 6.5 S.R.C. Publication Fund**
A revolving fund created out of sale proceeds of publications of State Resource Centre (SRC), to meet the expenditure in producing the publications. The expenditure on the construction of SRC Building is also met out of this fund.

6.6 Endowment Funds

Endowment are funds received from various individual donors, Trusts and other organizations, for establishing Chairs and for award medals, prizes & scholarships as specified by the Donors. While each of the Endowment funds has its own investment, the uninvested balances have been kept in a common Bank Account as the amounts involved are not significant.

The income from investment of each Endowment Fund on accrual basis is added to the Fund. The expenditure on the Chairs, Medals, Prizes and Scholarships is debited to the respective Endowment Funds and the balance is carried forward. The balance is represented by Investment in Fixed Deposits, accrued interest (Current Assets) and total balance in a common Saving Bank Account for all Deposits.

7. GOVERNMENT AND UGC GRANTS

- 7.1 Government Grants and UGC grants are accounted on realization basis.
 - 7.2 To the extent utilized towards capital expenditure, government grants and grants from UGC are transferred to the Capital Fund.
 - 7.3 Government and UGC grants for meeting Revenue Expenditure are treated to the extent utilized, as income of the year in which they are realized.
 - 7.4 Unutilized grants (including advances paid out of such grants) are carried forward and exhibited as a Liability in the Balance Sheet.
- 8. INVESTMENT OF EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS AND INTEREST INCOME ACCRUED ON SUCH INVESTMENTS.**
- To the extent not immediately required for expenditure, the amounts available against such funds are invested in approved Securities & Bonds or deposited for fixed term with Banks, leaving the balance in Saving Bank Accounts.

Interest received, interest accrued and due and interest accrued but not due on such investments are added to the respective funds and not treated as Income of the University.

9. SPONSORED PROJECTS

9.1 In respect of ongoing Sponsored Projects, the amounts received from sponsors are credited to the head "Current Liabilities and Provisions – Current Liabilities – Other Liabilities – Receipts against ongoing sponsored projects." As and when expenditure is incurred / advances are paid against such projects, or the concerned project account is debited with allocated overhead charges, the liability account is debited. Overhead charges recovered from projects are treated as income of the university.

9.2 The debit balances in individual sponsored projects are exhibited under Current Assets - Loans & Advances as recoverable from sponsors.

10. Fellowships & Scholarships

10.1 In addition to the Earmarked Fund for Junior Research Fellowships funded by the University Grants Commission, Fellowships and Scholarships are also sponsored by various organizations. These are accounted in the same way as Sponsored Projects except that the expenditure generally is only on disbursement of Fellowships and Scholarships, which may include allowances for contingent expenditure by the Fellows and Scholars.

10.2 The university itself also awards Fellowships and Scholarships, which are accounted as Academic expenses of the university

11. INCOME TAX

The income of the University is exempt from Income Tax under Section 10(23c) of the Income Tax Act. No provision for tax is therefore made in the accounts.

12. MASS COMMUNICATION RESEARCH CENTRE

Accounts of Mass Communication Research Centre, which is an integral part of the university, have been merged in the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts and Payments Account. However, the schedules forming part of the Balance Sheet and of the Income & Expenditure Account disclose distinctly the transactions of the centre.

71-69 65/2007

Sd.
(S.M. Afzal)
Registrar

Sd.
(N.U. Siddiqui)
Finance Officer

Sd.
(Zafarullah Khan)
Account Officer

Sd.
(Aayatullah)
Accountant

SCHEDULE: 22: CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS

1. CONTINGENT LIABILITIES

- 1.1 As on 31.03.2006 suits filed against Jamia, by former / present employees of Jamia pending for decisions by various courts. They were establishment related viz promotion, increments, pay scales, termination etc. The quantum of the claims is not ascertainable.
- 1.2 Letters of credit opened by the Bank on behalf of the university and outstanding on 31.03.2006 Rs. 49, 01,255.

2. CAPITAL COMMITMENTS

The Value of contracts remaining to be executed on capital Account and not provided for (Net of Advances) amounted to Rs 10,09,64,225 as on 31.03.2006

3. DEPRECIATION

Depreciation on Fixed Assets was not being provided in the past. With the change from cash accounting to Accrual Accounting System, Depreciation has been provided for the first time, for all the previous years up to 31st March 2005 in the accounts for the year 2005-06 by debit to Capital Fund. For the purpose of determining the quantum of depreciation for all the previous years, depreciation has been calculated systematically for each of the years from 26.12.1988 in respect of the assets of the main University Account and from 01.04.1991 in respect of the assets of the Media Communication Research Centre at the rates stipulated in the Accounting Policy and at ad hoc rates to cover all the years before 26.12.1988 and 31.03.1991 respectively. The ad hoc rates adopted were:

1. Land	0%
2. Site Development	0%
3. Buildings	10%
4. Tube wells & Water Supply	10%
5. Electrical Installation and equipment	25%
6. Plant & Machinery	25%
7. Scientific & Laboratory Equipment	40%

8.	Office Equipment	37.5%
9.	Audio Visual Equipment	37.5%
10.	Computers & Peripherals	50%
11.	Furniture, Fixtures & Fittings	37.5%
12.	Vehicles	50%
13.	Lib. Books & Scientific Journals	50%
14.	Others	50%

Depreciation for the year 2005-06 has been provided and debited to the Income & Expenditure Account.

5. **Sale of Land:** The gain on sale of a piece of land in 2004-05, amounting to Rs. 2,05,75,704, which was kept in the Deposit account has been credited to the University Development Fund in 2005-06.
 6. **SALARIES:** As this is the first year of change over to accrual system of accounting, expenditure of 13 months' salaries has been accounted for in 2005-06. Salaries for March 2005 paid in April 2005 have been classified as Prior Period expenses, and provision for salaries for March 2006 has been made in the accounts for 2005-06 as Outstanding Liability.
 7. **Retirement Benefits – Leave Encashment:** In the absence of actuarial valuation, expenditure during the year on Leave Encashment has been accounted on cash basis.
 8. **CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES**
- In the opinion of the Management, the Current assets, Loans and advances have a value on realization in the ordinary course, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.
9. The details of balances in Savings Bank Account are enclosed as attachment 'A'.
 10. Previous years figures have been regrouped wherever necessary.
 11. Figures in the Final accounts have been rounded off to the nearest rupee.

12. Schedules 1 to are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at 31st March 2006 and the Income & Expenditure account for the year ended on that date.
13. As the Provident Fund Accounts are owned by the members of those funds and not by the university, these accounts were separated from the University Account, in 2005-06. However, a Receipts & Payments Account, an Income & Expenditure Account (on Accrual basis) and a Balance Sheet of the Provident Fund Accounts, have been attached, to the university's Accounts.
14. As the Self Financing Course Provident Fund and New Pension Scheme were in the part merged in the Deposit Account and Bank Account of Deposits, they have been included in the current year under current liabilities – other funds. The Self Financing Course Provident Fund will be merged with the Provident Fund in 2006-07. The New Pension Scheme will be separated in 2006-07, with a separate Bank Account in 2006-07.

Sd.
(Aayatullah)
Accountant

Sd.
(Zafarullah Khan)
Account Officer

Sd.
(N.U. Siddiqui)
Finance Officer

Sd.
(S.M. Afzal)
Registrar

**JAMIA MILLIA ISLAMIA
PROVIDENT FUND ACCOUNT**

BALANCE SHEET AS ON 31-03-2006

LIABILITY		ASSETS	
PARTICULARS	AMOUNT	PARTICULARS	AMOUNT
CPF SUBSCRIPTION OPENING BALANCE	283,103,626	INVESTMENTS	374,635,000
ADDITION (DURING 2005-06)	79,204,444	INTEREST ACCRUED(BUT NOT DUE)	11,726,220
10% INTEREST RS.	22,617,455		
THDRAWAL,ADVANCES & FINAL PAYMENTS CPF SUBSCRIPTION OPENING BALANCE	79,485,354	RECOVERABLE FROM SALARIES FOR MARCH-06) (1)GPF SUBSCRIPTION (2)CPF SUBSCRIPTION (3)CPF CONTRIBUTION	305,440,170
ADDITION (DURING 2005-06)	23,002,700		6,742,211
10% INTEREST RS.	7,478,510		611,998
THDRAWAL,ADVANCES & FINAL PAYMENTS CPF CONTRIBUTION OPENING BALANCE	1,864,933		157,699
ADDITION (DURING 2005-06)	4,655,196		7,511,908
10% INTEREST RS.	27,691,347		
THDRAWAL,ADVANCES & FINAL PAYMENTS CPF CONTRIBUTION OPENING BALANCE	13,136,540	BALANCE AT INDIAN BANK	595,307
ADDITION (DURING 2005-06)	2,084,958		
10% INTEREST RS.	947,102		
THDRAWAL,ADVANCES & FINAL PAYMENTS RECOVERED FROM SALARIES FOR MARCH-06) GPF SUBSCRIPTION CPF SUBSCRIPTION CPF CONTRIBUTION DRAWAL FROM PLAN A/C INTEREST RESERVE- OPENING BAL. AD EXCESS OF INCOME OVER EXP	865,912		
ADDITION (DURING 2005-06)	15,302,638		
10% INTEREST RS.	6,742,211		
THDRAWAL,ADVANCES & FINAL PAYMENTS RECOVERED FROM SALARIES FOR MARCH-06) GPF SUBSCRIPTION CPF SUBSCRIPTION CPF CONTRIBUTION DRAWAL FROM PLAN A/C INTEREST RESERVE- OPENING BAL. AD EXCESS OF INCOME OVER EXP	611,998		
ADDITION (DURING 2005-06)	157,699		
10% INTEREST RS.	500,000		
THDRAWAL,ADVANCES & FINAL PAYMENTS RECOVERED FROM SALARIES FOR MARCH-06) GPF SUBSCRIPTION CPF SUBSCRIPTION CPF CONTRIBUTION DRAWAL FROM PLAN A/C INTEREST RESERVE- OPENING BAL. AD EXCESS OF INCOME OVER EXP	21,367,341		
ADDITION (DURING 2005-06)	16,853,381		
10% INTEREST RS.	38,020,722		
TOTAL (RS)	394,467,435	TOTAL (RS)	394,467,435

Sd.

Sd.
(Zafarullah Khan)
Accounts Officer

Sd.
(N.U. Siddiqui)
Finance Officer

Sd.
(S.M. Altai)
Requester

**JAMIA MILLIA ISLAMIA
PROVIDENT FUND ACCOUNT
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT**

(FOR THE YEAR ENDING MARCH 31, 2006)

EXPENDITURE		INCOME	
PARTICULARS	AMOUNT	PARTICULARS	AMOUNT
TO INTEREST ALLOWED TO PF SUBSCRIBERS		BY INTEREST ON INVESTMENTS (RECD)	30,357.651
1) GPF SUBSCRIBERS	22,617.455	BY INTEREST ACCRUED (BUT NOT DUE)	
2) CPF SUBSCRIBERS	1,864.933	1) PRIOR PERIOD INCOME — INTEREST ON RBI CUM	6,375.202
3) CPF CONTRIBUTION	947,102	2) INTEREST INCOME — INTEREST ON RBI CUM	5,350,018
TO EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE	16,653.381	BONDS FOR 2005-2006	
TOTAL (RS)	42,082.871	TOTAL (RS)	42,082.871

RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT
(FOR THE YEAR ENDING MARCH 31, 2006)

RECEIPTS		PAYMENTS	
PARTICULARS	AMOUNT	PARTICULARS	AMOUNT
TO OPENING BALANCE AT INDIAN BANK	8,10,206	LAON/WITHDRAWAL/FINAL GPF SUBSCRIPTION	79,485.354
INVESTMENT ENCASHED	78,000.000	CPF SUBSCRIPTION CPF CONTRIBUTION LESS ADJUSTMENTS	4,655.196
INTEREST RECEIVED	30,357.651	INVESTMENT MADE	874,278
LOAN FROM UNIV. PLAN A/C	500,000	BY CLOSING BALANCE AT INDIAN BANK	8,364
ADDITION DURING THE YEAR			
GPF SUBSCRIPTION	79,204,444		
CPF SUBSCRIPTION	7,479,510		
CPF CONTRIBUTION	2,093,322		
LESS: ADJUSTMENTS	8,364		
TOTAL (RS)	198,436,769	TOTAL (RS)	198,436,769

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI-110025
RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2006

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
Opening Balances			
Cash in hand	179075	Expenditure/Payment (Including Refund)	1,022,949,040
Balance at Bank	53,389,490	Securities & Deposits (Release of)	10,281,054
Grants-in-Aid	53,568,565	Remittances & Advances	297,343,741
Receipt Other than Grant	949,363,250	Investments	705,512,197
Securities & Deposits	321,915,648		
Remittances & Advances	19,054,951	Closing Balances	
Investments (Realisation of)	295,582,332	Cash in hand	360,230
	547,213,082	Balance at Bank	150,251,566
			150,611,796
Total	2,186,697,828	Total	2,186,697,828

Audit Certificate

I have audited the attached Balance Sheet of Jamia Millia Islamia as on 31 March 2006 and the Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account for the year ended on 31 March 2006. Preparation of these financial statements is the responsibility of the management of Jamia Millia Islamia. My responsibility is to express an opinion on these financial statements based on my audit.

I have conducted my audit in accordance with applicable rules and the auditing standards generally accepted in India. These standards require that I plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosure in the financial statements. I believe that my audit provides a reasonable basis for my opinion.

Based on the audit, I report that:

- I have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit:
2. Subject to the observations in the Audit Report annexed herewith, I report that the Balance Sheet, the Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are properly drawn up and are in agreement with the books of accounts.
 3. In my opinion and to the best of my information and according to the explanations given to me,
- The said Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account read together with the Accounting Policies and Notes thereon, and subject to the matters mentioned in the Audit Report annexed herewith, give a true and fair view:
1. In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the Jamia Millia Islamia as on 31 March 2006; and
 2. In so far as it relates to the Income and Expenditure Account of the deficit for the year ended 31 March 2006.



Director General of Audit
Central Revenues

Place: New Delhi
Date: 5-7-2007

**Audit Report on the accounts of Jamia Millia Islamia
for the year 2005-06**

Introductory

Jamia Millia Islamia (JMI) was established in 1920 and registered in 1939 under the Societies Registration Act, 1860 and given the status of a Central University with effect from 26 December 1988 under the Jamia Millia Islamia Act, 1988.

The objectives of JMI are to disseminate advanced knowledge and provide instructional research and extension facilities in various branches of learning. JMI is financed mainly from the grants received from the University Grants Commission (UGC) and Union Government. During the year 2005-06, JMI received grants of Rs. 94.93 crore (Non-Plan Rs. 54.78 crore, Plan Rs. 9.34 crore, Earmarked Accounts Rs. 22.51 crore and Mass Communication Research Centre (MCRC) Rs. 8.30 crore). JMI also generated receipts of Rs. 8.03 crore during the year.

The accounts of JMI are audited under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 28 (1) of JMI Act, 1988.

Comments on accounts

2. Balance Sheet
- 2.1 Assets
- 2.1.1 Fixed Assets (schedule-4) Rs.82.29 crore

(i) The assets account of Mass Communication Research Centre (MCRC) depicts the books value of acquisition of assets as Rs. 8.84 crore as on 31.3.2006 and does not exclude obsolete, unserviceable, irreparable and condemned assets valuing Rs. 1.36 crore. This has resulted in overstatement of assets by Rs. 1.36 crore thereby not giving the correct picture. This was also pointed out in the previous year's Audit Report but no action has been taken by JMI.
(ii) The assets of MCRC were overstated by Rs. 3.93 lakh due to non-deduction of assets (vehicles) disposed of during the year 2005-06.

2.1.2 Understatement of current assets Rs. 1.72 lakh

Scrutiny of records of MCRC revealed that claim of Rs. 1.72 lakh receivable from IGNOU was not shown on the assets side of the Balance Sheet under the sub-head "claim receivable" which resulted in understatement of assets by Rs. 1.72 lakh.

2.1.3 Library Books

The accession register of library books did not contain progressive totals of the value of books acquired by JMI up to 31 March 2006. Consequently, the correctness of the value of books as shown in the Balance Sheet could not be verified in audit.

3. General**3.1 Non-verification of Assets**

As per General Financial Rules 192(1), physical verification of Fixed Assets shall be made at least once in every year. The various departments of JMI had never conducted physical verification of the assets, acquired and held by them. In the absence of physical verification of assets, the correctness of the value of assets depicted in the annual accounts could not be verified. This was also pointed out in the previous year's Audit Report but no action has been taken by JMI.

4. Effect of audit comments on Balance Sheet, Income and Expenditure account and Receipts and Payments account.

The net impact of audit comments given in the preceding paras is that as on 31.3.2006, the assets were overstated by Rs. 1.38 crore.

5. Deficiencies, which are not included in the audit report, have been brought to the notice of the Finance Officer, Jamia Millia Islamia through a management letter issued separately for corrective action.

Place: New Delhi
Date: 5-1-2007


Director General of Audit
Central Revenues

Action Taken Report
 (COMMENTS ON AUDIT OBSERVATION)
 FINANCIAL YEAR 2005-2006

PARA NO.	BRIEF CONTENT OF OBSERVATION	ACTION TAKEN
1.	Introductory	Facts confirmed, no comments
	Comments on Accounts	
2.	Balance Sheet	
2.1	Assets	
2.1.1	Fixed Assets (Schedule-4) Rs. 82.29 Crore. (i) Writing off of obsolete items of Rs. 1.36 crore.	(i) The write off process of equipment amounting to Rs. 1.36 crore is yet to be completed due to the administrative procedure involved. (ii) Noted for compliance.
2.1.2	Understatement of Current Assets Rs. 1.72 Lakhs	Noted for Compliance.
2.1.3	Library Books	The accession Register of Library Books is being updated and compliance will be shown to the next Audit Party.
3.	General	
3.1	Non-Verification of Assets.	The physical verification of assets of the whole University has been carried out and Verification Report has been prepared.
4.	Effect of Audit comments on Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account.	The audit observations have been noted for compliance.
5.	Deficiencies, which are not included in the audit report, have been brought to the notice of the Finance Officer, Jamia Millia Islamia through a management letter issued separately for corrective action.	Noted for compliance.

-sd-
 (N.U. Siddiqui)
 Finance Officer

प्रधानमंत्री, भारत सरकार मुद्रणालय, 'फरीदाबाद ड्यूटी क्रिकेट
 प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2007
 PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARGANA AND
 PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2007